



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

वार्षिक प्रतिवेदन

2014-15



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर

वार्षिक प्रतिवेदन

2014-15



● विषय-सूची

निदेशक की कलम से

शैक्षणिक

आधारभूत ढांचा और सुविधाएं

संकाय गतिविधियाँ

छात्र गतिविधियाँ

कर्मचारी गतिविधियाँ

बाह्य मामले

भाप्रौसं गाँधीनगर के लिए सहयोग

संगठन

दृष्टि, ध्येय और मूल्य

विषय-सूचि

पृष्ठ 8 | निदेशक की कलम से

पृष्ठ 12 | शैक्षणिक

प्रदत्त कार्यक्रम (2014-15)

- अवर-स्नातक/ स्नातकोत्तर
- डॉक्टरल

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में विकास

- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर पाठ्यक्रम के वैश्वीकरण ने जीता शैक्षिक नवीनता पुरस्कार 2014
- मानव संसाधन विकास मंत्री का दौरा
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के निदेशक की पुनःनियुक्ति
- शासकीय मण्डल द्वारा दो नए केंद्रों की मंजूरी
- सहकर्मियों द्वारा भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर की समीक्षा
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर निर्माण मजदूर लाभकारी कार्यक्रम को राष्ट्रीय हुडको पुरस्कार
- अंतर्राष्ट्रीयकरण: सहयोगात्मक पाठ्यक्रम
- पाठ्यक्रम साझेदारी

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में गतिविधियाँ

- तृतीय दीक्षांत समारोह
- शैक्षणिक परामर्शदायी समिति की बैठक
- निर्वाचिका सभा
- सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
- एक बिलियन के लिए डिजाइन संगोष्ठी
- फाउन्डेशन कार्यक्रम 2014
- भारत की खोज: एक अन्तरसंस्थागत वार्ता
- आइएससीटीई में भारत, लिसबन
- सिविल अभियांत्रिकी एवं सामग्री विज्ञान तथा अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम के निर्धारण के लिए बैठकें
- ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अंतःशिक्षिता 2014
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर टेडएक्स
- सत्र 2015
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में हिन्दी दिवस
- स्वच्छ भारत अभियान
- राष्ट्रीय एकता दिवस
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में कैसर जागरुकता सप्ताह
- सुशासन दिवस
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में निबंध प्रतियोगिता
- उर्दू कविता

- पियानो संगीत गोष्ठी
- विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति
- योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति
- गीता और पृथ्विश गोस्वामी छात्रवृत्ति
- एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति
- नितीन पी संत छात्रवृत्ति
- उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर उद्भवन केंद्र (आइआइसी)

सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/संगोष्ठियां

लघु पाठ्यक्रम

आमंत्रित व्याख्यान

चालू शैक्षिक कार्यक्रम

विशिष्ट माननीय आगंतुक

विशिष्ट माननीय प्राध्यापक

अतिथि प्राध्यापक

पृष्ठ 48 | आधारभूत ढांचा और सुविधाएं

स्थायी परिसर विकास

वास्तुशिल्पकारों का चयन

कम्प्यूटर केंद्र

अनुसंधान सुविधाएं

- आणविक एवं कोषिका जैविकी सुविधा (एमसीबीएफ)
- कम्प्यूटेशनल नेनोइलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला
- रगड हिलाना वेल्डिंग (एफएसडब्लू)
- श्रवण सुरक्षा परीक्षण मापांक
- उच्च निष्पादन का आकलन करने वाली प्रयोगशाला
- ईंधन कोषिका तंत्र अनुसंधान प्रयोगशाला
- अक्षय ऊर्जा प्रयोगशाला
- अपशिष्ट जल उपचार प्रयोगशाला
- पुरातत्व विज्ञान केंद्र (एएससी)
- भारतीय प्रादेशिक नौचालन सेटेलाइट तंत्र प्राप्तकर्ता
- आभासी यथार्थ मोशन कैप्चर यंत्र
- सिसआइडिया प्रयोगशाला
- कलिल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

प्रयोगशाला सुविधाएं

रसायन अभियांत्रिकी

रसायन विज्ञान

सिविल अभियांत्रिकी

विद्युत अभियांत्रिकी
पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
यांत्रिक अभियांत्रिकी
भौतिक विज्ञान
पुस्तकालय
चिकित्सा केंद्र
भौतिक चिकित्सा केंद्र
डे केयर केंद्र

पृष्ठ 66 | संकाय गतिविधियाँ

प्रायोजित परियोजनाएं

- 2014–15 में स्वीकृत परियोजनाएं
- चालू प्रायोजित परियोजनाएं

परामर्शदायी परियोजनाएं

- 2014–15 में स्वीकृत परियोजनाएं
- चालू परामर्शदायी परियोजनाएं

पुरस्कार और प्रशस्ति
मानद कार्य

संकाय द्वारा शैक्षिक व्याख्यान
अन्य संकाय गतिविधियाँ

- पेशेवर गतिविधियाँ

प्रकाशन

- पुस्तकें
- पुस्तक के पाठ
- पत्रिका लेख
- संगोष्ठी लेख
- प्रदर्शित पोस्टर
- पत्रिकाएं/समाचार पत्र लेख
- पुस्तक समीक्षा
- प्री-प्रिन्ट्स (इ-प्रिन्ट लेखागार)
- तकनीकी रिपोर्ट
- आधार पत्र

पृष्ठ 114 | छात्र गतिविधियाँ

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

- परिसर नियुक्ति
- ग्रीष्मकालीन अंतःशिक्षिता 2014
- क्रियाविधि/गैजेट खुला मंच

पाठ्येतर गतिविधियाँ

- अमलिया'14
- ब्लिथक्रॉन'15
- इगनाइट 1.0
- ग्रीष्मकाल शिविर 2014
- उड़ान'14
- जश्न
- शीतकाल लाली

विशेष अवसर

- स्वतंत्रता दिवस समारोह
- शिक्षक दिवस समारोह
- गणतंत्र दिवस समारोह
- डीन सूची में नामांकित छात्र
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में स्पिक मेकी
- फिल्म स्क्रीनिंग्स
- नृत्य कार्यशाला
- हस्ता-ला-विस्ता
- अहमदाबाद मॉडल संयुक्त राष्ट्र (एएमयूएन)
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में त्यौहार
- शेड-6
- पीएचडी अध्येतावृत्ति

पुरस्कार और प्रशस्तियाँ

- अनुसंधान के लिए नकद पुरस्कार
- गाँधी युवा प्रौद्योगिकी नवीनता पुरस्कार

छात्र उपलब्धियाँ

खेल समाचार

- हल्ला बोल 15
- 50वां अंतर-भा.प्रौ.सं. तैराकी प्रतियोगिता
- 50वां अंतर-भा.प्रौ.सं. खेल प्रतियोगिता
- वाइब्स'14
- भारतीय विद्यालय बास्केटबॉल लीग (आईसीबीएल)
- खेलमहाकुंभ
- पेट्रोलियम कप 2015
- शैक्षिक सत्र 2013–2014 के लिए वार्षिक खेल पुरस्कार

अन्य छात्र गतिविधियाँ

- ओएनजीसी केमबे यात्रा
- क्षेत्र भ्रमण

पृष्ठ 124 | कार्मिक गतिविधियाँ

22वां भा.प्रौ.सं. कर्मचारी खेल मिलन समारोह

अन्य कर्मचारी गतिविधियाँ
श्रेष्ठता कर्मचारी पुरस्कार

पृष्ठ 126 | बाह्य मामले

यूएसएआइडी सहयोग
उद्योग पहुँच

- उद्योग भागीदारी रिट्रीट
 - उद्योग खुला मंच
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) से जुड़ा
वाइब्रेंट गुजरात में भागीदारी
भारत-सं.रा. प्रौद्योगिकी सम्मेलन एवं नॉलेज एक्सपो
बाहरी पहुँच
आंतरिक सहमति ज्ञापन
राष्ट्रीय सहमति ज्ञापन
2014 में ग्रीष्म एवं शीतकालीन अंतःशिक्षिता
• विदेशी संस्थान
• घरेलू संस्थान
2014 में स्नातक हुए छात्र उच्चतर अध्ययन करते हुए

पृष्ठ 142 | संस्थान के लिए सहयोग

उद्योग सहयोग

- सुरक्षा के लिए यूएल का प्रमुख अनुदान
 - रीको कंपनी लि.
 - जीएमडीसी चेयर
 - अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए नीलसन अनुदान
- नए प्रमुख दानदाता
• डॉ. किरन पटेल द्वारा सहयोग
• डॉ. प्रभाकर गोयल द्वारा सहयोग
• नरेन्द्र कुमार जैन चेयर
दानदाता सूची
भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर प्रतिष्ठान ने चुना कार्यकारी निदेशक

पृष्ठ 152 | संगठन

शासकीय मण्डल

वित्तीय समिति

भवन एवं निर्माण समिति

अभिषद सभा

अभिषद स्थायी समितियाँ

- अभिषद सभा शैक्षिक कार्य मूल्यांकन समिति (एस.ए.पी.ई.सी.)
- अभिषद सभा शैक्षिक कार्यक्रम समिति (एस.ए.पी.सी.)

- अभिषद सभा छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार समिति (एस.एस.पी.सी.)
- अभिषद सभा छात्र मामले समिति (एस.एस.ए.सी.)
- अभिषद सभा पुस्तकालय समिति

शैक्षिक पदाधिकारी

छात्र नेतृत्व

संकाय

- विशिष्ट अवैतनिक संकाय

- अभ्यागत संकाय

नियमित पदों पर नियुक्त शिक्षकेत्तर कर्मचारी

पी.एच.डी. छात्र

- भा.प्रौ.सं.-पीआरएल एमओयू के अंतर्गत पी.एच.डी.
छात्र

एमटेक छात्र

- 2104 बैच

- 2013 बैच

- 2012 बैच

एमएससी छात्र

- 2014 बैच

- 2013 बैच

एमए छात्र

- 2014 बैच

पीजीडीआईआईटी छात्र

- 2014 बैच

- 2013 बैच

- 2012 बैच

बीटेक छात्र

- 2014 बैच

- 2013 बैच

- 2012 बैच

- 2011 बैच

- 2010 बैच

- 2009 बैच

पृष्ठ 192 | दृष्टि, ध्येय और मूल्य

मूल गुण

सिद्धान्त

मूल्य

ध्येय

दृष्टि

लक्ष्य



निदेशक की कलम से

निदेशक की कलम से



यह संस्थान मात्र सात साल पुराना है तथा यह किसी महाविद्यालय के जीवन में काफी कम समय होता है। फिर भी, इस संस्थान ने इन वर्षों में बहुत उन्नति की है तथा इसको इसके जीवंत माहौल, शैक्षणिक आचार और संस्कृति, तथा ऊर्जावान संकाय, कार्मिकों तथा छात्रों के लिए सराहा गया है।

पिछले वर्ष की कुछ विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- संस्थान के स्थायी परिसर का निर्माण कार्य अत्यधिक गति से अग्रसित हुआ है तथा संस्थान 2015 के जुलाई तक पालज स्थानांतरित होना आरंभ करने की अपेक्षा रखता है। यह देखते हुए कि निर्माण क्षेत्र जुलाई 2012 में ही प्राप्त हुआ, निर्माण कार्य सन्तुष्टि से कहीं अधिक रहा है। हमारा यह विश्वास है कि परिसर अपनी नवीन विशेषताओं के लिए जाना जाएगा और हम उम्मीद करते हैं कि यह न केवल आने वाले संकाय व छात्रों को अपितु वास्तुकार, नियोजनकर्ता तथा शिक्षाविदों की आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करेगा।
- हमारे निर्माण कर्मचारी तथा उनके परिवारों के प्रति उठाए गए लाभकारी कदमों को भारी सराहना प्राप्त हुयी है। हमें आवास तथा शहरी विकास निगम (हुड. को) से “आवासीय वातावरण को सुधारने की सर्वश्रेष्ठ विधि 2013–14” का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- अनेक विदेशी महाविद्यालयों के साथ हमारे सम्बन्ध अब एक नए स्तर की परिपक्वता पर पहुँच रहे हैं। इन गठबंधनों में शामिल हैं केलिफोर्निया प्रौ. सं. (सं.रा.अ.), सास्काचवान महाविद्यालय (कनाडा), जापान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधुनिक संस्थान महाविद्यालय (जापान), तथा आइएससीटीई- लिस्. बन महाविद्यालय संस्थान। यहाँ तक कि अंतिम दो महाविद्यालयों के अध्यक्ष इस वर्ष के दौरान संस्थान में यात्रा भी कर चुके हैं।
- राष्ट्रपति बराक ओबामा की वर्ष 2015 की भारत यात्रा

के समय, यूएसएआइडी तथा मा.सं.वि.मं. के बीच एक संयुक्त सहमति की घोषणा इस उद्देश्य से की गयी है कि भारत में किसी नए भा.प्रौ.सं. (या अनेक भा.प्रौ.सं.) को अनुसंधान तथा विकास में गहन सहभागिता के साथ उद्यमीकरण को भी सहयोग प्राप्त हो सके।

- आरंभिक सहयोग के लिए भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर को पहचाना गया है। तब से यूएसएआइडी से प्राप्त सहयोग को क्रियान्वित करने में पर्याप्त वृद्धि हुयी है।
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर की राष्ट्रीयकरण नीति को 8 अगस्त 2014 नई दिल्ली में विश्व शिक्षा सम्मेलन में विश्व शिक्षा पुरस्कार 2014 से सम्मानित किया गया। भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर को एलेट्स टेक्नोमीडिया द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन में "वैश्विक सहयोगी विद्यार्जन" श्रेणी में विजयी घोषित किया गया।
- छात्रों को अंतःशिक्षिता तथा संगोष्ठियों के माध्यम से हमारे अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्रदान करने वाले प्रयास भारत में अनोखे हैं तथा अब नीलसन कम्पनी ने इस पहल को पर्याप्त रूप से सहयोग प्रदान करना आरंभ कर दिया है।
- वर्ष के दौरान, संस्थान को परोपकारी दान के रूप में रु 5 करोड़ से अधिक प्राप्त हो चुके हैं। हमने डॉ किरन पटेल, टेम्पा (फ्लोरिडा) में स्थापित एक हृदयरोग विशेषज्ञ से एक धारणीय विकास केंद्र को निधि प्रदान करने हेतु सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। संस्थान की उन्नति से प्रेरित होकर, सं.रा. में भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर प्रतिष्ठान ने श्री रवि मिस्त्री, से फ्रांसिस्को में बसे अनिवासी भारतीय, को प्रतिष्ठान का कार्यकारी निदेशक बनाया है। यह हमारे अनुदान निधि को बढ़ाने में खासा वृद्धि पहुँचाएगा।
- हमारे भूतपूर्व छात्र काफी अच्छा कर रहे हैं जिनमें कई विश्व के श्रेष्ठ महाविद्यालयों से उच्चतर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कई छात्र उद्यमी बन गए हैं। संस्थान की प्रथम बैच के बीटेक छात्रों द्वारा स्थ.पित कम्पनी ग्रिडएंट्स ने अब सं.रा. के माननीय पूंजीपतियों से बाह्य निधि प्राप्त करना शुरू कर दिया है। उनकी सफलता से प्रेरणा प्राप्त कर हमारे भूतपूर्व तथा वर्तमान छात्र उद्योग के क्षेत्र में उतर रहे हैं।
- संस्थान के सभी कार्यकलापों की 2-स्तरीय सहकर्मि समीक्षा हो चुकी है। समिति ने संस्थान द्वारा लिए गए

अनेक नवीन प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह "किसी भी क्षेत्र में शुरू होने वाले नए संस्थानों के लिए मानक का कार्य करेंगे"

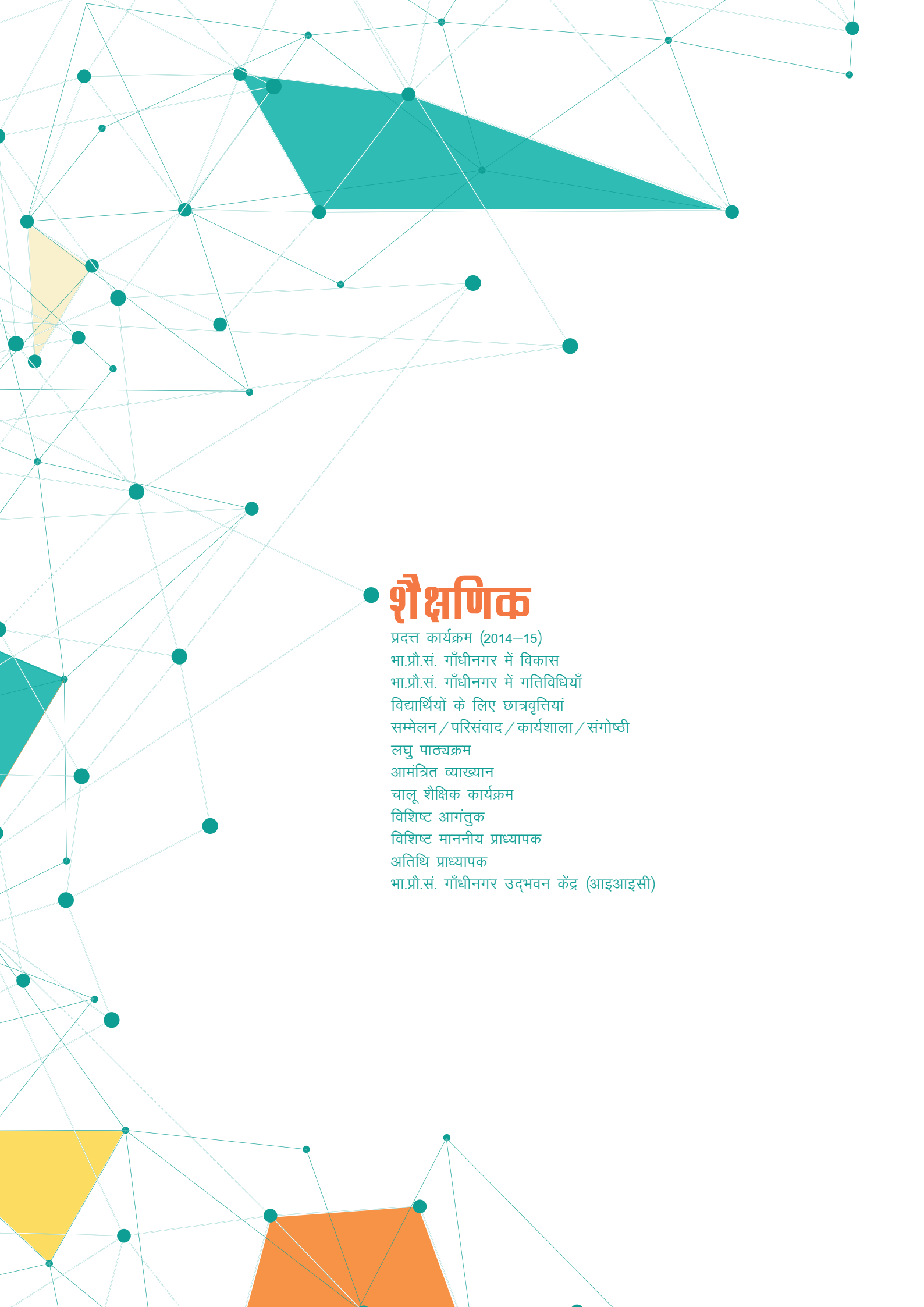
संस्थान में आये कई यात्री यहाँ की संयुक्त संस्कृति और संकाय, कर्मचारी तथा छात्रों की उत्सुकता व संलग्नता की बात करते हैं। यह सब अनेक शुभचिंतकों, मित्रों तथा दानदाताओं के अतुलनीय विश्वास एवं हौसले के बिना संभव नहीं हो पाता तथा वह कार्यावधि सहयोग जो संस्थान को प्राप्त हुआ है। यह संस्थान शासकीय मण्डल के अपार सहयोग तथा केंद्र व राज्य सरकारों के उदार सहयोग को पाने में सौभाग्यशाली रहा है। अंततः हम वि.रा.प्रौ.सं. चौदखेड़ा के संकाय, कर्मचारी तथा छात्र और प्रधानाचार्य डॉ राजुल गज्जर को अनुकरणीय आतिथ्य के लिए एक विशेष आभार व्यक्त करते हैं।

इस संस्थान से जुड़े रहने का यह हमारे लिए एक महान अवसर रहा है तथा हम इसका एक ऐसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के महाविद्यालय के रूप में निर्माण करना चाहते हैं जो सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में सहयोग प्रदान करेगा। पूरा भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर समुदाय उस विश्वास पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है जो इस देश तथा यहाँ के आपार संसाधनों ने हम पर किया है।

व्यक्तिगत स्तर पर मेरे भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में व्यतीत किए पिछले कुछ वर्ष, अत्यंत आनंददायी रहे हैं। मैं शासकीय मण्डल तथा भारत सरकार का आभारी हूँ कि मुझे इस संस्थान का नेतृत्व करने का अवसर और पाँच वर्षों के लिए मिला है।

प्रा सुधीर कु जैन
निदेशक





● शैक्षणिक

प्रदत्त कार्यक्रम (2014–15)

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में विकास

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में गतिविधियाँ

विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियाँ

सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/संगोष्ठी

लघु पाठ्यक्रम

आमंत्रित व्याख्यान

चालू शैक्षिक कार्यक्रम

विशिष्ट आगंतुक

विशिष्ट माननीय प्राध्यापक

अतिथि प्राध्यापक

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर उद्भवन केंद्र (आइआइसी)

प्रदत्त कार्यक्रम (2014-15)

अवर-स्नातक/स्नातकोत्तर

बीटेक/एमटेक एवं पीजीडीआइआईटी

रसायन अभियांत्रिकी

सिविल अभियांत्रिकी

विद्युत अभियांत्रिकी

पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

यांत्रिक अभियांत्रिकी

एमएससी

रसायन विज्ञान

संज्ञानात्मक विज्ञान

गणित

भौतिक विज्ञान

एमए

समाज एवं संस्कृति

पीएचडी

प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत

जैविक अभियांत्रिकी

रसायन अभियांत्रिकी

रसायन विज्ञान

सिविल अभियांत्रिकी

संज्ञानात्मक विज्ञान

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

भू विज्ञान

विद्युत अभियांत्रिकी

इतिहास

भाषा एवं संस्कृति

पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

गणित

यांत्रिक अभियांत्रिकी

दर्शनशास्त्र

भौतिक विज्ञान

राजनीति शास्त्र

मनोविज्ञान

समाज महामारी विज्ञान

समाजशास्त्र

दक्षिण एशियाई अध्ययन

भाप्रौस गाँधीनगर में विकास



भाप्रौस गाँधीनगर पाठ्यक्रम के वैश्वीकरण ने जीता शैक्षिक नवीनता पुरस्कार 2014

भाप्रौस गाँधीनगर को 8 अगस्त, 2014 को दिल्ली के विश्व शिक्षा सम्मेलन में **विश्व शिक्षा पुरस्कार 2014** प्रदान किया गया। इलेट्स टेक्नोमीडिया, एआइसीडब्ल्यूटीई, एमसीएमई तथा यूनेस्को द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन में वैश्विक सहयोगात्मक शिक्षा की श्रेणी में भाप्रौस गाँधीनगर को विजेता घोषित किया गया। भाप्रौस गाँधीनगर को अपने पाठ्यक्रम के वैश्वीकरण में अपने असाधारण प्रदर्शन के लिए मान्यता प्रदान की गयी जिसमें करीब एक तिहाई अवर-स्नातक विद्यार्थियों के लिए विदेशों में अध्ययन के अवसर, एक बड़ी संस्था में अंतर्राष्ट्रीय संकाय को संलग्न करना, अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोगात्मक पाठ्यक्रम तथा अपने कार्यक्रमों में अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों का नामांकन शामिल है।

मानव संसाधन विकास मंत्री ने किया दौरा

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री तथा भाप्रौस परिषद की सभासद **श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी** ने 13 जून, 2014 को भाप्रौस गाँधीनगर का दौरा किया। अपने मुआइने के दौरान उन्होंने शैक्षणिक पदाधिकारियों, विद्यार्थियों के साथ बातचीत की तथा शिक्षण तथा शोध प्रयोगशाला सुविधाओं का भी मुआइना किया। **प्रा सुधीर कु जैन** ने संस्थान में परिवर्तनात्मक विकास के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। श्रीमिती ईरानी ने नए भाप्रौस की चुनौतियों तथा इन पर काबू पाने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा किया।



भाप्रौस गाँधीनगर के निदेशक की पुनःनियुक्ति

भाप्रौस गाँधीनगर के निदेशक **प्रा सुधीर कु जैन** को अगले 5 वर्षों के लिए पुनर्नियुक्त किया गया है जो के जून 2014 से लागू है। भूकंप अभियांत्रिकी के अंतर्राष्ट्रीय रूप से विख्यात विद्वान व भाप्रौस कानपुर में सिविल अभियांत्रिकी के प्राध्यापक प्रा जैन ने जून, 2009 में भाप्रौस गाँधीनगर में 5 वर्षों के लिए प्रथम निदेशक के तौर पर कार्य-भार संभाला। प्रा जैन ने कहा, भाप्रौस गाँधीनगर में हमें जमीनी स्तर से ऊपर एक संस्था बनाने का अनोखा अवसर पाने का विशेषाधिकार प्राप्त है तथा हमने अगले दशक में उच्चतर शिक्षा की विश्व में अग्रणी संस्थाओं में एक होने के महत्वाकांक्षी कार्य के लिए स्वयं को स्थापित कर लिया है। हमने विश्वस्तरीय संकाय नियुक्त किया है, असाधारण रूप से नवीन अवर स्नातक पाठ्यक्रम विकसित किया है, तथा कई विशिष्ट केंद्र तथा कार्यक्रम बनाए हैं। निस्सन्देह, अगले 5 वर्ष पिछले 5 वर्षों की तरह समृद्धशाली होंगे जब हम शिक्षा में वैश्विक नेतृत्व के लक्ष्य का अनुसरण करेंगे।

शासकीय मण्डल द्वारा दो नए केंद्रों को मंजूरी

2 दिसम्बर, 2014 को हुयी अपनी बैठक में शासकीय मण्डल ने **संज्ञानात्मक विज्ञान** तथा **सतत विकास** के लिए केंद्रों के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मण्डल ने ऊष्मायन व प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण-पहल को समर्थन देने के एक प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इसने **भाप्रौस गाँधीनगर एक्सप**

लोरस अध्येतावृत्ति के सृजन के लिए एक प्रस्ताव की भी मंजूरी दी जो विद्यार्थियों को यात्रा करने तथा स्वयं को भारत की संस्कृति, व्यक्ति तथा क्षेत्रों से परिचित कराने में समर्थ बनाता है जिससे वे परिचित नहीं हैं।

सहकर्मियों द्वारा भाप्रौस गाँधीनगर की समीक्षा

एक सहकर्मी समीक्षा समिति द्वारा 28-29 अगस्त, 2014 को बाह्य सहकर्मी समीक्षा भाप्रौस गाँधीनगर बनायी गयी जिसमें प्रख्यात व्यक्ति हैं जिनके नाम हैं प्रसिद्ध वैज्ञानिक **प्रा जी के मेहता**, अन्तर विश्वविद्यालय त्वरक (एक्सलेरेटर) केंद्र, नई दिल्ली, **प्रा इंदिरा राजाराम** पूर्व भाप्रस बेंगलोर तथा 13वें वित्तीय आयोग के सदस्य **श्री विजय थडानी**, प्रकाअ एनआइआइटी प्रौद्योगिकी लि नई दिल्ली। आरम्भ में समिति को निदेशक तथा डीन द्वारा संस्थान तथा इसके शैक्षणिक व प्रशासनात्मक संरचना की उत्पत्ति से अवगत कराया गया। इसके बाद शैक्षणिक तथा शोध गतिविधियों तथा अभियांत्रिकी, विज्ञान तथा मानविकी (एचएसएस) विषयों की उपलब्धियों की रूप रेखा दर्शाते हुए व्यक्तिगत प्रदर्शन किए गए। समिति के सदस्यों ने अवर स्नातक व स्नातक विद्यार्थियों के साथ मिलकर भाप्रौस गाँधीनगर में उनके जीवन के अनुभव सुनने के पहले, प्रयोगशाला, पुस्तकालय तथा छात्रावास-सुविधाओं की समीक्षा किया।



भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर निर्माण मजदूर लाभकारी कार्यक्रम को राष्ट्रीय हुडको (एचयूडीसीओ) पुरस्कार भाप्रौसं गाँधीनगर निर्माण मजदूर कल्याण कार्यक्रम ने 2013-14 के पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सर्वोत्तम अमल के लिए राष्ट्रीय हुडको पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार निर्माण-मजदूरों के कल्याण व सुरक्षा के प्रति संस्थागत प्रतिबद्धता तथा न्यासा संस्थान के समुदाय स्वयंसेवक कार्यक्रम दोनों के प्रयत्नों को मान्यता प्रदान करता है। यह संस्थान अपने सभी अनुबंधों में विभिन्न शर्तों को शामिल कर निर्माण मजदूरों के लिए उन्नत तथा स्वच्छ आवासीय स्थिति को सुनिश्चित करता है जो ठेकेदारों के लिए साफ पर्याप्त पानी सहित विद्युतीय तथा स्वास्थ्यकर सुविधाओं के साथ हवादार निर्माण आवास बनाना अनिवार्य बनाता है। ठेकेदारों को सुरक्षा उपाय

लागू करना जरूरी है। सभी मजदूरों तथा उनके पर्यवेक्षी स्टाफ के लिए एक व्यापक समूह बीमा जरूरी है, इसके अतिरिक्त, निर्माण मजदूरों के लिए नियमित स्वास्थ्य कैंप आयोजित किए जाते हैं।



अंतर्राष्ट्रीयकरण: सहयोगात्मक पाठ्यक्रम

भाप्रौसं गाँधीनगर ने विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ संयुक्त पाठ्यक्रम विकसित करने में सहयोग किया जो विद्यार्थियों व संकाय को सांस्कृतिक अनुभव में सक्षम बनाता है। आमतौर पर इन सहयोगात्मक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थी व संकाय टीम गहन रूप से क्षेत्र के कार्य व शोध में संलग्न रहते हैं। वे दोनों परिसर में समय व्यतीत करते हैं या वीडियो सम्मेलन के द्वारा आभासी कक्षाओं में मिलते हैं। डिसरेप्टिव डिजाइन फॉर हैल्थ नाम के पाठ्यक्रम में केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थानों के विद्यार्थियों ने उन्नत पार्किंसन रोग के मरीजों के लिए एक चलकन रोधी चम्मच डिजाइन करने के लिए भाप्रौसं गाँधीनगर के कई टीमों के साथ सहयोग किया। इस नवाचार ने मार्च 2015 में **गाँधी प्रौद्योगिकी नवाचार पुरस्कार** जीता। 2015 में भाप्रौसं गाँधीनगर से विद्यार्थी व संकाय टीम ने भारत के हस्तशिल्प उद्योगों में डिजाइन-इन्टरवेंशन्स विकसित करने के लिए, 'जहाँ प्रौद्योगिकी कला से मिलती है' पाठ्यक्रम पर 'कला विद्यालय', नार्थम्पटन विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के साथ सहयोग किया।



पाठ्यक्रम साझेदारी

भाप्रौसं गाँधीनगर तथा आइएससीटीई- लिसबन विश्वविद्यालय संस्थान, पुर्तुगाल ने एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जिसके अन्तर्गत **भाप्रौसं गाँधीनगर का संज्ञात्मक विज्ञान कार्यक्रम तथा आइएससीटीईई कॉम्प्लेक्सिटी विज्ञान** कार्यक्रम में स्नातकोत्तर डिग्री भागेदारी में प्रदान की जाएगी तथा पाठ्यक्रम क्रेडिट दो संस्थानों में हस्तान्तरित की जाएंगी।

भाप्रौसं गाँधीनगर में गतिविधियाँ



तृतीय दीक्षांत समारोह

संस्थान का तृतीय दीक्षांत समारोह 2 अगस्त, 2014 को संपन्न हुआ जिसमें 161 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई जिसमें 123 बीटेक, 36 एमटेक तथा 2 पीएचडी के विद्यार्थी थे। श्री के वेंकटरमण, लार्सेन एंड टुब्रो मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा प्रबंध निदेशक इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री वेंकटरमण ने अपने दीक्षांत समारोह के भाषण में विद्यार्थियों को विश्व में उनकी जिम्मेदारियों की याद दिलाई जहाँ भारत व चीन विश्व का नेतृत्व करेंगे। भाप्रौसं गाँधीनगर के शासकीय मण्डल के अध्यक्ष तथा अंतर्राष्ट्रीय अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी विज्ञान के शैक्षणिक परिषद के अध्यक्ष डॉ बलदेव राज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। बीटेक तथा एमटेक कार्यक्रम का राष्ट्रपति स्वर्ण पदक क्रमशः ध्वनिल शुक्ला तथा रितेश जैन को मिला।

अन्य पुरस्कारों में शामिल हैं: संस्थान स्वर्ण पुरस्कार, रसायनिक अभियांत्रिकी बीटेक (प्रणव बगारिया), विद्युत अभियांत्रिकी बीटेक (शशांक त्यागी), यांत्रिकी अभियांत्रिकी बीटेक (ध्वनिल शुक्ला), संस्थान स्वर्ण पदक, रसायनिक अभियांत्रिकी एमटेक (मिश्रा निधि एस), विद्युत अभियांत्रिकी एमटेक (रितेश जैन) यांत्रिकी अभियांत्रिकी एमटेक (रचित प्रसाद), संस्थान का रजत पदक रसायनिक अभियांत्रिकी बीटेक (पामुलापति सुषमा श्री), विद्युत अभियांत्रिकी बीटेक (ऐश्वर्य अग्रवाल), यांत्रिकी अभियांत्रिकी

बीटेक (शशांक अग्रवाल), निदेशक स्वर्ण पदक, बीटेक (कोटक यश प्रशान्त), निदेशक रजत पदक, रसायनिक अभियांत्रिकी बीटेक (अक्षय जैन) विद्युत अभियांत्रिकी बीटेक (शाह निसर्ग निखिल), यांत्रिक अभियांत्रिकी बीटेक (शशांक अग्रवाल), असाधारण नवाचार (इनोवेशन) (कोटक यश प्रशान्त) अखंडता एवं अनुकरणीय मानवीय गुण (सुश्रुत प्रमोद मेश्राम), असाधारण शोध बीटेक (अक्षय जैन), असाधारण शोध, एमटेक (रचित प्रसाद), असाधारण शोध पीएचडी (सुमितवा मुखर्जी) खेल में समग्र उत्कृष्ट प्रदर्शन (सुरेश चौधरी), आउटडोर खेल में असाधारण प्रदर्शन (गावासने रितु मिलिन्द), एथलीट में उत्कृष्ट प्रदर्शन (सुरेश चौधरी), कला एवं संस्कृति में उत्कृष्ट प्रदर्शन (भास्करज्योति दास), उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए अग्रणी बैच पुरस्कार (कात्रे विभव विकास), अभियांत्रिकी ग्राफिक्स, विनिर्माण और कार्यशाला अभ्यास। प्रैक्टिस पर मूल पाठ्यक्रम में सर्वोत्तम प्रदर्शन (कात्रे विभव विकास), गणित में मूल पाठ्यक्रम में सर्वोत्तम प्रदर्शन (शशांक त्यागी) भौतिक विज्ञान के मूल पाठ्यक्रम में सर्वोत्तम प्रदर्शन (ऐश्वर्य अग्रवाल), मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के मूल पाठ्यक्रम में सर्वोत्तम प्रदर्शन (कात्रे विभव विकास) मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विषयों में समग्र उत्कृष्ट प्रदर्शन (शैलवाहन सिंह राठौड़)।



शैक्षणिक परामर्शदायी समिति की बैठक

चतुर्थ शैक्षणिक परामर्शदायी परिषद की बैठक 5 जनवरी 2015 को आयोजित की गयी। यह वार्षिक कार्यक्रम मुख्य शैक्षणिक मुद्दों पर इस संस्थान के सामरिक इनपुट व बाहरी परिप्रेक्ष्य के बारे में जानकारी देता है। इस वर्ष शिरकत करने वालों में **प्रा प्रतीम विश्वास**, वॉशिंगटन विवि, सेंट लुइस, संराअ, **प्रा राजेन्द्र कुमार**, बोर्जिया क्लेम्सन विवि, संराअ, **प्रा नीतेश चावला**, नोट्रेडेम विवि, संराअ, **प्रा फ्रेडरिक कुलीज**, कोलोराडो विवि, संराअ, **प्रा रोजा मारिया परेज**, आइएससीटीई लिसबन विवि संस्थान, पुर्तगाल, **प्रा**

सुरेन्द्र प्रसाद, पूर्व निदेशक, भाप्रौसं दिल्ली, **प्रा इन्दिरा राजारमण**, पूर्व प्राध्यापक, भाप्रसं बेंगलोर, **प्रा वी एस राजू**, पूर्व निदेशक, भाप्रौसं दिल्ली, **प्रा धीरज सांघी**, भ. प्रौसं कानपुर, **प्रा श्याम सुन्दर**, येल विवि, संराअ तथा **प्रा सतीश के त्रिपाठी**, स्टेट विवि न्यूयॉर्क, बुफेलो संराअ शा. मिल हैं। कार्यसूची में, संकाय शोध उत्पादकता को बेहतर बनाना, स्थाई परिसर में तुरंत जाने के साथ स्नातकोत्तर विद्यार्थियों से संबंधित मुद्दे, तथा विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सामरिक संबंध विकसित करना शामिल हैं।

निर्वाचिका सभा

5वीं निर्वाचिका सभा की बैठक 6 जनवरी, 2015 को संस्थान को उसके अल्पकाल व दीर्घकाल के सामरिक मुद्दों के मार्गदर्शन के लिए हुई। सभा ने, संस्थान के निधि-वृद्धि पहल के विचार, व्यावसायिक निकायों व संगठनों के साथ जुड़ने तथा भाप्रौसं गाँधीनगर के निर्माण की चर्चा किया। शिरकत करने वालों में **प्रा प्रतीम विश्वास**, वॉशिंगटन विवि, सेंट लुईस, संराअ; **प्रा नीतेश चावला**, नोट्रेडेम विवि, संराअ; **प्रा रोजा मारिया परेज**, आइएससीटीई-लिसबन विवि संस्थान, पुर्तगाल **प्रा इंदिरा राजारमण**, पूर्व प्राध्यापक, भाप्रौसं बेंगलोर; **प्रा वी एस राजू**, पूर्व निदेशक, भाप्रौसं दिल्ली; **प्रा धीरज सांघी**, भाप्रौसं कानपुर; **प्रा सतीश के त्रिपाठी**, स्टेट विवि न्यूयॉर्क, बुफेलो, संराअ; **श्री हर्ष भार्गव**, बैंकवर्ल्ड इनकॉर्पोरेटेड, संराअ; **श्री अजय चौधरी**, पूर्व चेयरमैन, एचसीएल, इन्फोसिस्टम लि; **श्री कमलेश द्विवेदी** बेलसिस्टम 24इंक, संराअ; **श्री सार्थक**

जैन, ग्रिड एवं प्रौद्योगिकी; **श्री सुशील कपूर**, टेकनिकल टेक्सटाइल्स बिजनेस, एसआरएफ लि; **श्री संजय लाल भाई**, अरविंद मिल्स प्रा लि अहमदाबाद, **श्री कमल पी नानावती**, रिलायन्स इन्डस्ट्रीज लि, मुंबई; **श्री हसमुख पी राम**, जे एच एम होटल्स इंक ग्रीनविले, संराअ; **प्रा आक्षय रुंचल**, एनेलिटिक एंड कम्प्यूटेशनल रिसर्च इंक, केलिफोर्निया, संराअ; **श्री कुशल चंद सचेती**, गैलेक्सी, संराअ, इंक एंड की आइटम्स इंक, न्यूयॉर्क; **श्री महेश्वर साहू**, सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य सचिव, इन्डस्ट्रीज एंड माइन्स, गुजरात सरकार; **श्री भूपेन साह**, टेकनोप्रीनियर; **श्री अरविन्द सिंघल**, टेक्नोपेक एडवाइजर्स प्रा लि, गुडगांव; **डॉ प्रमथ राज सिन्हा**, 9.9 मीडिया वर्क्स प्रा लि; **श्री एस श्रीधर**, रीको इनोवेशन्स प्रा लि, बेंगलोर; **श्री नवीन तिवारी**, इनमोबी, बेंगलोर; तथा **श्री ए एम तिवारी**, गुजरात अल्कालिज तथा केमिकल्स लि वडोदरा शामिल हैं।

सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाप्रौसं गाँधीनगर ने अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला इंक, के साथ मिलकर 2 से 6 दिसम्बर 2014 को **सुरक्षा पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएस 2014)** का आयोजन किया। मिशिगन प्रौद्योगिकी विवि से **प्रा डैनियल क्राउल** ने **प्रोसेस सेफ्टी एजुकेशन** पर सम्मेलन के पहले एक कार्यशाला का आयोजन किया। सम्मेलन के एक हिस्से के रूप में, **प्रोसेस सेफ्टी (एसपीएस 2014)** पर एक संगोष्ठी भी भोपाल गैस त्रासदी के 300 वर्ष पूरा होने पर उसे याद करने के लिए आयोजित की गयी। अग्नि के तहत **संरचना की डिजाइन तथा सुरक्षा** पर एक संक्षिप्त पाठ्यक्रम भी 5-6 दिसम्बर 2014 को **प्रा गौरव श्रीवास्तव, प्रा धीमन बासु**, भाप्रौसं गाँधीनगरय **डॉ वेंकटेश कोडूर**, मिशिगन स्टेट विवि, संराअ; तथा **डॉ एंथनी अबू**, कैटरबरी विवि, न्यूजीलैंड द्वारा आयोजित किया गया। सम्मेलन का आयोजन **प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन** तथा **प्रा विन्मय घोरोई** ने किया।



एक बिलियन के लिए डिजाइन सम्मेलन

डिजाइन इनोवेशन केंद्र ने 7-9 नवम्बर, 2014 में एक 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन **डिजाइन फॉर ए बि. लियन** नाम से आयोजित किया। करीब 200 से अधिक डिजाइनर, शोधकर्ता, शिक्षक, व्यवसायी तथा उद्यमी पूरे विश्व से एक साथ भाप्रौसं गाँधीनगर में बड़े पैमाने के लिए डिजाइन के नतीजे तथा भविष्य पर चर्चा करने के लिए आए। कार्यक्रम के वक्ताओं में **डॉ क्लॉस क्रपेन्डोर्फ**, पेनसिलवेनिया, संराअय **डॉ जोनास वुल्फगैंग**, परिवहन डिजाइन संस्थान, जर्मनी; **डॉ जीन जोसेफ व्यालॉट**, यूरो-इंडिया इकोनोमिक बिजनेस ग्रुप के सह-अध्यक्ष; **डॉ ज्योको मुरातोवस्की**, एयूटी, न्यूजीलैंड में संचार डिजाइन के प्रमुख; **श्री सुरेश सेठी**, व्हर्लपूल डिजाइन एशिया के उपाध्यक्ष, तथा **श्री सतीश गोखले**, डिजाइन डायरेक्शन्स प्रा लि के संस्थापक शामिल थे। **प्रा अचल मेहरा** तथा **प्रा भास्कर भट्ट** ने सम्मेलन का आयोजन किया।

फाउन्डेशन कार्यक्रम 2014

फाउन्डेशन कार्यक्रम प्रथम वर्ष में आने वाले बीटेक विद्यार्थियों के बैच के लिए तैयार किया गया भाप्रौसं गाँधीनगर का प्रमुख कार्यक्रम है। यह डायनामिक इमर्सन कार्यक्रम, सृजनशीलता, सामाजिक जागरूकता, नेतृत्व के मुद्दों पर कार्यशाला, बातचीत, योजनाएं तथा संचार, मूल्यों व नीति, व खेलकूद तथा शारीरिक दुरुस्ती के जरिए समग्र व आकर्षक तरीके से विद्यार्थियों को शिक्षित करता है। यह कार्यक्रम जुलाई से 24 अगस्त, 2014 के दौरान आयोजित किया गया तथा इसका उद्घाटन भाप्रौसं गाँधीनगर के पूर्वछात्र **सार्थक जैन**, प्रकाअ, ग्रिड एंट्स टे. क्नोलॉजी तथा **प्रा संजीव सांघी**, शासी मण्डल, भाप्रौसं दिल्ली के सदस्य ने किया। इस वर्ष का मुख्य आकर्षण, 2014 के नोबल पुरस्कार विजेता, **श्री कैलाश सत्यार्थी** की एक वार्ता था। **अभियंता सामाजिक न्याय से बेहतर तरीके से लड़ सकते हैं-** शीर्षक की अपनी वार्ता में श्री सत्यार्थी ने न सिर्फ भारत बल्कि पूरे विश्व से बच्चों को बाल-श्रम से बचाने के अपने प्रयत्नों के बारे में बताया। 1। अन्य वार्ताओं में फ्रूगल इनोवेशन (**प्रा अनिल गुप्ता** कार्यपालक वाइस चेयर, राष्ट्रीय इनोवेशन फाउन्डेशन), कॉरपोरेट लीडरशिप (**श्री संजीव रंग्रास**, प्रकाअ, आइ. टीसी एग्री-बिजनेस), विज्ञान व उद्यमशीलता (**प्राध्यापक शिलादित्य सेनगुप्ता**, हार्वर्ड विवि), गाँधीनियन विजन ऑफ सिविलाइजेशन (**रजनी बक्शी**, लेखक व पत्रक. 12) तथा पर्यावरणीय स्थिरता (**सुश्री मंजू मेनन**, पूर्व नेहरू-फुलब्राइट फेलो) शामिल थी। कई कार्यशालाओं में विद्यार्थियों को संलग्न किया गया तथा कई गतिविधियां शामिल हुयीं जैसे रेखाचित्रण (**श्री जयन्ती नाइक**, प्रख्यात मूर्तिकार, सिरामिस्ट तथा डिजाइन शिक्षक), थियेटर (**श्री दक्षिण बजरंगी**, पुरस्कार-विजेता फिल्म निर्माता, नाटक. कार व कार्यकर्ता), एनिमेशन व कॉमिक बनाना (**प्रा शेखर मुखर्जी**, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान), कविता (**प्रा बिल वोलक**, विलियम पैटरसन विवि) तथा 5 दिवसीय कार्यक्रम की समाप्ति बहुत दिलचस्प **यूरेका** नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ जिसका संयोजन **श्री स्टेफन हॉब्स**, सरकार, थियेटर तथा फिल्म के प्रसिद्ध निर्देशक, सृजनकर्ता तथा निर्माता ने किया जो भाप्रौसं गाँधीनगर में स्कालर-इन रेजिडेन्स हैं। 2014 फाउन्डेशन कार्यक्रम का संयोजन **प्रा अनिरबन दासगुप्ता**, **प्रा सुरजीत कौर**, **प्रा साइराम मल्लाजोसयुला**, **प्रा शर्मिष्ठा मजुमदार** तथा **प्रा प्रतीक मूथा** ने किया।



भारत की खोज: एक अन्तर-संस्थागत वार्ता

भारत की खोज का द्वितीय दौरे का आयोजन दिसम्बर 2014 को हुआ। इसका उद्घाटन जुब्बॉन बुक्स (महिलाओं के लिए काली की एक छाप) की संस्थापक पद्मश्री उर्वशी बुटालिया ने किया। **सुश्री बुटालिया** ने केलटेक तथा भ. प्रौसं गाँधीनगर के विद्यार्थियों के साथ भारत में महिलाओं का सशक्तीकरण के लिए संघर्ष, छोटे-बड़े बदलाव की कहानियों के साथ ही पितृसत्ता की अपरिवर्तनशील प्रकृति के सूक्ष्म अवलोकन को शेयर किया। इसके बाद **नसरीन मुन्नी कबीर** द्वारा गाए हिन्दी फिल्म में रोमान्स सम्मेलन पर रमणीय रिपोर्ट पेश की गयी। दोनों संस्थाओं के छात्र वैश्वीकृत तथा आकांक्षाकृत भारत में निरंतरता तथा चक्रों दोनों को समझने के लिए विविध विषयों से रूबरू हुए। **मोनोजीत मजूमदार** ने प्रिन्ट मीडिया में सच्चे परीक्षण तथा निर्माण को शेयर किया; **जाहिर जन मोहम्मद** ने भारत व संयुक्त संघ में बढ़ते ध्रुवीकरण तथा अदृश्य जिन्दगियों पर वक्तव्य दियाय **शेफाली वासुदेव** ने परम्परा तथा आधुनिकता को समझने के लिए फैशन के लेन्स प्रदान किए। जाति धर्म सहित कई वक्ताओं के अतिरिक्त, छात्रों ने उत्तर-पूर्व राज्यों तथा उनके भारत की मुख्यधारा के साथ संबंधों को भी जाना। कार्यक्रम की अन्य विशेषताएं थीं ६ ारोहर वाले स्थान, आदिवासी भाषा के लिए भाषा- केंद्र के लिए अध्ययन यात्रा तथा हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत।

आइएससीटीई में भारत

24 जून, 2014 को भाप्रौसं गाँधीनगर के संकाय सदस्य तथा छात्र आइएससीटीई-आइयूएल ने दोनों विश्वविद्यालयों में



चल रही साझेदारी तथा बैद्धिक आदान-प्रदान के लिए जश्न मनाने के लिए **आइएससीटीई में भारत** का आयोजन किया, कार्यक्रम में शामिल होने वाले संकाय-सदस्यों में **प्रा रोजा मैरी पेरेज, प्रा मुनो गुईमाराइस, प्रा जॉर्ज लौसा, प्रा जयसन मंजली, प्रा मीरा मैरी सन्नी** तथा **प्रा श्रीनिवास रेड्डी** थे। अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों **बूनो गामिन्हा, पेड्रो पोम्बो, हाम्जा मोहम्मद जुबेर, किनले मेहरा** तथा **अंभुज गुप्ता** भी शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन **लज्जा संभवनाथ, श्रीनिवास रेड्डी** तथा **स्टेफन बुल** के नृत्य तथा संगीत द्वारा किया गया।

सिविल अभियांत्रिकी और एमाएसई पाठ्यक्रम बैठकें
सिविल अभियांत्रिकी और पदार्थ विज्ञान तथा अभियांत्रिकी में 4 वर्षीय बीटेक कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए प्रथक विचार मंथन वाली बैठकें आयोजित की गईं। 22 नवम्बर, 2014 को सिविल अभियांत्रिकी बैठक आयोजित की गई जिसमें उद्योग तथा शिक्षा से संबंधित विशेषज्ञों ने भाग लिया तथा पाठ्यक्रम के विविध पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। 10 दिसम्बर 2014 को **पदार्थ विज्ञान तथा अभियांत्रिकी** विचार मंथन बैठक 8 बाह्य विशेषज्ञों के साथ हुई। दोनों समीक्षा बैठक ने आधार कार्यक्रम के कवरेज क्षेत्र को पहचाना तथा संभव साधन तथा अपने अध्ययन के चार वर्षों के दौरान छात्रों के औद्योगिक अनुभव को बढ़ाने के लिए सम्बन्धित विषयों से रूबरू होने की सीमा पर कई सुझाव दिए।

ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अंतःशिक्षुत 2014

ग्रीष्मकालीन शोध अंतःशिक्षुत कार्यक्रम 2014 का आयोजन मई-जुलाई के दौरान भाप्रौसं गाँधीनगर में छात्रों की शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया।

आवेदनकर्ताओं को भाप्रौसं गाँधीनगर संकाय प्रदत्त विविध विषयों में फैले 68 योजना ग्रामों में चुनने को कहा गया। एसआरआईपी 2014 में कुल 171 छात्रों ने भाग लिया। इनमें से 88 भाप्रौसं गाँधीनगर से तथा 83 भारत के अन्य संस्थानों से थे। एसआरआईपी 2014 के अन्त में ग्रीष्मकालीन अंतःशिक्षिता के शोध परिणाम को प्रदर्शित करने के लिए 11 जुलाई, 2014 को एक पोस्टर-सत्र आयोजित किया गया। **प्रा गौरव श्रीवास्तव**, **प्रा शनमुगनाथन रमण** तथा **प्रा प्रणव मोहापात्रा** ने सह डीन **प्रा भास्कर दत्ता** के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का संयोजन किया।

भाप्रौसं गाँधीनगर टेडएक्स

भाप्रौसं गाँधीनगर ने 31 अगस्त, 2014 को व्यक्त करने लायक विचारों के प्रति समर्पित एक गैर-लाभकारी संगठन टेडएक्स के सहयोग से अपने प्रथम **टेडएक्स भाप्रौसं गाँधीनगर** की मेजबानी किया। इस कार्यक्रम में विविध क्षेत्रों से प्रख्यात व्यक्तित्व को विशेष स्थान दिया गया: **डॉ विद्याधर आर के**, 22 श्रुति हारमोनियम के आविष्कारक; **हारून रॉबर्ट**, भारत के बच्चों के सबसे बड़े आइकन तथा एनिमेशन फिल्म निर्माता; **खुशीद बाटलीवाला** डब्ल्यूएवाइड के निर्देशक तथा आर्ट ऑफ लिविंग के संकाय; **नीति का इलास**, एक सामाजिक उद्यमी तथा रोलेक्स 2014 उद्यम पुरस्कार विजेता; **रजत नागपाल**, फिल्म निर्माता तथा

उद्यमी; तथा **जीतेन टुकराल** तथा **सुमीर तागरा**। इस कार्यक्रम को **अखिलेश गोटमारे**, **मुदित राठौड़**, **वैभव पालकर** तथा **विद्यानन्द वाघ** ने आयोजित किया।

सत्र 2015

स्वास्थ्य, वातावरण, सुरक्षा (फेज 2015) के लिए फोटो. निक्स पर भारत-यूके कार्यशाला का आयोजन 16-17 जनवरी, 2015 को किया गया। इसका उद्देश्य शोध व शिक्षण में फोटोनिक्स द्वारा की जानेवाली भूमिका के संबंध में, दो देशों के कैरियर के आरम्भ के शोधकर्ताओं के मध्य चर्चा करना था। यह परिकल्पित है कि यह विचार-विमर्श प्रतिभागियों के मध्य शोध-सहयोग को बढ़ावा देगा। इस कार्यशाला में भाप्रौसं मद्रास, भाप्रौसं भुवनेश्वर, फिजिकल शोध प्रयोगशाला अहमदाबाद, द स्पेस एप्लीकेशन्स सेंटर, अहमदाबाद तथा स्टारलाइट टेक्नोलॉजी, औरंगाबाद, दो विसृत वार्ताएँ स्ट्राथक्लाइड विवि, ग्लासगो के **प्रा वाल्टर जॉनस्टोन** तथा इकोले महिन्द्रा, हैदराबाद से **प्रा विष्णु पाल** ने दिया। छात्रों के लिए जिसका उद्देश्य उन्हें आधुनिक विवि में फोटोनिक टेक्नोलॉजी तथा इसकी महत्ता की विशाल क्षमता से परिचित कराना था।

भाप्रौसं गाँधीनगर में हिन्दी दिवस

संस्थान ने 13 सितम्बर, 2014 को कार्यक्रम में, हिन्दी



स्वच्छ भारत अभियान

देश-भर में अक्टूबर 2, 2014 को शुरू हुए **स्वच्छ भारत अभियान** को ध्यान में रखते हुए, भाप्रौसं गाँधीनगर ने एक शपथ-धारण कार्यक्रम किया और परिसर के आस-पास स्वच्छता रखने के लिए कदम उठाए। इस मौके पर छात्र, संकाय तथा कर्मचारी सदस्यों ने हिस्सा लिया।



राष्ट्रीय एकता दिवस

अक्टूबर 31, 2014 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर **राष्ट्रीय एकता दिवस** घोषित किया गया। इस मौके पर करीब 200 छात्र, संकाय तथा कर्मचारियों ने एक शपथ लिया तथा एकता की दौड़ में भाग लिया।

बोलने की महत्ता को चिन्हित करने के लिए **हिन्दी दिवस** मनाया। निदेशक **प्रा सुधीर कु जैन** ने कहा कि हिन्दी एक ऐसे धागे की तरह कार्य करती है जो राष्ट्र की विविध जनसंख्या को एक साथ बांधती है। छात्र, संकाय तथा कर्मचारियों ने कविता गायन कार्यक्रम में सक्रियता से भाग लिया। कार्यक्रम में मजेदार व मनोरंजक खेलों की भी मेजबानी की जिसमें अमीर खुसरो की पहेलियों की खुली चुनौती थी, तथा मुहावरा पूरा करना था जिसमें लोकप्रिय हिन्दी मुहावरे का आधा दिया गया था और भागलेने वालों को शेष आधा पूरा करना था।

भाप्रौसं गाँधीनगर में कैंसर-जागरूकता सप्ताह

भाप्रौसं गाँधीनगर जैव चिकित्सीय अभियांत्रिकी केंद्र ने कैंसर के बारे में मूलभूत जागरूकता लाने के लिए एक सप्ताह के कार्यक्रम का आयोजन किया व्याख्यानों की एक श्रृंखला प्रख्यात आर्कोलाजिस्ट **ऊषा बोहरा** तथा **डॉ विशाल चोकसी**, अपोलो अस्पताल, अहमदाबाद, तथा **डॉ अरुण शेठ**, सेंट जॉन्स अस्पताल, बेंगलूर, द्वारा 7 से 12 अक्टूबर 2014 के मध्य दी गई। यह कार्यक्रम **प्रा शिवप्रिया किरुबाकरण** तथा **प्रा विजय थिरुवेंकटम** द्वारा आयोजित किया गया।

सुशासन दिवस

दिसम्बर 24 को भाप्रौसं गाँधीनगर में सुशासन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सुशासन को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी तथा नवाचार के उपयोग पर एक प्रतियोगिता आयोजित की गई। विजेता थे— **गौरव शर्मा, अंशुल गुप्ता, यश सिंह** तथा **आशीष कुमार सेहरा**।

भाप्रौसं गाँधीनगर में निबंध प्रतियोगिता

जनवरी में भाप्रौसं गाँधीनगर लेख-प्रतियोगिता की घोषणा की गई जिसमें आरम्भ से 2035 तक की भाप्रौसं गाँधीनगर की यात्रा का वर्णन करना था, इसके लिए कुल 44 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। इनमें से 8 प्रविष्टियों को पठन-सत्र के लिए चयनित हुईं। लेखकों ने अपने विचार 16 जनवरी, 2015 को आयोजित लघु अन्तर सक्रिय सत्रों में पेश किए। **हर्ष गुप्ता**, बीटेक भाप्रौसं गाँधीनगर के लेख **नी आर इनफिनाइट** को **नीतेश पाण्डेय**, शोध, आइएआरसी, मुंबई में शोधकर्ता के 'टुवर्डस लाइट-विजन 2035' नाम के लिए के साथ संयुक्त रूप से सर्वोत्तम लेख का निर्णय लिया गया। प्रत्येक लेखक को एक-एक मैकबुक एयर प्रदान किया गया।



उर्दू कविता

19 फरवरी, 2015 को भाप्रौसं गाँधीनगर में सुश्री हमीदा बानो चोपड़ा, केलि. फोर्निया, बर्कले तथा उनके विद्यार्थियों ने उर्दू कविता की एक संध्या 'मह. फिल-ए-अदब' आयोजित किया।

पियानो समारोह

8 जनवरी, 2015 को भाप्रौसं गाँधीनगर में विश्व विख्यात पियानो वादक **डॉ हाओ हुआंग** तथा वायलिन वादक **डॉ रशेल वेडर**, दोनों स्क्रिप्स कालेज, क्लेरमोंट, केलिफोर्निया संराअ द्वारा पियानो समारोह सम्पन्न हुआ जो 'दि के हुआ' के नाम से जाने जाते हैं। यह भाप्रौसं गाँधीनगर में आयोजित प्रथम लाइव पश्चिमी शास्त्रीय संगीत कॉन्सर्ट था, इसमें दुओ को उत्कृष्टत प्रदर्शन के लिए अनुदान तथा छात्रवृत्ति नेशनल इनडोमेंट फॉर दि आर्ट्स तथा नेशनल इनडोमेंट फॉर ह्यूमेनिटेरियन, संराअ, दोनों के द्वारा प्रदान की गई। रशेल तथा हाओ हुआंग ने मर्किन हॉल, अब्राहम गुडमैन हाउस, कांग्रेस की लाइब्रेरी की कुलीज ऑडिटोरियम तथा नेशनल म्यूजियम ऑफ वुमैन इन द आर्ट्स, वॉशिंगटन, डीसी जैसे स्थानों पर प्रदर्शन किए हैं। भाप्रौसं गाँधीनगर में हुआ कन्सर्ट के बाद पश्चिमी संगीत पर जैसे जैज तथा अमेरिकन चैंबर संगीत के पहलुओं पर एक सप्ताह की लंबी श्रृंखला का प्रदर्शन **डॉ हुआंग** तथा **डॉ वेडर हुआंग** द्वारा किया गया। भाप्रौसं गाँधीनगर के अपने 10 दिनों दौरे के दौरान दोनों ने भाप्रौसं गाँधीनगर सम. दाय के कई सदस्यों के साथ औपचारिक और अनौपचारिक बैठकों में बातचीत किया। उन्होंने महाविद्यालयों के प्रमुख परिसर-समाचार पत्र 'स्क्रिप्स' में अपनी अविस्मरणीय यात्रा के बारे में लिखा है।

विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति

योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति

2014-15 के दौरान सामान्य तथा अपिव श्रेणियों के 112 अवरस्नातक तथा 8 स्नातकोत्तर छात्रों को योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति प्रदान की गई। यह छात्रवृत्तियां प्रतिभाशाली छात्रों को दी जाती हैं (प्रथम वर्ष के लिए एक अधिक जेईई/एम श्रेणी, तथा वरिष्ठ छात्रों के लिए 6.5 से ज्यादा सीपीआइ), जिनके माता-पिता की आय सीमित है (प्रतिवर्ष 4.5 लाख तक) एमसीएम छात्रवृत्ति में शिक्षण-शुल्क में छूट दी जाती है इसका वर्तमान मूल्य 90 हजार रुपए प्रति वर्ष तथा 1 हजार रु प्रति माह 10 महीने के लिए दिया जाता है।

एमसीएम के अतिरिक्त शिक्षण शुल्क में छूट 14 अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों को दी जाती है जो एमसीएम में नहीं आते पर उन्हें आर्थिक सहायता की जरूरत होती है। सारी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति श्रेणी के सभी छात्रों को शिक्षण शुल्क छूट प्राप्त है। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जन जाति तथा अनुसूचित जाति के 26 अवरस्नातक तथा 2 स्नातकोत्तर छात्रों को जिनके माता-पिता की आय एमसीएम में दी गई सीमा के अन्दर है उन्हें छात्रों के भोजनालय में निरुशुल्क भोजन तथा 10 महीनों के लिए प्रति माह 250 रुपए दिए जाते हैं।

गीता तथा पृथ्विश गोस्वामी छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्ति प्रथम वर्ष के एक छात्र को दी जाती है। इसमें प्रति माह 1500 रु 10 महीने के लिए तथा शिक्षण शुल्क छूट दी जाती है। जो छात्र एमसीएम छात्रवृत्ति के योग्य हैं उन्हें छात्रवृत्ति दी जाती है। 2014-15 वर्ष के लिए **रेलन उदित सुरेन्द्र** को यह छात्रवृत्ति दी गयी।

एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति

एससी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति द्वितीय वर्ष के सिविल अभियांत्रिकी अवरस्नातक छात्र को 6 सत्रों के लिए दी जाती है। इस छात्रवृत्ति का मूल्य 10 महीने के लिए है। 2014-15 वर्ष के लिए यह छात्रवृत्ति **वड्डीनेनी श्रीजा** को दी गयी।

नितीन पी संत छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्ति द्वितीय वर्ष के सिविल अभियांत्रिकी तथा सामग्री विज्ञान तथा अभियांत्रिकी अवर स्नातक छात्रों को 6 सत्रों के लिए दी जाती है। एक द्वितीय वर्ष का छात्र जो एमसीएम छात्रवृत्ति के लिए अर्हता प्राप्त है इस छात्रवृत्ति के लिए योग्य है। इसमें रु 20,000/- सालाना तथा ट्यूशन शुल्क माफ किया जाता है। वर्ष 2014-15 की छात्रवृत्ति **अनुराग गोयल** (सिविल अभियांत्रिकी) को प्राप्त हुई है।



उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

भाप्रौसं गाँधीनगर ने शिक्षाविद खेलकूद, कला तथा संस्कृति तथा सामाजिक कार्य व नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई योग्यता-छात्रवृत्ति संस्थापित किया है। यह छात्रवृत्तियां योग्यता-कम-साधन छात्रवृत्ति से भिन्न हैं तथा सिर्फ उत्कृष्ट उपलब्धि के आधार पर ही संबंधित क्षेत्रों में प्रदान की जाती हैं। इसमें 10 महीने के लिए प्रति माह 2 हजार रु की वृत्ति दी जाती है। 2014-15 के शैक्षणिक वर्ष के लिए उत्कृष्टता छात्रवृत्ति इस प्रकार से प्रदान की गयी

पढ़ाई में उत्कृष्टता छात्रवृत्ति

2014-15 के लिए पढ़ाई में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति पाने वाले नए विद्यार्थी हैं तृतीय वर्ष के **तुष्टि शाह** (सीपीआइ 9.03), **प्रीत साह** (सीपीआइ 9.94), **मिशिता जायसवाल** (सीपीआइ 9.94) तथा **प्रथमेश भट्ट** (सीपीआइ 9.58)। द्वितीय वर्ष के **नीशित शेटी** (सीपीआइ 8.69), **कुशल सलेचा** (सीपीआइ 9.58) तथा **राधिका पाटिल** (सीपीआइ 9.88), छात्रवृत्ति पाने वाले नए विद्यार्थी हैं। **ऋशभ आनंद** (सीपीआइ 10.00), **अनिकेश कामथ** (सीपीआइ 9.70), **भार्गव चौहान** (सीपीआइ 9.98) तथा **प्रेरणा सिंह** (सीपीआइ 9.22) छात्रवृत्ति पाने वाले प्रथम वर्ष के छात्र हैं।

खेलकूद में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

अन्तर भाप्रौसं खेलकूद सम्मेलन या इसी तरह के राष्ट्रीय कार्यक्रमों में खेलकूद जैसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 6 छात्रों तक खेलकूद में उत्कृष्टता का पुरस्कार दिया जाता है। 2014-15 वर्ष के लिए खेलकूद में उत्कृष्टता के लिए **पार्थ सेन**, **अनिमेश कुमावत** तथा **निशा रावत** को छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।

कला व संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

अन्तर भाप्रौसं सांस्कृतिक सम्मेलन या ऐसे ही राष्ट्रीय कार्यक्रमों के जैसे सांस्कृतिक तथा अन्य कला-उत्सवों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 2 छात्रों को यह छात्रवृत्ति दी जाती है। 2014-15 वर्ष के लिए कला व संस्कृति में प्रशंसनीय प्रदर्शन के लिए **शुभम पाटिल** को छात्रवृत्ति दी गयी।

सामाजिक कार्य तथा नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्ति संस्थागत मामलों में (कार्यक्रमों का आयोजन तथा छात्र-कार्याल के प्रबंधन में जिम्मेदारियां निभाने में), या सामाजिक कार्य के लिए, 2 छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दी जाती है। 2014-15 वर्ष के लिए सामाजिक कार्य व नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए **इप्सित तिवारी** तथा **आकाश केशव सिंह** के यह छात्रवृत्ति दी गयी है।



भाप्रौस गाँधीनगर उद्भवन केंद्र (आइआइसी)

नवाचार व उद्यमशीलता

अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर

इजरायल के टेकनियोल इजरायल प्रौद्योगिकी संस्थान में उद्यमशीलता पर 2 सप्ताह के गहन कार्यक्रम के दौरान तृतीय तथा चतुर्थ वर्ष के बीटेक कार्यक्रम के छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय उद्यमशीलता इको सिस्टम प्रणाली में अनुभव मिला। *इप्सित तिवारी* को 2014 के ग्रीष्म में *राजीव मोटवानी युवा उद्यमशीलता अध्येतावृत्ति* दिया गया जि. सने उन्हें सिलीकोन वैली इको सिस्टम में अनुभव पाने में समर्थ बनाया।

डॉ हीरन वेदम ने 9-14 सितम्बर 2014 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों के लिए संपन्न टेकनियोन/ई एक्स. लोर एसी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में इजरायल मंत दौरा किया जो एक अंतर्राष्ट्रीय डेलिगेशन का हिस्सा था। इसने उन्हें 13 विभिन्न देशों के उद्यमशील विद्वानों के साथ बातचीत करने तथा उनकी उद्यमशीलता इको प्रणाली को समझने का मौका दिया। टेकनीओन की *सुश्री रेशेल शलोम* ने 2014 से मार्च 2015 तक एक अभ्यागत संकाय की तरह भाप्रौस गाँधीनगर में अपना समय बिताया। अपने रहने के दौरान उन्होंने एक अल्प-पाठ्यक्रम आयोजित किया तथा महिलाओं के मध्य उद्यमशीलता में प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए भाप्रौस गाँधीनगर के कार्यक्रम डबलूआइएनएस के लांच को समायोजित किया। टेकनीओन की प्रा री यूक्लीयी ने 15-24 जनवरी, 2015 के दौरान भाप्रौस गाँधीनगर में विकासोन्मुख उष्मायन तथा उद्यमशीलता कार्यक्रम पर अपनी अनुभवी सलाह देने के लिए भाप्रौस गाँधीनगर का दौरा किया।

बुनियादी ढांचा: (ऊष्मायन केंद्र)

भाप्रौस गाँधीनगर ऊष्मायन केंद्र (आइआइसी) अहमदाबाद में व्यावसायीकरण बुनियादी ढाँचे के साथ अच्छी तरह जुड़ा हुआ है तथा अहमदाबाद तथा अन्य भाप्रौस तथा एनसीएल के कई इकोसिस्टम साझेदारों तथा ऊष्मानियकों के साथ दृढ़ संबंध हैं।

आइआइसी में एक नॉन-रेजिडेंट तथा 2 रेजिडेंट इन्क्यू. विजन हैं (टिंकर टैंक तथा ल्यूमोस) संस्थान के प्रथम इनक्यूबेटी ग्रिडएंट्स ने हाल ही में बाह्य वित्त पोषण

का पहला भाग मिला संस्थान ने अक्टूबर 2014 में एक विलम्बित प्लेसमेंट नीति आरम्भ की है जो छात्रों का जब वे अपनी उद्यमशीलता के सपनों की अनुशीलता करते हैं तो प्लेसमेंट के बाहर चुनने में समर्थ बनाता है। स्नातक कर रहे 9 छात्रों ने 3 विभिन्न कंपनियों आरम्भ करने का विकल्प चुना।

दिसम्बर 2014 में प्रशासी मंडल ने उच्च-मूल्य स्टार्टअप्स बनाने तथा उद्योग के साथ परस्पर विचारविमर्श शीघ्र करने के लिए ज्यादा पारदर्शिता प्रदान करने के लिए संस्थान के आइपी तथा उष्मायन नीति डिजाइन का अनुमोदन कर दिया। प्रशासी मंडल ने उष्मायन तथा प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पहल को समर्थन देने के लिए भाप्रौस गाँधीनगर नवाचार तथा उद्यमशीलता केंद्र (आइ. आइसी) के सृजन का भी अनुमोदन कर दिया। जनवरी 2015 में भाप्रौस गाँधीनगर ने विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभ. ाग के प्रौद्योगिकी बिजनेस उष्मायन नियंत्रक (टीबीआइ) कार्यक्रम के अंतर्गत एक उष्मा नियंत्रक की स्थापना का अनुमोदन प्राप्त किया।

डॉ मधु मेहता (आइ. क्रिएट), *श्री सुशांतो मिश्रा* (लॉस एंजलिस), *प्रा हैरी यूक्लीया* (टेकनीओन), *डॉ एच के मित्तल* (एनएसटीईडीबी-डीएसटी) तथा *सुश्री रेशेल शलोम* (टेक्नायन) से बनी एक ऊष्मायन सलाहकार समि. ति (आइएसी) की 19 जनवरी, 2015 को सतत उष्मायन गतिविधियों के सृजन के लिए रणनीति नीतियों पर संस्थ. ान को सलाह देने के लिए बैठक हुई।

मार्च 2015 में *श्री आनन्द पाण्डेय* ने सहायक प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण प्रबंधक के पद पर संस्थान में शामिल हुए पहले उन्होंने विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्रीय एस एंड टी उद्यमशीलता विकास बोर्ड में कार्यरत थे। श्री पाण्डेय ने उत्तराखंड तकनीकी विवि से जैव प्रौद्योगिक में एम टेक तथा राष्ट्रीय कानून विवि जोधपुर से बौद्धिक संपत्ति अधिकार में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा किया है।

बौद्धिक संपत्ति

2014 में भाप्रौस गाँधीनगर ने पेटेंट आवेदन तथा एक डिजाइन पंजीकरण दर्ज किया है। संस्थान सक्रियता से इन दर्ज प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण कर रहा है।

प्रौद्योगिकी: चक्षु प्रणाली

यह प्रौद्योगिकी न्यूनतम विशेषज्ञ हस्तक्षेप के साथ आ. इ-गेज डायग्नोसिस तथा प्रभावी अनुकूलन आधारित पा. स्ट-स्ट्रोक थेरेपी में समर्थ बनाता है। रोगी के घर के आराम के पोस्ट स्ट्रोक केयर के खर्च में उसकी परिणाम देने की प्रणाली कटौती करती है: *प्रा उत्तमा लहरी*

प्रौद्योगिकी बहुल-पेरामीटर रोगी निगरानी प्रणाली

यह प्रौद्योगिकी पल्स-प्लेथिस्मोग्राम नियंत्रक तथा एक दबाव नियंत्रक का प्रयोग कर एक रोगी का बिना किसी चोट के बहुल शारीरिक पेरामीटर मापने में समर्थ बनाता है। यह एक रोगी का न्यूनतम तकलीफ के साथ शारीरिक पेरामीटर को तेजी से निगरानी तथा प्रदर्शित काम की अनुमति देता है: *प्रा उत्तमा लहरी*

डिजाइन: गली बिन

यह गली बिन डिजाइन निम्न लिखित विशेषताएं प्रदान कर डस्टबिन से जुड़ी अधिकांश समस्याओं पर काबू पाने की कोशिश करता है। — 1. मजबूत एकल घटक 2. गिरने को रोकने के लिए स्थिरता 3. जानवरों की पहुँच से बाहर 4. प्रयोग करने में आराम का दिशात्मक सामर्थ्य तथा 5. आलगाव में समर्थ बनाने के लिए पारदर्शिता: *प्रा दिनेश कोर्जन*

संगोष्ठी तथा कार्यक्रम

पाठ्यक्रम

- **उद्यमशीलता: सुश्री रेशेल शलोम द्वारा तेजी से बात करना**, टेकनीयोन इजरायल प्रौद्योगिकी संस्थान इजरायल, 20 जनवरी — 3 फरवरी, 2015।
- **श्री केतन देशपाण्डेय तथा श्री संतोष हुरालीकोप्पी द्वारा सामाजिक उद्यमशीलता**, 28–29 मार्च, 2015।
- **डॉ अरनब सरकार तथा श्री राज जसुवा द्वारा अभियांत्रिकी उद्यमशीलता जो एक सफल उद्यमी होने के लिए आवश्यक विभिन्न युक्तियों पर ध्यान केंद्रित करता है।**

संगोष्ठी

- **रिसर्च 2 रुपए** संगोष्ठी गुजरात राज्य जैव प्रौद्योगिकी मिशन (जाएसबीटीएम) के साथ भागेदारी में 4

फरवरी, 2015 में आयोजित हुआ।

- **प्रायर आर्ट सर्च** संगोष्ठी का आयोजन **सुश्री गीता शेख**, वरिष्ठ एसोसिएट व पेटेंट एजेन्ट, कृष्ण व सौ. राष्ट्रीय एसोसिएट, 21 मार्च 2015 को किया।

क्षमता निर्माण

- **सुश्री मौली केथीनीडी** ने 8 अगस्त, 2014 को लीड एंजल्स द्वारा ऊष्मायन प्रबंधकों के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में शामिल हुईं।
- **सुश्री सौम्या हरीष** ने 26–28 नवम्बर 2014 के दौरान आयोजित सामाजिक उद्यम के लिए एक ऊष्मा नियंत्रक के निर्माण पर एक तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला भाप्रौ. सं गाँधीनगर में नवाचार, उष्मायन तथा उद्यमशीलता केंद्र (सीआइआइई) तथा जीआइजेड द्वारा आयोजित किया गया।
- **श्री आनंद पाण्डेय** ने पुणे में आयोजित इन-हाउस वेंचर केंद्र द्वारा पेटेंट सेल की स्थापना तथा इसे चलाने पर एक 2 दिवसीय परिचयात्मक कार्यशाला में भाग लिया।
- **डॉ हीरन वेदम** ने 17 दिसम्बर, 2014 के मुंबई में आयोजित टेकसर्किल स्टार्टअप 2014 (मुंबई एडिशन) में भाग लिया।

सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/संगोष्ठियां

सम्मेलन, संगोष्ठी, सभाएं तथा कार्यशालाएं मुख्य शैक्षिक गतिविधियों पर ध्यान केन्द्रित करती हैं जो विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करने में सहायता करती हैं। इनमें से कई गतिविधियां अन्य संगठनों से भागीदारी को आयोजित करती हैं तथा बाहरी दुनिया के लिए संस्थान की दृश्यता को बढ़ाती हैं। 2014-15 के दौरान निम्न गतिविधियों का आयोजन किया गया

- 1 मई, 2014 को भाप्रौस मुंबई के **प्रा राजकुमार एस पंत** द्वारा **डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ इनडोर रिमोटली कंट्रोल्ड** पर एक दिवसीय कार्यशाला।
- 5 अगस्त, 2014 को पुरातत्व-शास्त्र पर रिमोट सें. सिंग प्रयोग विशेषज्ञ **डॉ एम बी रजनी** द्वारा **रिमोट सेंसिंग ऑफ डोलावीरा व पर्यावरण** पर एक दिवसीय कार्यशाला।
- 24 अगस्त, 2014 को **अग्नि अन्वेषण** पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला। 25 अगस्त, 2014 को **इनक्लोजर फायर डायनामिक्स** पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला-आइसलैंड निर्माण अथॉरिटी के महा निदेशक तथा आइसलैंड विवि के सह प्राध्यापक **डॉ बीजॉर्न कार्लस्सोन** द्वारा।
- 5-6 सितम्बर, 2014 के दौरान सुरक्षा प्रमुख विषय व 4 उप विषय के साथ **8वां नेशनल प्रन्टियर्स ऑ. मयांत्रिकी (एनएटीएफओई-08)** संगोष्ठी- 4 उप विषय- भूकंप अभियांत्रिकी तथा सुरक्षाय प्रक्रिया तथा अग्नि सुरक्षाय सड़क-सुरक्षा तथा संज्ञान तथा सुरक्षा, का आयोजन किया गया। विभिन्न संस्थानों जैसे भ. प्रौस कानपुर, भाप्रौस मद्रास, भाप्रौस दिल्ली, भाप्रौस भुवनेश्वर, भाप्रौस मुंबई, भाप्रौस रुड़की, राप्रौस पटना तथा राप्रौस सूरत से करीब 30 संकाय सदस्या. ने प्रख्यात अभियंताओं से अपने विचार व सूचनाएं शेयर किया। इस संगोष्ठी में 75 भागीदार शामिल हुए तथा **प्रा प्रणव मोहापात्रा**, **प्रा धीमन बासु**, **प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन**, **प्रा चन्मय घोरोई**, **प्रा कृष्ण प्रसाद**, भाप्रौस गाँधीनगर तथा **प्रा विनोद वसुदेवन**, भाप्रौस कानपुर ने इसे समायोजित किया।
- कम लागत उच्च तकनीक ऑटोमेशन** पर एक तीन दिवसीय कार्यशाला **प्रा एन रामाकृष्णन**, और **प्रा जॉयसी मेकी** द्वारा करायी गयी, सितम्बर 25-27, 2014। इसमें गुजरात के अभियांत्रिकी संस्थानों के संकाय तथा उद्योग जगत से करीब 53 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जैसे डीआरडीओ, डीआरडीएल, म. हिन्द्रा एवं महिन्द्रा, एनएफसी, एनआइएफ, वोलटेमप इत्यादि।



- एचएजेडओपी द्वारा औद्योगिक खतरों की पहचान** नामक एक दो दिन की कार्यशाला का आयोजन **श्री जी विश्वनाथन**, पूर्व उप-महाप्रबंधक, भारतीय पे. ट्रोकेमिकल्स कॉरपोरेशन (अब आरआइएल), वडोदरा तथा **प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन** ने लिया, भाप्रौस गाँधीनगर, अक्टूबर 11-12, 2014।
- स्कार्ड नेशन: भारतीय महाद्वीप में विभाजन** का उद्घाटन **प्रा संजय पालशिकर**, हैदराबाद केंद्रीय विवि द्वारा किया गया, साथ में **राष्ट्र और राष्ट्रवाद** पर तथा **विभाजन के गवाह** पर एक वार्ता **प्रा तरुन सेंट**, हिंदू विद्यालय द्वारा दिया गया, नवम्बर 7, 2014।
- नींव एक व्यक्तित्व: जब अभिषेक राहुल से मिले** पर एक दिवसीय कार्यशाला **सुश्री सरिता शाह**, मनोचिकित्सक एवं व्यवहार प्रशिक्षक ने नवम्बर 15, 2014 को लिया।
- प्रा अमित प्रशान्त** और **प्रा धीमन बासु** ने **सिविल अभियांत्रिकी** पाठ्यक्रम की समीक्षा करने पर एक औद्योगिक कार्यशाला का समन्वय किया, नवम्बर 22, 2014।
- श्री उल्हास कामत**, प्रकाअ, आइ-क्रिएट भारत द्वारा **नेटवर्किंग, समझौता वार्ता और संचार** पर एक दिवसीय कार्यशाला लिया गया, नवम्बर 30, 2014।
- नींव (उद्मशीलता वेंचर का पोषण तथा सशक्त), एक भाप्रौस गाँधीनगर तथा आइ-क्रिएट भारत का समुदाय आउटरीज कार्यक्रम द्वारा **रोजगार एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम** का आयोजन किया गया, यह भ. प्रौस गाँधीनगर कर्मचारी तथा पारिवारिक सदस्यों के भावी उद्यमियों के लिए नॉन प्रॉफिट संस्था है, दिसम्बर 5-8, 2014।
- आर्कियोमेटलर्जी तथा पुरातत्व** पर पुरातत्व विज्ञान केंद्र द्वारा एक दो दिन की कार्यशाला का आयोजन, भाप्रौस गाँधीनगर तथा **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई)**, दिसम्बर 8-9, 2014।

- **बी योरसेल्फ, एवरीवन इज टेकन** पर एक दो दिन की कार्यशाला **सुश्री मीनाक्षी किरतने**, एक मनोचिकित्सक तथा प्रशिक्षक द्वारा लिया गया, जनवरी 10–11, 2015।
- **अभियांत्रिकी पाठ्यक्रमों के स्थिरता की बढ़ोतरी** पर **प्रा विलफ डेवडसन**, सायराकूस विवि तथा **प्रा टेड रस्सेल**, जॉर्जिया टेक द्वारा कार्यशाला ली गयी, जनवरी 14, 2015।
- भारत-संरा की **स्वास्थ्य, पर्यावरण, सुरक्षा तथा शिक्षा (फेज 2015)** पर प्रथम कार्यशाला जनवरी 16–17, 2015 में भारत तथा संरा से शिखकों, अनुसंधानकर्ताओं तथा उद्योगियों की प्रतिभागिता देखी गयी। वक्ताओं में शामिल थे स्ट्रेथक्लाइड विवि से **प्रा वॉल्टर जॉन्सटन**, डॉ **माइकल लेंगडेन** तथा डॉ **गोर्डन फलेकहार्ट**; अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, इसरो, अहमदाबाद से **प्रा बिशु पाल**, इकोले सेंट्रले महिन्द्रा, हैदराबाद, **श्री अरूप बेनर्जीय**, डॉ **गौतम साम**, त पीआरएल अहमदाबाद। समारोह **प्रा अरूप लाल चक्रवर्ती** द्वारा समन्वयित किया गया।
- एक दो दिवसीय कार्यशाला **समुद्रवर्ती गुजरात और पश्चिमी भारतीय महासागर: समय के साथ सांस्कृतिक रास्ते** पर मौसम परियोजना के सहयोग से हुयी, जिसमें **प्रा माइकल पियरसन**, न्यू साउथ वेल्स विवि, ऑस्ट्रेलिया द्वारा मुख्य व्याख्यान लिया गया, जनवरी 19, 2015।
- **आइपी जागरुकता** पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन **श्री गौरज यादव** तथा **ओजस सबनिस**, ऑवरलास अनुसंधान, मुंबई द्वारा हुआ, जनवरी 24, 2015।



- **प्राचीन भारत का इतिहास और पुरातत्व** पर भाप्रौसं गाँधीनगर पुरातत्व विज्ञान केंद्र द्वारा एक दो दिवसीय कार्यशाला जनवरी 30–फरवरी 1, 2015 के मध्य आयोजित की गयी। प्रारंभिक व अंत के व्याख्यान डॉ **उपिन्दर सिंह** और डॉ **नयनजोत लहरी**, दिल्ली

विवि जैसे प्रसिद्ध इतिहासकारों द्वारा लिया गया। देशभर से करीब 20 विद्वानों ने अपने अनुसंधान पत्र जमा किये।

- **पदयात्रिकस**, एक दिमागी सत्र का आयोजन **शहर के पदयात्रियों** पर केंद्रित रहा जो भाप्रौसं गाँधीनगर सुरक्षा केंद्र ने कराया था, फरवरी 7, 2015।
- **बदलती समीक्षा और ऑप्टिमाइजेशन** पर एक दिवसीय कार्यशाला **प्रा जगमोहन त्यागी** ने लिया, मार्च 2–8, 2015।
- **गणित और कम्प्यूटेशनल जैविकी** पर परिसंवाद गणित एवं कम्प्यूटेशनल जैविकी के राष्ट्रीय नेटवर्क (एनएनएमसीबी) के सहयोग से किया गया, पुणे, मार्च 21–22, 2015।
- **दि मॉडर्न, दि कोलोनीयल, और बियांड** नामक वार्ताओं की एक कार्यशाला आइआइएसईआर पुणे तथा भाप्रौसं गाँधीनगर द्वारा ली गयी जिसमें डॉ **जॉन मेथ्यू** का **कोलोनी ओर भारत के फोना का निर्माण की जैविकी** पर एक वक्तव्य शामिल था; डॉ **पूजा संचेती** द्वारा **जादू और जादूई सत्यता: कथा जगत के लिए निहितार्थ; एवं तकनीकी तरह से एरोहर का निर्माण: भारत में क्षेत्रीय भाषा प्रलेखीकरण की सांस्कृतिक राजनीति डॉ अदिति देव**, आइआइएसईआर पुणे, मार्च 27, 2015।

लघु पाठ्यक्रम

सालभर कई प्रकार के लघु पाठ्यक्रमों को पाठ्यक्रमों में अपनी पसंद और तथा लचीलापन पहुंचाने के लिए किया जाता है, साथ ही संस्थान में थोड़े समय के लिए आने वाले अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों तथा अभ्यागत संकाय द्वारा लाभ भी होता है। 2014–15 में माने हुए विशेषज्ञों ने इन क्षेत्रों में लघु पाठ्यक्रम लिये।

- **प्रा ज्ञान विकाश**, शिव नादर विवि, नॉयडा द्वारा **टेंसर गणित** पर एक पाँच दिवसीय लघु पाठ्यक्रम, जुलाई 9–13, 2014।
- **प्रा टी रामचंद्रन**, पूर्व भाप्रौसं कानपुर संकाय द्वारा **क्रिस्टेलोग्राफी** पर एक लघु पाठ्यक्रम, अगस्त 11–25, 2014।
- **प्रा टी रामचंद्रन**, पूर्व भाप्रौसं कानपुर संकाय द्वारा **एक्स-रे डिफ्रैक्शन** पर लघु पाठ्यक्रम, सितम्बर 8–18, 2014।
- डॉ **काशीविश्वनाथन चेलवाकुमार**, ईपीआइआर तकनीक, शिकागो, द्वारा **अभियांत्रिकी निर्णयों में आर्थिक विचार** पर एक लघु पाठ्यक्रम, सितम्बर 2–11, 2–014।

- डॉ कैटरीन बेयर, ईपीएफ लौसानेने द्वारा **जमीनी डिजाइन एवं अवलोकन पर विस्थापन** आधारित पद्धति पर एक लघु पाठ्यक्रम, अक्टूबर 20–24, 2014।
- **विकास अध्ययन** पर एक लघु पाठ्यक्रम **डॉ संदीप पाण्डेय**, शिक्षा के लिए आशा के सह-संस्थापक, नवम्बर 1–2, 2014।
- डॉ जेलीन रुकर्ट, वॉशिंगटन विवि द्वारा **संरक्षण एवं स्थिरता का मनोविज्ञान** पर एक दो दिवसीय लघु पाठ्यक्रम, नवम्बर 8–9, 2014।



- **प्रा वीएस राजू, प्रा अजंता सचान एवं प्रा अमित प्रशान्त**, भाप्रौसं गाँधीनगर द्वारा **संरचनात्मक अभियांत्रिकी के लिए जियोकनीकी जांच** पर एक लघु पाठ्यक्रम, नवम्बर 13–15, 2014।
- **मेटलेब के उपयोग से अभियांत्रिकी में कम्प्यूटेशनल पद्धतियाँ** पर एक लघु पाठ्यक्रम **प्रा नितिन पधियार**, भाप्रौसं गाँधीनगर, दिसम्बर 17–19, 2014।
- **एप्लाइड डिजिटल सिग्नल प्रक्रिया** पर **प्रा निथिन वी जॉर्ज**, भाप्रौसं गाँधीनगर द्वारा एक लघु पाठ्यक्रम, दिसम्बर 08–12, 2014।
- **फाइबर रीइन्फोर्सड मेट्रिक्स कम्पोजिट पदार्थ** पर एक लघु पाठ्यक्रम **प्रा राजेन्द्र बोर्डिया**, क्लेमसन विवि, संराअ, जनवरी 5–16, 2015।
- **प्रा चंद्रकांत देसाई**, माननीय स्थानीय विद्वान, भाप्रौसं गाँधीनगर और रीजेन्ट्स प्राध्यापक एमेरिटस, एरिजोना विवि, द्वारा **अभियांत्रिकी में यांत्रिक**, जनवरी 6–13, 2015।
- **मृदा-संरचना परस्पर क्रिया: कम्प्यूटर अनुप्रयोग एवं पदार्थ मॉडल**, **प्रा अमित प्रशान्त**, भाप्रौसं गाँधीनगर, जनवरी 19–23, 2015।
- **उद्यमशीलता: तेज बोलने** पर एक लघु पाठ्यक्रम **सुश्री रेशेल शेलोम**, टेकनियन इजरायल प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा लिया गया, इजरायल, जनवरी 20–फरवरी 3, 2015।

- **प्रा फ्रेडरिक कूलिज**, स्थानीय विद्वान द्वारा सपनों के विवेचना पर लघु पाठ्यक्रम, भाप्रौसं गाँधीनगर, जनवरी 24–25, 2015।
- **प्रा टी रामचन्द्रन** द्वारा **इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी** पर एक लघु पाठ्यक्रम, पहले भाप्रौसं गाँधीनगर के साथ, जनवरी 28–फरवरी 10, 2015।
- **एक स्टार्ट-अप कंपनी और उद्योग नियोजन प्रस्तुतीकरण** पर एक लघु पाठ्यक्रम लिया **श्री बी वी जगदीश**, महानिदेशक, काज वेंचर्स द्वारा, सेन फ्रांसिस्को, सीए, फरवरी 5–10, 2015।
- डॉ **हुगो सी कर्डोसो**, लिसबन विवि ने **दक्षिण एशिया में भाषा संपर्क** पर एक लघु पाठ्यक्रम, फरवरी 14–15, 2015।
- **प्रा रवि बेनावर**, भाप्रौसं मुंबई ने **वेक्टर स्पेस और अनुप्रयोगों** पर लघु पाठ्यक्रम लिया, फरवरी 19–20, 2015।
- **प्रा प्रणब कुमार मोहापात्र**, भाप्रौसं गाँधीनगर ने **अवक्षेपण यातायात** पर एक लघु पाठ्यक्रम लिया, मार्च 02–04, 2015।
- डॉ **अमित शाह**, सिस्को, ने **कम्प्यूटर नेटवर्किंग** पर एक दो दिवसीय पाठ्यक्रम लिया, मार्च 14–15, 2015।
- **सुश्री केल्ली धरू**, अनुसंधान प्रतिष्ठान भारत सरकार (आरएफजीआई), ने **कानून एवं प्रौद्योगिकी के परस्पर क्रिया** पर एक लघु पाठ्यक्रम, मार्च 21–21, 2015।
- **सामाजिक उद्यमशीलता** पर एक दो दिवसीय लघु पाठ्यक्रम **श्री केतन देशपाण्डेय और श्री संतोष हु. रलीकोप्पी**, एफयूईएल ने लिया, मार्च 28–29, 2015

आमंत्रित व्याख्यान

संस्थान में आमंत्रित अभ्यागत विशेषज्ञों ने अपनी पसंद के विभिन्न विषयों पर निम्नलिखित रूप से व्याख्यान लिये जिससे कि उनके शैक्षणिक रुचियों को छात्रों के साथ साझा किया जा सके।

- **परंपरा को तोड़ना - कच्चे तेल का फ्रेक्शनेशन तथा हाइड्रोट्रीटिंग या कच्चे तेल का हाइड्रोट्रीटिंग और फिर फ्रेक्शनेशन? प्रा इकबाल एम मुजतबा**, ब्रेडफोर्ड विवि, संरा, अप्रैल 2, 2014।
- **कम-स्तरीय स्टिमुलस की विशेषताओं का अदि।क-स्तरीय स्टिमुलस विशेषीकरण का प्रभाव-व्यवहार एवं न्यूरल सबूत**, डॉ **भुवनेश अवस्थी**, विस्कॉंसिन-मॉडिसन, संराअ, अप्रैल 4 2014।

- **संरचनात्मक अभियांत्रिकी डिजाइन एवं प्रक्रिया:** उदाहरण और करियर सुझाव, श्री जॉन पाओ, अध्यक्ष, बोडोनोव पाओ एसोसिएट्स लि, वेनकूवर, केनेडा, अप्रैल 7, 2014।
- **अपने व्यावसायिक करियर में सफलता के लिए कला एवं बुद्धिमता की लेवेरेजिंग, प्रा विनय खन्ना,** भारत के उच्च संस्थानों में अभ्यागत संकाय, अप्रैल 14, 2014।
- **पाकिस्तान की अस्थिरता एवं लचीलेपन का विरोध गभास, प्रा क्रिस्टोफे जेफ्फरेलॉट,** दक्षिण एशिया के फ्रांसीसी राजनीतिक वैज्ञानिक, अप्रैल 14, 2014।
- **जल उपचार प्रौद्योगिकी एवं जल प्रौद्योगिकी की हालही की प्रगति, डॉ टी एन वी वी राव,** प्रमुख, जल उपाय, यूएल, अप्रैल 15, 2014
- **सामुदायिक जल उपचार प्रौद्योगिकी एवं मौजूदा पौधों के अनुभव, श्री रवीन्द्र सेवक,** निदेशक, सु. रक्षित जल नेटवर्क, अप्रैल 15, 2014
- **विदेशी शिक्षण— भारत में अभियांत्रिकी, प्रा. इवेटाइजेशन तथा नियोलिबरलेजाइंग का मध्यम वर्ग, डॉ आलोक खांडेकर,** मास्ट्रिट विवि, नीदरलैंड, अप्रैल 16, 2014
- **जैवअणुओं के पारस्परिक क्रिया के अध्ययन के लिए जैवकोर (एसपीआर), डॉ एनेनेट्टे पियरसन,** जीई स्वास्थ्यसेवा जीव विज्ञान, स्वीडन, मई 19, 2014
- **माइक्रोकेलोरीमेट्री: प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग, डॉ नटालिया मार्कोवा,** जीई स्वास्थ्यसेवा जीव विज्ञान, स्वीडन, मई 19, 2014
- **शिक्षण को और अधिक चुनौतीपूर्ण/अंतःक्रियात्मक, मानक टेक्स्टपुस्तकों में समस्याओं के स्तर को बढ़ाना, प्रा एम के हरबोला,** भाप्रौसं कानपुर, जुलाई 4, 2014
- **आराआरसीएटी में सिनक्रोट्रॉन विकिरण, डॉ सुद. १प के देब,** पूर्व प्रमुख, सिंधु सिनक्रोट्रॉन उपयोगिता विभाग, राजा रमन्ना उच्च प्रौद्योगिकी केंद्र (आराआ. रसीएटी), इंदोर, जुलाई 7, 2014
- **भारत महाद्वीप के विशाल भूकंप, प्रा जे आर कायल,** सीसमोलोजिकल अनुसंधान संस्थान, गाँधीन. गर, जुलाई 10, 2014
- **विकट संरचनात्मक प्रणालियों की साइबर सुरक्षा, प्रा व्हल एस राव,** निदेशक, स्मार्ट ग्रिड ऊर्जा केंद्र, टेक्सस टेक विवि, जुलाई 22, 2014
- एक श्रृंखलावार व्याख्यान, **पार्टिकल एक्सेलेरेटर के लिए शुद्ध ऑप्टिमाइजिंग कई विरोधाभासी डिजाइन बाध्यताओं के साथ बहुक्रियात्मक पदा. र्थय हेटेरोजीनियस विकृतियों पर मेसोटेक्सचर के विशेषीकरण, जाँच एवं सिमुलेशनय उच्च ६ गतु पदार्थ पददर्शन पर माइक्रोस्ट्रक्चर, क्रिस्टल प्रभाव, विकार तथा पुनःक्रिस्टलाइजेशन, प्रा टी आर बीलर,** मिशिगन राजकीय विवि, संराअ, जुलाई 28–29, 2014
- **ग्राफ/बहुग्राफ सड़ने की समस्याओं की जटिलता, प्रा शैलेश टिपनिस,** इलिनॉयस राजकीय विवि, जुलाई 31, 2014
- **संभावना सिद्धांत और स्टोकेस्टिक प्रक्रियाओं का परिचय, प्रा कृष्ण बी अथ्रैया,** आइओवा राजकीय विवि, अगस्त 1, 2014
- **सामाजिक अन्याय से अभियंता अच्छी तरह से लड़ सकते हैं – एक व्यक्तिगत कहानी, श्री कैलाश सत्यार्थी,** अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध बाल अधिकार के कार्यकर्ता तथा बाल श्रम के खिलाफ लड़ने वाले एक अग्रणी, अगस्त 4, 2014
- **धीमी आवाजें बड़े गाने गाती हैं: पश्चिमी राजस्थ. 1न की विकासशील तस्वीर एवं संगीत, भारत, डॉ शालिनी अयाग्री,** एक एथनोम्यूजिकोलॉजी जिन्होंने दक्षिण एशिया के संगीत में विशेषज्ञता ली है, अगस्त 12, 2014
- **पिक्चर अभी बाकी है, प्रा रेशल ड्वेयर,** ओरियेंटल एवं अफ्रीकन अध्ययन विद्यालय, लंडन, अगस्त 13, 2014
- **कैंसर के इलाज की खोज की रुकावटें: हालही की उन्नति एवं समझ, प्रा शिलादित्य सेनगुप्ता,** हार्वर्ड चिकित्सा विद्यालय एवं एमआईटी, अगस्त 19, 2014
- **नेनोउपकरण प्रौद्योगिकी एवं स्मार्टर ग्रह पहले, डॉ मुरली कोटा,** मुख्य प्रौद्योगी, आइबीएम भारत सेमीकंडक्टर अनुसंधान विकास केंद्र, अगस्त 22, 2014
- **ब्रह्मांड के मौलिक अणु और हिग्स बोसन का शोध, प्रा राघवन रंगराजन,** पीआरएल अहमदाबाद, अगस्त 29, 2014
- **एक उद्यमी का उसके विचारों, परीक्षणों तथा सफलताओं तक का सफर, श्री प्रणित बंधिया,** प्रकाअ एवं संस्थापक, हाइ टेक कम्पनियों का समूह,

- अहमदाबाद, अगस्त 30, 2014
- **विशेषज्ञता की अर्थव्यवस्था पर पूंजीकरण, डॉ. राजेन्द्र बेरा**, ऐकेडीन्नेट शिक्षा सेवा भारत प्रा लि के मुख्य मार्गदर्शक, बेंगलोर, सितम्बर 3, 2014
 - **भारत के उभरते ऊर्जा क्षेत्र की क्रांति, प्रा राजेन्द्र सिंह**, क्लेमसन विवि, सितम्बर 3, 2014
 - **सौंदर्यपरक एवं राजनीति: थिएटर के माध्यम से समुदाय एवं संघर्ष के बदलाव, प्रा हेनरी श्वार्ज**, प्रधान संपादक, पोस्टकोलोनीयल अध्ययन के ब्लेकवेल एनसाइक्लोपीडिया, सितम्बर 4, 2014
 - **भाप्रौस से जीन्स के मैपिंग, सुश्री अनु आचार्य**, प्रकाश, मैप माय जीनोम, सितम्बर 4, 2014
 - **भाप्रौस गाँधीनगर प्रणाली के नॉन टीचिंग के कर्मचारियों के नए चेहरे पर अभिविन्यास कार्यक्रम, श्री डी के घोष**, पूर्व कुलसचिव, भाप्रौस मुंबई, सितम्बर 6, 2014
 - **अभियांत्रिकी एक स्थिर भविष्य, प्रा निर्मल सेथिया**, केलिफोर्निया राजकीय पॉलीटेकनिक विवि, पोमोना, सितम्बर 11, 2014
 - **डेंडी से डांडी तक: गाँधी की सामाजिक न्याय की यात्रा, प्रा तारा सेथिया**, केलिफोर्निया राजकीय पॉलीटेकनिक विवि, पोमोना, सितम्बर 11, 2014
 - **भारत में क्यीर आंदोलन: अधिकार, संघर्ष तथा विद्रोह, श्री पल्लव पटनाकर**, निदेशक, भारत के पर्जीकृत एलजीबीटी गैर सरकारी संस्था का सर्वप्रथम एचआइवी कार्यक्रम, हमसफर ट्रस्ट, मुंबई, सितम्बर 11, 2014
 - **विज्ञान में मेटाफोर का विचार प्रयोग, मॉडल एवं ह्यूरिस्टिक ऊर्जा, प्रा बिपिन इंदुर्ख्या**, एजीएच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान विवि, क्राको, पोलैंड, सितम्बर 11, 2014
 - **जीवन एवं मृत्यु का पैटर्न: मानव भौतिकी के आयामों को समझने के लिए भौतिकी का प्रयोग, प्रा सितभ्र सिंह**, गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई, सितम्बर 19, 2014
 - **जैवगैस प्रौद्योगिकी, डॉ शरद काले**, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई, सितम्बर 23, 2014
 - **कैंसर के प्रति मौलिक जागरूकता, प्रसिद्ध आ. 'नकोलोजिस्ट डॉ ऊशा बोहरा, डॉ विशाल चो. कसी**, अपोलो अस्पताल, अहमदाबाद, एवं **डॉ अरुन शेच**, सेंट जॉन अस्पताल, बेंगलोर, अक्टूबर 7-12, 2014
 - **अनिश्चित डेटा से सीख एवं निर्णय, प्रा आर एन सिंह**, सीएसआइआर-राष्ट्रीय जियोभौतिकी अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, अक्टूबर 10, 2014
 - **ऑप्टिकल-पदार्थ रोशनी से सूक्ष्मपदार्थ का निर्माण, डॉ उत्तमा मन्ना**, जेम्स फ्रेंक संस्थान, शिक. गगो विवि, अक्टूबर 27, 2014
 - **इंटरनेट स्वतंत्रता: हॉट-बटन चुनौतियां, डॉ निखिल मोरो**, डिजिटल मीडिया कानून के विद्वान एवं शिक्षक, अक्टूबर 30, 2014
 - **मानव गुण एवं सुखी प्राप्तकर्ता के लिए प्रौद्योगिक अनुप्रयोग, डॉ रौनक शोधन**, शिक्षा, सामाजिक, परामर्श एवं समाजसेवी सेवाएं, अक्टूबर 31, 2014
 - **संस्कृति एवं मनोविज्ञान, प्रा लीलावति कृष्णन**, भाप्रौस कानपुर, नवम्बर 7, 2014
 - **पुरानी हड्डियों से नयी कहानियां बताना: पुरातत्व हड्डी रसायन शास्त्र के माध्यम से हड्डिपन प्रवास की समझ, श्री बेंजामिन थोमस वेलेंटाइन**, डार्मोथ विद्यालय, संराअ, नवम्बर 10, 2014
 - **पेट्रोल तेल भंडारण के खतरों का अवलोकन, डॉ रवि कुमार**, भाप्रौस रुड़की, नवम्बर 13, 2014
 - **विश्व के ब्लेक होल्स, प्रा रंजीव मिश्रा**, अंतरिक्ष विज्ञान एवं एस्ट्रोभौतिकी का इंटर विश्वविद्यालय केंद्र (आइयूसीएए), पुणे, नवम्बर 17, 2014
 - **ब्यूयेंसी-ड्रिवेन टर्बुलेंस का ऊर्जा स्पेक्ट्रम, प्रा महेन्द्र के वर्मा**, भाप्रौस कानपुर, दिसम्बर 5, 2014
 - **चूर्ण से आकार तक, चूर्ण निर्माण के माध्यम से हिस्से और उपकरण, आकार लेना और एसेम्बली, और एसेम्बली, प्रा पराग भार्गव**, भाप्रौस मुंबई, दि. सन्बर 5, 2014
 - **नेनोक्रिस्टल्स में यांत्रिक बर्ताव के स्केलिंग संबंध, प्रा अतुल एच चौकसी**, आइआइएससी, बेंगलोर, दिसम्बर 12, 2014
 - **पुस्तकालय एवं पुस्तकालयाध्यक्षों की बदलती भूमिका: श्री जय भट्ट** द्वारा ड्रेक्सेल विवि पुस्तकालय के अनुभव, संराअ, दिसम्बर 23, 2014
 - **बेहतर डिजाइन की स्थिरता एवं इम्पेक्ट के लिए संपूर्ण यांत्रिक दृष्टिकोण, डॉ सुभाष के सिकंदर**, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अनुसंधान प्रयोगशाला, सिन. सनाटी, संराअ, दिसम्बर 30, 2014
 - **वाइब्रोटेकटाइल अनुभूति के बारे में बायेशियन आदर्श पर्यवेक्षक क्या सिखाता है?, डॉ अरिन्दम**

- *महाचार्जी*, टोरोंटो विवि, दिसम्बर 30, 2014
- *चौड़ा बेंडगेप (डबलूबीजी) ऊर्जा इलेक्ट्रोनिक्स*, डॉ कृष्ण शेनाइ, उपाध्यक्ष, लोपेल कॉरपोरेशन, नेपर, विल्ले, इल्लिनॉयस, संराअ, जनवरी 1, 2015
- *लिंग का निर्माण*, प्रा लीना फ्रूज्जेट्टि, ब्राउन विवि, जनवरी 5, 2015
- *सामान के मूर्तरूप तथा सेवाओं की अनिश्चितता की भूमिका की फॉर्मलाइजेशन*, डॉ देवनाथन सुदर्शन, केचुकी विवि, जनवरी 6, 2015
- *सिंधु घाटी की सभ्यता की पत्थर के मनके: प्रौद्योगिकी एवं व्यापार*, प्रा जोनाथन मार्क केनोयर, विस्कॉसिन विवि, मेडिसन, जनवरी 8, 2015
- *तीन-आयामी एमोरफस ठोस की शियर स्थानीकरण*, डॉ पंकज कुमार मिश्रा, वीजमन्न विज्ञान संस्थान, इजरायल, जनवरी 8, 2015
- *व्यावहारिक हस्तक्षेपों के लिए ग्राहकों को समझना*, प्रा रघुनाथ सिंह राव, टेक्सस विवि, जनवरी 8, 2015
- *तरीकों और रचनात्मक का बदलाव: नोर्मेलिटी पर एक संज्ञानात्मक दृष्टिकोण*, प्रा बिपिन इंदुर्ख्या, अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद, जनवरी 9, 2015
- *श्री अरुण एम कुमार* के साथ एक संवाद सत्र, संरा में व्यापार के सहायक सचिव, जनवरी 10, 2015
- *नेनो-बदलाव वाली उन्नति, स्थिर संरचना के लिए बहुक्रियात्मक फाइबर रीइनफोर्सड कांक्रिट पदार्थ*, डॉ नेमकुमार बेंथिया, ब्रिटिश कोलंबिया विवि, जनवरी 12, 2015
- *ऑल देट जेज: ब्लूज के साथ जेज संगीत*, प्रा हाओ हुआंग, स्क्रिप्स विद्यालय, क्लेरमोंट, जनवरी 13, 2015
- *वायलिन और पियानो के लिए अमेरिकन कला संगीत*, प्रा रेशेल वेट्टर हुआंग स्क्रिप्स विद्यालय, क्लेरमोंट, जनवरी 15, 2015
- *क्या भारत का उत्तरीपूर्व विभिन्न सांस्कृतिक विशेषता का है?*, प्रा समीर दास, कलकत्ता विवि, जनवरी 15, 2015
- *गुरुत्वाकर्षण तरंग खगोल विज्ञानरू ब्रह्मांड में एक नया रास्ता खोलना*, डॉ संजित मित्रा, आ. इयूसीएए, पुणे, जनवरी 16, 2015
- *विज्ञान सीखना, स्पेशियल कोगनीशन एवं प्रतिनिधित्व*, डॉ शमिन पदलकर, पुणे विवि, जनवरी 16, 2015
- *अभियांत्रिकी शिक्षा: पाठ्यक्रम, शिक्षण एवं सीख*, प्रा सुब्रत राय, भाप्रौसं मंडी, जनवरी 21, 2015
- *दूसरे भारत के लिए रिपोर्टिंग*, श्री जयदीप हारदिकर, दि टेलीग्राफ, जनवरी 23, 2015
- *उर्दू केलिग्राफी*, प्रा कालामुद्दीन, उर्दू केलीग्राफर, जनवरी 23, 2015
- *केटेलेटिक रसायनिक वाश्प जमावड़े द्वारा कार्बन नेनोसंरचनाओं की प्रगति*, प्रा सुब्रता रे, भाप्रौसं मंडी, जनवरी 23, 2015
- *प्रौद्योगिकी उद्यमियों की तरह एक भौतिकशास्त्री की फाइबर ऑप्टिक संचार के लिए सिलिकोन फोटोनिक्स*, डॉ काल शास्त्री, सिस्को, जनवरी 30, 2015
- *अपने आप में एक देश: भारत का चित्रण, 1915–2015*, डॉ अनन्या वाजपेई, विकासशील सोसायटी का अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली, फरवरी 3, 2015
- *संरचनात्मक लेखनी*, प्रा विलियम हर्बर्ट, ब्रिटिश कवि एवं लेखक, फरवरी 3, 2015
- *मस्तिष्क एवं हृदय के साथ कार्य करना: 108 आपातकाल सेवा परियोजना की शुरुआत के साथ मेरे अनुभव*, डॉ सुधाकर वाराणसी, आपातकाल प्रबंधन अनुसंधान संस्थान के संस्थापक (इएमआ. रआइ), फरवरी 5, 2015
- *सिग्नल प्रक्रिया के साथ अनुप्रयोगों के फूरियर परिवर्तन*, प्रा वी डी पाठक, पहले एमएस वडोदरा विवि, फरवरी 12, 2015
- *आपदा प्रबंधन – आपदा को समझना, एक आम आदमी के लिए भारतीय वायु सेना के राहत ऑपरेशन में क्या करें और क्या न करें की समझ*, विंग कमाण्डर दिनेश वासवानी, भावासे, फरवरी 13, 2015
- *क्या मैं आपसे प्यार करता हूँ या मेरे में आपसे प्यार करता है?*, सुश्री सरिता शाह, मनोवैज्ञानिक एवं बर्ताव प्रशिक्षक, फरवरी 14, 2015
- *भारत और यूरोप का संगीत: समानांतर और संपर्क*, स्टीफन बुल, वायलनिस्ट, फरवरी 18, 2015
- *भारत-पोर्चुगल में भिन्नता को खोजना और समझना तथा दक्षिण एशिया में पोर्चुगल भाषा का प्रभाव*, डॉ ह्यूगो कार्डूसो, लिसबन विवि, फरवरी 18–19, 2015
- *दि क्वांटम एवं कोंटिन्नम: आइन्सटाइन का डाइ*

- कोटोमस लेगेसी, प्रा पार्थासार्थी मजुमदार, रामकृष्ण विवेकानंद मिशन विवि, कोलकत्ता, फरवरी 19, 2015
- ओरोगेनिक पठार के किनारों पर टेक्टोनिक, मौसमी तथा सतही प्रक्रियाएं, डॉ रासमुस थीडे, भू एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान, पोर्ट्सडेम विवि, जर्मनी, फरवरी 24, 2015
- भारत में आइटी: ट्रेड्स एवं पैटर्न, सुश्री अविनाश वशिष्ठ, एक्सेंचर भारत, मार्च 10, 2015
- सुएज का पूर्व – भारत में कांच के मनके, चूड़े, शीशे तथा अन्य, प्रा जन कोक, आर्हुस विवि, डेनमा. र्क, मार्च 12, 2015
- धर्म, संस्कृति, एवं प्रौद्योगिकी, प्रा ब्रज सिन्हा, सास्काचवान विवि, केनेडा, मार्च 13, 2015
- सौर इंपल्स: सूर्य द्वारा विश्व की उड़ान, श्री माइकल पेटीग, एबीबी सोलर इंपल्स प्रौद्योगिकी एलायंस, मार्च 13, 2015
- आइपी का मनीटाइजेशन, श्री आकाश भवसार, स्काइक्वेस्ट प्रौद्योगिकी समूह, मार्च 14, 2015
- खोज से पहले कला, सुश्री मीता शेख, कृष्ण एवं सौराष्ट्री एसोसिएट्स, मार्च 21, 2015
- छोटी एवं मध्यम उद्योगों में डाटा आधारित निर्णय, डॉ अरविन्द सराफ, उद्यमी, मार्च 24, 2015
- मौसमी बदलावों की चुनौतियों की लेवेरेजिंग: स्थिर प्रगति के लिए नई प्रौद्योगिकी एवं मौके, एच ई फ्रेंकोइस रिचीर, भारत में फ्रांसीसी दूत, मार्च 25, 2015
- सौर ईंधन: जल और प्राकृतिक फोटोसिंथेसिस को अलग करना: खाद्य और पकाने की रसायन प्रक्रिया, डॉ सिद्धार्थ दासगुप्ता, रासायनिक नवीनता का एनएसएफ केंद्र: केलटेक में सौर ईंधन, संराअ, मार्च 27–28, 2015
- भारत की भविष्य की विद्युत मांग का आंकलन, प्रा एस पी सुखात्मे, विशेष माननीय प्राध्यापक, भाप्रौसं गाँधीनगर, मार्च 30, 2015

चालू शैक्षिक कार्यक्रम

विद्युत तथा यांत्रिकी अभियांत्रिकी विज्ञान पर एक 2 दिवसीय टीईक्यूआईपी कॉन्क्लेव 13 से 14 मार्च, 2015 के दौरान आयोजित किया गया। गुजरात, महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश के 14 अभियांत्रिकी संस्थानों के 61 संकाय सदस्यों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। शिरकत करने वालों ने अपने संबंधित संस्थानों की सुविधाओं पर प्रस्तुतीकरण दिए। इस सम्मेलन की विषय वस्तु थी— उद्योग शिक्षा वार्ता तथा अवरस्नातक शोध। इस बैठक में पहले विषय उद्योग तथा शिक्षा के विशेषज्ञ थे **श्री अखिलेश मंगल**, जीईआरएमआइ, **श्री वेणुगोपाल**, **पीशीरोडी**, इंग. रसौल रांद एवं **प्रा एच जे नागरशेट**, सूरत राप्रौसं, ने अभियांत्रिकी संस्थानों तथा उद्योगों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। इस बातचीत का समन्वय **प्रा नारण पिंडोरिया**, **प्रा प्रत्युष दयाल** तथा **प्रा हरीष पी एम** ने किया। प्रतिनिधियों द्वारा सक्रिय भागीदारी ने कई वास्तविक सिफारिशें दीं। दूसरे विषय का संचालन **प्रा अमित प्रशान्त** तथा **प्रा प्रणव मोहापात्रा** ने अवर स्नातक शोध



पर जोर देने के लिए किया। अवर स्नातक शोध के विभिन्न मॉडल पर विचार मंथन किया गया। भाप्रौसं गाँधीनगर के **डॉ हीरन वेदम** तथा **प्रा सुपर्ब मिश्रा** ने प्रोजेक्ट आधारित अवरस्नातक शिक्षण तथा उद्यमशीलता की महत्ता पर पृथक बैठक का संचालन किया। भाग लेने वालों ने अपने संस्थानों में आनेवाली कठिनाइयों पर बातचीत करने के लिए 7 समूह भी बनाए तथा लागू करने के लिए कॉन्क्लेव के विषयों पर विचार के साथ सहमत हुए।



श्री कैलाश सत्यार्थी



हतर लड़ सकते हैं इस पर अपना वक्तव्य दिया। अपनी बात में श्री सत्यार्थी ने अपनी कहानी याद की कि वे एक विद्युत अभियंता बने और उनके कार्य भारत व विश्व में गहराई से जड़ जमाए मुद्दे बाल-व्यापार तथा बाल-श्रम के समाधान के इर्द-गिर्द घूमता रहा। उन्होंने भाप्रौस गाँधीनगर के छात्रों को दृढ़ता पूर्वक प्रोत्साहित किया कि वे ऐसे सामाजिक मुद्दों, चाहे छोटे स्तर पर ही, पर कार्य करें। श्री सत्यार्थी ने न्यासा के बच्चों से भी बातचीत की जो निर्माण मजदूरों के बच्चों के लिए भाप्रौस गाँधीनगर का समुदाय आउटरीच कार्यक्रम है।



15-20 फरवरी, 2015 के दौरान लिस. बन संस्थान विवि के **प्रा लुईस एनटेरो** ने दोनों संस्थानों के मध्य शैक्षिक व शोध संबंध मजबूत करने के लिए इस संस्था का दौरा किया।

एचईएमई वेंकेशन अशोक चेक गणराज्य में भारत के पूर्व राजदूत व भारत के वर्तमान महावाणिज्य दूत (सेन फ्रांसिस्को) ने अक्टूबर में भाप्रौस गाँधीनगर तथा केलि. फोर्निया के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा उद्योगों के मध्य सहयोग बनाने के लिए बातचीत के लिए संस्थान का विशिष्ट दौरा किया। राजदूत अशोक शैक्षणिक, औद्योगिक तथा व्यावसायिक संबंधों को भारत व संरा अमेरिका के मध्य मजबूत करने के लिए रणनीति विकसित करने के तरीकों पर कई विषयों के कई संकाय सदस्यों से बातचीत किया।



जेएआइएसटी से 4 सदस्यों के एक ने प्रतिनिधि मंडल 16-17 जनवरी, 2015 के दौरान सहयोग का पता लगाने के लिए भाप्रौस गाँधीनगर का दौरा किया। **श्री टेत्सुओ आसानो**, अध्यक्ष जेएआइएसटी ने कहा—हमलोग छात्रों

की एक टीम भाप्रौसं गाँधीनगर में पढ़ने के लिए भेजने की योजना बना रहे हैं तथा इसके अन्तरविषयक अध्ययन कार्यक्रम भी देखना है। अन्य सदस्यों में **श्री हीरोयुकी लीडा**, **श्री शुन्गो कावानीशी** तथा **श्री रयो मेयोजोनो** शामिल थे।

श्री अरुण कुमार



भाप्रौसं गाँधीनगर अमेरिकी वाणिज्य सहायक सचिव, **श्री अरुण कुमार** की भ. प्रौसं गाँधीनगर में 10 जन. वरी, 2014 को, मेजबानी की। श्रीकुमार ने कहा कि उद्यमशीलता में जोखिम को बढ़ा चढ़ा कर कहा गया है। उन्होंने इस संस्थ. इन के दौरे के दौरान 100 छात्रों से बातचीत के समय इस पर्यवेक्षण का जिक्र किया। श्री कुमार, जो अमे.

रिकी तथा विदेशी वाणिज्यिक सेवा के महानिदेशक भी हैं, जीवन्त गुजरात सम्मेलन के लिए गाँधीनगर में थे। उन्होंने उद्यमशीलता में असफलता के बारे में बताया सिलिकन घाटी में अपने स्तर पर सबसे अच्छा कार्य करने के बाद भी असफलता सराहनीय है। तथा ऐसे लोगों के लिए आगे कॉरपोरेट्स में शामिल होने के लिए कई दरवाजे खुले हैं। तथापि अन्य संस्कृतियाँ हैं। उन्होंने भाप्रौसं गाँधीनगर के उद्यमशीलता पर जोर देने की प्रशंसा की ताकि छात्र नौकरी नहीं ढूँढ़ें, बल्कि वास्तव में बाजार में ज्यादा नौकरियाँ उत्पन्न करें।



प्रा जोनाथन मार्क केनोयेर

प्रा जोनाथन मार्क केनोयेर ने 8 जनवरी 2015 को इटली के डॉ डेनीस फ्रेमेज तथा विसकोन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता विद्वान, **श्री जेम्स लैनिंग** के साथ भाप्रौसं गाँधीनगर का दौरा किया। प्रा केनोचेर **स्टोन बीड्स ऑफ द इंडस सिविलाइजेशन: प्रौद्योगिकी तथा व्यापार** पर वक्तव्य दिए। उन्होंने संस्थान के अधिकारियों के साथ बैठकें भी करीं।

एच ई श्री फ्रान्कोईस रीचियर



भारत में फ्रांस के राजदूत **श्री फ्रान्कोईस रीचियर** ने 25 मई, 2015 को भाप्रौसं गाँधीनगर का दौरा किया। उनके दौरे का उद्देश्य छात्रों तथा संकाय-सदस्यों के साथ बातचीत करना था तथा यूएनएफसीसीसीसीसीसीओपी21 के बारे में जाग. रुकता बढ़ाना था। उन्होंने **लीवरेजिंग द क्लाइमेट चेंज चैलेन्ज: न्यू टे. कनोलॉजी फॉर सस्टेने.**

बल ग्रोथ पर एक व्याख्यान दिया जिसके बाद बातचीत सत्र शुरू हुआ। बातचीत के दौरान, छात्रों तथा संकाय सदस्यों ने जलवायु परिवर्तन तथा स्थिरता, साथ ही जलवायु परिवर्तनकर्ता से सम्बंधित सवाल पूछे। राजदूत ने जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल निहितार्थ से निपटने के लिए स्वच्छ ऊर्जा की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत के विकास में अक्षय ऊर्जा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, सीओपी21 का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन निहितार्थ एक बेहतर मंच प्रदान करना है तथा जलवायु परिवर्तन अल्पीकरण के लिए रणनीति विकसित करना है। एक प्रभावशाली तथा न्यायसंगत अंतर्राष्ट्रीय समझौता वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करने के लिए ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के लिए महत्वपूर्ण होगा। सी. ओपी21में एक महत्वाकांक्षी समझौता करने के लिए एक निष्पक्ष फैसिलीटेटर की भूमिका के प्रति सीओपी21 फ्रांस में मेजबान व चेयर के तौर पर प्रतिबद्ध हैं। इस संबंध में, राजदूत रीचियर ने जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई तथा आनेवाले दिसम्बर के सम्मेलन में चेयर के तौर पर फ्रांस की भूमिका से सम्बन्धित कई मुद्दों को संबोधित किया। आगे का रास्ता सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए है जो धन नौकरी तथा सामाजिक उन्नति लाता है। राजदूत रीचियर ने जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में भारत-फ्रेंच सहयोग पर रौशनी डाली जिसमें वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी सहयोग भी शामिल है।

विशिष्ट माननीय प्राध्यापक

प्रा जे बी जोशी



प्रा जे बी जोशी रसायनिक अभियांत्रिकी तथा जे सी बोस राष्ट्रीय फेलो, रसायनिक अभियांत्रिकी संस्थान (आ. इसीसी), मुंबई के सुप्रसिद्ध प्राध्यापक हैं साथ ही होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई), मुंबई के डीआई- होमी भाभा विशिष्ट चेयर प्राध्यापक हैं। शोध में उनकी अभिरुचि खासकर कम्प्यूटेशनल प्लुइड डायनामिक्स (सीएफडी) ट्रांसपोर्ट फेनोमेनन तथा नॉन-लीनियर डायनामिक्स इन मल्टीफेज सिस्टम, ऊर्जा, जैविक अपशिष्ट जल उपचार, पेट्रोलियम अवशेष चढ़ाव, एनजाइम अभियांत्रिकी, गैस उत्प्रेरण प्ररित एनओएक्स, न्यूनीकरण में है। उन्होंने 65 से ज्यादा डॉक्टरल छात्रों का अधीक्षण किया है तथा 350 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं तथा 26 राष्ट्रीय पत्रिकाओं साथ ही कई सम्मेलनों व पुस्तकों में अपना योगदान दिया है। उन्हें शिक्षण व शोध में करीब 40 वर्षों का अनुभव है, उन्होंने नवल रिएक्टर, प्रक्रिया तथा प्लांट्स डिजाइन किए हैं जिनका भारत तथा विदेशों में सफल व्यापारिक इस्तेमाल हो रहा है। रसायनिक प्रक्रिया उद्योग के कख बड़े भाग के सक्रिय परामर्शदाता हैं। वे कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार व प्रतिष्ठा के विजेता हैं जैसे महाराष्ट्र शैक्षिक विज्ञान फेलो (1987), भारत शैक्षिक विज्ञान फेलो (1991), अभियांत्रिकी विज्ञान के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (1991), भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान फेलो नई दिल्ली (1995) वर्ष 2004 के लिए महाराष्ट्र सरकार का सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार, 2007 में अमेरिकन रसायनिक समाज (एसीएस) ने उच्च प्रभाव वाले प्रकाशन के आधार पर औद्योगिक व अभियांत्रिकी रसायन शास्त्र के 40 वर्षों से अधिक की अवधि में 100 शिखर के शोध वैज्ञानिकों में उनका चयन किया है।

प्रा हरिनारायण कोटा



प्रा हरिनारायण कोटा ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से यांत्रिकी अभियांत्रिकी में स्नातक किया। आइएससी, बेंगलूर से एयरो अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर डिग्री ली व पीएच.डी. भाप्रौस मुंबई से किया। उन्होंने अपना करियर 1967 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक लि से आ.

रम्भ किया। वे नासिक डिवीजन में 1982 में दोबारा मुख्य डिजाइनर के पद पर शामिल हुए। 1985 में वे डीआरडीओ प्रतिनियुक्त हुए तथा बेंगलूर के एयरोनॉटिकल विकास अधिष्ठान (एडीई) में निर्देशक के तौर पर प्रभार लिया। 1995 के दौरान उन्हें डीआरडीओ द्वारा विशिष्ट वैज्ञानिक के रूप में पदोन्नत किया गया। कार्यक्रम निदेशक तथा लाइट कंवेट एयरक्राफ्ट के मुख्य डिजाइनर के रूप में, उन्होंने सीमित सिरिज प्रोडक्शन के लिए प्लाइट-टेस्टिंग व क्लीयरेंस प्रोजेक्ट का सफलता पूर्वक निर्देशन किया। उनके कार्य ने स्टेट-ऑफ-द-आर्ट, हाई-टेक्नोलॉजी फाइटर एयरक्राफ्ट के विकास में योगदान दिया। वे भारत के एयरोनॉटिक्स सोसायटी (पूर्व सोसायटी के अध्यक्ष), नेशनल अकादमी ऑफ साइन्सेस तथा भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के फेलो हैं। उन्हें भाप्रौस मुंबई तथा भारतीय विज्ञान संस्थान द्वारा प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें 1996 में राष्ट्रीय एयरोनॉटिकल पुरस्कार तथा एफआईई फाउन्डेशन पुरस्कार मिला। 2002 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री पुरस्कार मिला। भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी ने जीवन पर्यन्त अभियांत्रिकी योगदान पुरस्कार, 2006 प्रदान किया। उन्हें 2007 वर्ष के लिए अभियांत्रिकी के क्षेत्र में, ऊर्जा व एयरोस्पेस भी शामिल हैं, विज्ञान व प्रौद्योगिकी के लिए श्री ओमप्रकाश भसीन पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें 2008 में डीआरडीओ जीवन पर्यन्त पुरस्कार मिला 15 जुलाई, 2005 तक वे विगत रूप से हैदराबाद विश्वविद्यालय के उपकुलपति थे। वे शोध परिषद, वायु ऊर्जा प्रौद्योगिकी केन्द्र के चेयरमैन, भाप्रौस मुंबई एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विमान के प्रतिष्ठित अतिथि प्राध्यापक, भारत-इटली एस एंड टी कार्यक्रम के लिए भारतीय तकनीकी समन्वयक, हैदराबाद विश्वविद्यालय में प्राहु व्हीटनी चेयर प्राध्यापक तथा एडीए, बेंगलूर में डीआरडीओ चेयर हैं।

प्रा सुरेन्द्र प्रसाद



प्रा सुरेन्द्र प्रसाद ने भाप्रौस खड़गपुर व भाप्रौस दिल्ली से अपनी शिक्षा प्राप्त की है। 4 दशकों से भी ज्यादा समय तक वे भाप्रौस दिल्ली में सेवारत रहे। इस दौरान इन्होंने कई शैक्षिक व प्रशासनिक जिम्मेवारियां वहन की, निदेशक का पद भी संभाला। वे एक प्रमुख शिक्षाविद्

प्राध्यापक वी एस राजू



प्रा वी एस राजू, भाप्रौसं दिल्ली के पूर्व निदेशक (1995–2000) ने आंध्र विश्वविद्यालय से अभियांत्रिकी में स्नातक की डिग्री, आइआरएससी बेंगलोर से स्नातकोत्तर डिग्री तथा कर्लश्रुए प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से जर्मनी से डॉक्टरेट प्राप्त की। अपने

42 वर्षों के शैक्षणिक जीवन में वे भारतीय दूरसंचार वि. नियामक प्राधिकरण (टीआइएआइ) के अंशकालिक सदस्य भी थे और भाप्रौसं मद्रास में विभिन्न क्षमता में कार्य किया। वे नौसेना अनुसंधान प्राधिकरण डीआरडीओ के अध्यक्ष तथा देश में तकनीकी शिक्षा तथा शोध में कार्य करने के लिए कई प्राधिकरण तथा समितियों के सदस्य थे। वे भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के फेलो हैं तथा इसके माननीय सचिव थे। जर्मनी के संघीय गणतंत्र ने उन्हें एक विदेशी को दिए जाने वाली सर्वोच्च पुरस्कार 'कमान्डर क्रॉस' से सम्मानित किया।

प्राध्यापक वी राजारमण



प्रा वी राजारमण ने भौतिक विज्ञान में बीएससी (ऑनर्स) की डिग्री ली, एमआइटी, संराअमेरिका से विद्युत अभियांत्रिकी में एसएम तथा विसकॉन्सिन, संराअ से भी पीएचडी पूरा किया। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पद हासिल किए

जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी के आइबीएम शोध प्राध्यापक, एडवॉंस वैज्ञानिक शोध केंद्र के जवाहर लाल नेहरू केंद्र, बेंगलोर के प्राध्यापक सुपर कम्प्यूटर शिक्षण तथा शोध केंद्र, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर के प्राध्यापक तथा अध्यक्ष और भाप्रौस कानपुर के वरिष्ठ प्राध्यापक तथा कम्प्यूटर केंद्र के प्रधान शामिल हैं। वे कई कंपनियों के निदेशक रहे हैं जिसमें सीएमसी लि नई दिल्ली, कैनबैंक कम्प्यूटर सर्विसेज लि बेंगलोर तथा इनकोर सॉफ्टवेयर लि बेंगलोर शामिल हैं। 1998 में उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किया। उन्हें अभियांत्रिकी के शोध के लिए जहीर पदक, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमीय शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार (सीएसआइ. आर)य यूजीसी का होमी भाभा पुरस्कार तथा डाटाक्वेस्ट से जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कारय भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी, भारत कम्प्यूटर समाजय तथा भारत सिस्टम समाज शामिल हैं।

प्राध्यापक सुहास पी सुखात्मे



प्रा सुहास पी सुखात्मे भाप्रौसं मुंबई से सम्मान के साथ सेवानिवृत्त प्राध्यापक, ने 1964 में एमआईटी से डॉक्टर ऑफ साइन्स की उपाधि प्राप्त किया तथा वे शिक्षण व शोध में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए सुप्रसिद्ध हैं तथा व सौर ऊर्जा पर प्रसिद्ध पुस्तकों के काफी सम्मान तथा प्रतिष्ठा मिली है वयू प्रिंस ऑफ वेल्स स्वर्ण पदक, 1983 पटनागर पुरस्कार तथा 2001 का अभि. ओम प्रकाश भसीन फाउन्डेशन पुरस्कार 1 में भाप्रौसं मुंबई का जीवन पर्यन्त उप. ने वाले प्रथम व्यक्ति हैं। 2001 में उन्हें एवविद्यालय द्वारा विज्ञान की प्रतिष्ठित न की गई। 2001 में भारत सरकार ने सम्मानित किया।

प्राध्यापक नीतिश ठाकोर

प्रा नीतिश ठाकोर जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय में जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर अभियांत्रिकी तथा तंत्रिका विज्ञान में प्राध्यापक हैं। वे तंत्रिका अभियांत्रिकी के लिए प्रयोगशाला का निर्देशन करते हैं। वे सिंगापुर राष्ट्रीय



विश्वविद्यालय में सिंगापुर तंत्रिका प्रौद्योगिकी संस्थान में निदेशक भी हैं। उन्होंने भाप्रौस मुंबई से 1974 में अवर स्नातक की डिग्री व 1981 में विस्कॉसिन विश्वविद्यालय से मेडिसन से पीएचडी प्राप्त की। प्रा ठाकोर की यांत्रिक विशेषज्ञता तंत्रिका निदान उपकरण, तंत्रिका सूक्ष्म प्रणाली, तंत्रिका संकेत प्रक्रिया, स्नायु तंत्र के आप्टिकल इमेजिंग, कृत्रिम अंग तंत्रिका नियंत्रण, तथा मस्तिष्क मशीन अंतर-फलक में हैं। वे 250 से ज्यादा उल्लिखित पत्र-पत्रिकाओं के सह-लेखक हैं तथा आजकल जैविक अभियांत्रिकी आकलन के प्रमुख संपादक हैं। वे आइईई तंत्रिका तंत्र के आदान-प्रदान और पुनर्वास अभियांत्रिकी के 2006-2011 तक प्रमुख संपादक थे। प्रा ठाकोर को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान से शोधजीवन विकास पुरस्कार तथा राष्ट्रीय विज्ञान स्थापना द्वारा राष्ट्रीय युवा अन्वेषक पुरस्कार मिला। वे अमेरिकन चिकित्सा व जैविक अभियांत्रिकी समाज के संस्थापक फेलो हैं। वे अंतर्राष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ चिकित्सा व जैव अभियांत्रिकी के भी फेलो हैं। उन्हें स्कूल ऑफ इंजीनियर विस्कॉसिन विवि द्वारा 2008 में सेंटैनियल पदक तथा अल्फा एटम बीटा जैव चिकित्सीय अभियांत्रिकी विद्यार्थी ऑनर समाज द्वारा सम्मानित सदस्यता मिली है। उन्हें आइईईई औषधि अभियांत्रिकी तथा जौव विज्ञान द्वारा स्नायु अभियांत्रिकी में तकनीकी उत्कृष्टता पुरस्कार मिला तथा 2012 में भाप्रौस मुंबई द्वारा प्रतिष्ठित पूर्व विद्यार्थी पुरस्कार तथा 2012 में विस्कॉसिन विवि मेडिसन अभियांत्रिकी स्कूल से सेंटैनियल पदक मिला है।

अतिथि प्राध्यापक

प्रा अनिल कुमार अमुरतुर



प्रा अनिल कुमार अमुरतुर वान्डर विल्ट विश्वविद्यालय के संकाय में एक एयरोस्पेस अभियंता हैं, वे स्पेस शटल फ्लाइट तथा अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर माइक्रोग्रेविटी फ्लुइड फ्लो केनासा अन्वेषक रहे हैं। उनकी वर्तमान रुचि लो-एल्टिट्यूड के रॉकेट के जरिए हवाई जहाज की उड़ान के लिए नवीन ऊर्जा के डिजाइन व मूल्यांकन, तथा अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी के डिजाइन तथा मूल्यांकन में हैं। प्रा अनिल कुमार ने अपने माता-पिता श्रीमती अम्बा तथा

श्री वेंकटासुब्बा की याद में इस संस्थान में शास्त्री अक्षय निधि विन्यास स्थापित किया है। मूल रूप से कर्नाटक के अम्फुटर तथा नन्जन्गुड के उन्हें पूरे भारत में विभिन्न स्थानों पर रहने का अवसर मिला जबकि श्री शास्त्री हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक लि. एयर फोर्स डिस्ट्रिक्ट्स में फील्ड सर्विस अभियंता के पद पर कार्य करते थे, एक मां बाप के रूप में उन्होंने हमेशा शिक्षा की महत्ता तथा समाज के प्रति जिम्मेवारी पर दृढ़ता पूर्वक बल दिया। उनकी शोध के केंद्र में प्रयोगात्मक तरल गतिशीलता, रॉकेट संचालक शक्ति, ड्रॉप व बबल डाइनामिक्स और बुलबुला गतिशीलता, बॉयो-इनकैप सुलेशनय उर्जा-रूपान्तर, वायु, तथा थर्मोइलेक्ट्रिक्स, बायोडीजल, सामग्री-प्रसंस्करणय फ्लोट-जोन्स, डाइरेक्शनल सोलिडीफिकेशन हैं।

डॉ निखिल बलराम



डॉ निखिल बलराम एक सिलिकॉन वैली कंपनी रिको इनोवेशन निगम के अध्यक्ष तथा सीईओ हैं जो रिको कंपनी लि. के लिए औद्योगिक तथा व्यापार विकसित, करती है। डॉ. बलराम 20 वर्षों से ज्यादा के अनुभव के साथ बहु-प्लेटफॉर्म में वीडियो डिस्प्ले प्रौद्योगिकी के एक विशेषज्ञ तथा अन्वेषक के तौर पर पूरे उद्योग तथा शैक्षणिक क्षेत्र में काफी सम्मानित माने जाते हैं तथा वे कई सार्वजनिक रूप से दर्ज की गई कंपनियों के अधिकारी रहे हैं। उन्होंने कई पुरस्कार जीते हैं जिसमें 9वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पुरस्कार में इलेक्ट्रॉनिक श्रेणी में वर्ष के कार्यपालक के लिए गोल्ड स्टीवी पुरस्कार, सोसाइटी फॉर इन्फोर्मेशन डिस्प्ले (एसआइडी) द्वारा 2012 फेलो पुरस्कार तथा कार्नेजी मेलेन विवि द्वारा 2011 पूर्व छात्र उपलब्धी पुरस्कार शामिल हैं। डॉ बलराम कार्नेजी मेलेन विवि में सहायक प्राध्यापक हैं। केलिफोर्निया विवि बर्कले में विज्ञान विज्ञान में अभ्यागत प्राध्यापक हैं तथा भाप्रौस गाँधीनगर में डिजाइन व नवाचार में अभ्यागत प्राध्यापक हैं व उन्होंने सांताक्लारा विवि में स्कूल ऑफ अभियांत्रिकी में उद्योग सलाहकार प्राधिकरण (आइएबी) में भी अपनी सेवा प्रदान की है। उनके पास 60 संरायूस द्वारा स्वीकृत तथा विचाराधीन पेटेंट हैं, 30 से भी ज्यादा तकनीकी प्रकाशन हैं जिसमें 2 आमंत्रित पुस्तक अध्यापक हैं, तथा उन्होंने पूरे विश्व में बड़े सम्मेलनों में 25 से भी ज्यादा मुख्य भाषण प्रस्तुत किए जिसमें हाल का सेंट एंड्रयू यू के में रिको विलै महिला ब्रिटिश ओपन, 2013 में का अंत.

राष्ट्रीय व्यवसाय मंच शामिल हैं। उन्होंने अपना बीएस, एमएस तथा विद्युत अभियांत्रिकी में पीएचडी कार्नेजी विवि से किया है।

डॉ अचिंत्य के भौमिक



डॉ अचिंत्य के भौमिक इन्टेल कॉरपा. 'रेशन में परसेप्शुअल कम्प्यूटिंग ग्रुप के स्थापना के महाप्रबंधक तथा प्रमुख प्रौद्योगिकी अधिकारी हैं। जहाँ के शोध व विकास, अभियांत्रिकी तथा कम्प्यूटिंग उत्पाद की मार्केटिंग, प्राकृतिक सेंसिंग पर आधारित समाधान तथा इन्टरैक्शन प्रौद्योगिकी, इनचुएटिव इनफोरमेशन, इमर्सिव एप्लिकेशन्स तथा प्रयोगकर्ता के अनुभव, "Intel® Real Sense Technologies" के रूप में ब्रांडेड है। पहले वे 30 डालर बिलियन से ज्यादा के राजस्व के साथ इन्टेल के सहसे बड़े बिजनेस यूनिट पर्सनल कम्प्यूटिंग ग्रुप के स्टाफ के प्रमुख के तौर अपनी सेवा प्रदान की। इसके पहले इन्टेल के कम्प्यूटिंग उत्पाद के लिए शक्ति-प्रदर्शन के लिए अनुकूलित मल्टीमीडिया प्रसंस्करण तथा प्रदर्शन प्रौद्योगिकी समर्थ बनाने तथा विकसित करने के लिए जिम्मेवार उन्नत वीडियो तथा प्रदर्शन प्रौद्योगिकी समूह का नेतृत्व किया। उनके पहले के कार्यों में सभी डिजिटल लिक्विड-क्रिस्टल-ऑन सिल. स्क्रीन माइक्रो डिसप्ले प्रौद्योगिकी का विकास, फास्ट इलेक्ट्रो-ऑप्टिक मोड्यूलेशन तथा उच्चगति-संचार नेटवर्क के लिए एकीकृत, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक सर्किट शामिल हैं। एक सहायक तथा आभ्यागत प्राध्यापक के पद पर उन्होंने स्नातक शोध निबंध परामर्श दिया है तथा उन्नत संवेदन तथा ह्यूमन कम्प्यूटर-इन्टरैक्शन, कम्प्यूटर विज्ञान, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, डिस्प्ले प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले, सिलोम में क्यूंग-कही विश्वविद्यालय कोरिया, तथा कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सान्ताक्रूज एक्सटेंशन, तथा केंट स्टेट विश्वविद्यालय के लिक्विड क्रिस्टल संस्थान में स्नातक स्तर पाठ्यक्रम की शिक्षा दी। उनके पास इन्टरैक्टिव डिस्प्ले: नेचुरल ह्यूमन-इन्टरफेस टेक्नोलॉजी तथा मोबाइल डिस्प्लेज: टेक्नोलॉजी व एप्लीकेशन्स शीर्षक की 2 पुस्तकों के साथ 150 से भी ज्यादा प्रकाशन हैं। उनके 20 स्वीकृत पेटेंट हैं। वे जर्नल ऑफ दि सोसायटी फॉर इन्फोर्मेशन डिस्प्ले के सह संपादक तथा एडवॉन्स इन ओएलईडी डिस्प्ले तथा इन्टरैक्टिव डिस्प्ले के 2 विशिष्ट खंड के लिए संपादक हैं।

डॉ आर एस बिष्ट



डॉ आर एस बिष्ट भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संयुक्त महा निदेशक (सेव निवृत्त) को पुरातत्व शोध राष्ट्रीय स्मारकों का पर्यावरणीय विकास तथा प्रकाशन में 35 वर्षों से ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से प्राचीन भारतीय इतिहास व संस्कृति में अपना एम ए, स्कूल ऑफ पुरातत्व विज्ञान से पीजीडीए तथा कुमायूँ विश्वविद्यालय से पीएचडी किया। वे हरियाणा के पुरातत्व विज्ञान तथा संग्रहालय से जुड़े हैं। वर्तमान में डॉ बिष्ट मैरीन पुरातत्व विज्ञान समिति के अध्यक्ष तथा भारत सरकार द्वारा मनोनीत संस्कृति मंत्रालय में मनोनीत राष्ट्रीय स्क्रीनिंग एंड इवोल्यूशन समिति के चेयरमैन हैं। वे पद्मश्री तथा 2013 में आचार्य नरेन्द्र देव अलंकार के प्राप्तकर्ता हैं।

प्रा राजेन्द्र बोर्डिया



प्रा राजेन्द्र बोर्डिया एक अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रसिद्ध विद्वान हैं जिनकी शोध सामग्री विज्ञान तथा मेकानिक्स के इन्टरैक्शन पर है तथा यह ऊर्जा, पर्यावरण तथा उच्चताप उपयोग के लिए जटिल सामग्री प्रणाली के गुणों तथा प्रसंस्करण में मौलिक तथा एप्लायड स्टडीज पर केन्द्रित है। वर्तमान में वे कलेक्शन विश्वविद्यालय में सामग्री विज्ञान व अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक तथा चेयर हैं। पहले व वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सियाटल में पदार्थ विज्ञान तथा अभियांत्रिकी विभाग के चेयर थे। उन्होंने अपनी अवर स्नातक डिग्री यांत्रिकी अभियांत्रिकी में भाप्रौसं कानपुर (1979) में किया तथा एमएस (1981) तथा पीएचडी डिग्री सामग्री विज्ञान तथा अभियांत्रिकी (सोलिड मेकेनिज्म में माइनर) कॉर्नेल विश्वविद्यालय इथ. का न्यूयॉर्क से किया। 2002 में वे अमेरिकन सिरामिक सोसायटी के फेलो, 2010 में विश्व सिरामिक अकादमी में शिक्षाविद् चयनित हुए। उन्होंने अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए जिसमें, हमवोल्डट वरिष्ठ वैज्ञानिक शोध पुरस्कार, एलेक्जेन्डर वोन हमवोल्डट फाउन्डेशन, जर्मनी (2007) राष्ट्रीय युवा अन्वेषक पुरस्कार (एनएसएफ) (1992-1997)य डू पोंट युवा प्राध्यापक पुरस्कार (ईआइड. पोंट को) (1993-1996)य अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ पुरस्कार, टेकनिकल विश्वविद्यालय हैम्बर्ग-हारवर्ग, जर्मनी (1969, 2001 तथा 2002) शामिल हैं। एक निष्ठावान शिक्षक तथा

मेंटर, प्रा बोर्डिया वॉशिंगटन विश्वविद्यालय में अपने छात्रों द्वारा 7 बार (1994, 1995, 1996, 2000, 2006, 2009, 2011 तथा 2012) वर्ष के शिक्षक के तौर पर चयनित हुए। वॉशिंगटन विश्वविद्यालय द्वारा मार्शा फलान्डोल्ट प्रितष्ठित स्नातक मेंटल पुरस्कार पाने वाले अकेले व्यक्ति थे, तथा एमेरिकन सिरामिक सोसायटी के सिरामिक शिक्षा परिषद द्वारा वर्ष के उत्कृष्ट शिक्षक (2012) पुरस्कार पाने वाले अकेले व्यक्ति थे। प्रा बोर्डिया अमेरिकन सिरामिक सा. 'सायटी की पत्रिका के सह-संपादक (1988 से आज तक) हैं। सिरामिक प्रोसेसिंग रिसर्च की पत्रिका के संपादक (1997 से आज तक) तथा सिरामिक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के मुख्य संपादक (2009 से आज तक) हैं। वे अमेरिकन सिरामिक सोसायटी के निदेशक मंडल के सदस्य थे (2008–2010)।

प्रा विजय एच बरुआ



प्रा विजय एच बरुआ आजकल भ. प्रौसं दिल्ली से जुड़े हैं। इन्होंने डिब्रूगढ़ विवि से दर्शन विज्ञान में बीए (ऑनर्स), भारत, बनारस विवि से एम, ऑक्सफोर्ड विवि, यूके से एमलिट तथा ग्यूलफ विवि केनेडा से पीएचडी पूरा किया। प्रा बरुआ ने भाप्रौसं कानपुर में प्राध्यापक तथा आस्टिन संराअ में टेक्सस विवि में वरिष्ठ फुलब्राइट फेलो के तौर पर अपनी सेवा प्रदान की हैं। वे भारतीय दार्शनिक शोध परिषद (आइसीपीआर)य सदस्य परामर्शदायी समिति, दर्शनकेंद्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विवि, अभ्यागत पद पर उम्मीदवार, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान संकाय, उत्तर पूर्व विवि, बाह्य सदस्य, शैक्षणिक परिषद, माँ वैष्णव देवी विविय सदस्य, बाह्य परामर्शदायी मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान समिति, बिड़ला प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान संस्थान, पिलानीय सदस्य, नीति संस्थान समिति फोर्टिज मेनोरियल शोध संस्थान, गुड़गांव रहे हैं।

प्रा स्वेतलाना ब्रजेव वेनकूवर

प्रा स्वेतलाना ब्रजेव वेनकूवर, केनेडा के ब्रिटिश कोल. म्बिया प्रौद्योगिकी संस्थान में प्राध्यापक हैं। उन्होंने भाप्रौसं रुड़की से भूकंप अभियांत्रिकी में पीएचडी पूरा किया। उन्होंने 2001 से 2003 तक ओकलैंड केलिफोर्निया, संराअ के भूकंप अभियांत्रिकी शोध संस्थान में निदेशक तथा उपाध्यक्ष के पद पर कार्य किया है। वे विभिन्न शोध परि



रयोजनाओं तथा कार्यक्रमों की सदस्य थीं। जिसमें राष्ट्रीय विज्ञान फाउन्डेशन (एनएसएफ) के समीक्षा पैनल एनई. ईएस कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय शोध तथा शिक्षा के लिए एनएसएफ साझेदारी की समीक्षक, तथा एनएसईआरसी शोध प्रस्ताव की समीक्षक (विभिन्न कार्यक्रम)। वे एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय परियोजना विश्व हाउसिंग इंसाइक्लोप. डिया (www.worldhaving.net) के लिए मुख्य संस्थापक संपादक हैं। प्रा ब्रजेव ने इमारतें संरचनात्मक, डिजाइन तथा पुनर्वास, व्यावसायिक, संस्थागत सुविधाएं तथा ला. इफलाइन्स में 25 वर्षों से ज्यादा का अनुभव है। केनेडा, भारत, रूस, चिली, पेरु, पूर्व युगोस्लाविया, मिस्र, अलजीरिया तथा जॉर्डन की मौजूदा सुविधाओं के अनेक डिजाइन परियोजना तथा अध्ययन में भाग लिया। विश्व बैंक तथा महाराष्ट्र सरकार, भारत के भूकंपीय परामर्शदाता के तौर पर उन्होंने 30 सितम्बर, 1993 में भारत के लातूर भूकंप में हुई बर्बाद हुए 200,000 से ज्यादा पक्की इमारतों की मरम्मत, व पुनरुनिर्माण के लिए तकनीकी दिशा निर्देशों तथा प्रबंधन रणनीति तैयार किया। प्रा ब्रजेव ने कई भूकंपों के बाद पूर्व परीक्षण अध्ययन में भाग लिया जिसमें 2010 मौले, चिली भूकंप, 2003 बौमेर्डस, अल्जीरिया भूकंप तथा 1993 महाराष्ट्र, भारत भूकंप शामिल हैं। उन्होंने 80 सेमी ज्यादा पेपर, रिपोर्ट जर्नल, सम्मेलनों तथा आमंत्रित सेमिनार में प्रकाशित किए हैं।

प्रा आर पी छाबड़ा



प्रा आर पी छाबड़ा ने रुड़की विवि से रसायनिक अभियांत्रिकी में बीई, आइआइएससी बंगलोर से एमई तथा मोनास विवि आस्ट्रेलिया से पीएचडी किया है। वे भाप्रौसं कानपुरय न्यू साउथ वेल्स विवि सिडनीय स्वान्सी कॉलेज विवय मोनास विवि, क्लेटनय तथा सिडनी विवि के साथ जुड़े रहे हैं। वे कोलकाता के भारतीय रासायनिक अभियंता संस्थान पूर्व छात्र समिति, रुड़की विवि (अब भाप्रौसं रुड़की) तथा पूर्व छात्र समिति, भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलोर के सदस्य रहे हैं। वे भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलोर, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत तथा भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के फेलो हैं। प्रा छाबड़ा को रासायनिक अभियांत्रिकी में मूल शोध में उत्कृष्टता के लिए रासायनिक

अभियंताओं के भारतीय संस्थान के हरडिल्लपा पुरस्कार तथा 35 वर्ष से कम के रासायनिक अभियंता के लिए शोध व विकास में उत्कृष्टता के लिए रासायनिक अभियंताओं के भारतीय संस्थान का अमर डाई केम पुरस्कार मिले हैं।

श्री मिशैल डैनीना



श्री मिशैल डैनीनो, 1977 में भारत आने के बाद भारतीय सभ्यता के एक स्वतंत्र छात्र रहे हैं। उन्होंने फ्रेंच व अंग्रेजी में पेपर व पुस्तकें लिखी हैं। उनकी हाल की रचना के शीर्षक हैं— द लोस्ट रिवर ऑन द ट्रेल ऑफ सरस्वती (पेनग्विन इंडिया, 2010) तथा भारतीय संस्कृति तथा भारत का भविष्य (डीके प्रिन्टवर्ल्ड, 2011), पूरे देश में उन्होंने विभिन्न उच्चतर शिक्षा संस्थानों में पुरातत्व, प्राचीन ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक बोधक धारा के आधार पर भारतीय सभ्यता के उद्गम पर विस्तार से अपने व्याख्यान दिए। 2011 में वे भाप्रौसं कानपुर में अभ्यागत संकाय थे तथा वर्तमान में भाप्रौसं रांची के अभ्यागत संकाय हैं, “ज्ञान, परम्परा तथा व्यवहार” पर 11 तथा 12 वीं कक्षा के लिए सीबीएसई चयनित पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम समिति के सदस्य हैं तथा पाठ्यपुस्तक की 2 किताबों के सह संपादक रहे हैं।

डॉ प्रवीणराय डी गाँधी



डॉ प्रवीणराय डी गाँधी वर्तमान में यूएल में कॉरपोरेट शोध के निदेशक हैं। उन्होंने भाप्रौसं दिल्ली से अपना बीटेक तथा नोट्रेडेम से पीएचडी किया है। उनका पूरा ध्यान आग से होने वाले जोखिम तथा खतरों को मापने पर है और वे नई परीक्षण विधि व मानक के विकास से जुड़े रहे हैं। आजकल वे अग्नि विज्ञान शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए अग्नि सुरक्षा समुदाय व विश्वविद्यालयों के साथ काम कर रहे हैं।

प्रा दीपन के घोष

प्रा दीपन के घोष वर्तमान में भाप्रौसं मुंबई में भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक हैं। वे एक संघनित पदार्थ विचारक हैं जिन्होंने शुरु में निम्न चुंबकीय आयाम पद्धति में कार्य किया है। वे अपने एक आयामी बहुल निकाय समस्या के सही हल के लिए सुप्रसिद्ध हैं जो साहित्य में मजूमदार



घोष मॉडल के तौर पर विस्तृत रूप से जाने जाते हैं। उन्होंने यांत्रिक तथा ऊष्मा गतिशीलता पर अपनी मूल पुरस्कार व कई पदों पर भाप्रौसं मुंबई को अपनी सेवा प्रदान की है जिसमें डीन व उप-निदेशक का पद शामिल है। उन्हें

2000 में आइआइटीबी का सर्वोत्तम शिक्षक पुरस्कार दिया गया। 2011 में संस्थानों के निर्माण में उनके योगदान के लिए आइआइटीबी के जीवन पर्यन्त उपलब्धि के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे भारतीय भौतिक विज्ञान एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे हैं (2005–07) तथा आजकल वे फिजिकल न्यूज के संपादक हैं। वे होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान अकादमी परिषद (डीआई) मुंबई विश्वविद्यालय के डीआईके मूल विज्ञान केंद्र तथा आइआइएस विवि जयपुर के सदस्य हैं। प्रा घोष 2012 में वड़ोदरा में नवरचना विवि के उप-कुलसचिव थे तथा उन्होंने वहाँ अभियांत्रिकी कार्यक्रम की स्थापना की। वे सवराप्रौसं, सूरत के शासी मंडल के सदस्य हैं।

डॉ विपीन इन्दूरव्या



डॉ विपीन इन्दूरव्या कम्प्यूटर विज्ञान के प्राध्यापक हैं तथा भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद में संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला के प्रमुख हैं। उन्होंने अपना पीएचडी मैस्साचूसेट्स, अमहेर्स्ट विवि से स्नातकोत्तर डिग्री फिलिप्स अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अध्ययन संस्थान इन्डोवेज दि निदरलैंड्स से प्राप्त किया। उन्होंने कई संस्थानों के शिक्षण तथा शोध कार्यक्रम में अभ्यागत प्राध्यापक के तौर पर योगदान दिए जिसमें संज्ञानात्मक विभाग तथा कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, जगीएललोनियन विवि, क्राकोव (पोलैंड)य कम्प्यूटर विज्ञान तथा दर्शन विज्ञान विभाग, बोगाजेसी विवि, इस्तानबुल (टर्की)य काग्लियारी विवि, काग्लियारी, इटलीय कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, टाकुशोकू विवि, टोकियो, जापानय कम्प्यूटर विज्ञान विभाग न्यूयॉर्क स्टेट विश्वविद्यालय, बुफैलो, न्यूयॉर्कय विद्युत अभियांत्रिकी विभाग तथा कम्प्यूटर विज्ञान, टुफ्ट्स विवि, मेडफोर्ड सेंटरय कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, बोस्टन विवि, बोस्टन तथा कम्प्यूटर विज्ञान संस्थान, अल्बर्ट लुडविग विवि, फ्रेडबर्ग, जर्मनी शामिल हैं। उनकी बहुआयामी शोध गतिविधियाँ विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय वित्त पोषित संगठनों द्वारा वित्त पोषित हैं जैसे राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन

एमएस (एफ), नीदरलैंड्स वैज्ञानिक शोध संगठन (एनड. ब्लूओ), जापान प्रोमोसोन विज्ञान समाज (जेएसपीएस), संचार सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमसीआईटी), भारत, विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), इंटेल कॉरपोरेशन, रेडिफ.कॉम, सैमसंग ग्लोबल रिसर्च आउटरीच कार्यक्रम तथा जेरोक्स ओपेन इनोवेशन प्रोजेक्ट। उन्होंने हाल ही में पुरातत्व शास्त्र में रिमोट सेंसिंग प्रयोग के क्षेत्र में नई गतिविधियाँ शुरू की हैं।

श्री सुबोध कुमार जैन



श्री सुबोध कुमार जैन ने सिविल अभियांत्रिकी में अपनी बीई की डिग्री रुड़की विश्वविद्यालय (अब भाप्रौसं रुड़की) से 1974 में पूरी की उन्होंने रेलवे मंत्रालय में अपनी सेवा प्रदान की तथा अभियांत्रिकी सदस्य, रेलवे बोर्ड, रेलवे मंत्रालय से भारत सरकार के पदेन सचिव सेवा से निवृत्त हुए। आजकल वे हैदराबाद मेट्रो रेल के सिविल अभियांत्रिकी में मानद विशेषज्ञ हैं। श्री सुबोध जैन देश के सभी मेट्रो रेल नेटवर्क के साथ विभिन्न क्षमता में बहुत निकट से जुड़े हैं। वे भारतीय रेलवे के 12 हजार करोड़ की कीमत की परियोजना की सभी अभियांत्रिकी गतिविधियों के प्रमुख थे। भारतीय रेलवे में उनके अत्यधिक योगदान को कई पुरस्कारों से मान्यता दिया गया है। उन्हें विशिष्ट उच्च गति डायमेन्ड किंग के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा 2006–2007 का सर्वोत्तम नवाचार पुरस्कार दिया गया तथा मध्य प्रदेश की विधान सभा के स्पीकर द्वारा सम्मानित किया गया तथा राज्य की रेलवे सेवा में महत्वपूर्ण सुधार लाने के लिए एक रजत पट्टिका प्रदान की गई। उन्हें जुलाई 2012 में भारत इलेक्ट्रॉन माइक्रोसोफ्ट समाज का जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार, अलमूनियम उद्योग में उत्कृष्ट योगदान के लिए 2006 में (आरम्भ वर्ष) में भारतीय धातु संस्थान का नाल्को स्वर्ण पुरस्कार तथा 1994 में नॉन फेरर्स धातु संबंधी उद्योग के लिए महत्वपूर्ण योगदान के लिए भारतीय धातु संस्थान का हिन्दुस्तान जिंक स्वर्ण पदक, तथा 1957 में एआईएम द्वारा प्रशंसा-पत्र मिला। 1965 में अमेरिकन धातु द्वारा आयोजित धातु संबंधी उद्योग प्रतियोगिता में भी उन्होंने एक पुरस्कार जीता। श्री सुबोध जैन ने अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय पत्रिका तथा सम्मेलन कार्यवाहियों में करीब 100 प्रकाशन भी प्रकाशित किए।

डॉ राज जसवा



डॉ राज जसवा एक कुशल सामयिक प्रौद्योगिकी उद्यमी हैं। इनकी सबसे बड़ी भूमिका कि वे 2009 से 2012 तक डय्यनो के सीईओ तथा सभापति थे। डय्यनो के यूजर-फ्रैण्डली संचालन प्लेटफार्म विभिन्न यंत्रों के पार अस. ीमित विस्तार के दर्शकों के साथ लाइव तुरंत बातचीत सहभाजन के लिए ऑडियो, वीडियो, टेक्स्ट, ग्राफिक्स तथा आवाज समेकित रूप से अपवाहन करता है। 2003 से 2004 तक एक निदेशक के रूप में टीआईई सिलिकन वैली के लिए अपना पूरा समय स्वेच्छा पूर्ण पेश किया। डॉ जसवा 1996 से 2002 तक सेलेक्टिया के सह-संस्थापक तथा सभापति थे। डॉ राज के कार्यकाल में, सेलेक्टिया पत्रिका इलेक्ट्रिक, बीएमडबल्यू सिसको, सैमसंग तथा डेल जैसे ग्राहकों के साथ अग्रणी विन्यास सॉफ्टवेयर विक्रेता हो गया। सेलेक्टिया 2000 में 5 बिलियन डालर के उच्च बाजार मूल्य के साथ सार्वजनिक हो गया, तथा फोर्ब्स 500, डेलोइट व टौच प्रौद्योगिकी फास्ट 500 की सूची में सम्मिलित हो गया। डॉ जसवा ने 1988 में सोरटी की सहस्थापना की जहाँ पहली बार उन्होंने सेल्स व मार्केटिंग के ईवीपी के रूप में कार्य किया फिर 1996 में 350 डालर मिलियन के शिखर मार्केट वैल्यू के साथ सार्वजनिक हो गया। अपने करियर के आरम्भ में डॉ जसवा ने इंटरेल, जेने. रल इलेक्ट्रीक, तथा चीप्स एवं प्रौद्योगिकी के लिए कार्य किए। उन्होंने अपनी स्नातक डिग्री विद्युत अभियांत्रिकी में भाप्रौसं मुंबई से प्राप्त की, टोरोंटो विवि से स्नातकोत्तर डिग्री तथा एमबीए स्टेट्सॉन विवि से प्राप्त की।

प्रा दिनेश कांत

प्रा दिनेश कांत कुमार आरएमआईटी विवि, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में प्राध्यापक हैं तथा जैव चिकित्सीय अभियांत्रिकी के प्रोग्राम निदेशक हैं। उन्होंने अपनी भाप्रौसं दिल्ली से जैव-इलेक्ट्रॉनिक में पीएचडी तथा भाप्रौसं मद्रास से विद्युत अभियांत्रिकी में बीई किया। प्रा कांत ने कई पुरस्कार जीते जिसमें यूरोपियन यूनियन इरास्मस मुंडस शिक्षण पुरस्कार (2009–2010), केप्स (ब्राजील) वरिष्ठ व्यावसायिक फेलोशिप पुरस्कार (2012–2013) तथा ऑस्ट्रेलियन विज्ञान अकादमी का वरिष्ठ व्यावसायिक फेलोशिप पुरस्कार (ऑस्ट्रेलिया-भारत शोध साझेदारी), शामिल हैं। वे 2 शोध सुपरवाइंडर पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता हैं तथा 20



छात्रों को शोध पूरा करने का अधीक्षण किया है जिसमें 17 पीएचडी तथा 3 स्नातकोत्तर विद्यार्थी शामिल हैं। उनके पास 5 पेटेन्ट हैं तथा कुल 4000 से ज्यादा उद्धरण तथा 24 एच-इन्डेक्स के साथ 321 सहकर्मी पुनर्लोकन पत्र प्रकाशित किए हैं। प्रा कांट आइडि ट्रांजेक्शन ऑफ न्यूरल सिस्टम व पुनर्वास अभियांत्रिकी (टीएनएसआरई) के सह-संपादक हैं। वे मेडिकल-जर्नल तथा जैविक अभियांत्रिकी (जेएमबीई) के संपादक हैं। प्रा कांट पिछले 5 वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आइईईई बायोसिग्नल व बायोरोबोटिक्स के संस्थापक हैं। उन्हें 5 वर्षों में विभिन्न प्रमुख अनुदान मिले हैं। जिसमें एआरसी नेटवर्क ग्रांट (2006-2012) एआरसी योगदान कीमत 2,300,000 डॉलर है तथा शैक्षिक तथा अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम के अग्रणी के तौर पर 300,000 डॉलर अनुदान मिला है।

डॉ के चेलवा कुमार



डॉ के चेलवा कुमार ने अपनी बीएस की डिग्री श्रीलंका के पेराडेनिया विवि से पूरी की, तथा उसके बाद एमएस व पीएचडी केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान तथा एमए केलिफोर्निया विवि, इरविन से पूरा किया। वे ईपीआइआर प्रौद्योगिकी, इंक, वोलिंगब्रुक आइएल के अध्यक्ष हैं। डॉ चेलवा कुमार विभिन्न संगठनों में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य किया है जिसमें संत लुईस रीजनल अस्पताल, गिल्डाय, पीए, कारीटस बिजनेस सर्विस, रेडवुड सिटी, सीए, संत फ्रांसिस मेडिकल केंद्र, ल्यन्चुड, सीए, रेप्रोनेट, लॉस एंजलिस, सीए शामिल हैं। विभिन्न संगठनों में अपने कार्यभार के दौरान उत्कृष्ट परिणाम स्थित किया है, इसके पहले वे केलिफोर्निया स्टेट विवि, लॉस एंजलिस व फुल्ल रटॉन परिसर, सीए, कार्नेजी मेल्लान विवि तथा पेराडेनिया विवि, श्रीलंका में संकाय थे। उन्होंने अपनी रुचि के क्षेत्र में मुख्यतः संगीत तथा खेलकूद में विशेष सम्मान तथा पुरस्कार प्राप्त किए हैं। उन्होंने दक्षिण भारतीय ड्रम के कंसर्ट प्लेयर के तौर पर कई प्रदर्शन पेश किए हैं तथा विख्यात कलाकार एम एल वसंथा कुमारी का साथ दिया है। वे 1979 तथा 1980 में राष्ट्रीय भारोन्तोलन चैंपियन भी थे।

प्रा ए के मित्तल



प्रा ए के मित्तल ने बीटेक (ऑनर्स) तथा एमटेक भाप्रौसं खड़गपुर एमएस व पीएचडी केस वेस्टर्न रिजर्व विवि से किया है वि भाप्रौसं कानपुर तथा केल्लोग मैनेजमेंट स्कूल, नार्थवेस्टर्न विवि, संराअ के साथ जुड़े रहे हैं। प्रा मित्तल अभियंता-संस्थान भारत के फेलो, संराअ के ऑपरेशन्स शोध समाज के सदस्य, भारत के ऑपरेशन्स शोध समाज के अध्यक्ष तथा आइएसटीई के जीवन पर्यन्त सदस्य हैं।

प्रा एस एल नारायणमूर्ति



प्रा एस एल नारायणमूर्ति ने 1971 में एक कॉमनवेल्थ स्कॉलर के रूप में ब्राडफोर्ड विवि से रासायनिक अभियांत्रिकी में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। वे भाप्रौसं मुंबई में करीब 4 दशकों तक संकाय सदस्य, विभागीय अध्यक्ष तथा डीन के पद पर सेवारत रहे। उनकी शोध अभिरुचि पृथक्करण प्रक्रिया तथा आहार-प्रक्रिया अभियांत्रिकी में है। प्रा नारायण मूर्ति ने 2004 में भाप्रौसं मुंबई का जीवन प्रयन्त अपलब्धि पुरस्कार प्राप्त किया जो उन्हें उनके वि. विद व मौलिक संस्था निर्माण के योगदान को मान्यता देने के लिए एक शिक्षक, टीम-निर्माता, तथा शोध व विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए संसाधन की गतिशीलता व पूर्व छात्रों की नेटवर्किंग के लिए दिया गया। प्रा ना. रायण मूर्ति भाप्रौसं गाँधीनगर में एक अभ्यागत प्राध्यापक की तरह करीब 4 वर्षों तक सेवारत रहे तथा 2 वर्षों तक इस उदीयमान के शैक्षणिक कार्यक्रमों में मार्गदर्शन किया। उनकी वर्तमान व्यावसायिक अभिरुचि अभियांत्रिकी शिक्षा, आहार प्रक्रिया अभियांत्रिकी व मार्गदर्शन व परामर्श देने में है।

डॉ संदीप पाण्डेय

डॉ संदीप पाण्डेय ने यांत्रिकी अभियांत्रिकी में अपनी पीएच. डी की डिग्री 1992 में केलिफोर्निया विवि बर्कले से अर्जित की तथा वर्तमान में वे लखनऊ में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उनके कार्यक्षेत्र में शिक्षा, आहार सूचना का अधिकार, मानव अधिकार हाशिए पर समुदाय का सशक्तिकरण, जमीनी प्रजातंत्र, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन,



भूमि-सुधार, साम्प्रदायिक समन्वय, परमाणु निरस्त्रीकरण तथा शांति, भारत-पाकिस्तान के मध्य शांति व भाइ-चारा, नियमित जवाबदेही और लोक राजनीति है। आजकल वे समाजवादी पार्टी का हिस्सा हैं। डॉ. पाण्डेय के प्रमुख कार्य ग्रामीण इलाके में हैं वे लोगों की रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दे पर ध्यान एकाग्र करते हैं। उनका संगठन भ्रष्टाचार के खिलाफ मोर्चा लेकर विभिन्न सरकारी समाज कल्याण परियोजनाओं के द्वारा जनता को फायदा पहुँचाने में सहायता करता है। वे एक प्राकृतिक संपदा पर अपना अधिकार स्थापित करने के लिए संघर्ष कर रही है जो संकट के अंतर्गत है क्यों कि सरकार कॉरपोरेट द्वारा कब्जा करने की इजाजत देती है। वे मुख्य धारा की राजनीति जो भ्रष्टाचार में लिप्त है उसकी जगह एक वैकल्पिक जमीनी राजनीति के निर्माण में गहराई से जुड़े हैं।

प्रा दुर्गेश सी राय



प्रा दुर्गेश सी राय भाप्रौस कानपुर में सिविल अभियांत्रिकी विभाग में प्राध्यापक हैं। भाप्रौस कानपुर से पहले व मिशिगन विवि में (1996-1997) शोध फेलो तथा भाप्रौस रुड़की में भूकंप अभियांत्रिकी विभाग में (1997 से 2001) संकाय थे। उनकी शोध अभिरुचि भूकंप भार के अंतर्गत संरचना के डिजाइन व व्यवहार तथा प्रायोगात्मक अन्वेषण, पूरक डैपिंग, भूकंपीय पुनर्वास, मैसनरी संरचना तथा भूकंपीय डिजाइन कोड में है। उन्होंने संरचना तथा भूकंपीय अभियांत्रिकी के क्षेत्र में पत्रिकाएं तथा सम्मेलनों में 130 से भी ज्यादा पीयर-समीक्षा पेपर प्रकाशित किये हैं। उन्होंने भूकंप अभियांत्रिकी शोध संस्थान (संराअ) से 2000 शाह परिवार इनोवेशन पुरस्कार तथा भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी से युवा अभियंता पुरस्कार (1999) प्राप्त किया। वे 2010 में भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के फेलो निर्वाचित हुए। प्रा राज ने अपनी बीई (ऑनर्स) की डिग्री राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिर. पल्ली (1989) से प्राप्त की, ओकलाहोमा विवि, नॉरमन से एमएस (1992) तथा पीएचडी मिशिगन विवि एन्न अर्वोर (1996) से प्राप्त की। वे भाप्रौस कानपुर के राष्ट्रीय भूकंप अभियांत्रिकी सूचना केंद्र (एनआइसीई) में संयोजक हैं तथा अंतर्राष्ट्रीय भूकंप अभियांत्रिकी संघ (आईईईई) के विश्व

भूकंप सुरक्षा पहल मंडल में कार्यरत हैं।

प्रा वी रजनी



प्रा वी रजनी की अभिरुचि लैंडस्केप पुरातत्व में है। वे सूचना-प्राप्ति के लिए पृथ्वी की सतह तथा उपसतह की विशेषताओं का अध्ययन करने के लिए एयर आधारित रिमोट सेंसिंग इमेज का प्रयोग करती हैं जो एक क्षेत्र कि पुरातत्व शास्त्र की समझ को बेहतर बनाता है। उन्होंने जमीनी सच्चाई एवं जीपीएस सर्वे, के साथ रिमोट सेंसिंग अध्ययन पूरा करती हैं, तथा भौगोलिक प्रणाली (जीआइएस) प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर विभिन्न स्रोतों से स्थान-विषयक सूचना एकीकृत करती हैं। उन्होंने अपना डॉक्टरल शोध स्पेस-आधारित पुरातत्वीय अन्वेषण के क्षेत्र में राष्ट्रीय एडवांस स्टडी संस्थान (एनआइएस) बेंगलूर से किया था तथा 2011 में उन्हें मैसूर विवि से पीएचडी प्रदान की गई। उन्हें इस कार्य के लिए रचपुडी कम्माक्षी मेमोरिल युवा जियोस्पेटियल वैज्ञानिक पुरस्कार मिला। उन्होंने एनआइएस में एक वर्ष तक पोस्ट-डॉक्टरल शोध किया तथा 2011 से 2013 तक एनआइआईटी विवि (एनयू) के एमटेक जीआइसी कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक के पद पर बनी रहीं। उनके हाल के कार्यों में (2013-2014) नालन्दा विवि के फेलो के तौर पर नालन्दा के पुरातत्व अवशेष का अध्ययन शामिल हैं। वर्तमान में उन्हें पुरातत्व विज्ञान के रिमोट सेंसिंग तथा जीआइएस प्रयोगों पर एक मैनुअल लिखनी के लिए होमी भाभा फेलोशिप मिला है। वे पुरातत्व विज्ञान केंद्र, भाप्रौस गाँधीनगर की अभ्यागत संकाय हैं तथा निमराना एनयू की अभ्यागत संकाय हैं।

प्रा टी आर रामचन्द्रन



प्रा टी आर रामचन्द्रन ने 1960 में भारतीय विज्ञान संस्थान से धातु विज्ञान में बीई किया, 1964 में मैकमास्टर विवि केनेडा से एमएससी, तथा 1969 में वेल्स विवि यू के से पीएचडी किया। वे दो दशकों 1969-89 तक भाप्रौस कानपुर के संकाय रहे हैं। 1986-88 के दौरान वे भाप्रस कानपुर के धातुविज्ञान अभियांत्रिकी के तथा 1987-89 में सामग्री विज्ञान कार्यक्रम के प्रमुख थे। भाप्रौस कानपुर में अपने कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा अधीक्षित करीब सारी शोध परियोजनाएं एलुमीनियम मिश्रित धातुओं में

संरचना-गुण संबंध से संबद्ध हैं। 1988-99 के कार्यकाल के दौरान वे जवाहर लाल नेहरू एलुमीनियम शोध विक.।स तथा डिजाइन केंद्र (जेएनएआरडीडीसी) नागपुर के संस्थापक निदेशक थे। वे जवाहरलाल नेहरू एलुमीनियम शोध विकास तथा डिजाइन केंद्र (1989-96) की स्थापना पर यूएनजीपी परियोजना के राष्ट्रीय परियोजना निदेशक भी थे। 1999 में वे अलौह (नॉनफेरॉस) सामग्री प्रौद्योगिकी विकास केंद्र हैदराबाद से सम्मानपूर्वक सेवा मुक्त हुए जहाँ उनकी मुख्य अभिरुचि एलुमीनियम उद्योग के लिए ग्रेन परफाइनर्स तथा विशिष्ट मास्टर मिश्रित धातु के विकास में था वे भारतीय एलुमीनियम उद्योग के साथ नजदीकी से जुड़े रहे हैं। (1991-93) में राष्ट्रीय एलुमीनियम कंपनी के अंशकालीन निदेशक (1994-97) भारत एलुमीनियम कंपनी, (2002-2006) प्रदीप कॉरवॉन्स, तथा वर्तमान में एलुफ्लोराइड सरकार द्वारा देश के कुछ प्रमुख एलुमी. नियम उत्पादकों के प्रदर्शन के आंकलन के लिए सरकार द्वारा स्थापित कई समितियों में उन्होंने कार्य किया है। जेएनएआरडीडीसी के संस्थापक निदेशक के तौर पर वे कई शोध प्रोजेक्ट तथा कार्यशालाओं के आयोजन में शामिल रहे हैं जिनके विषय हैं- बॉक्साइट को कवर करना, एलुमीना व एलुमीनियम प्रोडक्शन, मोल्टेन धातु प्रसंस्करण तथा डाउन स्ट्रीट गतिविधियाँ शामिल हैं। उन्होंने भारत तथा विदेश दोनों जगह इन क्षेत्रों में व्यापक रूप से व्याख्यान दिए हैं। वे मोल्टेन धातु प्रसंस्करण तथा मिश्रित धातु विकास के क्षेत्रों में कई उद्योगों के सलाहकार रहे हैं उन्होंने पिछले डेढ़ साल में भाप्रौस कानपुर में इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर कई पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं, उन्होंने इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पाठ्यक्रम एनएमएल जमशेदपुर, एनआईटी, सुरथकल, एनआईटी त्रिची तथा भाप्रौस मुंबई हैं। उनके उत्कृष्ट योगदानों के लिए (नॉन फेरस धातु के क्षेत्र में) उन्हें 1994 में हिन्दुस्तान जिंक स्वर्ण पदक तथा भारतीय धातु संस्थान द्वारा 2006 में नाल्को स्वर्ण पदक, इसके आरम्भ के वर्ष, दिए गए उनकी शोध अभिरुचि ऊर्जा-संरक्षण तथा पर्यावरणीय नियंत्रण (एलुमीनियम उद्योग) एलुमीनियम मिश्रित धातु की फिजिकल धातु विज्ञान तथा धातु संबंधी सामग्री के इलेक्ट्रॉन आभासी तकनीक के प्रयोग में हैं।

प्रा ए रामनाथन

प्रा ए रामनाथन ने मुंबई विवि से अर्थशास्त्र में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की, वे एक वरिष्ठ प्राध्यापक तथा भाप्रौस मुंबई के मानवीय व समाज विज्ञान विभाग के पूर्व प्रधान हैं।



वे समृद्ध विशेषज्ञता के साथ खासकर समाज विज्ञान में शोध विधियों के शिक्षण में एक सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं। भाप्रौस मुंबई के शैक्षिक व शोध प्रकृति के साथ सही ताल-मेल में प्रा रामनाथन ने वर्तमान में प्रासंगिक कई अन्तःबहुल विषयों में अच्छा ज्ञान अर्जित किया है। उन्होंने प्रबंधकीय अर्थशास्त्र में व्यावहारिक अर्थशास्त्र व सामाजिक लागत-लाभ विश्लेषण में विशेषज्ञता हासिल की है। प्रा रामनाथन ने भारतीय व अंतर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में कई लेख प्रकाशित किए हैं। उन्होंने पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन किया है जिसमें उद्योग जगत सरकार व बैंक के अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने 20 एमफिल निबंधों के लिए भी मार्गदर्शन किया है।

प्रा मैथिली रामास्वामी



प्रा मैथिली रामास्वामी एक प्राध्यापक हैं व आजकल वे टाटा मौलिक अनुसंधान केंद्र संस्थान बेंगलूर में एपिलकेबल गणित की डीन हैं। आंशिक अन्तर समीकरण के क्षेत्र में खासकर समस्याओं के नियंत्रण के लिए उनके विश्लेषण तथा उन्हें प्रयोग करने में वे देश की एक अग्रणी व्यक्ति हैं। उन्होंने अपनी बीएससी तथा एमएससी की उपाधियाँ मुंबई विवि तथा पीएचडी की उपाधि पेरिस विवि, फ्रांस से हासिल की है।

प्रा धीरज संधी



प्रा धीरज संधी शैक्षिक मामलों के डीन भाप्रौस कानपुर के कम्प्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी के प्राध्यापक हैं। उनकी शोध अभिरुचि विभिन्न स्तरों के आ. इपीवी6, गतिशीलता तथा सुरक्षा के प्रोटोकॉल पर विशिष्ट केंद्र बिन्दू के साथ कम्प्यूटर नेटवर्क के क्षेत्र में हैं। उन्होंने 2 वर्षों तक जयपुर के एमएनएम सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में निदेशक के पद पर अपनी सेवाएं प्रदान की। वे भारत की यांत्रिक तकनीकी शिक्षा के बारे में बहुत जोशीले हैं तथा पत्रिकाओं व ब्लॉग में नियमित रूप से लिखते हैं। उन्होंने अपनी बीटेक की डिग्री मैरीलैंड विवि, कॉलेज पार्क से प्राप्त की है।

डॉ शिलादित्य सेनगुप्ता



डॉ शिलादित्य सेनगुप्ता आजकल हार्वर्ड मेडिकल स्कूल ब्रिघम व वीमेन्स अस्पताल में औषधि, स्वास्थ्य विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के सहायक प्राध्यापक हैं उन्होंने अपना बीएससी तथा एमएस अभाआसं दिल्ली से तथा पीएचडी ट्रिनिटी कॉलेज केम्ब्रिज विवि से किया है। वे अमेरिकन सोसायटी फॉर फॉर्मोकोलाजी एंड एक्सपेरिमेंटल थेरेप्यूटिक्स एंड अमेरिकन एसोशिएशन फॉर कैंसर रिसर्च के सदस्य हैं। डॉ सेनगुप्ता को डीओ ब्रेस्ट कैंसर रिसर्च प्रोग्राम कोलेबोरेटिव इनोवेटर्स पुरस्कार, दि मेरी के ऐश फाउन्डेशन करियर पुरस्कार, दि डीओडी एरा ऑफ होप स्कॉलर पुरस्कार, दि ईन्डस टेकनोवैटर पुरस्कार तथा जैव अभियांत्रिकी में दि काउल्टर फाउन्डेशन युवा अन्वेषक पुरस्कार प्राप्त हुए।

प्रा कोशी थारकन



प्रा कोशी थारकन गोआ विवि में दर्शन विज्ञान विभाग में प्राध्यापक हैं। उन्होंने समाज विज्ञान के दर्शन के क्षेत्र में हैदराबाद विवि से अपनी पीएचडी डिग्री प्राप्त की। उनकी अभिरुचि के क्षेत्र हैं— समाज विज्ञान तथा फेनोमेनोलॉजी के दर्शन में हैं जहाँ उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिए हैं। उन्होंने प्रयावरणीय आचार नीति के क्षेत्र में भी योगदान दिए हैं तथा इस क्षेत्र में पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन किया है।







● आधारभूत ढाँचा एवं सुविधाएं

स्थायी परिसर विकास
वास्तुकला निर्णायक समिति एवं वास्तुशिल्पों का चयन
कम्प्यूटर केंद्र
प्रयोगशाला सुविधाएं
पुस्तकालय
चिकित्सा केंद्र
भौतिकचिकित्सा केंद्र
डे केयर केंद्र

भाप्रौसं गाँधीनगर में शोध एवं शिक्षण से जुड़ी सुविधाओं व आधारभूत ढांचे में निरन्तर वृद्धि एवं सुधार होता रहा है। संस्थान के स्थाई परिसर का निर्माण अपने अंतिम चरण पर है। अस्थायी परिसर भी संकाय व छात्रों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी विकसित हो गया है।

स्थायी परिसर विकास

स्थायी परिसर के फेज-1ए के निर्माण का विकास चुनौतियों के बावजूद उन्नत चरणों में पहुँच गया है। संस्थान ने बिना किसी महत्वपूर्ण विलंब के मूल अनुसूची का पालन किया है। जुलाई 2015 में इसके स्थायी परिसर में जाना आरम्भ करने का भाप्रौसं गाँधीनगर की योजना अपने पहली योजना के साथ कतार में हैय तथा नए बैच के छात्रों का साबरमती नदी के किनारे 400 एकड़ के परिसर में स्वागत करने की आशा करता है। परिसर में ऐसा माहौल है जो शैक्षणिक प्रयत्नों का संवाहक है ऐसे परिवेश में स्थित है जो अच्छी तरह से जुड़ा है तथा तेजी से विकसित हो रहा है। परिसर के नजदीक उच्च प्रोफाइल गिफ्ट शहर इसके संचालन की तैयारी कर रहा है। परिसर के नजदीक सड़क व नेटवर्क महत्वपूर्ण रूप से उन्नत हैं। कई रक्षा प्रतिष्ठान तथा एक बृहत वन्य सुरक्षित क्षेत्र परिसर के नजदीक स्थित है।

आवासीय तथा शैक्षणिक भवन के साथ 1200 क्षमता के साथ छात्रावास अपने अंतिम चरण में पहुँच गया। इन महत्वपूर्ण कार्यों के अतिरिक्त भाप्रौसं गाँधीनगर ने कई अतिरिक्त सुविधाओं के विकास को अपने हाथ में ले लिया है। क्रिकेट मैदान, प्रशिक्षण पिच, फुटबॉल मैदान, कुछ वॉलीबॉल पिचेज तथा बास्केटबॉल कोर्ट सहित कुछ

मूल खेलकूद सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। भूमि के अविकसित पॉकेट (भविष्य में निर्माण के लिए निर्धारित) को फूलदार पौधों, कुछ सब्जियों की क्यारियों तथा कुछ उपयोगिता पौधों के मिश्रित रूप में व्यापक वृक्षापोषण के साथ हरे-भरे किए जा रहे हैं। परिसर में उत्पन्न जैविक अपशिष्ट के प्रसंस्करण से ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए एक केंद्रीय जैविक गैस प्लांट, छत पर सौर ऊर्जा पीवी पैनल स्टैंड की स्थापना प्रक्रिया में है। इसके समानांतर भाप्रौसं गाँधीनगर ने कुछ नालों को विकसित करना आरम्भ किया है। इसका उद्देश्य उनका स्थयीकरण तथा जैव विविधता को बढ़ावा देना है।

वास्तुशिल्पकारों का चयन

भाप्रौसं गाँधीनगर ने अगले फेज के छात्रावास, अतिथि गृह तथा निदेशक-आवास का डिजाइन करने के लिए वास्तुकारों के चयन के लिए एक राष्ट्रीय-स्तर के डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया। आरंभ में भाप्रौसं गाँधीनगर ने यह वास्तुकार फर्म से संकल्पना की डिजाइन प्राप्त की। एक मूल्यांकन समिति ने रुचि रखने वाले वास्तु सलाहकारों के प्रस्तावों की तथा 8 फर्म का चयन किया जिन्होंने फिर अंतिम प्रस्तुतीकरण दिए। प्रस्तुतीकरण का निर्माण करने वाली एक स्वतंत्र ज्यूरी ने *एम/एस नीरज मनचंदा आर्किटेक्ट्स* का चयन किया।



कम्प्यूटर केंद्र

सूचना प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी सुविधा

भाप्रौसं गाँधीनगर में सूचना प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी सुविधा (आइएसटीएफ) ने भाप्रौसं गाँधीनगर समुदाय को विस्तृत श्रेणी की सेवाएं प्रदान करने तथा समर्थ बनाने में एक लंबी दूरी तय की है। आइएसटीएफ के स्टेट ऑफ दि आर्ट्स नेतवर्किंग आधारभूत ढांचे सभी उपयोगकर्ताओं को, चाहे वे भाप्रौसं गाँधीनगर के परिसर में रहते हो या बाहर, सूचना प्रणाली का प्रावधानीकरण तथा आकलन सुविधाओं में समर्थ बनाता है। भाप्रौसं गाँधीनगर समुदाय में करीब 200 उपयोगकर्ता हैं जिसमें संकाय, छात्र तथा स्टाफ शामिल हैं। आइएसटीएफ का लक्ष्य संस्थान के विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी की जरूरतों के लिए बेहतर आधारभूत ढांचा तथा सेवाएं प्रदान करना है।

पिछले वर्ष के दौरान आइएसटीएफ द्वारा आरम्भ की गई गतिविधियां तथा प्रोजेक्ट की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं—

सूचना प्रणाली

भाप्रौसं गाँधीनगर ने एक संस्थान प्रबंधन प्रणाली (आइएमएस) की आधारणा की जो विभिन्न विभागों के ऑनलाइन परस्पर संबद्ध करता है तथा छात्र, संकाय तथा स्टाफ को एक एकल विंडो प्रदान करता है। यह भाप्रौसं गाँधीनगर को स्वचालित करता है तथा संस्थान को एक कागज रहित कार्यालय की दिशा में बढ़ने में मदद करता है। यह योजना जुलाई 2014 में शुरू हुई तथा विकास प्रक्रिया में है। यह प्रणाली जुलाई 2015 में लागू होने को है लेकिन पैकेज टैली का प्रयोग कर विकसित पेरल मोडूल सबसे पहले दिसम्बर 2014 में ही आरम्भ कर दिया गया इसके द्वारा वेतन-पर्ची स्वतः पूरी तरह खाता अनुभाग में जानी शुरू हो गयी।

भाप्रौसं गाँधीनगर में प्रत्येक विभाग तथा विभिन्न उपयोगकर्ता समुदायों के लिए प्रणाली की कुछ मुख्य बातें निम्नलिखित हैं—

- 1 **शैक्षिक**— यह मॉड्यूल एक छात्र के शैक्षणिक जीवन चक्र प्रबंधन की गतिविधियों के सभी पहलुओं को सम्मिलित करता है। एक समर्पित ऑनलाइन छात्र पोर्टल की डिजाइन न सिर्फ अन्य सेक्शन से विभिन्न छात्र केन्द्रित सेवाओं तक एक स्टाफ पहुँच प्रदान करने के लिए किया गया है बल्कि शैक्षणिक विस्तार की ऑनलाइन पहुँच भी है। छात्र ऑनलाइन छात्र पोर्टल के जरिए चिकित्सा दावा, ब्रांच बदलने के लिए निवेदन, यात्रा निवेदन, छात्रवृत्ति आवेदक, वित्तीय

सहायता के लिए आवेदन, परामर्शदायी सेवाओं के लिए निवेदन ईडब्ल्यूआईएल कार्यक्रम के लिए नामांकन फीस जमा करने तथा अन्य ऐसे निवेदन भी करने में समर्थ होंगे। शैक्षणिक कार्यालय आइएमएस पोर्टल के जरिए गतिविधियों जैसे छात्र-प्रवेश, नामांकन परिणाम-प्रबंधन तथा पाठ्यक्रम-प्रबंधन को कार्यान्वित करने में समर्थ होगा। समय सारणी समन्वयक आइएमएस में उपलब्ध यूजर-फ्रेंडली ड्रैग-ड्रॉप इन्टरफेज के जरिए शैक्षणिक समय-सारणी को बनाने व संचालन में समर्थ होगा। आइएमएस के जरिए कुछ अन्य उपयोगी कार्य क्षमताओं में बिना नकद लेन-देन के लिए बयोमेट्रिक, पुस्तकालय-प्रबंधन के साथ समन्वय तथा शिक्षा-प्रबंधन प्रणाली शामिल है।

- 2 **सामान्य प्रशासन**— यह मॉड्यूल प्रशासनिक प्रक्रियाओं की आवश्यकता को पूरा करेगा जिसमें कर्मचारियों का कार्यभार संभालने तथा कार्यभार से मुक्त करने, अवकाश-अनुरोध के प्रस्तुतीकरण तथा प्रसंस्करण, एलटीसी, सुलभ ऋण, यात्रा-अनुरोध, चिकित्सीय दावे का प्रस्तुतीकरण तथा प्रसंस्करण, कर्मचारियों का प्रदर्शन-मूल्यांकन आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कर्मचारी-सेवा-रिकॉर्ड भी आइएमएस द्वारा संभाला जाता है। मॉड्यूल संकाय तथा स्टाफ नियुक्तियों के प्रबंधन में सक्षम बनाता है। इसके अतिरिक्त आइएमएस के द्वारा ही आवेदन ऑनलाइन प्राप्त किए जाते हैं तथा आवेदन का समग्र प्रसंस्करण किया जाता है। प्रशिक्षण-अनुरोध, के प्रसंस्करण नियोजन तथा प्रशिक्षण की प्रतिपुष्टि का रिकार्ड रखने को सुविधाजनक बनाता है। कानूनी सेल नामक एक प्रथक मॉड्यूल आरटीआई के अनुरोध के प्रबंधन को सक्षम बनाता है।

- 3 **सामग्री प्रबंधन**— यह मॉड्यूल संस्थान तथा बाह्य रूप से प्रायोजित योजनाओं दोनों द्वारा वित्त पोषित उपकरणों की खरीदारी से संबंधित सभी गतिविधियों को सुविधाजनक बनाता है। उपयोगकर्ता क्रय प्रस्ताव अनुरोध प्रक्रिया के एक हिस्से के तौर पर ऑनलाइन निवेदन कर सकते हैं। फिर वह निवेदन आइएमएस के जरिए क्रय अनुभाग में मिल जाएगा तथा प्रसंस्करण किया जाएगा। संपूर्ण टेंडर प्रबंधन व ई-खरीद टेंडर-विजार्ड नाम के एक तृतीय पार्टी प्लेटफार्म द्वारा किया जाएगा। उपयोगकर्ता स्टाफ में तथा ताजा खरीद दोनों के लिए स्टेशनरी के लिए अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं। मेल-कक्ष के लिए एक

पृथक मॉडूल आंतरिक व बाह्य मेल के केंद्रीयकृत प्रबंधन के लिए अनुमति देता है।

- 4 **सिस्टम प्रशासन**— यह मॉडूल पूरे संस्थान में क्षैतिज गतिविधियों का ध्यान रखता है। उदाहरण के लिए, विभिन्न कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के लिए भोजन का अनुरोध, अतिथि गृह-बुकिंग, सम्मेलन कर बुकिंग, कक्षा-प्रबंधन, आइटी सेवा सहायक डेस्क इत्यादि। उपयोगकर्ताओं को ईमेल या एमएमएम के द्वारा अधिसूचित किया जाएगा। एमएम गेटवे एकीकरण इस मॉडूल का एक हिस्सा है।
- 5 **वित्त व खाते**— यह मॉडूल विभिन्न मॉड्यूल्स में सर्वत्र कटौती करता है तथा प्रसंस्करण जोड़ता है जिसमें मौलिक घटक है। यह मॉडूल विभिन्न सेवा अनुरोध तथा खाता-प्रबंधन के कुशल लेन-देन के लिए खाता टीम के लिए एक मंच प्रदान करता है। वेतन-प्रकोष्ठ उप मॉडूल, जो एफ व ए मॉडूल का एक हिस्सा है, को भाप्रौस गाँधीनगर के कर्मचारियों के वेतन के प्रसंस्करण के लिए प्रयोग किया जा रहा है।
- 6 **बाह्य कनेक्ट**— बाह्य कनेक्ट पर मॉडूल आर एंड डी कार्यालय से सम्बन्धित सभी गतिविधियों को शामिल करता है। उदाहरण के लिए विभिन्न परियोजना प्रस्तावों के निर्माण, अनुमोदन तथा प्रबंधन, ऑन लाइन विज्ञापन तथा परियोजना स्टाफ की नियुक्ति, सीड.एस के कार्यालय का प्रबंधन, भाप्रौस गाँधीनगर द्वारा प्राप्त दान का प्रबंधन, एमओयूएस का प्रबंधन, इत्यादि।
- 7 **सामग्री प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस)**— सीएमएस न्यूज लेटर भाप्रौस गाँधीनगर वेबसाइट के लिए सामग्री तथा अन्य सामग्री के प्रबंधन के लिए प्रयोग किया जाएगा जो भाप्रौस गाँधीनगर समय-समय पर बनाता है।

कम्प्यूटिंग व नेटवर्किंग आधारभूत ढांचा

यह परिसर राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) से 1 जीबीपी.एस इंटरनेट के साथ 1 जीबीपीएस हाईस्पीड ऑप्टिकल फाइबर पर अच्छी तरह से जुड़ा है परिसर तथा विद्यार्थी-छात्रावास का क्षेत्र वाइ-फाई सक्षम है। आइएमटीएफ टीम ने वर्तमान चँदखेड़ा के आस्थाई परिसर से पालज के आगामी स्थाई परिसर से नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचा, वायरलेस प्वाइंट से प्वाइंट तक नेटवर्क को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है। स्थाई परिसर के निर्माण को वीडियो कैमरा द्वारा 24/7 निगरानी रखी जाती है तथा किसी भी स्थान से आइएसटीएफ विभिन्न विषयों की जरूरतों के लिए

एक व्यापक सॉफ्टवेयर कोष का प्रबंध रखता है। इसके कुछ सबसे ज्यादा लोकप्रिय सॉफ्टवेयर हैं एनएसवाइएस, स्टार सीसीएम, ऑटोडेस्क इनवेन्टर, एस्पेनटेक, मेथेमेटिका, पीएससीएडी4.2, एसटीएटीए11.1, ऑटोसीएडी, आ.इएसई, ओरिजिन, ईटैब, आर्क-जीआइएस।

इस संस्थान में एक आईनिष्पादन कम्प्यूटिंग क्लस्टर (एचपीसीसी), वेगा भी है जो उपयोगकर्ताओं को उनकी शोध-अभिरुचि से संबद्ध समानांतर कम्प्यूटिंग तथा जी.पी.यू कम्प्यूटिंग करने में सक्षम बनाता है। एचपीसीसी के अतिरिक्त इस संस्थान में एक पृथक व्यवस्था है जो एनवीआईडीआईए क्यूडा टीचिंग सेंटर के एक हिस्से के रूप में एमवीआईडीआईए, के 20 एम के साथ 2 अत्याधुनिक नोड्स द्वारा संचालित होता है। ये नोड्स सी-ड.एससी द्वारा प्रदत्त पूरे देश के गरुड़ नेटवर्क से जुड़ा हुआ है।

नई पहल

आइएसटीएफ टीम इनके कौशल को बढ़ाने के लिए विभिन्न परियोजनाएं आरम्भ करता है। तथा हाल की तकनीक प्रौद्योगिकी के साथ आधुनिक बनी रहती है। इस टीम ने निम्नलिखित योजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है—

- 1 ओपन एलपीएपी (ओपन लाइटवेट-डायरेक्टरी एक्सेस प्रोटोकॉल) का प्रयोग कर सभी सार्वजनिक मशीनों की केंद्रीयकृत लॉगिन। यह प्रणाली प्रयोगकर्ताओं को इन मशीनों तथा भाप्रौस गाँधीनगर द्वारा प्रदत्त अन्य ऑनलाइन सेवाओं तक पहुँचने के लिए अपने संबंधित लॉगिन क्रेडेन्शियल को प्रयोग करने में सक्षम बनाता है।
- 2 क्लाउड कम्प्यूटिंग पर पायलट परियोजना जो ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर ओपन नेबुला पर आधारित है, इस मंच का प्रयोग कर प्रयोगकर्ता, वर्चुअल डेस्कटॉप इनफ्रास्ट्रक्चर (वीडीआई) के रास्ते अपना स्वयं का वर्चुअल मशीन बना सकते हैं। यह मंच वर्चुअल मशीनों के कोल्ड व हॉट माइग्रेशन में सहायता करता है।
- 3 ओपेन सोर्स पर आधारित फाइल होस्टिंग सर्विस पोर्टल पर पायलट परियोजना। यह मान लिया गया है कि इस मंच का प्रयोग कर सभी प्रयोगकर्ताओं को केंद्रीयकृत स्टोरेज प्रदान किया जा सकता है। यह मंच ओपेनएलडीपी तथा एसएसएल का प्रयोग करता है तथा इसका ड्रॉप बॉक्स के साथ एकीकरण को पहले ही प्रदर्शित किया जा चुका है।
- 4 ईडीयूरोम वायरलेस नेटवर्क को भाप्रौस गाँधीनगर से जोड़ना। इस सेवा का प्रयोग कर, जो पूरे विश्व में उपलब्ध है, प्रयोगकर्ता पूरे परिसर में तथा अन्य

संस्थानों में जाने के दौरान अपने लैपटॉप्स, स्मार्टफोन तथा अन्य पोर्टेबल उपकरणों का भी वाइफाई के द्वारा इन्टरनेट कनेक्टिविटी प्राप्त कर सकते हैं।

आउटरीच गतिविधियां

आइएसटीएफ संस्थान की कई पहलों तथा कार्यक्रमों में सक्रिय योगदानकर्ता तथा प्रतिभागी हैं। यह टीम विभिन्न कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के लिए रातदिन अपनी सहायता प्रदान करता है। आउटरीच के लिए आ. इएसटीएफ के हाल के कुछ योगदान

आइएसटीए आधारभूत ढांचा

- 1 एक डिजिटल नेटवर्क के नाम से 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें व्याख्यान शा. मिल थे इसके बाद व्याख्यान पर आधारित व्या. वहारिक व क्रियाशील सत्र हुए। इस कार्यशाला के प्रतिभागी गुजरात के अभियांत्रिकी महाविद्यालयों से आए थे। इस कार्यशाला का उद्देश्य महाविद्यालयों में उनके संस्थानों के नेटवर्क से संबंधित समस्याओं को विन्यस्त करने तथा समस्या निवारण के लिए एक क्रेश कोर्स देना था।
- 2 भाप्रौस गाँधीनगर ने वाइब्रेन्ट गुजरात समिट 2015 में भाग लिया जहाँ आइएसटीएफ ने अपने पायलट क्लाउड कम्प्यूटिंग पर्यावरण का प्रदर्शन किया। आ. इएसटीएफ सदस्यों ने आगंतुकों के साथ बातचीत की तथा हाल की प्रौद्योगिकी के बारे में सूचना का आदान-प्रदान किया तथा भाप्रौस गाँधीनगर में उपलब्ध अवसरों के बारे में सूचना को साझा किया।

शोध सुविधाएं

आणविक तथा कोशीय जीव विज्ञान सुविधाएं (एमसीबीएफ)

आणविक तथा सेल्यूलर जीव विज्ञान सुविधा मानक आणविक जीव विज्ञान तथा जैवरसायन प्रयोगों की जरूरत के लिए कई उपकरणों से सुसज्जित है। वर्तमान सुविधाओं में अल्ट्रासोनिकेटर तथा नैनोस्पेक्ट्रो फोटोमीटर जैसे अतिरिक्त उपकरणों से वृद्धि की जा रही है। 2014 में एमसीबीएफ ने जैव सुरक्षा केबिनेट, सीआर इनक्यूबेटर स्वचालित सेल काउन्टर, इनवर्टेड फ्लोरेसेन्स माइक्रोस्कोप, लिक्विड क्रायोप्रिजर्वर, ताप-नियंत्रित जल बाथ तथा रेफ्रिजरेटर-फ्रीजर जैसे उपकरणों के साथ जैव सुरक्षा लेबल 2 के साथ अनुपालन में एक सेल कल्चर सुविधा को संकलित किया है।

कम्प्यूटेशनल नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला (कॉनरेल)

यह प्रयोगशाला वीएसएसआइ डिजाइन तथा सेमीकंडक्टर उपकरणों से संबंधित उपकरण, बोर्ड तथा उपकरणों से सुसज्जित है। प्रयोगशाला में सारे उपकरण हैं उपकरण स्तर सिमुलेशन से लेकर टेप आउट तक जैसे टीसीएडी, कैडेन्स उपकरण 10 लाइसेंस के साथ, मेंटर ग्राफिक्स टूल्स जैसे क्वेस्टा, एडीएम, एस इल्डो, इत्यादि तथा कै. लिबर। इसमें एमईएमएस के लिए कन्वेटरवेयर तथा एफप. जीए सिन्थेसिस के लिए जलिंग्स आइएसई तथा विवाडो भी शामिल हैं। यह अत्याधुनिक एफपीएस जैसे केसी 705 से सुसज्जित है, कॉनरेल शोध ग्रुप ने चीप टेप-आउट के लिए आइएमईसी के साथ एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सिन्क्रोनाइजर्स के अध्ययन के लिए प्रथम टेस्ट सहायता के साथ आइएमईसी, बेलजियम में यूरोप्रेवित्स कार्यक्रम द्वारा निर्माण किया गया। प्रयोगशाला में सेमीकंडक्टर निरूपण प्रयोगशाला प्रोब स्टेशन तथा अन्य सुविधाओं के साथ सुसज्जित है। चालू परियोजना में सिन्क्रोनाइजर अध्ययन, लो-पावर न्यूरोमोर्फिक आर्किटेक्चर्स, नेटवर्क-ऑन-चीप आर्किटेक्चर्स, डिजाइन द्वारा रेडिएशन-हार्ड, आइपी इंटीग्रेशन मुद्दे, कम्प्यूटेशनल नैनो. इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटेशनल लिथोग्राफी, कंपैक्ट-मॉडलिंग तथा हाई वोल्टेज उपकरण शामिल हैं।

फ्रिक्शनल स्तर वेल्डिंग (एफएसडब्लू)

एफएसडब्लू एक ठोस अवस्था में शामिल होने की प्रक्रिया है जहाँ एक सख्त प्लास्टिक विकृति के कारण एक घूर्णन उपकरण वेल्ड बनाता है। उच्च घूर्णन गति पर घूमने वाला उपकरण, उपकरण वर्कपीस संपर्क की सतह पर घर्षण के कारण ताप उत्पन्न करता है। घूर्णन उपकरण वेल्ड-लाइन के साथ घूमता है तथा सॉफ्टेन्ड प्लास्टिक साइज की सामग्री के विरूपण से एक रंध्रिस्थल बनाता है। एफएसडब्लू के दौरान एकीकरण की कमी ऐसे मुद्दे को टालता है जैसे सम्पण्डन दरारे, संरंघता, विरूपण तथा यांत्रिकी गुण। भाप्रौस गाँधीनगर का एफएसडब्लू मशीन विभिन्न सामग्रियों को मिलाने में सक्षम है जैसे एल्यूमीनियम, तांबा, मैग्नेशियम, इस्पात इत्यादि को ठोस अवस्था में मिलाता है। मशीन में उपकरण-घूर्णन के लिए 12.5 एचपी विद्युत मोटर है तथा सख्त सामग्री को मिलाने के लिए पर्याप्त टॉर्क उत्पन्न करता है। यह इस मोटर को 3000 आरपीएम तक घुमाया जा सकता है। यह मशीन घर्षण स्टेट वेल्डिंग जैसे टूल स्पीड, वेल्डिंग स्पीड, प्लंजफोर्स, फीड फोर्स, टॉर्क, तथा पावर के दौरान विभिन्न प्रक्रिया पैरामीटर को मापने में सक्षम है, मुख्य मशीन के अलावा हमलोगों ने विभिन्न सामग्रियों को मिलाने के लिए विभिन्न उपकरण विकसित किए हैं जिसमें वर्कपीस

सामग्री के विभिन्न आकार को मिलाने के लिए पॉलिमर्स तथा फिक्सर्स शामिल हैं।

हियरिंग प्रोटेक्टर टेस्ट मॉडल

इस प्रणाली में एक ग्रास 45 सीए हियरिंग प्रोटेक्टर टेस्ट फिक्सर, बाह्य रूप से ध्रुवीकृत प्रेसर माइक्रोफोन (ग्रास 45 एजी) के साथ एक माइक्रोफोन ढांचा, प्री-एम्प्लीफायर्स तथा पावर मॉड्यूल, तथा एक ग्रास 42 एपी इटेलिजेन्ट पिस्टन फोन मापांकन के लिए है। हियरिंग प्रोटेक्टर उपकरण के प्रदर्शन को मापने के अतिरिक्त यह ढांचा सक्रिय शोर नियंत्रण हेडफोन प्रदत्त शोर निराकरण के स्तर को मापने के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है। अगर वर्तमान ढांचे से एक कृत्रिम पंख जोड़ा गया है तो यह मॉडल हियरिंग एड की विशेषताओं की जांच करने के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है।

उच्च निष्पादन कम्प्यूटिंग (एचपीसी) प्रयोगशाला



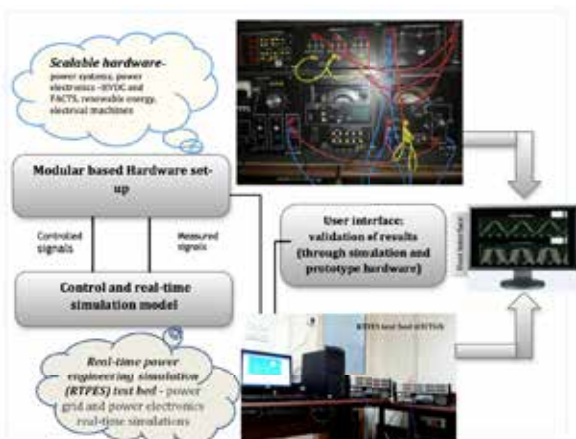
एचपीसी प्रयोगशाला पहली बार 2011/2012 में शोध को आगे बढ़ाने तथा कम्प्यूटेशनल विज्ञान व अभियांत्रिकी पढ़ाने तथा जीपीयू त्वरक के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए तथा एचपीसी के लिए सीयूडीए प्रोग्रामिंग के लिए एनओडीई-एक्स, एक हाइब्रिड मल्टीकोर तथा जीपीयू आधारित उच्च निष्पादन कम्प्यूटिंग (एचपीसी) मंच की स्थापना के साथ शुरू हुई। एनओडीई-एक्स में, भाप्रौस गाँधीनगर पर्युजित्सु व न्विदिया की आंशिक सहायता के साथ 7 नेटवर्क के कार्यस्थल व्यवस्था है। इस प्रणाली के आरम्भ के मुख्य कम्प्यूटर इंजन में 2 सेल्सियस आर-670 कार्यस्थल हैं। जिसमें 24 सीपीयू कोर्स, 96 जीबी मुख्य प्रणाली आरएएम (सीपीयू कोर्स) तथा एचडीडी स्टोरेज के 2 टेराबाइट्स तथा 4 न्विदिया टेस्ला सी 2070 जीपीयू कार्ड्स जिसमें कुल 1800 सीयूडीए तथा 6 जीबी जीपीयू ग्राफिक्स आरएएम है। यह प्रणाली उबन्टु लिनक्स संचालन प्रणाली पर चलती है तथा कार्यनिर्धारण एक ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर टार्क्य द्वारा इसका प्रबंधन किया जाता है। बाकी 5 अत्याधुनिक कार्यस्थल (प्रत्येक में न्विदिया क्वार्टो 2000 कार्ड, 1 जीबी मेमोरी 1 टीबी स्टोरेज के साथ 4 सीजीपीयूएस तथा 4 जीबी रैम तथा 192 जीपीयू कोर्स) उच्च फिडिलिटी कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग तथा इंजीनियर्ड प्रणाली के दृश्य को सुगम बनाने के लिए 20 सीपीयू का एक कम्प्यूटेशनल डिजाइन समूह बनाता है। 2013 में इस

क्लस्टर को एक और आर-670 कार्यस्थल को शामिल करने के लिए बढ़ाया गया तथा इसमें 4 टेस्ला सी 2070, 2 सीयूडीए-सक्षम जीईफोर्स जीटीएक्स 480 एस, 2 सीयूडीए-सक्षम जीई फोर्स जीटीएक्स 680 एस तथा 2 केप्लर के 20 जीपीयू कार्ड्स हैं। इन्हें स्नातक स्तर पर तथा उन्नत कम्प्यूटर आर्किटेक्चर पर अलगोरिथम पर कम्प्यूटर विज्ञान माइनर पाठ्यक्रम पर विस्तृत रूप से प्रयोग किया जाता है। फरवरी 2013 में भाप्रौस गाँधीनगर को न्विदिया-क्यूजा शिक्षण-केंद्र के तौर पर मान्यता दी गई पूरी सुविधा एक 8 टीबी एनएएस एकीकृत स्टोरेज प्रणाली से नेटवर्क द्वारा जुड़ा हुआ है। 2014 में इस प्रणाली की मेमोरी को 192 जीबी तक बढ़ाया गया इसके उपयोग की वृद्धि को ध्यान में रखकर, चूंकि यह सुविधा पूरे परिसर समुदाय के लिए एक कम्प्यूटेशनल संसाधन की तरह सेवा देता है। कई लोकप्रिय सीईई सॉफ्टवेयर उसी तरह ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर इस प्रणाली पर कार्यान्वित किया गया है। एनओडीई-एक्स गरुड़ से जोड़ा गया है जो भारतीय ग्रिड है तथा सीडीएसी बंगलोर तथा भाप्रौस गाँधीनगर के मध्य एक सहमति ज्ञापन है। सीडीएसी पुणे ने कुछ एकाउन्ट्स आबंटित किए हैं जो राष्ट्रीय परम सुपर-कम्प्यूटिंग सुविधा (एनपीएसएफ)-पैमाने पर वैज्ञानिक कम्प्यूटिंग को सुविधाजनक बनाया है। इसके संयोजक के साथ में सीडी-एडाको ने एनपीएसएफ पर बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक कम्प्यूटेशन में सक्षम बनाने के लिए भाप्रौस गाँधीनगर को स्टार-सीसीएम, मल्टी-फिजिक्स तथा सीएफडी सॉफ्टवेयर लाइसेंस के लिए असीमित लाइसेंस प्रदान किया है। भाप्रौस गाँधीनगर को सीडीएसी द्वारा अहमदाबाद के लिए भारतीय ग्रिड सर्टिफिकेशन अथॉरिटी के तौर पर नियुक्त किया गया है। 2015 में एक महत्वपूर्ण एचपीसी हार्डवेयर उन्नत में एक नयी एचपीसी प्रणाली वेग को परिसर की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए किया गया है। वेग पर्युजित्सु का उच्च निष्पादन कम्प्यूटिंग क्लस्टर (एचपीसीसी), जो 8.8 टीफ्लोप्स (पीक) तथा 7.4 टीफ्लोप्स से बना है। इसमें इन्टेल ड्यूअल 6 कोर प्रोसेसर 48 जीबी रैम तथा 8 कम्प्यूटर नोड्स के साथ एक मास्टर नोड है, प्रत्येक इन्टेल ड्यूअल 8 कोर प्रोसेसर तथा 64 जीबीआरएएम के साथ है। इसके अतिरिक्त क्लस्टर में 2 जीपीयू नोड्स हैं। प्रत्येक इन्टेल-8 कोर तथा एनवीआइडीआई के 20 एक्सएम टेस्ला कार्ड्स 2688 क्यूडी कोर्स के साथ ही एचपीसीसी का भंडारण दोहरे नियंत्रकों पर आधारित एसएएन तथा 25 टीबी के प्रयोग करने योग्य क्षमता है जो 1/0 नोड्स द्वारा मास्टर नोड्स से जोड़ता है, इन्टर नोड संचार इनफिनी बंद बैकबोन तथा गिगाबिट इथर्नेट स्विच के जरिए होता है। कई सॉफ्टवेयर पैकेज, जीसीसी कम्पाइलर्स से समानांतर कम्प्यूटिंग सॉफ्टवेयर

जैसे ओपन एमपीआइ, ओपन एमपी, तथा समानांतर वै. ज्ञानिक प्रयोगशालाएं जैसे पीईटीएससी, एमएजीएमए, पीएलएएसएमए से विभिन्न कम्प्यूटर एडेड अभियांत्रिकी सॉफ्टवेयर जैसे एफईएम, सीएफडी, व्यावसायिक तथा आ. पन सोर्स दोनों, स्थापित किए गए हैं तथा शोध व शिक्षण के लिए प्रयोग किए जा रहे हैं।

ईंधन प्रकोष्ठ शोध प्रयोगशाला

ईंधन प्रकोष्ठ शोध प्रयोगशाला कमीशन प्राप्त है तथा पूर्ण. तथा परिचालित है, यह प्रयोगशाला औद्योगिक वायु-संच. र प्रणाली से सुसज्जित है जो सामान्य संचालन में 25 एसीएच (प्रति घंटे हवा बदलती है) प्राप्त कर सकता है तथा हानिकारक गैसों के रिसाव पर 50 एसीएच, जैसा गैस का पता लगाने वालों ने पता लगाया। इस प्रयोगशाला में विशिष्ट गैसों के लिए सेंसर हैं जिन्हें विभिन्न स्थलों पर तैनात किया है। ये सेंसर केंद्रीय निगरीनी तथा नियंत्रण प्रणाली से जुड़े हैं जो रियल-टाइम नियंत्रक पर आधारित हैं। रियल टाइम नियंत्रक प्रत्येक सेंसर से प्राप्त इनपुट्स पर उचित कार्य करने प्राप्त करने तथा विवेचना करने के लिए सुसज्जित है। नियंत्रक क्रिया में प्रयोगशाला से बाहर की कुछ गैसों की आपूर्ति करने, श्रव्य-दृश्य अलार्म तथा प्रयोगशाला में वायु-संचार की वृद्धि शामिल हैं। सेंसर लगाने के लिए कम्प्यूटेशनल फ्लुइड डायनामिक्स (सीएफडी) गणना का मार्गदर्शन मिला है जिससे प्रयोगशाला का मॉडल बना है। सीएफडी सिमुलेशन ने वायु संचार प्रणाली के आकार तथा डिजाइन में भी सहायता की है।



अक्षय ऊर्जा प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला (हार्डवेयर तथा फर्मवेयर) प्रयोगकर्ता को विद्युतीय ऊर्जा प्रणाली तथा अक्षय ऊर्जा संसाधन के ढाँचे व व्यवहार को इसमें शामिल ज्यादातर विभिन्न तरह के कम्पोनेन्ट तथा प्रौद्योगिकी के साथ अनुसरण करने की

अनुमति देता है। यह एकीकृत हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर मंच छात्रों तथा शोधकर्ताओं को ऊर्जा प्रणाली, ऊर्जा कनवर्टर, अक्षय ऊर्जा जेनरेशन तथा विद्युतीय मशीन पर प्रयोग करने की अनूठी योग्यता प्रदान करता है। इसमें प्रणाली अध्ययन, सामान्य नुक्स वाली स्थिति के अंतर्गत डिजाइन तथा टेस्टिंग शामिल हैं तथा ऊर्जा अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में नियंत्रक-क्रिया के प्रभाव, जैसे ऊर्जा उत्पादन, ट्रांसमिशन, वितरण विद्युतीय ऊर्जा के उपयोग, का अवलोकन करता है। अनुकूलित हार्डवेयर तथा फर्मवेयर व्यवस्था लैब-वोल्ट, संराअ से खरीदी गई है। अनुकूलन तथा मापनीय 3-फेज एसी पावर सप्लाईज, 3-फेज एक समय का मोटरध्वजनरेटर तथा ट्रांसफार्मर, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स तथा एचवीडीसी हार्डवेयर, ऊर्जा स्टो. रेज उपकरण तथा इम्बेडेड डाटा प्राप्ति तथा नियंत्रण, महत्वपूर्ण घटकों तथा प्रौद्योगिकी के साथ एक पूर्ण कार्यत्मक विद्युत पावर ग्रिड की प्रतिलिपि प्रस्तुत करेगा।

अपशिष्ट जल उपचार प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में जैविक पोषक तत्वों की निष्क. ासन-प्रक्रिया के लिए इसके अपने एरोबिक रिएक्टर के साथ जल तथा अपशिष्ट जल विश्लेषण के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं हैं। यहाँ अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। व्यर्थ पानी के एरोबिक उपचार के दौरान बनीं घुली नाइट्रस तथा नाइट्रिक ऑक्साइड को मापने के लिए नाइट्रस तथा नाइट्रिक सेंसर प्रयोग किए जाते हैं। यह इस तरह की भारत की प्रथम सुविधा है जो घुली नाइट्रस तथा नाइट्रिक ऑक्साइड को अपशिष्ट जल में माप सकता है। स्वचालित ऑनलाइन घुला आक्सीजन (डीओ) एयरोबिक रिएक्टर में उपचार किए जा रहे पानी के डीओ का अनवरत माप देता है। व्यावसायिक सॉफ्टवेयर एसआइएमबीए का प्रयोग बड़े पैमाने पर उपचार संयंत्र के मॉडल के लिए किया जाएगा. 1। सॉफ्टवेयर का प्रयोग भाप्रौसं गाँधीनगर शोध टीम अमूल डेयरी में व्यर्थ जल उपचार प्रणाली के मॉडल तथा विश्लेषण के लिए किया जा रहा है। व्यर्थ पानी नमूने की रासायनिक ऑक्सीजन मांग (सीओडी) को बंद रिप्लेक्स विधि द्वारा नापा जाता है। यह एकल 20घंटे में 12 नमूनों का विश्लेषण कर सकता है। टोटल क्लाइडल नाइट्रोजन (टीकेएन) मापक उपकरण अग्रणी उपकरण हैं। इसके अन्दर निर्मित स्वचालित स्क्रबर तथा डिस्टिलेशन प्रणाली है तथा किसी ध्वनिकारक गैस को वातावरण से आने को रोकने के लिए एक हीटिंग इजेक्टर लगा हुआ है। एयरो जैवरिएक्टर एक ओपन चैनल सामयिक रिएक्टर है, जो अनवरत मोड़ में 80 लीटर व्यर्थ पानी का उपचार कर सकता है इसमें 120 लीटर क्षमता अलग-अलग कच्चा तथा उपचार किया पानी जमा रहता है। पीएच, डीओ,

कंडक्टिविटी व टीडीएस इलेक्ट्रोड्स व्यर्थ जल नमूने में संबंधित पेरामीटर का सही मूल्य प्रदान करता है।

पुरातत्व विज्ञान केंद्र (एएससी)

एएससी ढोलावीरा साइट तथा अन्य हड़प्पन साइट्स की बहुल विषयक जाँच करने में संलग्न है। कुछ आरम्भ हुए परियोजनाएं हैं 1— ढोलावीरा से तांबे के नमूनों की रासायनिक निरूपण 2— करनपूर्ण जल के साइट से फा. इटोलिथ, डाइऑटॉम तथा पराग जैसे पैलिओबोटानिकल साक्ष्य पर आधारित उत्तरी राजस्थान की पैलिओक्लाइमेट जाँच, 3— जले अनाज के विश्लेषण के जरिए रूपनगर पंजाब के साइट की आर्कियोबोटानिकल जाँच 4— ढोलावीरा खुदाई की सिरामिक विश्लेषण 5— करनपूर्ण, ढोलावीरा, दायमाबाद व सनौली से नमूने के जरिए हड़प्पन की बीड ड्रिलिंग प्रौद्योगिकी। एएससी उपर्युक्त विश्लेषण के लिए भाप्रौस गाँधीनगर में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं का उपयोग कर रहा है। इन सुविधाओं में ईडीएक्स, एक्स-रे डिफ्रेक्शन माइक्रोस्कोप्स के साथ स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप जो जैविक अभियांत्रिकी के विषय के साथ उपलब्ध है।

भारतीय क्षेत्रीय नौचालन उपग्रह प्रणाली (आइआरएनएसएस) रिसीवर

भाप्रौस गाँधीनगर ने पृथ्वी के त्रुटि लक्षणों की जाँच करने के लिए आइएसआरओ-एसएससी से एक आइआरएनएसएस प्राप्त किया है, जो एक मकान की छत पर रखा गया है। रसीवर के लैटीट्यूड लांगीट्यूड, अलटीट्यूड तथा अन्य मापों का नियमित अंतराल पर जमा किए जाता है तथा विश्लेषण किया जाता है। शोधटीम की आइएसआरओ-एसएससी के रिसीवर के स्थान, वेग तथा अन्य मापों में त्रुटियों के आंकड़ों पर एक मासिक रिपोर्ट प्रदान करती है। भाप्रौस गाँधीनगर की डिजाइन एलिवेशन मानचित्रण की यथार्थता को बेहतर बनाने के लिए इस डाटा का प्रयोग कर रहा है (डेम, जिसपर शोध टीम आजकल काम कर रही है) हिमालय पर्वत का डेम, एक सिंथेटिक एपर्चर तथा आइआरएनएसएस रिसीवर, दूसरा जड़त्वीय नौचालन के लिए है, के साथ लो-अर्थ-ऑरबिट उपग्रह का प्रयोग किया जा रहा है। आइआरएनएसएस रिसीवर की त्रुटि-विशेषताओं का विस्तृत ज्ञान डेसीमीटर स्केल तक डेम सटीकता को बेहतर बनाने में सहायता करेगी।

आभासी वास्तविकता मोशन कैप्चर सिस्टम

यह कस्टम-मेड सिस्टम क्षैतिज समक्षेत्र में बनी आर्म मूवमेंट को रिकॉर्ड करने के लिए विद्युत चुंबकीय सेंसर (एसेनसन ड्रैक स्टार, नोर्थन डिजिटल) का प्रयोग करता

है। यह मोशन मॉनीटर (इनस्पोर्ट, शिकागो, आइएल) से जुड़ा है उसी तरह एक आभासी वास्तविकता वातावरण पेश करने के लिए स्वतंत्र विकसित सॉफ्टवेयर से भी जुड़ा है, जो विभिन्न टास्क स्थितियों के अंतर्गत आर्म मोशन डाटा रिकार्ड करने में सक्षम बनाता है। यह प्रणाली बाह्य उपकरणों की श्रेणी के साथ जोड़ा जा सकता है जिसमें ईएमजी, ईईजी तथा टीएमएस उपकरण शामिल हैं, जो आर्ममोशन टास्क के दौरान परिणाम के साथ ही तंत्रिका-गतिविधि के व्यवधान की अनुमति देता है।

एसवाइएसआइडीईए प्रयोगशाला

कुछ गति नियंत्रता प्रयोग सिसआइडिया प्रयोगशाला में किए जाते हैं। शोध टीम वर्तमान में 2 अन्य प्रयोगात्मक व्यवस्था विकसित कर रही है। एक प्रतिबिंब आधारित रचनात्मक-विधि आकलन व्यवस्था के अंतर्गत आजादी की अवधारणा तथा पथ आयोजन नियंत्रक के विश्लेषण में सहायता करेगा।

कोलाइड्स अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

औषधि तथा जैवचिकित्सा प्रयोगों में इस्तेमाल के लिए नैनोपार्टिकल की तैयारी तथा निरूपण के लिए एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधा विकसित की गई है। प्रयोगशाला में प्रो सोनीकेटर (सोनिक्स वीसी 505) का प्रयोग कर नैनोपार्टिकल के लिए एक व्यवस्था, 40 एनएम-2 एमएम की श्रेणी में पार्टिकल साइज की माप के लिए एक पार्टिकल साइज विश्लेषक (बेकमैन काउल्टर एल एस 13321) तथा नैनोपार्टिकल्स के जलीय निलंबन के पोटेन्शियल के आकलन के लिए पार्टिकल साइजिंग सिस्टम (पीएसएसएस) जेटा एनालाइज (एनआइसीओएमपी 380 जेडएलएस हैं)। शुष्क चूर्ण नमूने की तैयारी के लिए एक मार्टिन क्राइस्ट फ्रीज ड्रायर (अल्फा 1-4 एल डी प्लस) उपलब्ध है। सबक्रिटिकल सीओ₂ (30-70 बार पर) का प्रयोग कर औषधि नैनोपार्टिकल्स के जलीय निलंबन के लिए भी एक सुविधा उपलब्ध है, जिसमें एक 5 लीटर के उच्च प्रेसर वेसल (संचालन स्थिति, 200 बार, तथा 100 डिग्री सी) शामिल है। माइक्रोबबल्स के जलीय निलंबन के लिए तथा निरूपण के लिए सुविधा भी उपलब्ध है। ये माइक्रोबबल्स निलंबन अल्ट्रासोनिक कांटरस्ट इमेजिंग तथा ड्रग डिलीवरी प्रयोगों में एक महत्वपूर्ण साधन की तरह उभर रहे हैं।

प्रयोगशाला सुविधाएं



रासायनिक अभियांत्रिकी

रासायनिक अभियांत्रिकी विषय की प्रयोगशाला सुविधा में आधुनिक प्रयोगात्मक व्यवस्था की विस्तृत श्रेणी है। तरल यांत्रिक प्रयोगात्मक व्यवस्था में रेनोल्ड्स प्रयोग उपकरण, वर्नौलिस उपकरण विभिन्न पाइप के जरिए घर्षण पहल पाइप फिटिंग्स, छिद्र व वेन्टुरी-मीटर के बराबर की लंबाई व सेन्ट्रीफ्यूगल पम्प विशेषताएं शा. मिल हैं। यूनिट ऑपरेशन्स/मास ट्रांसफर/स्थानांतरण आपरेशन्स, प्रयोगात्मक व्यवस्था में बॉलमील, छननी संस्. तरित सामान्य आसवन, पैकडवेड अवशेषण टावर, ठा. स-तरल ठोस गैस/तरल-गैस मास ट्रांसफर शामिल हैं। हीट ट्रांसफर आपरेशन से संबंधित प्रयोगात्मक व्यवस्था में विभिन्न तरह के ताप वनिमयक शामिल है जैसे शेल व ट्यूब/डबल पाइप/कुंडलित पाइप/द्रवीकृत/फिन ट्यूब तथा अन्य प्रयोग जैसे उत्तेजित पात्र में ताप-स्थ. ानांतरण, लेमिनार टर्बुलेंट प्रवाह, तथा विभिन्न पदार्थों की अवशोषणता शामिल हैं। रासायनिक रिएक्टर्स अभियांत्रिकी व्यवस्था में बैच/पीएफआर सीएसटीआर रिएक्टर्स है। प्रक्रिया नियंत्रण तथा डायनामिक्स व्यवस्थाओं में सामान्य पेन्डुलम, बल्ब थर्मोमीटर, इन्टरएक्टिंग तथा मॉन इन्टरेवि. टंग टैंक, ऑन ऑफ नियंत्रक, तथा पीआईडी नियंत्रण शा. मिल हैं। इस सुविधा में विशेष निरूपण सुविधा जैसे यूवी स्पेक्ट्रोमीटर, एचपीएलसी, जीसी तथा पार्टिकल साइज एनेलाइजर तथा प्रक्रिया साइमलेशन प्रयोगशाला के लिए एक कम्प्यूटर-सुविधा शामिल है। साइमलेशन औजार जैसे एएनएसवाइएस, स्टार-सीसीएम, एस्पेनटटेक सूट, मै. टलैब, तथा सीओएमएसओएल/कोमसोल बी उपलब्ध हैं।

रसायन विज्ञान

रसायन विज्ञान में कई शोध सुविधाओं तक पहुँच है। इनमें



एक 500 एमएचजेड एसेन्ड एफटीएनएमआर (ब्रूकर), एक सिनप्ट जी2एसईएसआइ-क्यूटीओ एफ मास स्पेक्ट्रोमीटर (बाटर्स) तथा साइविलक वोल्तामीटर (सीएच, इन्सट्रुमेंट्स), एक पाउडर एक्सआरडी (ब्रूकर), एक लाइफस्पेस-11 टीसीएसपीसी (एडिनबर्ग), एक मल्टीमोड 8 एटमिक फोर्स माइक्रोस्कोप (ब्रूकर), एक स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्का. प (जेईओएल), एक सर्कुलर डिफ्रैक्टोमिटर (सीडी) स्पेक्ट्रा. मीटर (जेएएससीओ), 3 पलेक्स-बीईटी सरफेस एरिया एनेलाइजर (माइक्रोमेरिटिक्स, संराअ), टीजीए- डीएससी तथा गैस क्रोमेटोग्राफी शामिल हैं। अन्य शोध उपकरण जैसे डिजिटल पोलेरीमीटर (एन्टॉन-पार), एक एफटीआइ. आर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (थर्मो वैज्ञानिक) डिजिटल मेल्टिंग प्वाइंट उपकरण (एमआर-बीआईएस), एक फोटोकैमिकल उपकरण (लजचेम), यूवी-वीआईएस उपकरण (सिमाडजू) तथा एनेलिटिक जेना, एक स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर (होरिबा-जोबिनवाइ योन), उच्च दाब तरल क्रोमेटोग्राफी प्रणाली, रोटरी इवैपोरेर्स (बुची, आइकेए), विश्लेषणात्मक संतुलन (शिमाडजु, मेट्रलर) तथा सामान्य सुविधाएं जैसे दृ सेलेंक लाइन्स, हिटिंग मैन्टल्स, आवेन्स, फ्रीजर्स, हॉट प्लेट्स तथा स्टर्र्स।

सिविल अभियांत्रिकी

सिविल अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम में अवररस्नातक छात्रों के लिए एक विस्तृत सामग्री जाँच कार्यक्रम शामिल हैं। सं. रचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला के टेस्टिंग कार्यक्रम में शामिल हैं दृ कंक्रीट का व्यापक स्ट्रेंथ टेस्टय कंक्रीट का कंपैक्शन टेस्टय कंक्रीट का बल्क डेन्सिटी अनुमानय विशिष्ट ग्रेविटी टेस्टय सीमेंट के लिए सेटिंग समयय एग्रेगेट्स की ग्रेडिंग, मोर्टार गारी का बृहत स्ट्रेंथ, ईट का बृहत स्ट्रेंथय चिनाई का प्रिज्म टेस्टय ईटों का जल



अवशोषण टेस्टय तथा ईटों के अवशोषण का आरम्भिक दर। स्नातकोत्तर छात्रों के लिए संरचनात्मक गितसीलता के कुछ मौलिक घटकों के प्रदर्शन के लिए अन्य सुविधाएं हैं – इलेक्ट्रो – डायनामिक शेकर जैसे उपकरण, स्लेज इम्पल्स हैमर, सेन्सर्स तथा द्वारा प्राप्त प्रणाली, तरंग फोर्म जनरेटर तथा डायनामिक सिगनल एनेलाइजर। सेन्सर्स में विभिन्न तरह के एक्सेरोमीटर्स, वेलोसिटी सिस्मोमीटर्स तथा डिसप्लेसमेंट ट्रान्सड्यूसर्स, शामिल हैं। स्नातकोत्तर छात्रों को अल्ट्रासोनिक पल्स वेलोसिटी माप तथा इम्पैक्ट कंक्रीट हैमर के द्वारा नॉन डिस्ट्रक्टिव टेस्ट पर कुछ मूल एक्सपोजर दिया गया है। भूतकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, कोर विषय सामग्री साथ ही एमटेक तथा पीएचडी छात्रों द्वारा किए जा रहे शोध अभिरुचियों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए यूजी तथा पीजी शिक्षण की सहायता करता है। प्रयोगशाला मूल मृदा जाँच उपकरणों तथा अत्याधुनिक शोध उपकरणों से सुसज्जित है। इन उपकरणों का प्रयोग मृदा के यांत्रिकी गुणों का नापने के लिए किया जाता है जिसमें इंडेक्स प्रोपर्टी, पा. रगम्यता, दबाव, कतरनी ताकत तथा गतिशील गुणों को मापने के लिए प्रयोग किया जाता है।

भूतकनीकी प्रयोगशाला में निम्नलिखित सुविधाएं हैं— सूचकांक गुण तथा मृदा वर्गीकरण महीनदाने वाली मिट्टी के लिए फॉलिंग हेड पारगम्यता तथा मोटे दाने वाली मिट्टी के लिए कंस्टेन्ट हेड, प्रोक्टर टेस्टिंग व्यवस्था (संघनन टेस्ट)रू मानक एवं संशोधित, 3-गैंग ओइडोमीटर व्यवस्था (समे. कन टेस्ट), फुलाव दबाव माप सुविधा, रासायनिक जाँच, दबी हुई मिट्टी (900 डि सी), मिट्टी में ऑरगेनिक मैटर के

मूल्यांकन के लिए, मोटे कण वाली मिट्टी (बालू) के आकार के अध्ययन के लिए ऑप्टिकल तथा डिजिटल एलसीडी माइक्रोस्कोप, शोषण दाव माप, पारम्परिक टेन्सियोमीटर के साथ, टेन्सियोमीटर आधारित सेन्सर, फिल्टर पेपर जाँच विधि व्यवस्था तथा मृदा ड्रिप प्वाइंट पोटेन्सीओमीटर व्यवस्था, बिना चिकनाई के शियर स्ट्रेंथ के लिए डायरेक्ट वाली मृदा के शियर स्ट्रेंथ के लिए यूसी जाँच उपकरण, मृदु मृदा के लिए वेना शियर टेस्ट, डाटा प्राप्ति उपकरण के साथ 2 त्रिअसीय टेस्ट व्यवस्था तथा संपीडन भार की स्थिति के अंतर्गत पोर दबाव अनुक्रिया तथा मात्रा परिवर्धन के सही माप की सुविधा के साथ सभी तरह की मृदा की शियर स्ट्रेंथ नापने के लिए एनेलिसिस सॉफ्टवेयर। एक्सटेंशन लोडिंग परीक्षण के उन्नत स्वचालित त्रिअसीय व्यवस्था के लिए अतिरिक्त सुविधा के साथ कोटेस्ट तथा स्ट्रेस पाथ परीक्षण, गतिशील मृदा के गतिशील गुणों, पूर्ण स्वचालित चक्रीय त्रिअक्षीय परीक्षण व्यवस्था (0.01–10 एच जेड, दबाव व तनाव नियंत्रित द्रवीकरण क्षमता के लिए वायुविय संचालन) और मृदा के शियर मोड्यूलस के लिए (उच्च स्ट्रेन आयाम परीक्षण $10^{-4}\%$ से $10^{-2}\%$) बेन्डर एलिमेंट प्रणाली (निम्न स्ट्रेन आयाम परीक्षण $10^{-6}\%$ से $10^{-4}\%$)। डिजाइन सॉफ्टवेयर जैसे जीआइडी, स्टेडप्रो, सीएमआइ-सैप। बारीक मृदा के रिमोल्डेड नमूने की तैयारी के लिए भाप्रौस गाँधीनगर में घोल समेकन व्यवस्था विकसित की गई है। इसमें 4 दो. हरे स्ट्रोक वाले न्यूमेटिक दाब सिलिन्डर 4 समेकन सेल्स के साथ स्व-प्रतिक्रिया-सील 250 किलो का प्रतिक्रिया परेम है, इन सीटू परीक्षण भार वहन क्षमता के लिए

मोटरचालित प्रस्तोता प्रणाली के साथ प्लेट भार परीक्षण 300 के एन सामर्थ्य मानक पैठ परीक्षण (एसपीटी और गतिशील शंकु पैठ परीक्षण (डीसीपीटी), स्वचालित मुक्त फॉल हैमरिंग प्रणाली के साथ, ग्राउन्ड पेनेट्रेशन रडार (जीपीआर) मोनो तथा विसटैटिक संचालन, फ्रीक्वेंसी 100 एमएचजेड 400 एमएचजेड के साथ बिसटैटिक संचालन तथा 200 एमएचजेड तथा 900 एमएचजेड मोनोस्टैटिक संचालन के साथ भी शामिल हैं।

विद्युत अभियांत्रिकी

विद्युत अभियांत्रिकी विषय अपने अवर स्नातक छात्रों को 6 प्रयोगशाला पाठ्यक्रम तथा अन्य अभियांत्रिकी विषयों के लिए एक मूल प्रयोगशाला पाठ्यक्रम प्रदान करता है। ये प्रयोगशालाएं उन्नत प्रयोगों तथा शोध के लिए सुसज्जित हैं। छात्रों को आरएफ प्रयोगों में प्रशिक्षित करने के लिए **इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला** में गुण डायोड आधारित माइक्रोवेव परीक्षण बेंच तथा एंटीना ट्रेनर किट्स हैं। यहाँ एम्बेडेड प्रणाली प्रयोग पर आधारित माइक्रोपोसेसर तथा माइक्रोकंट्रोलर की सुविधाएं हैं। विद्युतीय मशीनरी प्रयोगशाला में 5 परीक्षण बेंच हैं। प्रत्येक सेट में निम्न लिखित मशीनरी तथा नियंत्रण अनुखंड मॉडूल समाविष्ट हैं एक डीसी मशीन, एक समकालिक मशीन तथा एक इंडक्शन मशीन। इस बेंच में पैनल मीटर्स, स्पीड टोर्क माप के लिए सेंसर, फिल्ड व आर्मेचर बिजली आपूर्ति के लिए विद्युत इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रक, प्रेरक मोटर्स के लिए परिवर्तनशील आवृत्ति ड्राइव तथा अल्टरनेट के समानांतर संचालन के लिए समकालिक मशीन शामिल हैं। **पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं ड्राइव्स प्रयोगशाला** में एफपीजीए आधारित (स्पार्टन/मीलिन्स) डीएसपी नियंत्रक तथा इनटेलिजेंट पावर मॉड्यूल, इंडक्शन मोटर्स के नियंत्रण के लिए वेसडीसी मोटर्स, पीएमएसी मोटर्स डीसी (शंट या पृथक रूप से उत्तेजित) मोटर्स तथा स्वीटड रिलक्टेंस मोटर्स, **नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला** में प्रक्रिया नियंत्रण प्रशिक्षक मॉड्यूल है जिसमें विभिन्न तरह के फीडबैक नियंत्रण प्रणाली के सिमुलेटर शामिल हैं। पीआईडी नियंत्रक तथा शीशा अतिपूरक उपलब्ध है जो पारामीटर को नापते हैं जैसे ताप, स्तर, स्थान गति एवं त्वरण, प्रयोगशाला में लचीले ढांचे में कंपन के अध्ययन के लिए एक बृहत चौनल कंपन विश्वलेषक हैं। विषय के **संगणन सुविधाओं** में विस्तृत रूप से प्रयोग में आने वाले सॉफ्टवेयर उपकरण जैसे मैटलैब, सिनोप्सिस, टीसीएडी उपकरण तथा कैन्डेन्स एनालॉगर

डिजाइन उपकरण शामिल हैं। प्रयोगशाला एआरएम, पी. आइसी नियंत्रक, एवीआर तथा माइक्रोकंट्रोलर बोर्ड्स उसी तरह एक सूक्ष्म चुंबकीय विश्लेषक। पावर सिस्टम सिम्युलेशन प्रयोगशाला में 25 नोड्स के लिए लाइसेंस पीएसएस. 1एडी सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। नवीनतम उपकरण में प्रिंट. 'न्ड सर्किट बोर्ड के निर्माण की सुविधा, (पीएसबीसीएस), वास्तविक समय सिग्नल प्रसंस्करण प्रयोगों को करने के लिए डीएसपी स्टार्टर किट्स मशीन को मजबूत करने तथा प्रयोगशाला के नियंत्रण के लिए एक आंकड़ा प्राप्ति व्यवस्था (राष्ट्रीय उपकरण) तथा पीवीसेलधर्मोडूलध्रणाली के निरूपण के लिए सौर पीवी प्रयोगशाला किट्स।

वर्तमान में प्रयोगशाला में उपलब्ध शोध की सुविधाएं—

फोटोनिक सेंसर प्रयोगशाला— प्रकाशीय भौतिकी तथा रासायनिक सेंसर के क्षेत्र में शोध पर जोर देता है। जोर का बृहत क्षेत्र औद्योगिक व चिकित्सीय प्रयोग के लिए ट्यूने. बल डियोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी पर गैस के केंद्रीयकृत, दबाव तथा ताप को नाप के लिए है। जोर का दूसरा क्षेत्र भोजन तथा पेय में मिलावट की खोज है। यह प्रयोगशाला नैरोलाइन विड्थनियर—इंफ्रारेड तथा मिड—इंफ्रारेड लेजर डियोड्स से सुसज्जित है। इसका उद्देश्य मीथेन गैस, एसिटिलीन, कार्बनडायऑक्साइड, अमोनिया तथा जल—वाष्प का पता लगाना है। एक स्टेट ऑफ दि आर्ट **सेमिकंड. क्टर निरूपण प्रयोगशाला** 6 इंच प्रोब स्टेशन के साथ पारेमेट्रिक एनेलाइजर, एक डायनामिक सिग्नल एनेलाइजर तथा आइसीसीएपी सॉफ्टवेयर प—अ, ब—अ, पल्स, शोर तथा विश्वस्नीयता के माप का प्रयोग कर विस्तृत वेफर—स्तर विवरण के लिए विकसित किया गया है। एक **प्रभावशाली संगणन प्रणाली प्रयोगशाला** एडेप्टिव मनोवैज्ञानिक शरीर विज्ञान पर आधारित प्रणाली पर शोध के लिए फिजियोलॉजि. कल सिग्नल डाटा प्राप्ति प्रणाली और आभासी कार्यक्रम मंच के साथ सुसज्जित है। **वीएलएसआइ डिजाइन लैब सुविधाओं** में करीब सारे आवश्यक सॉफ्टवेयर तथा हार्डवेयर सहायता के साथ एक महत्वपूर्ण मात्रा के साथ वृद्धि की गई है। **रियल-टाइम पावर अभियांत्रिकी सिमुलेशन (आरटाप. 1ईएस)** जॉच बेड पूरी तरह डिजिटल रियल टाइम सिमुलेशन प्लेटफार्म है। इसे विद्युत प्रणाली के व्यवहार को एक आभासी प्रोटोटाइप के तौर पर अध्ययन करने के लिए स्थापित किया गया है। आरटीपीईएस टेस्ट बेड की वास्तविक कम्प्यूटर—नियंत्रित एचआइएल तथा आरसीपी सामर्थ्य विभिन्न उपकरणों

के प्रदर्शन की जाँच के अवसर, उनके वास्तविक वातावरण में लाने के पहले प्रदान करता है।

सामग्री विज्ञान तथा अभियांत्रिकी

सामग्री विज्ञान तथा अभियांत्रिकी में सामग्री के लिए अत्यधिक उपकरण है जो थिन फिल्म प्रसंस्करण, तथा निरूपण, जैव सामग्री तथा सामग्री के शामिल होने पर जोर देता है। इसमें निम्नलिखित उपकरण तथा सुविधाएँ हैं: रूफिंग स्केनिंग प्रोब माइक्रोस्कोप (मल्टीमोड-8 – एएम ब्रूकर) यह उच्च छोर उपकरण मूलतः उन्नत मोडूल से सुसज्जित है, जैसे कंटैक्ट, नॉन कंटैक्ट, लेटरल, चुंबकीय तथा विद्युत बल, फेज-इमेजिंग एसटीएम/एसटीएस तथा सी-एएफएम। फिल्म क्वालिटी, इससे खुरदुरापन तथा पारि-टिकल के आकास के माप के साथ, यह उपकरण चुंबकीय बल, इलेक्ट्रोस्टैटिक बल तथा संबद्ध सैम्पल की विद्युत-संवहनता भी मापता है। इस उपकरण के साथ सभी तरह के ठोस सैम्पल भी नापे जा सकते हैं।

एक्स-रे डि फ्रैक्शन प्रणाली (डी8 डिस्कवर, ब्रूकर) यह फ्लोर माउन्टेड पीण स्वचालित एक्स-रे डिफ्रैक्शन (एक्स आरा डी) प्रणाली है। मूल चूर्ण डिफ्रैक्शन (ब्रैग-ब्रेन्टनो जियोमेट्री सुविधा के साथ इसमें नॉन-एंबिएंट उच्च ताप (1600 डि सी तक) अध्ययन, स्मॉल एंगल एक्स-रे स्केटरिंग (एसएएक्सएस) तथा थिन फिल्म एनालिसिस (ग्रेजिंग इन्सीडेन्स)

फ्रिक्शन स्ट्र वेल्डिंग उपकरण— फ्रिक्शन वेल्डिंग मशीन को रेखीय तरीके से प्लेट को जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मशीन 50 केएन एक्सीयल थ्रस्ट प्रदान करने में सक्षम है तथा 80 एमएम तथा 600 एमएम के अधिकतम प्लेट साइज को समायोजित कर सकता है। हड्डी एंड के पीएलसी मॉडल को प्रयोग करते हुए मशीन को नियंत्रित किया जाता है। यूजर फ्रैंटली सॉफ्टवेयर सभी प्रासंगिक पैरामीटरर्स की व्यवस्था को आसान बनाता है जैसे टूल रोटरी स्पीड, फीड, टोर्क तथा एक्स-एक्सिस के लिए बल तथा ऑन टूल शोल्डर (जेड एक्सिस)। स्ट्र वेल्डिंग संचालन के दौरान ये पैरामीटर रिकॉर्ड किए जाते हैं तथा पुनः प्राप्त किया जा सकता है।

थिन फिल्म प्रयोगशाला— यह प्रयोगशाला 2 टारगेट से सह-डिस्पोजिस का प्रयोग करने की सुविधा के साथ एक आरएफ मैग्नेट्रॉन स्पट्टरिंग यूनिट (मोडल: टेबल-टॉप स्पट्टर कोटर एमएम- 237, एम/एस मिलमैन थिन फिल्म सिस्टम्स प्रा लि) का प्रयोग करते हुए फिल्म-डिस्पोजिसन

करता है। सभी तरह के धातु सेमिकंडक्टर तथा इनसुलेटर फिल्म इस डिस्पोजिसन यूनिट का प्रयोग करिज्मा किया जा सकता है। प्रयोगशाला सेमि कंडक्टर थिन फिल्म की प्रतिसेकेंडकता को नापने के लिए एक 4 प्रोब माप प्रणाली के साथ सुसज्जित है।

वेल्डिंग एवं लिपोसम तैयार करने की सुविधा

इस प्रयोगशाला में ऐसे उपकरण हैं, जो लिपोसम तथा प्रोटीन लिपिड का कंप्लेक्सेज तैयार करने के लिए आवश्यक है। इन उपकरणों में अल्ट्रासोनिक प्रोसेसर, एनालिटिकल वोइंग बैलेन्स, डेरिसेक्टर तथा वैक्यूम पंप, सेन्ट्रीफ्यूज, इनक्यूबेटर तथा ऑटोक्लेव हैं।

यांत्रिकी अभियांत्रिकी

यांत्रिकी प्रणाली डिजाइन प्रयोगशाला यांत्रिक अवयवों के व्यवहार व प्रणाली पर संरचित प्रयोगों के कार्यान्वयन की सहायता के लिए इस प्रयोगशाला में परीक्षण रिंग्स जैसे प्लानर, लिंकेज, कैम्स, गियर-बॉक्स, शाफ्ट का घूर्णन है। मशीन के संतुलन और यांत्रिक कंपन-गियर बॉक्स परीक्षण रिंग्स त्रुटियों का पता लगाने की स्वीकृति देता है। कंपन-निरूपण के तरीके से टूटे टूथ की पहचान



ठोस व तरल यांत्रिक प्रयोगशाला— इसमें 10 टन और 20 टन की क्षमता वाले (एमटीएस) चार्पी प्रभाव परीक्षण मशीन, टार्शन परीक्षण मशीन (500 एनएम) तथा रॉकवेल तथा विकर्स ड्राइनेस परीक्षण मशीन (जिलक रोएल), तथा एक फैटिंग परीक्षण मशीन हैं।

विनिर्माण प्रयोगशाला— इसमें दी गई सुविधाओं में लेथ, मिलिंग मशीन, वर्टिकल मशीनिंग सेंटर विद्युत निर्वहन मशीन, वेल्डिंग, फिटिंग तथा टीनस्मिथी उपकरण हैं। यह व्यवहार व प्रक्रिया के विनिर्माण पर पाठ्यक्रम की सहायता करता है तथा एकीकृत डिजाइन तथा विनिर्माण पाठ्यक्रम में सहायता देने के लिए हैं। यह स्नातक छात्र-परियाजनाओं की संरचना के लिए एक कार्यशाला के तौर पर साथ ही शोध से संबंधित उपकरण तथा सहायक उपकरणों के तौर पर सेवा प्रदान करता है।

नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला— इस प्रयोगशाला कई में विषयों के बीच साझा होता है तथा प्रयोगों की एक श्रेणी को पूरा करता है जो छात्रों को नियंत्रण-प्रणाली तथा लागू होने के पहलुओं, दोनों को समझने में सहायता करता है। परीक्षण रिंग्स, सेंसर, डाटा-प्राप्ति, मापांकन,



स्थिरता प्रणाली प्रयोगशाला— जीआइडी नियंत्रक ट्यूनिंग, प्रयोगात्मक डाटा से मॉडलिंग, रूट-लोकस आधारित डिजाइन, के साथ प्रदर्शन क्राइटेरिया को पूरा करने में अनुभव प्रदान करता है। यहाँ हॉट वाटर बाथ के ताप-नियंत्रण, तरल स्तर नियंत्रण, इन्वर्टेड पेन्डुलम नियंत्रण, सर्वो मोटर नियंत्रण, तथा नियंत्रण ट्रेनर किट्स के लिए परीक्षण-रिंग्स भी हैं जो नियंत्रण प्रणाली को एक प्रयोग उन्मुख दृष्टि देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

भौतिक विज्ञान

भौतिक विज्ञान शिक्षण करने के लिए अत्याधुनिक उपकरण तथा सुविधाओं से सुसज्जित है। पछले एक वर्ष में एमएससी स्तर के उन्नत प्रयोग करने के लिए उल्लेखनीय रूप से इसका विस्तार हुआ है। एमएससी प्रयोगशाला में 11 प्रयोग शामिल हैं जिसमें प्रकाशिकी सोलिड-स्टेट फिजिक्स के विषय शामिल हैं। खरीदे गए अत्याधुनिक उपकरणों में हॉल इफेक्ट तथा सेमी कंडक्टर्स में ऊर्जा बैंड गैप की माप के अध्ययन करने, इलेक्ट्रॉन-स्पीन रेजोनेन्स, द्वारा गार्ड रोमैग्नेटिक के माप तथा एक इलेक्ट्रॉन स्पीन के साथ एक बाह्य चुंबकीय क्षेत्र के अन्त इन्टरएक्शन का अध्ययन जीवन इफेक्ट, इन्टर फेरोमीटर जैसे फैब्री-पेरौट तथा मैच-जेहन्डर द्वारा इलेक्ट्रॉन के आरबिटल एंगुलर मोमेंट के साथ चुंबकीय क्षेत्र तथा चुंबकीय डिपोल मोमेंट के मध्य इन्टरएक्शन का अध्ययन के उपकरण शामिल हैं जो वेवलेंथ में काफी छोटे परिवर्तन दूरी की माप के लिए विस्तृत सूक्ष्म से प्रयोग किए जाते हैं तथा विभिन्न सबस्ट्रेट्स रीफ्रेक्टिव इन्डेक्स की माप के लिए, लेजर पर प्रयोगों में लेजरबीम की इन्टेन्सिटी प्रोफाइल का अध्ययन, तथा ऑप्टिकल वेवगाइड्स पर प्रयोग शामिल हैं। प्रयोगात्मक फिजिक्स में इलेक्ट्रो-



निक यंत्रीकरण जो महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, इसे इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेन्ट पर विभिन्न आरंभिक प्रयोग भी प्रदान करता है जैसे एफईटी, एमओएसएफजीटी, लॉजिक गेट्स, ऑपरेशनल एम्प्लीफायर्स, सिगनल मॉड्यूलेशन (एम, एफएम, पीडबल्यूएम)। अन्य हाइ-एंड उपकरण हैं जो कतार में हैं, एलीमेंटल विश्लेषण, क्रिस्टल ग्रोथ तथा क्रिस्टल डिप्रेक्टोमीटर शामिल हैं। मानक प्रयोगों के अलावा छात्रों को मानक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रोत्साहित किया जाता है। भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला में एक अंतरिक्ष दूरबीन है जिसका उद्देश्य छात्रों में इस क्षेत्र में दिलचस्पी विकसित करना है। इसमें जोबसोनियन माउन्ट के साथ 1200 एमएमक केंद्रीय लंबाई के 8 इंच शीशे के साथ एक परावर्तक है चन्द्र साथ ही सौरफिल्टर के साथ फिट किया गया है, कई छात्र ग्रह तारों के समूह तथा अन्य अंतरिक्ष की चीजों को नियमित रूप से देखते हैं।



पुस्तकालय

पुस्तकालय संस्थान के शैक्षणिक तथा शोधकार्य के लिए एक अभिन्न हिस्सा है। इसने प्रिन्ट डिजाइन में अपना संग्रह बनाना तथा बढ़ाना जारी रखा है तथा अध्यापन तथा शिक्षण शोध तथा परिसर में होने वाली अन्य गतिविधियों की सहायता के लिए नवाचार सेवाएं प्रदान करता है। पिछले वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने कई महत्वपूर्ण गतिविधियों तथा सेवाएं शुरू की हैं जो संक्षेप में निम्नलिखित हैं—

संग्रह

पुस्तकें, तकनीकी रिपोर्ट, थीसिस तथा निबंध तथा दृश्य-श्रव्य संग्रह

पुस्तकालय-संग्रह में शोध के लिए मौलिक ग्रंथ, मूल पुस्तकें, उल्लिखित पुस्तकें, सम्मेलन की कार्यवाही, सीडी, वीसीडी तथा डीवीडी। यह इस संस्थान की शैक्षणिक तथा शोध अभिरुचि को पूरा करता है। 16वीं सिनेट बैठक में लिए निर्णय के बाद पुस्तकालय ने बच्चों की पुस्तकों का विशेष संग्रह विकसित करना आरंभ किया है। नीचे की तालिका 2014–15 वर्ष के दौरान परिग्रहण पेश करता है।

संग्रह के प्रकार	2014–15 में वृद्धि	कुल संग्रह*
पुस्तकें	3100	20746
बच्चों की पुस्तकें	872	872
सीडी	98	821
वीसीडी / डीवीडी	110	451
तकनीकी रिपोर्ट	456	456
थीसिस	35	46
कुल	4671	23392

प्रिन्ट पत्रिकाएं

वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने 33 पत्रिकाओं की सदस्यता समाप्त कर दी है जो उपयोग में नहीं थीं तथा अब ओपेन एक्सेस। 15 नए पत्रिकाओं का सेट जोड़े गए हैं अब कुल पत्रिकाओं की सदस्यता 139 हो गई है। यह विद्यतापूर्ण ई-पत्रिका की बड़ी संख्या की सदस्यता (8000 से ज्यादा) के अलावा है।

डिजिटल संसाधन

वर्तमान 36 संसाधनों के अलावा पुस्तकालय ने 2 नए संसाधनों की वृद्धि की है, वीज **नेचर पत्रिका** तथा **एसएई डिजिटल पुस्तकालय**, अब कुछ 38 ई-संसाधन हो गए हैं। पुस्तकालय ने महत्वपूर्ण प्रकाशकों से कई चयनित पत्रिका की सदस्यता ली है।

संचालन (लेन्डिंग) तथा सूचना सेवाएं

संचालन सेवा

वर्ष के दौरान दिए गए तथा लौटाए गए डाक्यूमेंट की कुल संख्या क्रमानुसार 22161 तथा 203553 थी। यह पिछले वर्ष (जारी किए 14742 तथा लौटाए गए 139170 की तुलना में महत्वपूर्ण वृद्धि को परिलक्षित करता है।

पुस्तकालय खुले रहने के बड़े घंटे (24/7)

पुस्तकालय के खुले रहने के घंटे एएम से 24/7, मिड सत्र के दौरान शैक्षणिक वर्ष में सत्र तथा सत्र के अन्त की परीक्षा, दोनों सत्रों के दौरान पुस्तकालय खुले रहने के घंटे में 2 एएम से 24घं की वृद्धि कर दी गई है।

सूचना/संदर्भ सेवाएं

पुस्तकालय अपने प्रयोगकर्ता समुदाय को सक्रियता से संदर्भ तथा सूचना सेवाओं (व्यक्तिगत या परिसर नेटवर्क के अंतर्गत) में बढ़ाव दे रहा है। 2014 में पुस्तकालय ने नई सेवाएं जारी रखी तथा प्रारंभ किया जैसे नए पुस्तकों की नए संस्करण प्रकाशक वेबसाइट के लिंक के साथ, संस्थान से उद्भव प्रकाशनों की साप्ताहिक चेतावनी तथा सप्ताह की पुस्तक के बारे में एलर्ट। इसने एमटेक लेखों की सूची, लिंक के साथ वर्चुअल संदर्भ संग्रह, साइटेशन स्टाइल, ई-प्रिन्ट आर्काइव का निर्माण किया तथा विभिन्न विषयों पर 31 ग्रंथ सूची को सामयिक बनाया।

संसाधन सहभाजन

पुस्तकालय ने हमेशा अहमदाबाद तथा गाँधीनगर की अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकालयों के साथ संसाधन सहभाजन के फायदों को प्राप्त करने में सक्रिय भूमिका निभाई है उसी तरह देश के भाप्रौस गाँधीनगर, एनआइटी, आईआईएम, सीएसआईआर तथा डीईएलएनईटी सदस्य पुस्तकालयों का भी यह इंटर-पुस्तकालय ऋण तथा डोक्यूमेंट-डिलीवरी सेवा के द्वारा किया जाता है।

इन्टर पुस्तकालय ऋण

पुस्तकालय ने पिछले वर्ष की तुलना में 57 पुस्तकों की जगह 135 पुस्तकें उधार लिया है तथा इन्टर पुस्तकालय ऋण सेवा के जरिए अन्य पुस्तकालयों को पुस्तकें उधार दी हैं।

डाक्यूमेंट डिलीवरी सेवा

अन्य पुस्तकालयों से निवेदन किए तथा प्राप्त किए सामग्री की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। अन्य पुस्तकालयों से कुल 9519 सामग्रियां (पिछले वर्ष 3312 की तुलना में) प्राप्त हुई हैं तथा हमारे संकाय व छात्रों को दिए गए हैं। संस्थान की जरूरतों को पूरा करने के लिए अन्य पुस्तकालयों को उनके निवेदन पर 1062 पेपर दिए हैं।

सदस्यता

संगठनात्मक सदस्यता

विभिन्न सेवाओं के लाभ की प्राप्त के लिए आइएनडी.ईएसटी, आइएनएफएलआइबीएन-ईटीई-कन्सोर्टिया, 9 अन्य पुस्तकालयों तथा व्यावसायिक निकायों के साथ पुस्तकालय नेटवर्क विकास की सदस्यताओं का नवीनीकरण किया गया, इसके अतिरिक्त पुस्तकालय को अमेरिकन क्रंक्रिट संस्थान (एसीआइ) का एक संस्थागत स्टाफ के तौर पर नामांकन किया गया।

पुस्तकालय सदस्यता

पुस्तकालय ने 5 नई सदस्यता योजना आरम्भ की हैं जो सदस्यों को निर्धारित शुल्क या निःशुल्क भी पुस्तकालय का संसाधन तथा सेवाएँ इस्तेमाल करने में सक्षम बनाती हैं। सदस्यता श्रेणियाँ हैं 1)उद्योग व कॉरपोरेट हाउस 2)पूर्व छात्र सदस्यता 3)शैक्षणिक संस्थाएँ तथा सरका.री विभाग 4)व्यक्तिगत -छात्र, शिक्षाविद, तथा शोधकर्ता (शैक्षणिक संस्थानों से सम्बद्ध) तथा 5)भाप्रौसं गाँधीनगर समुदाय परिवार सदस्य।

पुस्तकालय उन्मुखीकरण तथा प्रशिक्षण प्रेशर के लिए

पुस्तकालय- उन्मुखीकरण

पुस्तकालय ने पुस्तकालय द्वारा प्रदत्त संसाधन व सेवाओं से परिचित करने के लिए 44 उन्मुखीकरण बैठकें 23-26 जुलाई, 2014 को बीटेक छात्रों के लिए तथा 2 बैठकें एमटेक तथा पीएचडी छात्रों के लिए 25 जुलाई तथा 27 जुलाई, 2014 को क्रमानुसार, आयोजित किया।

प्रशिक्षण सत्र एवं कार्यशालाएं

पुस्तकालय ने विभिन्न बैठकें 4 फरवरी, 2015 को साइन्स फाइन्डर पर, 10 जुलाई, 2014 को केमस्पाइडर पर तथा 14 जुलाई, 2014 तथा 31 मार्च, 2015 को क्रमानुसार स्काप्स पर आयोजित की। ये बैठकें साहित्य-सर्वेक्षण के लिए

इन डाटाबेस को प्रयोग करना कितना अच्छा है, इसके बारे में जागरूकता फैलाने में लाभदायक थीं। पुस्तकालय ने महाविद्यालयों के पुस्तकालयों के लिए जो टीईक्यूआ.इपी कार्यक्रम के अंतर्गत हैं, अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में पुस्तकालय-विज्ञान का आधुनिकीकरण विषय पर एक दो दिवसीय कार्यशाला 13-14 अक्टूबर, 2015 को आयोजित की। इस कार्यक्रम में 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डिजिटल कोष

पुस्तकालय ने विस्तृत रूप से प्रयोग किए स्रोत डी स्पेस सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर विद्वतापूर्ण प्रकाशनों तक पहुंचने, प्रदान करने संग्रह करने, आयोजन करने तथा प्रबंध करने के लिए एक डिजिटल रिपोजिटरी (<http://repository.iitgn.ac.in/>) बनाया है।

पुस्तकालय स्टाफ गतिविधियां

पुस्तकालय स्टाफ प्रौद्योगिकी पुस्तकालयों

तथा प्रशिक्षण का दौरा करते हैं

संबंधित क्षेत्रों में संस्थान स्टाफ विकास नीति के एक हिस्से के रूप में रेगुलर स्टाफ सदस्यों में 3 पन्ना चौधरी, तपस कुमार दास तथा वीरल असजोला (सभी वरिष्ठ पुस्तकालय तथा सूचना सहायक) ने भाप्रौसं दिल्ली, भाप्रौसं मुंबई, टीआइएफआर, जेएनयू तथा बिप्रौविसं पिलानी का दौरा किया। इन दौरों ने उन्हें सुस्थापित पुस्तकालयों द्वारा अपनाई प्रैक्टिस से मूल्यवान एक्सपोजर तरीके से रुबरु करवाया तथा इन संस्थानों के स्टाफ सदस्यों के साथ संबद्ध बनाने में सहायता की। वे अहमदाबाद में संपन्न विभिन्न व्यावसायिक कार्यशालाएं तथा सेमिनार में भी शामिल हुए।

नई पहल

पुस्तकालय ने पुरातत्व शास्त्र, जैविक विज्ञान, सिविल अ. भियांत्रिकी, संज्ञानात्मक विज्ञान, इन्टेलिक्चुअल प्रापर्टी अ. दकार, ओपन एक्सप्रेस संसाधन, भौतिक विज्ञान, इलेक्ट्रो. निक थीसिस तथा शोध निबंध, पेटेन्ट संसाधन, स्टेन्डर्ड व स्पेसिफिकेशन संसाधन यूजिंग ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर-सब्जेक्ट प्लस, विषयों में विषय संसाधन मार्गदर्शक बनाया है। यह जागरूकता लाने, पुस्तकालय संसाधन के प्रयोग को बढ़ावा देने, पुस्तकालय संसाधन के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा संदर्भ के कुशलता पूर्वक प्रबंधन में बहुत सहायता करेगी। इसके अतिरिक्त विषय-संपर्क गतिविधियाँ, विषय संसाधन बनाने के लिए आरम्भ की जा रही हैं। उद्घरण तथा संदर्भ मेनडेली तथा अन्य संदर्भ प्रबंधन सॉफ्टवेयर में आवश्यक विशेषज्ञता विकसित की जा रही है।

चिकित्सा केंद्र

छात्रों, स्टाफ तथा संकाय को चिकित्सीय देखभाल तथा सलाह देने के लिए कार्य दिवस में 9 बजे सुबह से रात 9:30 बजे तक 3 योग्य चिकित्सक संस्थान में उपलब्ध रहते हैं। अस्पताल में भर्ती होने पर सारे छात्रों का खर्च एक चिकित्सा बीमा के अंतर्गत वहन होता है। एक प्रशिक्षित पुरुष सेवक तथा एक सहायक पूरे समय के लिए प्राथमिक सहायता तथा दैनिक चिकित्सा सेवाओं जैसे, बुखार रक्त दाब, मधुमेह तथा ऑक्सीजन स्तर नापने तथा चोट की मरहम पट्टी करने की सेवा प्रदान करने के लिए उपलब्ध रहते हैं। वे चिकित्सा-आपूर्ति, तथा चिकित्सा रिकार्ड के रख-रखाव में सहायता करते हैं। अन्य सुविधाओं में इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) मशीन, ऑक्सीजन व, नेबुलाइजर थेरेपी अस्थमा तथा क्रोनिक पल्मोनरी रोग के लिए कान की जाँच के लिए एक स्कैनर मशीन, नेत्र जाँच सुविधा तथा आपातकालीन मामलों में रोगियों के लिए 24 घंटे वाहन सुविधाएं हैं। एसएएल अस्पताल अहमदाबाद इस संस्थान द्वारा अनुमोदित पैनल में है। इस संस्थान में सभी तरह की सामान्य इस्तेमाल की सामग्री दवाएं उपलब्ध हैं तथा एक रक्त संग्रह भी है।

भौतिक चिकित्सा

एक भौतिक चिकित्सा केंद्र डॉ अरविंद चौहान (बी. फीजियो) के साथ संस्थान में आरम्भ किया गया है जो प्रतिदिन 2 घंटे के लिए केंद्र में उपलब्ध रहते हैं। यह विभाग इलेक्ट्रोथेरेपी मशीन (शार्टवेब डायथर्मि), आ. इएफटी, टीएनएस, स्नायु-उत्तेजक, पेराफीन वैक्सबाथ (पीडबल्यूबी) पेराबैंड्स, रस्सी व पुल्ले (कंधे के व्यायाम के लिए) स्प्रिंग्स, वेट कपस (सैंड बैग), वाल लैडर (कंधों के लिए) के साथ सुसज्जित है। यह केंद्र अर्थराइटिस दर्द टेनिस एल्बो, जैसे ऑर्थोपेडिक स्थिति तथा साइटिका, सर्वायकल स्पोन्डिलाइसिस जैसे न्यूरो लॉजिकल स्थिति के उपचार भी प्रदान करता है। ऑपरेशन तथा फ्रैक्चर के बाद फिजियोथेरेपी प्रबंधन, खेलकूद की चोटों से आरोग्य-प्राप्त, आसनीय समस्याओं में रीढ़ की हड्डी में पुनर्निवेश भी उपलब्ध हैं, रोगियों को भार प्रबंधन तथा सामान्य सलामती के लिए मूलभूत व्यायाम तथा सामान्य दिशा निर्देश दिए जाते हैं।

डे केयर केंद्र



भाप्रौसं गाँधीनगर डे केयर सुविधा भाप्रौसं गाँधीनगर परिवारों के बच्चों को एक सुरक्षित, तथा शिक्षाप्रद वातावरण प्रदान करने के लिए एक सामुदायिक पहल है, जब उनके मात्र-पिता अपने काम पर रहते हैं यह 6 महीने से 6 वर्ष तक के बच्चों के खाने-पीने की व्यवस्था करता है तथा सोमवार से शुक्रवार तक 9 बजे सुबह से 6 बजे शाम तक खुला रहता है। इस केंद्र में एक बच्चों के लिए पुस्तकों तथा खिलौनों के बड़े संग्रह के साथ एक

मनोरंजक अनुभाग है, खेलने के लिए 2 छोटी जगह है शिक्षकों के लिए एक प्राइवेट नर्सिंग क्षेत्र, एक रसाईघर तथा एक पृथक सोने के लिए जगह हैं। डे केयर केंद्र ने सुरक्षा तथा निर्भयता को सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं जिसमें उन्नत अग्नि-सुरक्षा तथा अलार्म प्रणाली है। सीसीटीवी निगरानी प्रणाली प्राथमिक सहायता तथा डॉक्टर एक बुलावे पर, उच्च मानक तथा पर्याप्त चाइल्ड प्रूफिंग शामिल हैं। यह केंद्र सक्रिय रूप से विकासात्मक गतिविधियों जैसे पेंटिंग, चित्रकारी, मिट्टी से खिलौने बनाने, नृत्य-संगीत तथा इनडोर खेलों में लगा रहता है। यह केंद्र बीच-बीच में अल्पकालीन संरचनात्मक कार्यक्रम भी आयोजित करता है जैसे संगीत तथा मूवमेंट सेशन, कहानी-सत्र तथा ग्रीष्मकालीन कैम्प। यह केंद्र विभिन्न अन्य गतिविधियों के लिए माता-पिता तथा विभिन्न प्रशिक्षकों के बीच बातचीत की सुविधा भी प्रदान करता है जैसे 6 वर्ष या उससे बड़े बच्चों के लिए फुटबॉल तथा शतरंज।





संकाय गतिविधियाँ

प्रायोजित परियोजनाएं
परामर्शदायी परियोजनाएं
पुरस्कार और प्रशस्ति
मानद कार्य
संकाय द्वारा शैक्षिक व्याख्यान
अन्य संकाय गतिविधियाँ
पेशेवर गतिविधियाँ
प्रकाशन

भाप्रौसं गाँधीनगर में संकाय सदस्य विविध प्रकार की शैक्षिक गतिविधियों में संलग्न रहते हैं जो अनुसंधान व विकास, परामर्श, संपादन तथा अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के साथ मानद कार्य से जुड़ी हुयी हैं। नीचे उल्लिखित गतिविधियां इन क्षेत्रों को दर्शाती हैं तथा भाप्रौसं गाँधीनगर संकाय के विभिन्न विषयों में प्राप्त सम्मानों को सूचिबद्ध करती हैं।

प्रायोजित परियोजनाएं

परियोजनाएं जिनको 2014-15 के दौरान मंजूरी मिली

- तांबे-वाइएसआरए का घर्षण हिलना वेल्डिंग के लिए ऊष्मा स्थानांतरण एवं विस्को-प्लास्टिक बहाव आधारित मॉडल: बीआरएनएस- परमाणु विज्ञान के अनुसंधान मण्डल द्वारा युवा वैज्ञानिक अनुसंधान पुरस्कार द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा अमित अरोड़ा, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- प्राकृतिक वाष्प उपचार के लिए अनुसंधान सहयोग अनुबंध, सागर ड्रग्स एवं फार्मास्यूटिकल्स प्रा लि द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा अतुल भार्गव, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- डीजल-आधारित नौसेना ईंधन कोषिका तंत्र में स्वतः ऊष्मीय रिफोर्मिंग के प्रक्रिया क्षमता एवं स्थिरता, नौसेना पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा प्रायोजित, डीआरडीओ प्रयोगशाला। प्रधान अन्वेषक: प्रा अतुल भार्गव, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- ट्रांसोनिक्स कम्प्रेसर रोटार ब्लेड के कम्प्यूटेशनल एयरो-इलास्टिक आकलन, गैस टर्बाइन इनेबलिंग प्रौद्योगिकी पहल द्वारा प्रायोजित, रक्षा मंत्रालय। प्रधान अन्वेषक: प्रा मुरली दामोदरन, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- कोसी द्रोणी का तलछट डायनामिक्स एवं तलछट का जुड़ना: नदी के खतरों के निहितार्थ, इंटीग्रेटेड शिखर विकास के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र द्वारा प्रायोजित (आईसीआईएमओडी)। प्रधान अन्वेषक: प्रा विक्रान्त जैन, भू विज्ञान
- एक स्थान में नेटवर्क की दृष्टि से शहरी क्षेत्रों में वेक्टर रोगों के फैलने की मॉडलिंग, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मण्डल डीएसटी द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा शिवकुमार जोलाड, भौतिकी
- हृदय संबंधी इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी का मेशफ्री कार्यान्वयन, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान

- मण्डल, डीएसटी द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा शंकरजी कृष्णमूर्थी, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- बुद्धिमान एडेप्टिव आभासी वास्तविकता आधारित वृद्धों को सदमे से बचाने का प्लेटफॉर्म, डीएसटी-लीड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-सीड का डीएसटी-विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा उत्तमा लहरी, विद्युत अभियांत्रिकी
- वृद्धों के लिए स्मार्ट नॉन-इन्वेजिव स्वास्थ्य को जांचने की यंत्र आईईई रीजन 10 मानवता प्रौद्योगिकी (एचटी) द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा उत्तमा लहरी, विद्युत अभियांत्रिकी
- वेरियेबल इनफिल्ट्रेशन कपेसिटी (वीआईसी) मॉडल द्वारा नदी तलछटी स्केल हाइड्रोलॉजिकल जांच एवं विशेषीकरण, राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र (एनआरएससी), हैदराबाद द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- गंगा नदी में हाइड्रोलॉजिक मॉडलिंग एवं मौसमी बदलाव के असर का आंकलन पर्यावरण एवं वृक्ष मंत्रालय (एमओईएफ), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
- पार्किंसन रोग में मोटर एडेप्टेशन एवं कला सीखना विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मण्डल, डीएसटी द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा प्रतीक मूथा, जैविक अभियांत्रिकी
- पतली फिल्म पर सेल्फ एसेम्बल्ड $Cu(In_{1-x}Ga_x)Se_2(CIGS)$ के नैनोबिंदु का सूक्ष्मसंरचना अध्ययन, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान सीएसआइआर की समिति द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा एमिला पांडा, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- स्वास्थ्य, बिहार के अन्तर्गत ग्राम वार्ता का डिजाइनिंग प्रभाव का आकलन, प्रभाव आंकलन के अन्तर्राष्ट्रीय पहल (3आई) द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा मालविका ए सुब्रमणियम, मानविकी एवं समाजिक विज्ञान
- एक खुद में समाहित पीवी-ऊर्जा प्राप्त घरेलू शांति चालय का विकास एवं अपशिष्ट जल उपचार तंत्र,

बिल एवं मेलिंडा गेट्स प्रतिष्ठान द्वारा प्रायोजित तथा केलटेक से भाप्रौसं गाँधीनगर के साथ एक सह-अनु. बंध। प्रधान अन्वेषक: **प्रा बाबजी श्रीनिवासन**, रसायन अभियांत्रिकी

चालू प्रायोजित परियोजनाएं

- **धूमती हुयी पृथ्वी की सतह की गति का विशेषीकरण**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा धीमन बसु**, सिविल अभियांत्रिकी
- **इथेनॉल ऑटो ऊष्मीय रिफोर्मिंग: प्रयोग एवं मॉडलिंग अध्ययन के माध्यम से डिजाइन ऑप्टिमाइजेशन**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा अतुल भार्गव**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- **गैस्सेंसिंग अनुप्रयोग के लिए संख्यात्मक नीय. र-एण्ड मध्य-इंफ्रारेड तरंग-दूरी मोड्यूलेशन स्पेक्ट्रोस्कोपी**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायो. जित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा अरुण लाल चक्रवर्ती**, विद्युत अभियांत्रिकी
- **जलीय निलंबन में बूट द्वारा औषधि सूक्ष्मकणों में एक अनोखा अवक्षेपण प्रक्रिया एवं स्थिरता**, जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्. वेषक: **प्रा समीर वी दालवी**, रसायन अभियांत्रिकी
- **अल्ट्रासोनिक मिक्सिंग साधन से औषधि सूक्ष्मकणों में गतिशील अवक्षेपण एवं स्थिरता**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा समीर वी दालवी**, रसायन अभियांत्रिकी
- **जैवचिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए अभियांत्रिकी स्थिरता एवं जैव संयोज्य सूक्ष्मबुलबुले का बनना**, जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्. वेषक: **प्रा समीर वी दालवी**, रसायन अभियांत्रिकी
- **एचपीसी प्लेटफॉर्म पर अभियांत्रिकी तंत्र के उच्च-फिडेलिटी कम्प्यूटेशनल डिजाइन**, सूचना प्रौद्यो. गिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा मुरली दामोदरन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- **ग्रामीण क्षेत्रों में लवण-जल पम्प एवं विद्युत उत्प. ादन के लिए एक कम-लागत की वायुचक्की के प्रारंभिक डिजाइन में मूल्य वृद्धि एक GRiDS@ IITGN&NIF पहल**, राष्ट्रीय नवीनता प्रतिष्ठान द्वारा प्रायोजित, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग। प्रधान अन्.

वेषक: **प्रा मुरली दामोदरन**, यांत्रिक अभियांत्रिकीय सह-पीआइ: **प्रा अतुल भार्गव**, यांत्रिक अभियांत्रिकी एवं **प्रा नारण पिंडोरिया**, विद्युत अभियांत्रिकी

- **खाद्य पदार्थ के रोगजनक जीव के मल्टीप्लेक्स जांच के लिए एप्टामीटर-चुंबकीय सूक्ष्मकण का निर्माण**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायो. जित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा भास्कर दत्ता**, रसायन शास्त्र
- **सक्रिय पॉलीमर जेल के स्वतःपूरक रसायन-यांत्रिक चक्कर**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा प्रत्युष दयाल**, रसायन अभियांत्रिकी
- **ऑप्टिज्म स्पेक्ट्रम विकृतियों वाले बच्चों में समा. जिक तालमेल स्थापित करने के लिए कम-लागत के बुद्धिमान हेड-फोन का विकास**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा निथिन वी जॉर्ज**, विद्युत अभियांत्रिकी
- **ऊर्जा क्षमता वाले सीमेन्ट विलंकेंराइजेशन के लिए सूक्ष्म एडिटिव्स की सूखी परत**, विज्ञान एवं प्रौद्यो. गिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा चिन्मय घोरोई**, रसायन अभियांत्रिकी
- **दानदाता-स्वीकर्ता द्वारा बदला गया एराइल एवं हेटेरोएराइल पॉलीन का फोटोरसायन एवं फोटोः गैतिक अध्ययन**, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान समिति द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा श्रीराम कण्वाह गुंडीगेदा**, रसायन शास्त्र
- **आयोनिक तरल माध्यम में दानदाता-स्वीकर्ता द्वारा बदला गया फोटो-प्रक्रिया का पॉलीन**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्. वेषक: **प्रा श्रीराम कण्वाह गुंडीगेदा**, रसायन शास्त्र
- **बने हुए एरीन मोइटी में कार्बापोर्फाइरिन: उनका संश्लेषण**, विशेषीकरण एवं धातु सामंजस्यता अध्ययन, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान समिति द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा इति गुप्ता**, रसायन शास्त्र
- **लेयर्ड बोरोन-आधारित पदार्थों के लिए रसायन एक्सफोलिएटिंग रणनीति द्वारा एकल-परमाणु मोटे अजैविक नेनो शीट आइसोमोर्फस से ग्र. ाफीन का संश्लेषण**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा कबीर जसूजा**,

- रसायन अभियांत्रिकी
- **उम्र बढ़ने के समाजशास्त्र में भू-स्थानिक विश्लेषण के समावेश से संबंधित पुराने वयस्कों के संदर्भ और स्वास्थ्य कैसे है,** आइसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा तन्निष्ठा सामंत, मानविकी एवं समाजिक विज्ञान। सह-पीआइ: प्रा शिवकुमार जोलाड, भौतिकी
 - **बिजली ट्रांसफार्मर में धुमावदार विकृतियों की गंभीरता का आकलन और पता लगाने के लिए एक प्रयोगात्मक जांच,** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा राघवन के, विद्युत अभियांत्रिकी
 - **ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकृति वाले बच्चों के लिए बुद्धिमान आभासी वास्तविकता आधारित दृष्टि-सक्रिय समाजिक संचार तंत्र,** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित, प्रधान अन्वेषक: प्रा उत्तमा लहरी, विद्युत अभियांत्रिकी
 - **ऐच्छिक रूप से ट्रांसक्यूटेनियस न्यूरो-मांसपेशी विद्युत सिमुलेशन के अंतर्गत एक ओपरेटिंग कंडीशनिंग पैराडिगम की मदद से सदमे-पश्चात टेली-न्यूरो पुनर्वास,** डीएसटी, एवं सूचना एवं संचार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (आइसीएसटी) के भारत-फ्रेंच कार्यक्रम में इंस्टीट्यूट नेशनल डे रिसर्शे इन इंपार्मेंटीक्वीट एन ऑटोमेटिक (आइएन-आरआइए) द्वारा निधि प्राप्त। प्रधान अन्वेषक: प्रा उत्तमा लहरी, विद्युत अभियांत्रिकी एवं डॉ अनिरबन दत्ता, यूनिवर्सिटी मोण्टपेल्लियर, फ्रांस
 - **एकांत स्वभाव एवं अनुभव का एक संज्ञानात्मक नजरिया** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा जयसन ए मंजली, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
 - **अंतर्राष्ट्रीय सामंजस्य वाली परियोजनाओं को खोजना जहां कला प्रौद्योगिकी से मिलती है,** ब्रिटेन की नॉलेज इकोनॉमी पार्टनरशिप कार्यक्रम (कीप) की समिति द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा अचल मेहरा, मानविकी एवं समाजिक विज्ञान एवं विक्टोरिया डीन, कला का विद्यालय, नॉर्थम्पटन विश्वविद्यालय, संरा
 - **विभिन्न सिनक्रोनाइजर्स में मेटास्टेबिलिटी में प्रयोगात्मक अध्ययन,** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा जॉयसी मेकी, विद्युत अभियांत्रिकी
 - **प्रोटीन-लिपिड तंत्र में आणविक-पैमाना झिल्ली वक्रता पीढ़ी:विद्युत-स्टेटिक्स एवं हाइपरफोबिसिटी,** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा अभिजीत मिश्रा, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
 - **मापन से प्रबंधन तक (एम2एम): जल उपयोग क्षमता एवं कृषि उत्पादन का प्रयोगात्मक सेंसर नेटवर्क के माध्यम से वृद्धि** मीडिया लेब एशिया द्वारा प्रायोजित, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय। प्रधान अन्वेषक: प्रा विमल मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी
 - **वर्ग सूचना की सांख्यिकी सीख: एक न्यूरो-चित्रण जांच,** संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की पहल द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा कृष्ण प्रसाद मियापुरम, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
 - **हाइ-केगेट डाइलेक्ट्रिक्स एवं धातु गेट्स के साथ उन्नत एमओएस उपायों के प्रदर्शन एवं विश्वसनीयता पर उपाय जियोमेट्रिक्स एवं डिजाइन नियमों के प्रभाव** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा निहार मोहापत्रा, विद्युत अभियांत्रिकी
 - **स्पेशियली विकसित एक्सिमेट्रिक सीमा परत की वैश्विक स्थिरता विश्लेषण,** एयरोनॉटिक्स अनुसंधान एवं विकास मण्डल (एआरडीबी) द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा विनोद नारायण, यांत्रिक अभियांत्रिकी
 - **डीएनए की विकृत को समझने के लिए एक तंत्र-पहचान आधारित दृष्टिकोण वाला तरीका,** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा हरीष पी एम, यांत्रिक अभियांत्रिकी
 - **डायनामिकल तंत्रों में अनजाने इनपुट्स का डिमीमा पुनःनिर्माण,** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा हरीष पी एम, यांत्रिक अभियांत्रिकी
 - **फोटोवोल्टेइक अनुप्रयोगों के लिए ZnO की अक्षिकता के साथ फेब्रिकेशन एवं एक विस्तृत सूक्ष्म संरचनात्मक फेब्रिकेशन एवं विस्तृत सूक्ष्मसंरचनात्मक फिल्म,** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: प्रा जॉयसी मेकी, विद्युत अभियांत्रिकी

प्रायोजित, प्रधान अन्वेषक: **प्रा एमिला पाण्डा**, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

- **दुर्लभ चुंबकीय पतली फिल्म का आक्सीकरण बर्ताव**, डीआरडीओ द्वारा प्रायोजित, प्रधान अन्वेषक: **प्रा एमिला पाण्डा**, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- **अक्षय ऊर्जा स्रोतों (आरईएस) एवं मांग की अनिश्चित/अनिरंतर विशेषताओं के अंतर्गत कम-समयावधि पीढ़ी शिड्यूलिंग**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा नारण पिंडोरिया**, विद्युत अभियांत्रिकी
- **आभासी जियोयांत्रिक प्रयोगशाला**, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा अमित प्रशान्त**, सिविल अभियांत्रिकी
- **डायनामिक प्राकृतिक सीन एवं उनके अनुप्रयोगों में वस्तु गति वर्ग की जांच**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा शंभुग. नाथन रमण**, विद्युत अभियांत्रिकी
- **सूक्ष्मसंरचनात्मक डोपड ऑक्साइड एवं नेनोपोरस एल्यूमीनोसिलिकेट्स द्वारा सिनगैस का CO₂ का मीथेन पुनःनिर्माण**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा सुधांशु शर्मा**, रसायन शास्त्र
- **पॉलीमेराइजेशन-ग्रेड इथाइलीन संश्लेषण की प्रयोगात्मक एवं सैद्धांतिक जांच**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा सुध. शांशु शर्मा**, रसायन शास्त्र
- **डेटा-द्वारा नियंत्रण लूप प्रदर्शन समीक्षा एवं निदान उपकरण: अपशिष्ट जल उपचार तंत्र का कार्यान्वयन**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा बाबजी श्रीनिवासन**, रसायन अभियांत्रिकी
- **तरल क्रिस्टल्स में कलिल कणों की स्वतः-एसेम्बली**, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा प्राची थरेजा**, रसायन अभियांत्रिकी
- **पूर्ण नॉनलाइन आरेलिप्टिक समीकरण के आइजन मूल्य समस्याओं एवं गुण सिद्धांत की जांच**, उच्च गणित के राष्ट्रीय मण्डल द्वारा प्रायोजित। प्रधान अन्वेषक: **प्रा जगमोहन त्यागी**, गणित।

परामर्शदायी परियोजनाएं

परियोजनाएं जिन्हें 2014-15 के दौरान मंजूरी मिली

- **वॉकहार्ट के लिए डीपीआई अनुप्रयोग के बारीक चूर्ण की सतही विशेषताओं को समझना**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा चिन्मय घोरोई**, रसायन अभियांत्रिकी
- **श्रीनिवास रिजोर्ट लिमिटेड, हैदराबाद के लिए धारा IS: 1893-2002 की 7.9 की प्रयोज्यता**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा सुधीर कु. जैन**, सिविल अभियांत्रिकी
- **इंटेल् लि के लिए इंटेल् (आर) गेलीलियो पाठ्यक्रम कार्य का विकास**, प्रधान अन्वेषक: **प्रा जॉयसी मेकी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- **आनंद ग्रामीण प्रबंधन संस्थान के लिए हाइ. ड्रोलॉजिक मॉडल आउटपुट की प्राप्ति**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा विमल मिश्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- **मौसम परिवर्तन पर राज्य नॉलेज प्रबंधन केंद्र के लिए मध्यप्रदेश के मौसम परिवर्तन का प्रभाव**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा विमल मिश्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- **डीटीयू प्रबंधन अभियांत्रिकी के लिए कोलम्बिया एवं निकारागुआ के डाउनस्केल एवं बायस-करेक्टेड प्रोजेक्शन कॉलम का विकास**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा विमल मिश्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- **केटेकनोकेयर के लिए 10 क्रमांक के निकासी साइफन के डिजाइन एवं रेखाचित्र की वेडिंग**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा प्रणब कुमार मोहापात्रा**, सिविल अभियांत्रिकी
- **आइजीटीआर-आरपी के लिए एमएमएस स्विच चुंबक पकड़ने वाला बाड़ा**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा एन रामाकृष्णन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- **कोणार्क समूह कम्पनी, मुंबई के लिए कम-लागत के स्वचालित तंत्र**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा एन रामाकृष्णन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- **गुजरात सामाजिक आधारभूत ढांचा विकास प्राप्तिकरण की राज्य मानव विकास रिपोर्ट-अहमदाबाद**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा तन्निष्ठा सामंत**, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
- **संधी उद्योग लि वडोदरा में इस्पात विमनी के विफल होने की जांच**, गुजरात। राकेश नरुला एवं कं के लिए वडोदरा, गुजरात। प्रधान अन्वेषक: **प्रा गौरव श्रीवास्तव**, सिविल अभियांत्रिकी

चालू परामर्शदायी परियोजनाएं

- **हीईटेक बाहरी सेवाओं के लिए कम्प्यूटेशनल तरल डायनामिक्स**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा मुरली दामोदरन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- **हाईटेक ओएस के लिए औद्योगिक कम्प्यूटेशनल तरल डायनामिक्स गतिविधियां**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा मुरली दामोदरन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- **“सर्वजल” पीरामल जल प्राइवेट लि के आरओ उपचारित जल के संरक्षण के लिए एक उपयुक्त कीटनाशक की पहचान**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा शरद गुप्ता**, जैविक अभियांत्रिकी
- **आधारभूत ढांचा प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं प्रबंधन संस्थान** (आइआइटीआरएम): गुजरात सरकार के नए स्थापित आधारभूत ढांचा प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं प्रबंधन संस्थान (आइआइटीआरएम) को सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करना। **प्रा सुधीर कुजैन** प्रधान अन्वेषक एवं **प्रा एस पी मेहरोत्रा** भाप्रौसं गाँधीनगर के आइआइटीआरएम के संयोजक तथा नोडल अधिकारी हैं
- **गुजरात सरकार द्वारा प्रायोजित मुख्य क्षेत्रों में राज्य स्तर के संस्थानों की राष्ट्रीय स्तर की योजनाओं को विशेष सलाह देना**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा सुधीर कुजैन**, सिविल अभियांत्रिकी
- **इंटेल् उच्च शिक्षा कार्यक्रम के कम-ऊर्जा कम्प्यूटिंग तंत्र एवं निहित अनुप्रयोगों के लिए इंटेल् एटम प्रोसेसर की उपयोगिता**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा जॉयसी मेकी**, विद्युत अभियांत्रिकी
- **स्मार्ट ग्रिड पायलट परियोजना**दुत्तर गुजरात विज कंपनी लि (यूजीवीसीएल), गुजरात। प्रधान अन्वेषक: **प्रा नारण एम पिंडोरिया**, विद्युत अभियांत्रिकी
- **रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय के लिए बेहतर क्षमता वाले अवरोधकों का डिजाइन**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा अमित प्रशान्त**, सिविल अभियांत्रिकी, सह-प्रधान अन्वेषक: **प्रा भास्कर भट्ट**, डिजाइन
- **पियास औद्योगिक अभियांत्रिकी प्रा लि के लिए वर्तमान हाइड्रोलिक तंत्र को बेहतर करना**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा एन रामाकृष्णन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- **एकमे वायु उपकरण प्रा लि के लिए उत्पादक जांच एवं वृद्धि**, जीआइडीसी। प्रधान अन्वेषक: **प्रा रामाकृष्णन**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- **सतरा संपत्ति विकास प्रा लि के लिए घाटकोपर में ढलान का विश्लेषण करना**, मुंबई। प्रधान अन्वेषक: **प्रा अजंता सचान**, सिविल अभियांत्रिकी
- **एबीबी ग्लोबल उद्योग एवं सेवा लि के लिए निहित शिडूलिंग एवं उत्पादन नियंत्रण का लागत-फायदा विश्लेषण**। प्रधान अन्वेषक: **प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन**, रसायन अभियांत्रिकी



पुरस्कार एवं प्रशस्ति

निम्नलिखित संकाय सदस्यों ने 2014–15 में विशेष पुरस्कार एवं प्रशस्तियां प्राप्त किया।

प्रा अमित अरोड़ा ने अनुसंधान परियोजना के लिए **तांबे के घर्षण हलने वेल्डिंग के ऊष्मा बहाव एवं विस्को प्लास्टिक बहाव आधारित मॉडल** नामक परियोजना के लिए डीआई युवा वैज्ञानिक अनुसंधान पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रा बिरेस्वर दास के पत्र **शून्य बुद्धि एवं सरकिट न्यूनीकरण** ने प्रा एरिक एलेन्डर के साथ कम्प्यूटर विज्ञान (एमएफसीएस 2014) के गणित प्रतिष्ठान पर 39वें अंत. राष्ट्रीय परिसंवाद में **श्रेष्ठ पत्र पुरस्कार** प्राप्त किया। यह पुरस्कार सैद्धांतिक कम्प्यूटर विज्ञान (ईएटीसीएस) के यूरोपियन संघ द्वारा प्रायोजित था।

प्रा अनिरबन दासगुप्ता को **गूगल का अनुसंधान पुरस्कार विशाल नेटवर्क विश्लेषिकी के एलगोरिदम** नामक प्रस्ताव रखने के लिए दिया गया। गूगल अनुसंधान पुरस्कार कम्प्यूटर विज्ञान, अभियांत्रिकी, एवं संबंधित क्षेत्रों में पूर्ण रूप से कार्यरत श्रेष्ठ तकनीक के अनुसंधान करने वाले विश्व स्तरीय संकाय को पहचानता एवं सहयोग प्रदान करता है। 55 देशों से प्राप्त होने वाले 808 प्रस्तावों में से, भाप्रौसं गाँधीनगर भारत का एक मात्र संस्थान है जो 122 निधि प्राप्त परियोजनाओं में से इस पुरस्कार को प्राप्त कर सका। प्रा दासगुप्ता रामानुजन फेलोशिप पुरस्कार भी प्राप्त कर चुके हैं जो, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित होता है।

प्रा समीर वी दालवी (रसायन अभियांत्रिकी) को 2012–2013 में **अनुसंधान** के लिए भाप्रौसं गाँधीनगर **उत्कृष्टता पुरस्कार** प्राप्त हुआ।

प्रा विन्मय घोरोई (रसायन अभियांत्रिकी) को 2013–2014 में **संस्थान निर्माण** में भाप्रौसं गाँधीनगर **उत्कृष्टता पुरस्कार** प्राप्त हुआ।

गुजरात सिविल अभियंता एवं वास्तुकार संस्थान (जीआ. इसीईए) ने **प्रा सुधीर कु जैन** को मई 17, 2014 को सम्मानित किया एवं **मानद सदस्यता** प्रदान किया। यह सम्मान उन्हें भूकंप अभियांत्रिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करने एवं भारत के विभिन्न अलग-अलग

समुदायों में अपनी निस्वार्थ सेवा के लिए दिया गया। जीआइसीईए सिविल अभियांत्रिकी एवं वास्तुकारों की एक प्रथम श्रेणी की गैर सरकारी संस्था है।

प्रा विक्रान्त जैन को बाढ़ एवं **सूखा पर राज्य की सलाहकार समिति** बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (भीएसडीएमए), बिहार सरकार, में सदस्यता के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रा कबीर जसूजा एवं **प्रा बाबजी श्रीनिवासन** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के **इंसपायर संकाय पुरस्कार** के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार 32 से कम आयु के युवा वैज्ञानिकों को प्रदान किया जाता है।

प्रा शिवकुमार जोलाड को, गुजरात समाजिक आधारभूत ढांचा विकास सोसायटी, अहमदाबाद गुजरात सरकार की राज्य मानव विकास रिपोर्ट की **मुख्य कार्यकारी समिति** के लिए नामांकित किया गया है।

प्रा राघवन के को भाप्रौसं गाँधीनगर का 2013–2014 में **शिक्षण के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार** प्रदान किया गया। प्रा आलोक कुमार कानूनगो को एक 'मैपिंग भारत-पै. सिफिक मनका के आमने सामने पपानाइडुपेट' शीर्षार्थ निर्माणाधीन पुस्तक की संपादन निधि प्रदान किया गया।

प्रा दिनेश कोर्जन को **डीलेक्स**, आइएसबी (भारतीय व्यवसाय विद्यालय), हैदराबाद स्थित डिजाइन लैब इंक्यूबेटर में **हितैषी** की तरह नियुक्त किया गया है। उन्हें कोर 77 डिजाइन पुरस्कार 2015 एवं स्ट्रीट बिन डिजा. इन (17 सितम्बर 2014 का पंजी.क्रम: 265733) डिजाइन पंजीकरण की पैकेजिंग डिजाइन के जूरी पैनल के लिए भी चुना गया है।

प्रा हरीष पालनथंडलम मादापुसी को 2012–2013 में भाप्रौसं गाँधीनगर का **संस्थान निर्माण में उत्कृष्टता पुरस्कार** प्रदान किया गया।

प्रा शर्मिष्ठा मजुमदार को जैवप्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा **रामालिंगम री-एंट्री अध्येतावृत्ति** पांच वर्षों के लिए प्रदान की जाएगी।

प्रा बरुन मजुमदार को मोण्टाना राजकीय विश्वविद्यालय, संराअ में अनुसंधान के लिए **फुलब्राइट पोस्टडॉक्टोरल अध्येतावृत्ति** प्राप्त हुयी।

प्रा एस पी मेहरोत्रा को वर्ष 2014 के लिए प्रतिष्ठित **राष्ट्रीय मेटालर्जिस्ट पुरस्कार** (अनुसंधान एवं शिक्षण) प्राप्त हुआ। इसी मंत्रालय, भारत धातु संस्थानों के साथ, साल में दो व्यक्तियों को धातुशोध में विशिष्ट योगदान देने के लिए यह सम्मान प्रदान करता है।

प्रा विमल मिश्रा को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा **राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अध्येतावृत्ति** दिया गया जो भारत में मौसमी प्रभाव से मृदा की नमी में अंतर एवं भूमि सतह/उसका उपयोग पर प्रस्तावित प्रभावों के लिए था।

प्रा प्रणब मोहापात्रा को बाढ़ एवं **सूखा पर राज्य सलाहकार समिति** बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए), बिहार सरकार, में सदस्यता के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रा ज्योति मुखोपाध्याय को भारतीय धातु संस्थान (भाइएस) के 2014-2015 की **समिति सदस्यता** प्राप्त हुयी।

प्रा प्रतीक मूथा को भाप्रौसं गाँधीनगर में एक अनुसंधान विद्वान **डॉ नीरज कुमार** का मार्गदर्शन करने के लिए प्रतिष्ठित **डीबीटी – वेलकम ट्रस्ट अध्येतावृत्ति** एक अर्ली करियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रा सौराद्युति पॉल को सूचना सुरक्षा एवं संकेताक्षरविज्ञान (आइसीआइएससी) 2014 पर 17वीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की **कार्यक्रम समिति की सदस्यता** प्राप्त हुयी। उन्हें 16वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभाजित कम्प्यूटिंग एवं नेटवर्किंग (एसआरएफ-आइसीडीसीएस) 2015 के लिए छात्र अनुसंधान फोरम की सदस्यता भी प्राप्त हुयी। प्रा पॉल नेटवर्क एवं सूचना सुरक्षा पर राष्ट्रीय कार्यशाला (आइस्टार एवं आइईईई गुजरात खंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित) की सलाहकार समिति का हिस्सा भी रहे।

प्रा नारण एम पिंडोरिया विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियंता (आइईईईई), **आइईईईई संराअ** के वरिष्ठ सदस्य के स्तर तक पहुँचे।

प्रा श्रीनिवास रेड्डी ने अपनी पुस्तक **राजा और नृतिकी** का शुभारंभ, कालिदास के हास्य नाटक मालविकाग्निमित्रम का अनुवाद, 19 अगस्त, 2014 को मंच पर एक्ट-2 का संगीत के साथ पाठ करके किया। प्रा रेड्डी को साहित्यिक ई-पत्रिका **म्यूज भारत** के लिए संस्कृत के **सहयोगी संपादक** के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रा तन्निष्ठा सामंत को 2014 का भाप्रौसं गाँधीनगर **शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार** दिया गया। उन्हें कला एवं विज्ञान, सास्काचवान विश्वविद्यालय, सास्कातून, केनेडा, मई, 2014 में **अभ्यागत सह प्राध्यापक** के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रा सुदीप्ता सरकार को सेंटियागो डे कंपोस्टेला का स्पे. निश विश्वविद्यालय (पाइन कार्यक्रम) के भारतीय **अभ्यागत वैज्ञानिक** के अंतर्गत एक अभ्यागत अध्येतावृत्ति प्रदान किया गया।

प्रा इंद्रनाथ सेनगुप्ता को **अध्ययन मण्डल**, गणित विभाग, उत्तर-पूर्वी हिल विश्वविद्यालय (नेहू), शिलोंग, मेघालय की **सदस्यता** के लिए आमंत्रित किया गया। उनको गुज. कोस्ट सदस्य के रूप में अनुसंधान परियोजना प्रस्तावों का अवलोकन करने के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

प्रा बाबजी श्रीनिवासन को भविष्य के स्मार्ट ग्रिड तंत्र में उन्नत ऑप्टिमाइजेशन एवं घरेलू ऊर्जा प्रबंधन का नियंत्रण: प्रयोगशाला-स्तरीय कार्यान्वयन नामक परिया. 'ोजना के लिए **डीएसटी-इंसा इंस्पायर अध्येतावृत्ति** प्रदान हुयी।

मानद कार्य

प्रा संजय कुमार अमृत्य, गणित

- समीक्षक, विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी की प्रोसीडिंग्स, भारत खंड क: भौतिक विज्ञान

प्रा अमित प्रशान्त, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

- आइआइडब्लू अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस 2014 के लिए तकनीकी पत्र समीक्षा
- समीक्षक, उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका
- समीक्षक, धातु भारतीय संस्थान के पत्र
- समीक्षक, पदार्थ प्रक्रिया प्रौद्योगिकी पत्रिका
- बाह्य सदस्य, डॉक्टरल समिति, श्री गौरंग जोशी, पीडीपीयू, गाँधीनगर, गुजरात
- बाह्य सदस्य, डॉक्टरल समिति, श्री राजेश एस, पीडीपीयू, गाँधीनगर, गुजरात
- बाह्य सदस्य, डॉक्टरल समिति, श्री अंकित दिलीप कुमार ओजा, पीडीपीयू, गाँधीनगर, गुजरात

प्रा अरुण लाल चक्रवर्ती, विद्युत अभियांत्रिकी

- समीक्षक, उद्योग एवं अनुसंधान (फ्लेयर 2014) में क्षेत्रीय लेजर अनुप्रयोगों के पत्र की एप्लाइड भौतिकी ख का विशेष संस्करण
- सदस्य, तकनीकी कार्यक्रम समिति, संचार की राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनसीसी 2015)
- सदस्य, तकनीकी कार्यक्रम समिति, फाइबर ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स (फोटोनिक्स 2014) की 13वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भाप्रौसं खड़गपुर, दिसम्बर 2014

प्रा विनोद चंद्र, भौतिकी

- समीक्षक, सैद्धांतिक भौतिकी पर हस्तलिपि पुस्तक, केम्ब्रिज विश्वविद्यालय प्रेस
- सदस्य भौतिकी की विशेषज्ञधूम्यांकन समिति, भौतिकी की छोटी अनुसंधान परियोजनाएं, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की गुजरात परिषद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की विभाग, गुजरात सरकार, मार्च 2015

प्रा मुरली दामोदरन, यांत्रिक अभियांत्रिकी

- सदस्य, कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनिमिक्स की अंत.

राष्ट्रीय पत्रिका का संपादकीय मण्डल

- प्रबंध संपादक, सूचना प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका
- पत्रिकाओं के समीक्षक: एआइएए पत्रिका, कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनिमिक्स की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, अभियांत्रिकी ऑप्टिमाइजेशन, विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमी की प्रोसीडिंग्स, भारत खंड क: भौतिक विज्ञान, साधना दृष्टि भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान की अकादमी प्रोस. डिंग्स, प्लोसोनि
- निर्णय एवं नियंत्रण की 53वीं आईईईई संगोष्ठी के समीक्षा किये हुए पत्र, दिसम्बर 2014
- सदस्य, संगोष्ठी संपादकीय मंडल, अभियांत्रिकी के लिए समानांतर, विभाजित, ग्रिड एवं क्लाउड कम्प्यूटिंग की 4थी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का, (पेरेंग 2015), डुब्रोवनिक, क्रोएशिया, मार्च 24-27, 2015 युवा वैज्ञानिक द्वारा सर्वोत्कृष्ट तकनीकी पत्र के लिए भी चुने एवं निर्णायक रहे
- बाह्य परीक्षक, भाप्रौसं मद्रास का 1एमएस थीसिस, चेन्नई, जुलाई 2014
- बाह्य परीक्षक और सदस्य, भाप्रौसं मद्रास के 2 पीएच.डी थीसिस (एयरोस्पेस एवं एप्लाइड मिर्केनिक्स) की मौखिक परीक्षा समिति, चेन्नई, मई एवं सितम्बर 2014
- सदस्य, राष्ट्रीय नवीनता प्रतिष्ठान में ग्रासरूट इन्वैशमेंट में वैज्ञानिक प्रमाणिकता तथा मूल्य वृद्धि के प्रस्ताव की समीक्षा की विशेषज्ञ समिति।
- निर्वाचित सदस्य, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी के संकाय की शैक्षणिक बॉडी, मार्च 12, 2013-मार्च 11, 2016
- आमंत्रित सदस्य, संकाय साक्षात्कार एवं चयन समिति, यांत्रिक अभियांत्रिकी, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, अक्टूबर 2014
- सदस्य, यांत्रिक अभियांत्रिकी के विभाग प्रमुख के नियुक्ति की समिति, निरमा विश्वविद्यालय, जनवरी 2015
- सी-डेक बेंगलूर द्वारा भारतीय ग्रिड (गरुड़) प्रमाणन प्राधिकरण (आईजीसीए) के लिए भाप्रौसं गाँधीनगर में पंजीकरण प्राधिकरण के लिए नियुक्त

प्रा मिशेल डेनीनो, मानविकी एवं समाज विज्ञान

- नियुक्त सदस्य, ऐतिहासिक अनुसंधान की भारतीय परिषद, फरवरी 2015
- नियुक्त सदस्य, कार्यकारी परिषद, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, मार्च 2015

प्रा अनिरबन दासगुप्ता, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

- कार्यक्रम समिति: वर्ल्ड वाइड वेब (डब्लूडब्लूडब्लू) 2015 संगोष्ठी, डेटा विज्ञान (सीओडीएस) 2015 की एसीएम संगोष्ठी, एसोनेम 2015, वेब सर्च एंड डेटा माइनिंग (डब्लूएसडीएम) 2015, डेटा माइनिंग (आ. इलीडीएम) 2014 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी प्रतिष्ठान एवं सैद्धांतिक कम्प्यूटर विज्ञान (एफएसटीटीसीएस) 2014
- सह-चेयर, वर्ल्ड वाइड वेब पीएचडी परिसंवाद 2015
- चेयर, सीओडीएस 2015 की सर्वश्रेष्ठ पत्र समिति
- सीआईके 2015 की वरिष्ठ कार्यक्रम समिति
- आईसीडीएम 2015 की क्षेत्रीय चेयर

प्रा रघु इचम्पेती, यांत्रिक अभियांत्रिकी

- माइक्रो-मशीनिंग के ऊपर तकनीकी सत्र को चेयर किया, भाप्रौसं गुवाहाटी में, अखिल भारतीय उत्पादन प्रौद्योगिकी डिजाइन एवं अनुसंधान (एआईएमटीडी. आर) संगोष्ठी, दिसम्बर 13, 2014.
- तकनीकी सत्रों को चेयर किया, आईसीआईआईआर 2015, जनवरी 2-3, 2015

प्रा निथिन वी जॉर्ज, विद्युत अभियांत्रिकी

- समीक्षक पत्रिका: एप्लाइड अकूस्टिक (एलजेवियर); ऑटोमेटिका (एलजेवियर); बहुत बड़े स्तर के इंटीग्रेशन तंत्र के आईईईई पत्र; सरकिट, तंत्र एवं सिग्नल प्रक्रिया (स्प्रिंगर); विद्युत ऊर्जा एवं ऊर्जा तंत्र की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (एलजेवियर); सिग्नल प्रक्रिया (एलजेवियर); डिजिटल सिग्नल प्रक्रिया (एलजेवियर); यांत्रिक तंत्र एवं सिग्नल प्रक्रिया (एलजेवियर); विशेषज्ञ तंत्र के साथ अनुप्रयोग (एलजेवियर); फ्रेंकलिन संस्थान की पत्रिका (एलजेवियर); यांत्रिक अभियांत्रिकी विज्ञान की पत्रिका (सेज संपादन); इलेक्ट्रॉनिक्स संचार की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (एलजेवियर); विज्ञान राष्ट्रीय अक.

दमी की प्रोसीडिंग्स, भौतिक विज्ञान (स्प्रिंगर); कम आवृत्ति नाइस पत्रिका, कंपन एवं सक्रिय नियंत्रण (बहुविज्ञान)

संगोष्ठियों के समीक्षक: संचार 2015 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनसीसी 2015), भाप्रौसं मुंबई; सिग्नल प्रक्रिया पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, इंफोमेटिक्स, संचार एवं ऊर्जा तंत्र (स्पाइसेज 2015), राप्रौसं केलीकटय सरकिट एवं तंत्र पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद (आईएससीएस 2015), लिसबन, पुर्तगाल; 22वीं यूरो. पियन सिग्नल प्रक्रिया संगोष्ठी (यूसिपको 2014), लिस. बन, पुर्तगाल।

- चयन समिति के सदस्य, पीएचडी साक्षात्कार (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी), गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय, सितम्बर 24, 2014।
- सदस्य, डॉक्टरल समिति (विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी), सरकार अभियांत्रिकी महाविद्यालय, थ्रिस्सूर, अक्टूबर 1, 2014।
- बाह्य समीक्षक, डॉक्टरल उम्मीदवारों और अधिस्नातक छात्रों की प्रगति, गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय, मार्च 24, 2014।
- सदस्य, तकनीकी कार्यक्रम समिति, संचार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 2015 (एनसीसी 2015)।

प्रा विन्मय घोरोई, रसायन अभियांत्रिकी

- सदस्य, अध्ययन का मण्डल, रसायन अभियांत्रिकी विभाग, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
- सदस्य, प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी संकाय, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
- समीक्षक, चूर्णप्रौद्योगिकी, प्रक्रिया सुरक्षा एवं पर्यावरण सुरक्षा, जियोभौतिकी एवं अभियांत्रिकी पत्रिका

प्रा इति गुप्ता, रसायन विज्ञान

- जैविक रसायन विज्ञान की पीएचडी थीसिस की समीक्षा किया, मौराप्रौसं जयपुर, अक्टूबर 2014
- सेंसर और एक्चुएटर बी; के अनुसंधान लेख की समीक्षा किया: रसायन (2014) एक एलजेवियर
- पत्रिका संपादन

प्रा हरि बी हबलानी, यांत्रिक अभियांत्रिकी

- समीक्षक, अंतरिक्ष विज्ञान पत्रिका, स्प्रिंगर पत्रिका

संपादकीय कार्यालय

- सदस्य, रक्षा विज्ञान पत्रिका के संपादकीय मंडल, डीआरडीओ संपादन
- डॉक्टरल समिति, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, थिरुवनंथपुरम, केरल

प्रा सुधीर कु जैन, सिविल अभियांत्रिकी

- अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय भूकंप अभियांत्रिकी अनुप्रयोग (आ. इआईई)
- सभापति, गुजरात शिक्षण नवीनता आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष की खोज समिति (जीआईसी), गुजरात सरकार
- सदस्य, निदेशक मण्डल, गुजरात अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक तकनीकी शहर (गिफ्ट)
- सदस्य, निदेशक मण्डल, गिफ्ट सेज लिमिटेड
- सदस्य, राज्य ज्ञान सलाहकार मण्डल, आंध्र प्रदेश सरकार
- सदस्य, शाषी मण्डल, रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
- सदस्य, शाषी मण्डल, सूचना प्रौद्योगिकी का पण्डित द्वारका प्रसाद मिश्रा-भारतीय संस्थान, डिजाइन एवं उत्पादन (पीडीपाएम-आइआइआईटीडी एवं एम), जबलपुर
- सदस्य, शाषी मण्डल, आधारभूत संरचना संस्थान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं प्रबंध, अहमदाबाद
- सदस्य, न्यायालय, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गाँधीनगर
- सदस्य, कार्यकारी परिषद, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गाँधीनगर
- सदस्य, गुजरात शहरी विकास मिशन
- जूरी सदस्य, टाटा इन्नोविस्टा के अंतिम चरण के लिए, टाटा समूह का नवीनता कार्यक्रम, टाटा समूह नवीनता मंच (टीजीआईएफ)
- मुख्य अतिथि, उत्कृष्टता प्रतिष्ठान का खुले मंच (एफएफई), भाप्रस अहमदाबाद में आयोजित
- अध्यक्ष, भाप्रस रुड़की पूर्व छात्र संघ, अहमदाबाद चेप्टर
- सदस्य, गोआ सरकार द्वारा राज्य में एक नए भाप्रस की स्थापना के लिए उचित जमीन को पहचानने की साइट चयन समिति

प्रा विक्रान्त जैन, भू विज्ञान

- पत्रिकाओं के समीक्षक: जियोमोर्फोलॉजी, पृथ्वी की सतही प्रक्रिया एवं लैंडफॉर्म, धरती तंत्र विज्ञान पत्रिका, जियोग्राफिस्का एन्नालेर: संस्करण क, भौतिक भूगोल, प्राकृतिक खतरे, जियोलॉजिकल पत्रिका, जियोमेटिक्स प्राकृतिक खतरे एवं जोखिम, वर्तमान विज्ञान.
- समीक्षक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास की राष्ट्रीय निधि को दी गयी परियोजनाएं (एफओएनडीईसीवाई. टी), चिले, सितम्बर, 2014; भू विज्ञान मंत्रालय(एमओ. ईएस), अगस्त 2013
- समीक्षक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को दी गयी परियोजना रिपोर्ट (डीएसटी), भारत, दिसम्बर, 2013
- गंगा पुनर्युवन पर्यावरण प्लो कार्यशाला में आमंत्रित पेनलिस्ट, विश्व बैंक द्वारा दिल्ली में आयोजित, फरवरी, 2015; डब्लूडब्लूएफ में गंगा नदी के परिस्थितिकी तंत्र पर राष्ट्रीय कार्यशाला, भारतीय परिस्थितिकी तंत्र राष्ट्रीय संस्थान द्वारा आयोजित, दिल्ली, जुलाई 2014

प्रा कबीर जसूजा, रसायन अभियांत्रिकी

- रसायन विज्ञान पत्रिका के समीक्षक

प्रा शिवकुमार जोलाड, भौतिकी

- मुख्य कार्यकारी समिति के सदस्य, अहमदाबाद की जिला मानव विकास रिपोर्ट, गुजरात सामाजिक आधारभूत ढांचा विकास समाज, गुजरात सरकार
- प्रमुख जांचकर्ता, गुजरात एवं राजस्थान खंडों में प्रथम खुले विद्यालय शिक्षा तथा प्रथम द्वारा सहयोग प्राप्त विद्यालयों की जांच, भारत

प्रा मोहन सी जोशी, गणित

- समीक्षक, विभिन्न वैज्ञानिक संपादन
- समीक्षक, डिफ्रेंशियल समीकरण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम नामक डीएसटी परियोजना की वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में, जो शैक्षणिक वर्ष 2014 की वैज्ञानिक योजना थी

प्रा राघवन के, विद्युत अभियांत्रिकी

- बाह्य परीक्षक, एमई, तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान राष्ट्रीय संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश के लिए मौखिक परीक्षा आयोजित करना, सितम्बर 30, 2014

आधारिक पत्रिका

- भाप्रसं अहमदाबाद ग्रीष्मकाल विद्यालय के गुणात्मक एवं मात्रात्मक अनुसंधान पद्धतियों में अभ्यागत संकाय, जून 5, 2014

प्रा रीता कोठारी, मानविकी एवं समाज विज्ञान

- सदस्य, सलाहकार मण्डल, सामाजिक अध्ययन केंद्र, सूरत, 2014
- पेनलिस्ट, डिवाइडेड टंग्स, विभाजन की भाषाओं पर परिसंवाद, एपीजे पुस्तक मेला, नई दिल्ली, अप्रैल 25, 2014

प्रा शिवप्रिया किरुबाकरण, जैविक अभियांत्रिकी

- पीएचडी छात्र अनुसंधान प्रगति समिति के लिए आमंत्रित सलाहकार समिति सदस्य (बाह्य), निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

प्रा शर्मिता लहरी, मानविकी एवं समाज विज्ञान

- मूल्यांकनकर्ता, संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक प्रतिष्ठान की फुलब्राइट एप्लिकेशन 2014–15

प्रा उत्तमा लहरी, विद्युत अभियांत्रिकी

- समीक्षक, मेडिकल इमेजिंग एवं हेल्थ इंफोमेटिक्स पत्रिका
- समीक्षक, औटिज्म एवं विकास विकृति पत्रिका
- समीक्षक, औटिज्म अमेरिकन पत्रिका
- समीक्षक, आईईईई परवेजिव कम्प्यूटिंग
- समीक्षक, आईईईई स्वायत्त मस्तिष्क विकास पर पत्र
- समीक्षक, औटिज्म एवं संबंधित विकृतियों की औस्टिन पत्रिका

प्रा साइराम मल्लाजोसयला, रसायन विज्ञान

- समीक्षक, भौतिक रसायन विज्ञान पत्रिका, एसीएस रसायन जैविकी, जैविभौतिकी पत्रिका, प्लोस कम्प्यूटेशनल जैविकी

प्रा मोना मेहता, मानविकी एवं समाज विज्ञान

- समीक्षक, अमेरिकन राजनीतिक विज्ञान समीक्षा, के. म्ब्रिज पत्रिकाएं, एण्टिपोड: भूगोल (विली) पर एक

प्रा सूर्य पी मेहरोत्रा, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

- सभापति, जवाहरलाल नेहरू एलुमिनियम अनुसंधान डिजाइन एवं विकास केंद्र की अनुसंधान सलाहकार परिषद, नागपुर
- सदस्य, नेहरू एलुमिनियम अनुसंधान डिजाइन एवं विकास केंद्र की प्रशासनिक परिषद
- सभापति, नॉनफेरस पदार्थ प्रौद्योगिकी विकास केंद्र, हैदराबाद की अनुसंधान एवं सलाहकार परिषद
- सदस्य, नॉनफेरस पदार्थ प्रौद्योगिकी विकास केंद्र, हैदराबाद की प्रशासनिक परिषद
- पलाय एश अनुसंधान एवं प्रबंधन के केंद्र के मण्डल के निदेशकों में से एक
- सदस्य, भाप्रौसं गाँधीनगर का शाषी मण्डल
- सदस्य, आधारभूत संरचना प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं प्रबंधन शैक्षणिक संस्थान की परिषद
- संयोजक भाप्रौसं गाँधीनगर में भाप्रौसं आरएएम प्रकोष्ठ
- सदस्य, प्लेटिनम जुबिली युवा वैज्ञानिक पुरस्कार के चयन की विशेषज्ञ समिति, भारत की विज्ञान राष्ट्रीय अकादमी, इलाहाबाद
- सदस्य, खनिज पुरस्कार की चयन समिति, माइन मंत्रालय, भारत सरकार
- शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार के नामांकन के मूल्यांकन के रेफेरियों में से एक
- भाप्रसं राष्ट्रीय सस्टेनेबिलिटी पुरस्कार के नामांकन के मूल्यांकनकर्ताओं में से एक
- भाप्रौसं कानपुर की इतिहास पुस्तक परियोजना के संपादक एवं परियोजना संयोजक
- सदस्य, पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी के राजीव गाँधी संस्थान की अधिसभा, राय बरेली
- सदस्य, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड से धातु निकालने के लिए पर्यावरण लाभकारी पद्धतियों की परियोजना की जांचकर्ता समिति को गठित किया

प्रा जॉयसी मैकी, विद्युत अभियांत्रिकी

- विद्युत अभियांत्रिकी, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में अगस्त 2014 में संकाय चयन समिति के सदस्य
- समिति सदस्य, गुतवि के संविदा कर्मचारियों की आंतरिक मूल्यांकन समित, अहमदाबाद, जनवरी 15, 2015
- समीक्षक, आइईईई डिजाइन एवं परिक्षण पत्रिका, आइईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एसवाइएनसी 2015
- आइईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी वीडिएटी 2015
- स्टीरिंग समिति सदस्य, एसवाइएनसी 2015
- शिक्षा डे चेर, वीडिएटी 2015
- अभियांत्रिकी में महिला (डब्लूआईई) चेर, वीडिएटी 2015

प्रा कृष्ण प्रसाद मियापुरम, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

- पत्रिकाओं के समीक्षक: फ्रंटियर्स इन मूवमेंट विज्ञान एवं खेल मनोविज्ञान फ्रंटियर्स इन निर्णय न्यूरो. विज्ञान
- सदस्य, अध्ययन के मण्डल, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

प्रा ज्योति मुखोपाध्याय, पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

- समीक्षक, चुने हुए लेखों की एलजेवियर पत्रिका एवं स्प्रिंगर।
- सदस्य, परीक्षा एवं शिक्षा समिति के साथ साथ सदस्य, धातु भारतीय संस्थान की स्वामिनारायण अनुदान निधि समिति।
- सदस्य, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की चयन समिति (आइआईईएसटी), शिबपोरे, हावड़ा जून 14, 2014
- संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली को सहायक निदेशक ग्रेड 2 (धातुकर्म) के साक्षात्कार में सहयोग किया, नई दिल्ली फरवरी 26 –27, 2015
- बाह्य परीक्षक, जादवपुर विश्वविद्यालय में पीएचडी थीसिस, कोलकता
- आमंत्रित संपादक, एक पुस्तक एलुमीनियम के लिए रिफ्रेक्टरीज: स्प्रिंगर संपादक द्वारा इलेक्ट्रोलिसिस एवं

कास्ट हाउस।

- आमंत्रित समीक्षक, उपशिष्ट प्रबंधन पत्रिका, एलजे. वियर संपादन द्वारा
- श्रम और रोजगार मंत्रालय के खनन एवं खनिज क्षेत्र तथा फेब्रिकेशन क्षेत्र के शिक्षक के रूप में चुने गये

प्रा के वी वी मूर्थी, विद्युत अभियांत्रिकी

- सदस्य, संकाय चयन समिति (2014– 2015) भाप्रौसं आरएएम के लिए
- सदस्य, चयन समिति नई दिल्ली, संरा सरकार द्वारा कॉमनवेल्थ छात्रवृत्ति 2015 के लिए चयनित उम्मी. दवारों के लिए, दिसम्बर 04, 2014
- सदस्य, शासी परिषद समिति एवं शैक्षणिक परिषद समिति, एनएमएएम प्रौद्योगिकी संस्थान, निट्टे, उडुपी, कर्नाटक राज्य, अगस्त 12, 2014
- सदस्य, संकाय चयन समिति, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, जून 25, 2014
- सदस्य, शैक्षणिक सलाहकार मण्डल बैठक, नवरचना विश्वविद्यालय, बड़ोदा, मई 8, 2014
- बाह्य सदस्य, एनएमएएम प्रौद्योगिकी संस्थान निट्टे शैक्षिक सोसायटी का शासी मण्डल, उडुपी, कर्नाटक राज्य
- बाह्य परीक्षक, अमृत विश्वविद्यापीठम में पीएचडी थी. सिस, बेंगलोर

प्रा प्रतीक मूथा, जैविक एवं विद्युत अभियांत्रिकी

- पत्रिकाओं के समीक्षक: न्यूरोफिजियोलॉजी पत्रिका, न्यूरोविज्ञान में एजिंग के फ्रंटियर्स, मोटर नियंत्रण, प्रयोगात्मक मस्तिष्क अनुसंधान, न्यूरोविज्ञान पत्र, प्लोस वन

प्रा डी वी पाई, गणित

- कार्यक्रम सलाहकार समिति की 58वीं बैठक को चेर किया, गणित विज्ञान, एसईआरबी का पैक-एमएस, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, जून 9–10, 2014
- भाप्रौसं गाँधीनगर में एसईआरबी का पैक-एमएस की 59वीं बैठक चेर किया, नवम्बर 10–11, 2014
- पीची, केरल में आने वाली मैट्रिक्स पद्धति एवं फ्रेक्शनल केलकुलस की 12वीं एसईआरबी विद्यालय

- की योजना समिति की बैठक को चेयर किया, अप्रैल-मई, 2015
- सहायक संपादक, एशियाई यूरोपियन की गणित पत्रिका, विश्व वैज्ञानिक संपादक, लंडन एवं सिंगापोर
 - समीक्षक, श्री, गणित समीक्षा (अमेरिकन गणित समाज)
- प्रा हरीष पालनथंडलम-मादापुसी**, यांत्रिक अभियांत्रिकी
- सहायक संपादक, संगोष्ठि संपादकीय मंडल, आइईई नियंत्रण तंत्र समाज
 - अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम समिति, भारतीय नियंत्रण संगोष्ठि, 2015
 - अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम समिति, भारतीय नियंत्रण संगोष्ठि, 2016
- प्रा सौराद्युति पॉल**, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- कार्यक्रम समिति सदस्य, सूचना सुरक्षा एवं संके. ताक्षरविज्ञान (आइसीआइएससी) की 17वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठि 2014
 - कार्यक्रम समिति, विभाजित कम्प्यूटिंग एवं नेटवर्किंग (एसआरएफ-आइसीडीसीएन) 2015 की 16वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठि का छात्र अनुसंधान फोरम
 - सलाहकार समिति, नेटवर्क एवं सूचना सुरक्षा राष्ट्रीय कार्यशाला (आइस्टार एवं आइईईई गुजरात खंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित)
- प्रा नारण एम पिंडोरिया**, विद्युत अभियांत्रिकी
- सदस्य, आधारभूत संरचना संस्थान की शैक्षणिक परिषद, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं प्रबंधन (भाप्रौस आपएएम) जून 2013 से लेकर
 - बाह्य परीक्षक, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की पीएच.डी थीसिस, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर (एमएनआईटी)
- प्रा शंभुगनाथन रमण**, विद्युत अभियांत्रिकी
- समीक्षक, साइबरनेटिक्स आइईईई के पत्र, कम्प्यूटर विज्ञान एवं चित्र को समझना, दि विश्वयुअल कम्प्यूटर, इमेज एवं वीडियो प्रक्रिया पर यूरासिप पत्रिका, अभियांत्रिकी विज्ञान में साधना – अकादमी की प्रोसीडिंग्स
- समीक्षक, पैटर्न पहचान (आइसीपीआर) की 22वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठि, स्वीडन, 2014य सिग्नल प्रक्रिया एवं संचार (एसपीसीओएम) पर 10वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठि, भाविस बेंगलोर 2014य सिग्नल प्रक्रिया, इंफोरमेटिक्स पर आइईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठि, संचार एवं ऊर्जा तंत्र (आइईईई स्पाइसेज), राप्रौस केलीकट, 2015
 - तकनीकी कार्यक्रम समिति सदस्य: कम्प्यूटर विज्ञान, ग्राफिक्स, एवं इमेज प्रक्रिया (आइसीवीजीआईपी) की 9वीं भारतीय संगोष्ठि, भाविस बेंगलोर, 2014य उन्नत नेटवर्क एवं दूरसंचार तंत्र पर 8वीं आइईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठि (एट्स), नई दिल्ली, 2014य संचार (एनसीसी) पर 21वीं राष्ट्रीय संगोष्ठि, भाप्रौस मुंबई, 2015
- प्रा अजंता सचान**, सिविल अभियांत्रिकी
- समीक्षक, मृदा एवं आधार, केनेडियन जियोतकनीकी पत्रिका, माप, एलजेवियर
 - सदस्य, सिविल अभियंताओं की अमेरिकन सोसायटी (एएससीई), संराअ
 - सदस्य, प्रयोगात्मक पद्धति की अमेरिकन सोसायटी (एएसटीएम), संराअ
 - सदस्य, क्ले एवं क्ले खनिज, संराअ
 - सदस्य, भूकंप अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (ईईआ.रआइ), संराअ
 - सदस्य, भूकंप अभियांत्रिकी राष्ट्रीय सूचना केंद्र (एनआइसीईई), भारत
- प्रा तनिष्ठा सामंत**, मानविकी एवं समाज विज्ञान
- सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय मंडल, विस्थापन एवं विकास, रूटलेज, लंदन, 2015-2017
 - समीक्षक, दि जर्नल्स ऑफ जेरोन्टोलाजी: संस्करण ख (समाजविज्ञान), 2014-2015
 - बाह्य थीसिस परीक्षक, केंद्रीय पर्यावरण नियोजन एवं प्रौद्योगिकी (सीईपीटी), अहमदाबाद, 2014-2015
- प्रा बाबजी श्रीनिवासन**, रसायन एवं विद्युत अभियांत्रिकी
- पत्रिकाओं के समीक्षक: कम्प्यूटर एवं रसायन अभियांत्रिकी पत्रिका-2014; तंत्र एवं नियंत्रण-2014 पर आइईईई बहु संगोष्ठि; स्वचालित नियंत्रण संगोष्ठि

(आइएफएसी)—2014 का अंतर्राष्ट्रीय संघ; पर्यावरण अभियांत्रिकी एवं शुद्ध ऊर्जा—2014 की पत्रिका; औषधि में कृत्रिम बुद्धि—2014; आइफेक संगोष्ठी 2014; नियंत्रण तंत्र प्रौद्योगिकी—2015 आइईईई पत्र; औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं रसायन विज्ञान अनुसंधान—2015

- समीक्षक पेनल सदस्य, ऊर्जा, शक्ति, और पर्यावरण पर आइईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी — 2015, राप्रौस मेघालय
- अधिस्नातक एवं पीएचडी शोध निबंध के बाह्य परीक्षक, राप्रौस त्रिची

प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन, रसायन अभियांत्रिकी

- उत्कृष्ट समीक्षक, कम्प्यूटर एवं रसायन अभियांत्रिकी पत्रिका 2015
- रसायन अभियांत्रिकी में डॉ जी पी केन अभ्यागत प्राध्यापक, आइसीटी मुंबई, 2015–2016
- सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समिति, रसायन एवं प्रक्रिया अभियांत्रिकी आइसीपी12 की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, मिलान, इटली, मई 19–22, 2015
- सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय प्रोग्रामिंग समिति, प्रक्रिया तंत्र अभियांत्रिकी की 12वीं अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद (पीएस. ई—2015) कम्प्यूटर से सहायता प्राप्त प्रक्रिया अभियांत्रिकी की 25वीं यूरोपियन परिसंवाद (इसकेप25), कोपनहेगन, डेनमार्क, मई 31 दृजून 4, 2015
- तकनीकी समिति सदस्य, प्रक्रिया सुरक्षा पर वैश्विक शिखरवार्ता 2015, कुआला लुंपुर, मलेशिया, नवम्बर 3–5, 2015
- सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम समिति, तेल एवं गैस उद्योग में सुरक्षा पर 5वीं विश्व संगोष्ठी, ओकायामा, जापान, जून 8–10, 2014
- सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम समिति, 2014 कम्प्यूटर की सहायता से प्रक्रिया डिजाइन की स्थापना संगोष्ठी (एफओसीएपीडी), क्ले एलम, डब्लूए, संराअ, जुलाई 13 – 17, 2014
- संगोष्ठी चेयर, प्रक्रिया सुरक्षा पर तीसरी संगोष्ठी एवं सुरक्षा 2014 पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, अहमदाबाद, दिसम्बर 2–6, 2014

प्रा मीरा मैरी सनी, मानविकी एवं समाज विज्ञान

- हैदराबाद विश्वविद्यालय में एमफिल थासिस के बाह्य परीक्षक

प्रा प्राची थरेजा, रसायन अभियांत्रिकी

- सत्र चेयर, आणविक एवं कण निर्गमन की स्वतः एवं निर्देशित एसेम्बली, 89वीं एसीएस कलिल परिसंवाद 2015, पिट्सबर्ग, संराअ

प्रा विजय थिरुवेण्कटम्, जैविक अभियांत्रिकी

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी चारोटार विश्वविद्यालय की अनुसंधान समिति के पीएचडी छात्र के आमंत्रित बाह्य विशेषज्ञ सदस्य, चंगा, गुजरात

प्रा जगमोहन त्यागी, गणित

- गणित समीक्षा के लेखों की समीक्षा किया
- पत्रिकाओं के लेखों के लिए उल्लेखित: गणित की तायवानी पत्रिका, शुद्ध एवं एप्लाइड गणित की भा. रतीय पत्रिका, गणित की एशिया-यूरोपियन पत्रिका, विज्ञान राष्ट्रीय अकादमी की प्रोसीडिंग्स, भौतिक विज्ञान (नासा)

प्रा सिद्धार्थ वाइ वाकणकर, मानविकी एवं समाज विज्ञान

- महाराष्ट्र के पारंपरिक खेल एवं लोक-क्रीड़ा के ऊपर एक कार्यशाला में मुख्य वक्तव्य दिया तथा शैक्षणिक सत्र को चेयर भी किया, भारतीय इतिहास संकलन समिति द्वारा आयोजित, पुणे, दिसम्बर 27, 2014
- मुंबई विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित मृगपक्षीशास्त्र के ऊपर दो दिवसीय विचार-गोष्ठी का उद्घाटन किया, चेयर किया तथा मुख्य वक्तव्य दिया, सितम्बर 18, 2014
- संस्कृत एवं प्राकृत भाषाओं के विभाग में तीन मौखिक परीक्षाओं के बाह्य परीक्षक, पुणे विश्वविद्यालय, दि. सन्बर 22–24, 2014



संकाय द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान

संस्थान अपने जीवंत शैक्षणिक संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए संकाय को भारत एवं बाहर नवीनतम अनुसंधान पर शैक्षणिक व्याख्यान देने के लिए बढ़ावा देता है। विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा दिये गए व्याख्यान इस प्रकार हैं:

प्रा संजयकुमार अमृत्य ने दिसम्बर 1-27, 2014 को गणित विज्ञान के उत्कृष्टता केंद्र में घटित वार्षिक फा. उन्देशन विद्यालय-1 में व्याख्यानों की एक श्रृंखला दी।

प्रा अमित अरोड़ा जनवरी 19, 2015 को तेल-अवीव, इज. रायल में संपन्न हुयी वेल्डिंग और जोड़ना, प्लेनरी बात, वेल्डिंग, जोड़ना और एडिटीव उत्पादन डबल्यूएएम पर ऊष्मा स्थानांतरण तथा पदार्थ बहाव मॉडलिंग – अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता थे। प्रा अरोड़ा ने मार्च 15-19 2015 को वाल्ट डिस्नी वर्ल्ड, ऑरलैंडो, फ्लो. रिडा, संराअ में टीएमएस 2015 की 144वीं वार्षिक बैठक में फ्रिक्शन स्टर वेल्डिंग के दौरान अवरोधक ऊष्मा स्रोत को जोड़नेय फ्रिक्शन स्टर वेल्डिंग के दौरान उपकरण का घिसना: घर्षण आधारित प्रक्रिया के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्टेट ऑफ दि आर्ट एवं चुनौतियां, सितम्बर 3-4, 2014; आइआइडब्लू-अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में तांबे की घर्षण स्टर वेल्डिंग के दौरान तापमान वितरण के संख्यात्मक माडलिंग, अप्रैल 9-11, नई दिल्लीय पर एक वक्तव्य दिया।

प्रा सुदर्शन बहल ने फरवरी 20-21, 2015 को गुजरात फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गाँधीनगर में साइबर मनो. विज्ञान सम्मेलन में साइबर मनोविज्ञान एवं प्राचीन बुद्धि मता पर वक्तव्य दिया।

प्रा मिशैल डैनीनो ने दूसरा विशिष्ट व्याख्यान दिया, सिविल अभियांत्रिकी में हडप्पन विशेषज्ञता, अप्रैल 25, 2014, सभ्यता संरचना की सुरक्षा का राष्ट्रीय केंद्र (एनसीएसएचएस), सिविल अभियांत्रिकी विभाग, भाप्रौसं मद्रासय भारतीय सभ्यता की खोज, भाप्रौसं कानपुर, अगस्त-नवम्बर 2014; भारतीय गणित और खगोलशास्त्र में अनंत, सी-डेक, पुणे, अक्टूबर 7, 2014; आधुनिक भ. रत प्राचीन भारत से क्या सीख सकता है, स्पिकमैकी व्याख्यान, आइआइएसईआर, पुणे, अक्टूबर 8, 2014; सिंधु सभ्यता की प्रौद्योगिकी, वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन

केंद्र, कोलकता, अक्टूबर 16, 2014; सरस्वती, एक खोयी हुयी नदी, भाप्रौसं खड़गपुर में सेंड हाइ परिसंवाद पर एक व्याख्यान, अक्टूबर 17, 2014; आज का भारत प्राचीन भ. रत से क्या सीख सकता है?, भाप्रौसं-बहिवि, नवम्बर 5, 2014; सिंधु-सरस्वती सभ्यता में सफाई एवं जल प्रबंधन, भाप्रौसं कानपुर, नवम्बर 8, 2014; हडप्पा से भास्करा. चार्य तक भारतीय मेट्रोलॉजी के मुद्दे, गणित के इतिहास की भारतीय सोसायटी की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर एक व्याख्यान, पुणे विश्वविद्यालय और आइआइएसईआर पुणे, नवम्बर 28, 2014; प्राचीन भारत में विज्ञान का अवलो. कन, राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला, पुणे, नवम्बर 28, 2014; प्राचीन भारत में विज्ञान: अवलोकन एवं प्रतिबिम्ब, जनवरी 27, 2015; भारत में विज्ञान के इतिहास का अध्ययन, भारतीय विज्ञान संस्थान (पदार्थ अनुसंधान केंद्र), बेंगलुरु, फरवरी 4, 2015; प्राचीन भारतीय कितना विज्ञान जानते थे? सस्त्रा विश्वविद्यालय, थंजवूर, फरवरी 21, 2015।

प्रा अनिरबन दासगुप्ता ने आमंत्रित व्याख्यान दिये, अप्रैल 17, 2014 को डीएआइआइसीटी में गतिवान अनुमानों एवं चित्र; ईआरटीई 2014 में क्राउडसोर्सिंग, आइईईई गुज. रात खंड, जुलाई 20, 2014; भाविसं के आइयूएसएसटीएफ परिसंवाद में भीड़ से सीख, जनवरी 7, 2015; बेंगलोर पिलपकार्ट में भीड़ से सीख, जनवरी 9, 2015; कोमनेट्स में भीड़ से सीख, सोशल नेटवर्क्स पर कार्यशाला, जनवरी 8, 2015; भाप्रौसं खड़गपुर में जटिल नेटवर्क्स और मशीन समझ पर कार्यशाला में बड़े नेटवर्क्स से सीखने योग्य विशेषताएं, मार्च 6, 2015; आइएसआइ कोलकता में एल्गोरिदम पर भारत-जर्मनी कार्यशाला में बड़े नेटवर्क्स से सीखने योग्य विशेषताएं, मार्च 9, 2015।

प्रा भास्कर दत्ता ने एक व्याख्यान दिया, जल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर, महात्मा गाँधी विवि, कोट्टयम, केरला, जनवरी 2015; केलीडोस्कोप, रसायन शास्त्र पर एक परिचर्चा बैठक, अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, गोआ, जुलाई 2014।

प्रा प्रत्युष दयाल ने आमंत्रित वक्तव्य दिया, एमआइटी बोस्टन में यंग इन्वेस्टीगेटर बैठक (वाइआइएम), नवम्बर 6, 2014; स्वतःधूमने वाले पॉलीमर जेल के डायना. मिक बर्ताव का पूर्वानुमान करने के लिए स्टेबिलटी एनेलाइजेज का इस्तेमाल, एपीएस मार्च 2015 बैठक,

सेन एंटोनियो, टेक्सस, संराअ, मार्च 2, 2015

निरमा विवि, अहमदाबाद, जुलाई 10, 2014।

प्रा रघु एचेम्पेती ने व्याख्यान दिये, **औद्योगिक शिक्षा में वास्तविक एवं आभासी डिजाइन** एवं उत्पादन, एएइएमटीडीआर 2015, भाप्रौसं गुवाहाटी, दिसम्बर 13, 2014; धारणीय आकलन, **आरआरएम एवं पदार्थ प्रबंधन शिक्षण**, उज्जवल भविष्य के लिए धारणीय उत्पादन की राष्ट्रीय संगोष्ठी, एमएनआईटी, जयपुर, जनवरी 2-3, 2015; **उद्यमशील-बुद्धि के लिए नवीनतम पाठ्यक्रम**, आईसीआईआईआर-भाप्रौसं बेंगलूर; उद्यमशीलता शिक्षा एवं प्रशिक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, जनवरी 20-31, 2015; **लीनियर एवं नॉनलीनियर फायनाइट एलिमेंट आकलन के साथ अनुप्रयोग की एप्लीकेशन्स**, एमएनआईटी, भोपाल, फरवरी 27, 2015; **कार ट्रक स्टैंड के डिजाइन का आकलन**, एआईएसईसीटी विवि, मेंडिआ, फरवरी 28, 2015; **फायनाइट एलिमेंट पद्धति**, राजकीय अभियांत्रिकी विद्यालय, बरागुर, तमिलनाडु, मार्च 2-5, 2015।

प्रा निथिन वी जॉर्ज ने आमंत्रित व्याख्यान दिये, टीइ. क्यूआईपी-2 द्वारा प्रायोजित **सिग्नल प्रक्रिया तथा संचार में हाल में हुए बदलाव**, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, मई 21, 2014; टीईक्यूआईपी-2 द्वारा प्रायोजित **डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग की अल्फा से डेल्टा** पर कार्यक्रम, टीकेएम विद्यालय, केरला, जून 5-9, 2014; डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग की अल्फा से डेल्टा, राजकीय अभियांत्रिकी विद्यालय, थ्रिस्सूर, केरला, सितम्बर 29-30, 2014; **सॉफ्ट कम्प्यूटिंग**, बाबरिया प्रौद्योगिकी संस्थान, वडोदरा, गुजरात, दिसम्बर 19, 2014।

प्रा चिन्मय घोरोई ने पदार्थ के पुनःउपयोग एवं इस्तेमाल पर 3री अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईसीआरएम-2014) में **क्लोर-एलकली पौधे से स्लज का पुनःउपयोग** पर व्याख्यान दिया, कोट्टयम, केरल, अप्रैल 11-13, 2014।

प्रा श्रीराम कण्वाह गुंडीमेदा ने आमंत्रित वक्तव्य दिए, इन **हाउस परिसंवाद** स्वर्ण जयंती, अक्टूबर 16-17, 2014, भाप्रौसं मुंबई; **जैवरसायन अनुसंधान में हाल में हुई प्रगति**, फरवरी 14, 2015, जैवरसायन विभाग, सौराष्ट्र विवि, राजकोट।

प्रा शरद गुप्ता ने **न्यूरोडीजनरेटिव विकृतियों पर उन्नत अनुसंधान पद्धति** पर व्याख्यान दिया, फार्मसी संस्थान,

प्रा इति गुप्ता ने आईसीपीपी8 में आमंत्रित व्याख्यान दिया, **पॉरफिरिन और कार्बाजोल-कोरोले कंजुगेट्स पर थेलोसायनीन** पर 8वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, इस्तानबुल, टर्की, जून 21-27 2014।

प्रा हरि बी हबलानी ने **जीएनएसएस-पूरक निहित नौचालन पाठ्यक्रम सामग्री**, 6 वर्षों में विकसित किया हुआ, डॉ रघुनाथ के भट्टर, सेटकॉम-पाठ्यक्रम निदेशक, विज्ञानअभियांत्रिकी एसएफ, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, इसरो, अहमदाबाद को संयुक्त राज्य द्वारा संबद्ध एशिया एवं पेरिसिफिक में अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा को जनवरी 30, 2014 को सौंपा।

प्रा सुधीर कु जैन ने व्याख्यान दिये, **भारत में भूकंप अभियांत्रिकी** पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, भाप्रौसं दिल्ली, दिसम्बर 20-21, 2014; **वास्तुकार शिक्षण पर अव. रस्नातक शिक्षण पर एक विचारगोष्ठी में कुछ विचार: खलबली- अवसर - भविष्य के पाठ्यक्रम**, भारतीय वास्तुकार संस्थान, नई दिल्ली, दिसम्बर, 2014; **भारतीय विवि के कुशलता विकास का राष्ट्रीय स्तर के परामर्श के कार्यसूची का रोड मैप एवं भूमिका**, भारत में रोजगार एवं गतिशीलता, राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान (एनआ. इएएस) द्वारा आयोजित, बेंगलूर, दिसम्बर 22, 2014। प्रा जैन ने एक वक्तव्य दिया, **एक विश्वस्तरीय भाप्रौसं का जमीन से निर्माण करने के अवसर एवं जोखिम**: भाप्रौसं पूर्वछात्र क्लब बेंगलूर द्वारा आयोजित पैन-भाप्रौसं पूर्वछात्र बैठक में भाप्रौसं गाँधीनगर की कहानी, दिसम्बर 22, 2015; राज्य शिक्षा विभाग, गुजरात सरकार द्वारा **चिं. तन शिविर में शिक्षा प्रशासनकर्ताओं की रणनीतियां**, अहमदाबाद, फरवरी 12, 2015; **आपदा जोखिम शिक्षा के संरा विश्व सम्मेलन** में एक सत्र के मुख्य वक्ता, विज्ञ. इन समिति, प्रौद्योगिकी एवं नवीनता, मंत्रीमंडल कार्यालय, सेंडाय, जापान, मार्च 14-18, 2015; जापान वास्तुकला संस्थान (एआईजे) सेंडाय द्वारा आयोजित सुरक्षित निवास एवं समुदाय की डिजाइनिंग नामक इवेंट में जनता सभा के प्रारंभिक व्याख्यान के वक्ताय भाप्रौसं कानपुर में आयोजित नई व्याख्यान श्रंखला भाप्रौसं **मेकिंग ऑफ दि विवि** का शुभारंभ तथा भाप्रौसं गाँधीनगर की कहानी, नवम्बर 27, 2014।

प्रा विक्रांत जैन ने व्याख्यान दिए, **भूविज्ञान सतह के पूर्वानुमानकरण पर एमओईएस कार्यशाला: सिद्धांत पर इंटीग्रेशन**, नीरी पर डाटा और मॉडल, नागपुर, नवम्बर 2014; **बिहार में बाढ़ एवं जलभराव पर यूएनडीप कार्यशाला: बहु-संकट मैपिंग एवं न्यूनीकरण के उपकरण**, बीएसडीएमए एवं भाप्रौस पटना द्वारा आयोजित, अक्टूबर 2014; **भूमि उपयोग एवं कोशी तट पर भूमि फैलाव**, अपक्षरण तथा अवसादन, आइसीआइएमओडी मुख्यालय स्थित इंटीग्रेटेड पर्वत विकास के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र द्वारा आयोजित, काठमांडु, नेपाल, सितम्बर 2014; **जल संसाधन और कृषि पर पर्यावरणीय बदलाव के प्रभाव** पर यूएनडीपी कार्यशाला, भाप्रौस गाँधीनगर द्वारा आयोजित, भाप्रौस कानपुर एवं भाप्रौस भुवनेश्वर, जुलाई 2014।

प्रा कबीर जसूजा ने आमंत्रित व्याख्यान दिए, **कुछ सतह वाली मोटी नैनोशीट्स जो ग्राफीन से एनेलोगस हैं के तरल फैलाव के निर्माण**, 2री सॉफ्ट मैटर— युवा खोज कर्ता मीट, भाप्रौस मद्रास, पोंडिचेरी, तमिल नाडु, दिसम्बर 2014; **नेनो जैवपदार्थ** पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, नेनोविज्ञान एवं नेनोप्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय एवं अंतर विवि केंद्र, महात्मा गाँधी विवि, कोट्टयम, केरल, जुलाई 2014; **परत वाले सुपरकंडक्टर का रसायनिक एक्सफोलिएशन: बोरोन वाले क्वासी दो-डायमेंशनल नेनोसंरचनाओं के निर्माण का एवेन्यू**, एपीएस (अमेरिकन भौतिक सोसायटी) संगोष्ठी, सेन एंटोनियो, टीएक्स, मार्च 2015; **रासानिक बदलाव वाले धातु बोरोइड नेनो प्लेटलेट्स का निर्माण: बोरोन आधारित नेनोसंरचनाओं में एक नया उदाहरण**, आइसीटीएन (नेनोप्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी), हल्दिया प्रौद्योगिकी संस्थान, हल्दिया, भारत, फरवरी 2015; **रसायनिक बदलाव वाली ग्राफीन शीट्स के कुछ परमाणु मोटे बोरोन आधारित नेनोसंरचनाओं के आइसोस्ट्रक्चरल का निर्माण**, एआइसीएचई (अमेरिकन रसायनिक अभियांत्रिकी संस्थान) संगोष्ठी, एटलांटा, जीए, नवम्बर 2014; **परत वाले बोरोइड का रासानिक एक्सफोलिएशन: बोरोन-आधारित नेनोशीट्स एनेलोगस से रासानिक बदलाव वाले ग्राफीन नेनोशीट्स के निर्माण का एक एवेन्यू**, एनसीएमएसटी (पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की राष्ट्रीय संगोष्ठी), अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का भारतीय संस्थान, थिरुवनंथपुरम, जुलाई 2014।

प्रा शिवकुमार जोलाड ने भारतीय विज्ञान अकादमी द्वारा सहयोग प्राप्त **होस्ट-पेथोजन** संवाद पर गणित जैविकी

अनुसंधान परिसंवाद पर एक आमंत्रित वक्तव्य दिया, कूर्ग, कर्नाटक, दिसम्बर 2014।

प्रा मोहन सी जोशी ने आमंत्रित वक्तव्य दिए, **वास्तविक वैश्विक समस्याओं के गणित मॉडलिंग में उन्नति** पर 19वीं वार्षिक जीएएमएस संगोष्ठी, सवराप्रौस, सूरत अक्टूबर 3–6, 2014; **गणित समीक्षा एवं अनुप्रयोगों के नए ट्रेंड** की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भाप्रौस रुड़की, दिसम्बर 21–23, 2014; **घुलन समीक्षा एवं ऑप्टिमाइजेशन**, आइडबल. 1एससीएस—2015, एमएस विवि, वडोदरा, जनवरी 5–10; **घुलन समीक्षा, न्यूनीकरण सिद्धांत एवं नियंत्रण, बदलती समीक्षा एवं ऑप्टिमाइजेशन पर एनपीडीई (डीएसटी) कार्यशाला**, भाप्रौस गाँधीनगर, मार्च 2–8, 2015; **औद्योगिक ओपन हाउस के ऑसपीस के अंतर्गत औद्योगिक गणित एवं शैक्षिक-उद्योग साझेदारी**, भाप्रौस गाँधीनगर, अगस्त 23, 2014; **उद्योग समस्याओं** पर अध्ययन समूह बैठक के संसाधन व्यक्ति, एनपीडीई (डीएसटी) द्वारा आयोजित, एमएस विवि, वडोदरा, मार्च 23–27, 2015।

प्रा राघवन के ने व्याख्यान दिए, **इलेक्ट्रोचुंबकीय एवं ऊर्जा इलेक्ट्रोनिक्स समीक्षा**, एएनएसवाईएस संकुचन 2014, पुणे, मई 6, 2014; तरंगो का युद्ध, पोंडिचेरी अभियांत्रिकी विद्यालय, पोंडिचेरी, अगस्त 1, 2014; **ऊर्जा इलेक्ट्रोनिक्स, विद्युत वाहन के ड्राइव्स**, शंकरसिंह वघेला बापू प्रौद्योगिकी संस्थान, गाँधीनगर, सितम्बर 29, 2014; **विद्युत ड्राइव में ऊर्जा इलेक्ट्रोनिक्स के अनुप्रयोग**, शांति तलाल शाह अभियांत्रिकी विद्यालय, भावनगर, गुजरात, मार्च 2–3, 2015; **विद्युत मशीनें — एक परिचय**, गाँधीनगर प्रौद्योगिकी संस्थान, कलोल, मार्च 31, 2015।

प्रा आलोक कुमार कानूनगो को आमंत्रित किया गया पुरातत्व एवं भाषा की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और भारतीय पुरातत्व सोसायटी (आइएएस) की संयुक्त वार्षिक संगोष्ठी में, **प्रागैतिहासिक एवं क्वाटेरनरी अध्ययन की भारतीय सोसायटी (आइएसपीक्यूएस) एवं भारतीय इतिहास तथा संस्कृति सोसायटी (आइएचसीएस)**, दक्षिण अधिस्नातक विद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान (समविश्वविद्यालय), पुणे, अक्टूबर 6–9, 2014। प्रा कानूनगो ने कार्यशाला में वक्तव्य पेश किया, **समुद्रतटवर्ती गुजरात एवं दक्षिण भारतीय महासागर**, भाप्रौस गाँधीनगर, जनवरी 19, 2015; **क्वाटेरनरी पर्यावरण बदलावों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: नई पहल एवं उभरती चुनौतियाँ**,

दिसम्बर 15–16, 2014।

प्रा शिवप्रिया किरुबाकरण को जाइडस-केडिल्ला अनुसंधान केंद्र (जेडआरसी) में प्रतिष्ठित रमणभाई फाउण्डेशन में व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया, अहमदाबाद, नवम्बर 19, 2014।

प्रा दिनेश कोर्जन ने व्याख्यान दिया, सासी प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी संस्थान की तरफ से **अभियांत्रिकी छात्रों के लिए डिजाइन विचार** पर एक कार्यशाला, ताडेपल्ल. गुडुम, आंध्र प्रदेश, मई 23–25, 2014; बीकेएमआईबीए में **प्रबंधन छात्रों के लिए डिजाइन** विचार पर पाठ्यक्रम (बीके मजूमदार प्रबंधन प्रशासन संस्थान), अहमदाबाद विवि दिसम्बर 2014 – अप्रैल 2015।

प्रा रीता कोठारी ने आमंत्रित वक्तव्य दिए, **भारत एक परिवर्तनशील श्रृंखला में भाषा के और उसके बारे में सवाल**, नेहरू स्मारक संग्रहालय, नई दिल्ली, अप्रैल 11, 2014; प्लेनरी वार्ता, **भाषा, नृविज्ञान एवं अनुवाद**, आलोचना सिद्धांत एवं आलोचनात्मक अनुप्रयोग संगोष्ठी, हैदराबाद केंद्रीय विवि, अप्रैल 22–23, 2014; **हिंग्लिश: अंग्रेजी का सामाजिक जीवन**, न्यू यॉर्क विवि, अबू ६ गाबी, मई 7, 2014। प्रा कोठारी आमंत्रित वक्ता भी रहीं, **पोस्ट-चटनीफाइंग अंग्रेजी: क्या हिंग्लिश एक रूपक है?** हिंग्लिश कार्यशाला, विकासशील सोसायटीस का केंद्र (सीएसडीएस), अगस्त 18–19, 2014; **सीमाओं के बिना यादें: पश्चिमी क्षेत्र में विभाजन**, ब्राउन विवि, अक्टूबर 6, 2014 और **क्या हिंग्लिश एक रूपक है?** बॉस्टन विवि, अक्टूबर 8, 2014; चंडीगढ़ साहित्य मेला, नवम्बर 2014।

प्रा सुरजीत कौर ने भाप्रौसं गुवाहाटी की राष्ट्रीय संगोष्ठी में **कम्प्यूटेटिव एलजेब्रा और एलजेब्राइक जियोमेट्री (सीएएजी 2015)** में एक वक्तव्य दिया, फरवरी 5–9, 2015।

प्रा जॉयसी मेकी ने व्याख्यान दिए, **उच्च प्रदर्शन में नवीनता (आईएचपी) में वैश्विक एसिक्रोनस स्थानीय सिनक्रोनस डिजाइन** के लिए इंटरफेसिंग उपाय, जर्मनी, मई 2015; कम लागत के उच्च प्रौद्योगिकी ऑटोमेशन प्रणाली (एलसीएचए) पर सीईपी पाठ्यक्रम के तहत **कम लागत ऑटोमेशन के लिए निहित प्रणालियां**, सितम्बर 2014; **प्रमुख संस्थानों में उच्च शिक्षा एवं भविष्य के संभावनाएं**, टेकफेस्ट फेलिसिफिक 2015, डीडीयू ना.

डियाड, मार्च 11, 2015; नेटवर्क ऑन चिप वास्तुकला वीएलएसआई सर्किट डिजाइन एवं समीक्षा (वीकेड) का अवलोकन, मारवाड़ी संस्थान, राजकोट, मार्च 19, 2015; **सिनक्रोनस सरकिट्स के समय के मुद्दे**, मारवाड़ी संस्थान, राजकोट, मार्च 19, 2015।

प्रा एस पी मेहरोत्रा ने मुख्य व्याख्यान दिया, **बी आर निज़ावन परिसंवाद**, भारतीय धातु संस्थान की वार्षिक तकनीकी बैठक के एक हिस्से में, पुणे, नवम्बर 12–15, 2014; गुजरात उत्पादन शो 2014 को दौरान **भारतीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण में वृद्धि एवं स्थिरता**, अहमदाबाद, सितम्बर 19–20, 2014।

प्रा मोना जी मेहता भाप्रसं अहमदाबाद शीतकाल विद्यालय के लिए **जन नीति एवं सामाजिक बदलाव** में अतिथि वक्ता रहीं, दिसम्बर 14–18, 2014।

प्रा कृष्ण प्रसाद मियापुरम उद्यमशीलता प्रबंधन पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत **उपभोक्ता न्यूरो. विज्ञान** नामक विशेष व्याख्यान दिया, भारतीय उद्यमशीलता विकास संस्थान, मार्च 2015; उन्होंने **पीजीडी-बीई के लिए इंटरनेट मार्केटिंग** पर एक अतिथि व्याख्यान भी दिया, भा. रतीय उद्यमशीलता विकास संस्थान, फरवरी 2015।

प्रा ज्योति मुखोपाध्याय ने 18वीं नासास प्लेनरी व्याख्यान दिया, **एयरस्पेस उद्योग के लिए उन्नत एलुमीनियम मिश्रधातु की फोर्मेबिलिटी एवं सुपरप्लास्टिसिटी पर वर्तमान परिदृश्य**, नागपुर, दिसम्बर 17, 2014; **ऑटोमेटिड अनुप्रयोग एनएमडी/भाप्रसं पुणे के लिए पर्यावरण अनुकूल एलुमीनियम मिश्रधातु का विकास करने की स्थिति**, चुनौतियां एवं अवसर, नवम्बर 15, 2014; उन्होंने एम्बियेंट तापमान पर एलुमीनियम मिश्रधातु 6061–T6 के लिए सीमित चित्र के निर्माण हेतु अवलोकन पर एक पेपर भी प्रस्तुत किया, ऑरलैंडो की टीएमएस सभा, फ्लोरिडा, संराअ, मार्च 18, 2015; **एयरस्पेस उद्योग में उपयोग में लाये एलुमीनियम लीथियम मिश्रधातु के फोर्मेबिलिटी विशेषीकरण**, मोंटरियरल में एसएमई, केनेडा, नवम्बर 14–20, 2014; **शास्त्री भवन में एलुमीनियम पर विशेष संदर्भ के साथ नॉन फेरस धातु संसाधनों पर एक सामान्य रिपोर्ट** भी प्रस्तुत की, खान मंत्रालय, भारत सरकार, अप्रैल 16, 2014।

प्रा के वी वी मूर्ती ने एप्लाइड गणित विभाग, एमएसयू

बड़ोदा में 5 दिवसीय **मॉडलिंग सप्ताह** की कार्यशाला में प्रतिभागियों को मुख्य संबोधन दिया, मार्च 17, 2015; भाप्रा. "सं गाँधीनगर में टीईक्यूआइपी प्रायोजित **एप्लाइड डिजिटल सिगनल प्रक्रिया** नामक लघु पाठ्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान दिये, दिसम्बर 8-11, 2015; एनएमएम प्रौद्योगिकी संस्थान, निट्टे, उडुपी जिला, कर्नाटक, दिसम्बर 17, 2015; भाप्रौसंराम (मैटी संस्थान), अहमदाबाद, अगस्त 8, 2014; **ध्वनि एवं भाषण सिगनल प्रक्रिया** पर एफडीपी, सबभाराप्रौसं के ईसी विभाग द्वारा आयोजित, सूरत, जुलाई 7, 2014।

प्रा नितिन पधियार ने आमंत्रित व्याख्यान दिए, **तकनीकी समारोह एजियोट्रोप में मॉडलिंग, सिमुलेशन, एवं ऑप्टिमाइजेशन रसायन अभियांत्रिकी की भूमिका**, राज. कीय अभियांत्रिकी विद्यालय, भारुज, मार्च 4, 2015; **उत्प.।द विकास में उभरते ट्रेंड**, पारुल प्रौद्योगिकी संस्थान, वडोदराय विद्युत अभियांत्रिकी में **उपकरण एवं अनुसंधान के ट्रेंड**, शंकरसिंह वाघेला बापू प्रौद्योगिकी संस्थान, गाँधीनगर, नवम्बर 25, 2014; **प्रक्रिया नियंत्रण: सिद्धांत, अनुप्रयोग एवं उन्नति**, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, जुलाई 7-8, 2014।

प्रा डी वी पाई ने आमंत्रित व्याख्यान दिये, **न्यूनीकरण समस्याओं के लिए गामा संकुचन एवं विस्कॉसिटी अनुमान पद्धति**, डिफ्रेंशियल समीकरण (एनपीडीई) पर राष्ट्रीय कार्यक्रम द्वारा प्रायोजित **बदलते आंकलन एवं ऑप्टिमाइजेशन** पर उच्च स्तरीय कार्यशाला, डीएसटी एवं एनबीएचएम, भाप्रौसं गाँधीनगर, मार्च 2-7, 2015; अनुमान सिद्धांत के तरीकों की ऑप्टिमल रिकवरी, मार्च 16, 2015।

प्रा सौराद्युति पॉल ने नेटवर्क की राष्ट्रीय कार्यशाला, **नेटवर्क एवं सूचना सुरक्षा** 2014 में एक वक्तव्य दिया, गुजरात।

प्रा नारण एम पिंडोरिया ने स्वायत्त शून्य ऊर्जा इमारतों के लिए **स्मार्ट सूक्ष्म ग्रिड्स पर राष्ट्रीय कार्यशाला में वितरित सौर पीवी उत्पादन के दूसरे वितरण नेटवर्क के इंटिग्रेशन** पर एक व्याख्यान दिया, भाप्रौसं मंडी, दि. सन्बर 14-15, 2014।

प्रा वी एन प्रभाकर ने व्याख्यान दिये, **चौतांग घाटी में हड़प्पन अध्ययन को फैलाने पर राव बहादुर के एन**

दीक्षित स्मारक व्याख्यान: कर्णपुरा खुदाई, हनुमानगढ़ जिला, राजस्थान, नृविज्ञान विभाग, विस्कॉसिन-मेडि. सन विश्वविद्यालय, संराअ, अक्टूबर 15, 2014; **हड़प्पन सभ्यता: दक्षिण एशिया की सबसे पुरानी सभ्यता**, दक्षिण एशियाई अध्ययन समिति द्वारा आयोजित येल मेकमिलन केंद्र, फरवरी 26, 2015; **दृशादवती नदी घाटी में तीसरी शताब्दी बीसीई के दौरान हड़प्पन सभ्यता के फैलाव को समझना: कर्णपुरा के हाल ही में हुई खुदाई, राजस्थान**, नृविज्ञान विभाग, पुरातत्व अध्ययन येल समिति येल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित फरवरी 27, 2015; **हड़प्पन सभ्यता: सबसे पुरानी दक्षिणी सभ्यता**, अहमदाबाद विज्ञान विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रंखला मार्च 20, 2015; अहमदाबाद विज्ञान विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रंखला मार्च 20, 2015 के तहत **हड़प्पन सभ्यता**, आईईटी विद्यालय, सीईपीटी परिसर, अहमदाबाद।

प्रा श्रीनिवास रेड्डी ने निम्न लिखित आमंत्रित व्याख्यान दिए — **भारत में स्वतंत्र कला और विज्ञान का भविष्य**, अशोक विवि, नई दिल्ली, मार्च 2015; **सीखे हुए को भूलना: ध्यान, दया और बुद्धिपूरक संगोष्ठी**, अहिम्सा केंद्र, पोमोना, सीए, नवम्बर 2014; **कला के माध्यम से करुणा का विकास** कंटेम्प्लेटिव अध्ययन के लिए अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद, दिमाग एवं जीवन, बॉस्टन, एमए, नवम्बर 2014; **ध्वन के माध्यम से संगठन: कंटेम्प्लेटिव प्रक्रिया के तौर पर भारतीय शास्त्रीय संगीत, मौसम भारतीय महासागर परियोजना**, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली, सितम्बर 2014; **भारतीय महासागर के घोड़े: सोलहवीं शताब्दी के दख्खन में घोड़ों का व्यापारय वायजेन्स डे लॉगो कर्सी**, यूनिवर्सिटी केटोलिका पोर्चुगेसा, लिस. बन, पुर्तगाल, मई 2014; **श्वेत जल पर सफेद ज्ञाग, वास्के डि गामा के प्रथम सफर का अनुवाद** भारत का अनुवाद, फेकुलडेड डे लेट्रास डा यूनिवर्सिडेड डे लिसबोआ, लिसबन, पुर्तगाल, अप्रैल 2014; एक स्त्रोत की तरह संस्कृत, न कि लक्ष्य की तरह।

प्रा अजंता सचान ने **तरलीकरण और संबंधित जमीन की समस्याओं को सुधारने के तरीकों** पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, **भूमि सुधार तकनीक एवं मृदा संरचना परस्पर क्रिया** पर एक लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम, बीवीएम विद्यालय, विद्यानगर, गुजरात, नवम्बर 17-21, 2014।

प्रा तन्निष्ठा सामंत ने आमंत्रित व्याख्यान दिए, **नियोजन विद्यालय के स्नातक छात्रों को मिश्रित अनुसंधान पद्ध**

ति, पर्यावरण एवं नियोजन प्रौद्योगिकी केंद्र (सीईपीटी), अहमदाबाद, मार्च 2015; **घरेलू प्रसंग, भारत के अधिका उम्र के वयस्कों की सामाजिक पूंजी और भला, कला एवं विज्ञान विद्यालय, सास्काचवान विवि, केनेडा, मई 20, 2014; जनसंख्या आयु संरचना क्यों महत्वपूर्ण है: भारतीय परिवेश की झलक**, जनगणना डाटा वितरण कार्यशाला, अहमदाबाद, गुजरात, दिसम्बर 15, 2014

प्रा सुदीप्ता सरकार ने **गुरुत्वाकर्षण के क्षेत्रीय सिद्धांत** के पहलुओं पर व्याख्यान दिया, आइआइएसईआर मोहाली, दिसम्बर 2014।

प्रा इंद्रनाथ सेनगुप्ता ने **गेलोइस सिद्धांत** पर इंस्ट्रक्शनल स्कूल ऑर लेक्चर्स (आइएसएल) में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, नांडेद में एसजीजीएस अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, महाराष्ट्र, दिसम्बर 1-13, 2014; वे उत्तर-पूर्वी हिल विश्वविद्यालय (नेहू) में **संकाय एवं अनुसंधान छात्रों के लिए एक उच्च विषय** पर यूजीसी एसएपी अतिथि रहे, शिलोंग, दिसम्बर 11-19, 2014 और **समकालीन गणित** पर यूजीसी सेप नेहू कार्यशाला एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी, उत्तर-पूर्वी हिल विश्वविद्यालय (नेहू), शिलोंग।

प्रा सुधांशु शर्मा ने एक मुख्य वक्तव्य दिया, **नेनोरसायन विज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में च्ज डोपड और च्ज वितरित CeO_2 में विद्युतरसायनिक अंतर**, सेम हिगिंग्स नबोट्टम संस्थान, इलाहाबाद, नवम्बर 11, 2014; **ऊर्जा के लिए पदार्थ, पर्यावरण एवं विद्युतरसायन अनुप्रयोग**, सीएसएमसीआरआइ भावनगर, नवम्बर 17, 2014; गुजरात फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साइबर मनोविज्ञान संगोष्ठी में साइबर मनोविज्ञान एवं प्राचीन बुद्धि मता, गाँधीनगर

प्रा बाबजी श्रीनिवासन ने **नियंत्रण एवं ऑप्टिमाइजेशन अनुसंधान समूह मल्टीवेरियेट नियंत्रण लूप प्रदर्शन अवलोकन** पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, प्राक्सेयर, सन्नी बफेलो, न्यू यॉर्क, जून 6, 2014। प्रा श्रीनिवासन इंस्ट्रूमेंटेशन एवं नियंत्रण (आरटीआईसी-2015) के हालही के ट्रेंड पर राष्ट्रीय सम्मेलन पर **डीएसटी-पर्स** के मुख्य वक्ता रहे, मार्च 13-14, 2015।

प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन ने मुख्य वक्तव्य दिया, **तेल एवं गैस उद्योग में सुरक्षा**, 5वीं विश्व सम्मेलन, ओक।

यामा, जापान, जून 8-11, 2014; **प्रक्रिया सुरक्षा पर वैश्विक शिखर वार्ता**, मुंबई, दिसम्बर 15-16, 2014; सु. रक्षा पर **2रा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**, अहमदाबाद, दिसम्बर 2-4, 2014; **एआईसीएचई वार्षिक बैठक**, एटलांटा, जीए, नवम्बर 16-21, 2014; **कठोर वातावरण में ऑपरेशंस इंटीग्रिटी के प्रबंधन एवं सुरक्षा पर कार्यशाला**, अक्टूबर 22-24, 2014, सेंट जोन्स, केनेडा, **प्रक्रिया सुरक्षा पर सीसीपीएस एशिया पैसिफिक की 8वीं क्षेत्रीय बैठक**, चेन्नई, सितम्बर 22, 2014; अभियांत्रिकी के 8वें राष्ट्रीय फ्रंटियर्स, भाप्रौस अहमदाबाद, सितम्बर 5-6, 2014; **स्थिरता** पर ट्रांस-एटलांटिक अनुसंधान एवं विकास बदलाव, इस्टेस पार्क, सीओ, संराअ, जून 3-6, 2014; **संज्ञानात्मक अभियांत्रिकी: मानव त्रुटियों के आधार खंडों की गणना**, भाप्रौस दिल्ली, मई 26, 2015; **निर्णय प्रक्रिया में मानव त्रुटियों के आधार खंडों की गणना**, एबीबी कॉरपोरेट अनुसंधान, बेंगलोर, अप्रैल 29, 2015; **निर्णय प्रक्रिया में मानव त्रुटियों के आधार खंडों की गणना**, विज्ञान केंद्र, नीति एवं प्रौद्योगिकी, बेंगलोर, अप्रैल 28, 2015; **संज्ञानात्मक अभियांत्रिकी: मानव त्रुटियों के आधार खंडों की गणना**, भाप्रौस हैदराबाद, अप्रैल 15, 2015; **धूल के विस्फोटों के पीछे का विज्ञान**, औद्योगिक एवं पर्यावरण अग्नि सुरक्षा की एक दिवसीय संगोष्ठी, फोरेंसिक विज्ञान, मुंबई, नवम्बर 17, 2014; **टेक्सट खनन के माध्यम से स्थिरता की औद्योगिक प्रक्रिया के टीजिंग औउट पैटर्न**, राजीव गाँधी पेट्रोल प्रौद्योगिकी संस्थान, राय बरेली, नवम्बर 12, 2014; संज्ञानात्मक अभियांत्रिकी: मानव त्रुटियों के आधार खंडों की गणना, भाप्रौस कानपुर, नवम्बर 11, 2014; **धूल के विस्फोटों के पीछे का विज्ञान**, अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला अग्नि सुरक्षा समिति बैठक, मुंबई, सितम्बर 30- अक्टूबर 1, 2014; **तेल एवं गैस उद्योग की तरफ अभिविन्यास: एक वैज्ञानिक - शिक्षक का दृष्टिकोण**, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विवि, गाँधीनगर, जून 19, 2014; **डेटा समीक्षा के माध्यम से जटिल प्रणालियों में मानव प्रभाव को डीकोड करना**, क्योटो विवि, जापान, जून 12, 2014; **नजर रखने वाले की आँखों में: जटिल प्रणाली पर मानव प्रभाव को डीकोड करना**; एबीबी कॉरपोरेट अनुसंधान, बेंगलोर भारत, मई 20, 2014।

प्रा मीरा मैरी सनी शिक्षा एवं जीवन पर्यन्त सीख के लिए संज्ञानात्मक विज्ञान के निहितार्थ पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की आमंत्रित वक्ता रहीं, मार्च 26, 2015।

प्रा प्राची थरेजा ने आमंत्रित व्याख्यान दिए, **पदार्थ विशेषीकरण के लिए उन्नत अवलोकनार्थ तकनीकें**, 89वां एसीएस कलिल परिसंवाद 2015, पिट्सबर्ग, संराअ, फरवरी 23–24, 2015; **पदार्थ विशेषीकरण के लिए उन्नत अवलोकनार्थ तकनीकें (एएटीएमसी 2015) सव. राप्रौसं सूरतय लियट्रोपिक हेक्सागोनल तरल क्रिस्टल में अणुओं की स्वतः एसेम्बली – अणु लोडिंग का प्रभ.** **व. फेंज ट्रांजीशन काइनेटिक्स एवं आकार**, 89वां एसीएस कलिल परिसंवाद 2015, पिट्सबर्ग, संराअ; **सर्फैक्टेंट सोखने वाले ठोस कांच की सतह पर तरल क्रिस्टल ओरिएंटेशन: एक वेट्टेबिलटी एवं ठोस सतही ऊर्जा** का अध्ययन, 89वां एसीएस कलिल परिसंवाद 2015, पिट्सबर्ग, संराअ

प्रा विजय थिरुवेण्कटम ने निरमा विवि में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, फार्मेकोलॉजी विभाग, अहमदाबाद, अप्रैल 16, 2014

प्रा जगमोहन त्यागी ने एक वक्तव्य दिया, पारुल अभियां. त्रकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लिम्डा, वडोदरा, जून 28, 2014; एप्लाइड गणित विभाग में **औद्योगिक समस्याएं**, प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी संकाय, एम एस विवि बड़ोदा, मार्च 18, 2015।

प्रा सिद्धार्थ वाई वाकणकर ने व्याख्यान दिया, मुंबई विवि में पांडुलिपिविज्ञान पर, पांडुलिपिविज्ञान डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संस्कृत विभाग, सितम्बर 20, 2014; रत्ना. गिरी के कोगटेजोगलेकर विद्यालय में पांडुलिपिविज्ञान कार्यशाला में **संस्कृत तथा उसके प्रभाव**, महाराष्ट्र, अगस्त 5–7, 2014; **महाराष्ट्र में पारंपरिक खेल एवं लोक खेलों** की कार्यशाला में एक शैक्षणिक सत्र तथा मुख्य वक्तव्य दिया, भारतीय इतिहास संकलन समिति द्वारा आयोजित, पुणे, दिसम्बर 27, 2014।

अन्य संकाय गतिविधियां

प्रा अमित अरोड़ा अभ्यागत विद्वान रहे, उत्तरी टेक्सस विश्वविद्यालय, डेंटन, मार्च–सितम्बर, 2014।

प्रा भास्कर दत्ता टीईक्यूआइपी गतिविधियों में लिप्त रहे।

प्रा प्रत्युष दयाल संस्थान प्रबंधन प्रणाली (आइएमएस) के प्रमुख रह चुके हैं। वे सूचना प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी सुविधा के संयोजक भी रहे।

प्रा निथिन वी जॉर्ज स्थानीय समन्वयक रहे, कार्यक्रम परामर्श समिति की 59वीं बैठक— गणित विज्ञान (विज्ञ. 1न एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकारय समन्वयक, **एप्लाइड सिग्नल प्रक्रिया** पर लघु पाठ्यक्रम दिसम्बर 8–12, 2014, टीईक्यूआइपी, भाप्रौसं गाँधीनगर।

प्रा सुधीर कु जैन ने इंडियास्पोरा संवाद नई दिल्ली में संरा–भारत के उज्जवल सहभागिता के नए विचारों को खोजने के लिए भाग लिया, नई दिल्ली, जनवरी 25, 2015। यह संवाद राष्ट्रपति ओबामा की नई दिल्ली यात्रा के पश्चात हुआ जहाँ वे गणतंत्र दिवस की परेड देखने आये थे, जनवरी 2015; उन्होंने **भाप्रौसं निदेशकों एवं सभासदों** की गोआ के मानव संसाधन मंत्री के साथ **रिट्रीट** में भी हिस्सा लिया, जून 2014; अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला इंक द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा फोरम और परामर्श बैठक, नई दिल्ली, नवम्बर 26, 2014। प्रा जैन भूकंप अभियांत्रिकी के राष्ट्रीय सूचना केंद्र की **राष्ट्रीय परामर्श समिति** में शरीक हुए, भाप्रौसं कानपुर, नवम्बर 27, 2014। प्रा जैन **आपदा बचाव अनुसंधान संस्थान** (डीपीआरआइ) के दौरे पर भी गए, क्योटो विवि, टोक्यो विवि का औद्योगिक विज्ञान संस्थान, भूकंप अनुसंधान संस्थान (ईआरआइ) एवं टोक्यो की रीको क.।

प्रा शिवकुमार जोलाड जटिल प्रणाली पर यूरोपियन सम्मेलन (ईसीसीएस)–2014 में भाग ले चुके हैं, लक्का, इटली, सितम्बर 2014। प्रा जोलाड नें उन्नत भारत अि. भयान के तहत पालज एवं बासन गांव में **जीवनस्तर, स्वास्थ्य और शिक्षा** पर कार्य कर चुके हैं; अहमदाबाद में प्रथम के द्वारा प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की सीखने के स्तर के अवलोकन के लिए एएसईआर–2014 सर्वेक्षण में भाप्रौसं गाँधीनगर छात्रों के साथ जुड़े; एनएनएमसीबी (गणित और गणनात्मक जैविकी के राष्ट्रीय नेटवर्क) के अंतर्गत **गणित और गणनात्मक जैविकी** परिसंवाद का आयोजन करवाया, पुणे।

प्रा मोहन सी जोशी बदलते अवलोकन और ऑप्टिमाइजेशन कार्यशाला के राष्ट्रीय समन्वयक थे, मार्च 2–8, 2015, भाप्रौसं गाँधीनगर ने डिफ्रेंशियल समीकरण (एनपीडीई, डीएसटी) पर राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन करवाया।

प्रा आलोक कुमार कानूनगो, ने पुरातत्व विज्ञान केंद्र (एएससी) के एक हिस्से दक्षिण एशिया के पुरातत्व में विज्ञान की पुस्तकसूची का ऑनलाइन टिप्पणलेखन शुरू किया, भाप्रौसं गाँधीनगर कोपिया में और उसके आसपास आधुनिक जैविक नमूने जमा करने के लिए क्षेत्रीय कार्य किया, जिला संत कबीरनगर, उत्तर प्रदेश, दिसम्बर 2014।

प्रा शर्मिष्ठा मजुमदार ने भाप्रौसं गाँधीनगर में गणित और गणनात्मक जैविकी पर एक एनएनएमसीबी परिसंवाद का आयोजन करवाया, मार्च 21–22 2015, गणित और गणनात्मक जैविकी के राष्ट्रीय नेटवर्क के अंतर्गत, पुणे जिसका भाप्रौसं गाँधीनगर एक सदस्य संस्थान है।

प्रा कृष्ण प्रसाद मियापुरम ने भाप्रौसं गाँधीनगर पदया. त्रिक्स नामक एक मस्तिष्क पर जोर देने वाले पेनल वार्ता का सह-आयोजन किया; पेनलिस्ट, **सड़क सुरक्षा पर संज्ञानात्मक दृष्टिकोण: एक प्रस्ताव**, राष्ट्रीय यातायात प्रौद्योगिकी सम्मेलन, अहमदाबाद, जनवरी 2015; **वक्ता एवं सदस्य**, सब-थीम की संयोजक टीम: **संज्ञानात्मक एवं सुरक्षा**, अभियांत्रिकी के 8वीं राष्ट्रीय फ्रंटियर्स, भ. प्रौसं गाँधीनगर, सितम्बर 2014; अधिस्नातक थीसिस परीक्षक, बर्ताव और संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, मई 2014।

प्रा ज्योति मुखोपाध्याय ने भारतीय धातु संस्थान की टीम के साथ मिलकर भारतीय धातु संस्थान के लिए **भारत में नॉनफेरस संसाधनों की आम अनुसंधान के लिए एलुम. नियम** पर एक पेपर तैयार किया जो खान मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव के समक्ष प्रस्तुत हुआ, अप्रैल 16, 2013।

प्रा के वी वी मूर्ती एक दो दिवसीय कार्यशाला में आमंत्रित थे: टीईक्यूआइपी- प् राष्ट्रीय परियोजना क्रिय. न्वयन इकाई द्वारा आयोजित सुशासन, **नेतृत्व एवं प्रबंधन कार्यशाला**, नई दिल्ली, अक्टूबर 14–15, 2014।

प्रा शंनमुगनाथन रमण ग्रीष्मकाल अनुसंधान अंतःशिक्षता कार्यक्रम (एसआरआइपी) के सनन्वयक रहे, भाप्रौसं गाँधीनगर। वे सूचना प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी सेवा के सदस्य

भी रहे, भाप्रौसं गाँधीनगर और भाप्रौसं गाँधीनगर पुस्तकालय समिति।

प्रा आर शरण ने **अभियांत्रिकी और जनतंत्र** पर एक 1–इकाई के पाठ्यक्रम का संचालन किया: भाप्रौसं हैदराबाद में **एक भारतीय अनिवार्यता**, मार्च 9–19, 2015। यह पाठ्यक्रम प्रा बिजौय बोरुआ, भाप्रौसं दिल्ली में दर्शनशास्त्र के प्राध्यापक और भाप्रौसं गाँधीनगर में अभ्यागत प्राध्यापक, ने साथ मिलकर दिया।

प्रा जगमोहन त्यागी ने **विभिन्नता पद्धति** पर एक सम्मेलन में भाग लिया, टीआइएफआर-केम, बेंगलूर दि. सन्बर 17, 2014: **हार्मोनिक समीक्षा, आइसीएमएटी में पीडी और जियोमेट्रिक मापन सिद्धांत**, मैट्रिड, जनवरी 12–16, 2015।

व्यावसायिक गतिविधियां

प्रा राजमोहन गाँधी की **नई पुस्तक का विमोचन**, गुज. रात के युवराज: युवराज गोपालदास दसाई की अद्भुत कहानी (1897–1951), एल्फ पुस्तक कम्पनी द्वारा प्रक. शित 7 जनवरी, 2015 को प्रमोचित हुई। पुस्तक के प्रमा. चन के साथ प्रा गाँधी, भाप्रौसं गाँधीनगर और **श्री आकार पटेल**, एक लेखक और कॉल्यूमनिस्ट के बीच वार्ता हुई।

प्रकाशन

पुस्तकें

दिवेकर मुकुंद एच एवं भाटे नितिन वी, ऊष्मा स्थान. इंटरण प्रयोगशाला: ओरिएण्टेशन, प्रोटोकॉल और डिजाइन मेथेडोलॉजी, मुंबई, इन:पेनराम अंतर्राष्ट्रीय संपादन (भारत) प्रा लि, 2014, आइएसबीएन: 9788187972907

गाँधी राजमोहन, गुजरात के राजकुमार: राजकुमार गोपालदास की एक अद्भुत कहानी: 1887–1951. नई दिल्ली, इन: एल्फ पुस्तक कम्पनी, 2014, आइएसबीएन: 9789383064069

अर्नपूर्णा रथ एवं **दास भास्करज्योति**, देवी: फोटो-काव्य के जरिए एक सफर। नई दिल्ली, इन: ऑथर्स प्रेस, 2014, आइएसबीएन: 9788172738372

रेड्डी श्रीनिवास (टीआर.), मालविकाग्निमित्रम: राजा (कालिदास) और नृत्यांगना. नई दिल्ली, इन: पेंगुइन बुक्स लि, 2014 (संस्कृत से अनुवादित), आइएसबीएन: 9780670086870

पुस्तक के पाठ

एल्लेन्डर एरिक एवं **दास बिरेस्वर**, जीरो नोलेज एवं सर्किट मिनिमाइजेशन, कम्प्यूटर विज्ञान में कक्षा पत्र, डी. ओआइ: 10-1007/9783662444658_3, खंड 8635, स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय संपादन, 2014, पीपी 25–32, आइएसबीएन: 9783662444641

डेनीनो मिशेल, रत्नाश्री: भारतीय पुरातत्व, कला साहित्य एवं इंडोलॉजी: की खुदाई में, डॉ एन आर बेनर्जी की याद में, सिंधु-सरस्वति सभ्यता की ऋतु एवं पर्यावरण, नई दिल्ली: कावेरी पुस्तकें, 2015, पीपी 39–47, आइएसबीएन: 9788174791641

दास बिरेस्वर, **इंदूरी मुरली कृष्ण *** और **रेड्डी विनोद कुमार**, "बाउण्डेड ट्री-विथ ग्राफ के लिए ग्राफ आइसोमोर्फिज्म के लागस्पेस और एफटीपी", में वालकोन:एल्लोरिदम और कम्प्यूटेशन में, डीओआइ: 10-1007/9783319156125_30, केम: स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय संपादन, 2015, पीपी 329–334, आइएसबीएन: 9783319156118

देब देब्रत, **दयाल प्रत्युष**, बालाजास एन्ना सी और कुकसेनोक ओल्गा, "अनुक्रियाशील तरल के मॉडल आध

ारित उत्प्रेरक रीकोन्फिगुरेशन और नर्देशित गतिशील", रसायन गूढ़ता की अभियांत्रिकी 2 में, डीओआइ: 10-1142/9789814616133_0009, जगत विज्ञान, 2014, पीपी 149–168, आइएसबीएन: 9789814616126

हलीम इसकंदर और **श्रीनिवासन राजगोपालन**, "बैच प्रासेस प्लांट की सततता में वृद्धि के लिए प्रक्रिया संश्लेषण प्रणालियाँ", पद संश्लेषण, डिजाइन और संसाधन इष्टतमी. करण बैच में संयंत्र रसायनिक द्रव्य, सीआरसी प्रेस, 2015, पीपी 151–183, आइएसबीएन: 9781482252415

जोगलेकर पी पी, **प्रभाकर वी एन** और मित्रा एस के, "कर्णपुर, हनुमानगढ़ जिले, राजस्थान: एक प्रारंभिक रिपोर्ट में प्रौढ़ हड़प्पन संदर्भ में पशु के अवशेष", भारत में सिंधु सभ्यता समुद्रवर्ती पुरातत्व पर नवीनतम अनुसंधान, में, दिल्ली: अगम कला प्रकाशन, 2015, पीपी 87–96, आइएसबीएन: 9788173201455

कनोजिया गगन, **मालिरेड्डी श्री रघु**, **चौधरी गुल्ल**, **पल्लि साइ** और **रमण शंमुगनाथन**, "किसने तस्वीर खींचा और कब?", विजुअल कम्प्यूटिंग में आधुनिकता में: 10-1007/9783319143644_42, केम: स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय संपादन, 2014, पीपी 438–447, आइएसबीएन: 9783319143637

किरुबाकरण शिवप्रिया और **थिरुवेण्कटम विजय**, "जैवऔषधि, रसायन विज्ञान और अभियांत्रिकी के विविध अनुप्रयोग", अनुसंधान की लघुपुस्तिका में, डीओआइ: 10-4018/978-1-4666-6363-3-ch001, IGI वैश्विक, 2014, आइएसबीएन: 9781466663633

कोठारी रीता, "निष्कर्ष से आरंभ तक: विभाजन के साथ मेरी यात्रा", विभाजन: एक लम्बी परछाई में, जुबान पुस्तकें, 2015, पीपी 31–47, आइएसबीएन: 9789383074778

मेहता मोना जी, "विभाजन के सपने, खंडित मातृभूमि: अमेरिका में गुजराती विस्तृत राजनीति", अधिकार पर परिचर्चा करते भारत में बहुलवाद एवं प्रजातंत्र में, न्यू यॉर्क: ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस, 2015, पीपी 327–345, आइएसबीएन: 9780195395532

मिश्रा अभिजीत, "लिपिड झिल्लियाँ में संरचनात्मक पि

रवर्तन: कोषिक-बेधी पेपटाइड के लिए प्रणाली”, प्लानर लिपिड द्विसतह और लाइपोसोम में प्रगति में, डीओआइ: 10-1016/B978-0-12-418699-6-00005-9, लण्डन: बर्लिंगटन, 2014, पीपी 103-137, आइएसबीएन: 9780124186996

मियापुरम कृष्ण प्रसाद, पमनानि उज्ज्वल; डोया केंजी और बापि राजू एस, “विशिओ-मोटर सीखने के दौरान मस्तिष्क के आंतरिक संबंध”, कम्प्यूटर विज्ञान में व्याख. 1 न पत्र में, डीओआइ: 10-1007/978-3-319-12637-1 5, खंड 8834, स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय संपादन, 2014, पीपी 35-41, आइएसबीएन: 9783319126364

पाई डी वी, “न्यूनीकरण समस्याओं के वेल-पोसेडनेस्स, नियमन और लसीलापन समाधान”, नानलीनियर समीक्षा: आंकलन सिद्धांत, अनुकूलन एवं अनुप्रयोग, डीओआइ: 10-1007/9788132218838_5, नई दिल्ली: स्प्रिंगर भारत, 2014, पीपी 135-164, आइएसबीएन: 9788132218821

शर्मा मनोज के एवं **मुखोपाध्याय ज्योति**, “एम्बिएंट तापमान में एल्युमिनियम मिश्रधातु 6061-T6 के लिमिट चित्र की समीक्षा”, लाइट मेटल 2015 में, डीओआइ: 10-1002/9781119093435-ch52, होबोकेन: जॉन विली एवं सन्स, इंक, 2015, पीपी 307-314, आइएसबीएन: 9781119082446

पत्रिका पत्र

आधि ए, **अपूर्व चैतन्य एन**, जबीर एम वी, सिंह रवीन्द्र पी एवं सामंता गौतम के, “सारे-आवधिक ध्रुवीय, उच्च-ऊज. विान, सतत-लहर, एकल-आवृत्ति की धुन बनाने वाला यूवी उद्गम”, प्रकाश विज्ञान पत्र, डीओआइ: 10.1364/OL-40-000033, खंड 40, क्रम1, पीपी 33-36, जनवरी 2015

आदित्य अरीफ, चेंग सियू फन, ली जोंगडा एवं **श्री. निवासन राजगोपालन**, “मानव कारकों अध्ययन के माध्यम से आपद् संकेत प्रबंधन तंत्र के प्रभाव परिमाणित करना”, कम्प्यूटर एवं रसायनिक अभियांत्रिकी, डीओआइ: 10.1016/j.bv.2014.03.013, खंड 67, पीपी 1-12, अगस्त 2014

अग्निहोत्रि ए, पाठक एस यू एवं **मुखोपाध्याय ज्योति**, “एल्यूमीनियम पिघलाते समय कोषिका वोल्टेज नाइस”, भारतीय धातु संस्थान की रिपोर्ट, डीओआइ: 10.1007/s12666-013-0348-5, खंड 67, क्रम 3, पीपी 275-283, जून 2014

अग्निहोत्रि ए, पाठक एस यू एवं **मुखोपाध्याय ज्योति**, “एल्यूमीनियम विद्युतलयन में वर्तमान क्षमता पर धातु पेड अस्थायित्व का प्रभाव”, भारतीय धातु संस्थान की रिपोर्ट, डीओआइ: 10-1007/s12666-013-0349-4, खंड 67, क्रम 3, पीपी 315-323, जून 2014

अग्निहोत्रि हर्ष, पलकोल्लु वीरभद्र एवं **कन्वाह श्री. राम**, “मीथाइल के स्थान पर नाइट्रो डीफिनाइलब्यूटाड. ीन का चुनिंदा फोटोआइसोमराइजेशन”, फोटोकेमेस्ट्री एवं फोटोजैविकी क की पत्रिका: रसायन विज्ञान, डीओआइ: 10-1016/j-jphotochem-2014-07-019, खंड 293, पीपी 40-49, अगस्त 2014

एलेक्स टी सी, कुमार राकेश, रॉय एस के एवं **मेहरोत्रा एस पी**, “गिब्ससाइट में यांत्रिक पद्धति से प्रवृत्त किया पुनर्सक्रियता: भाग 1. प्लेनेटरी मिलिंग”, चूर्ण प्रौद्योगिकी, डीओआइ: 10-1016/j-powtec-2014-05-028, खंड 264, पीपी 105-113, सितम्बर 2014

एलेक्स टी सी, कुमार राकेश, रॉ. एस के एवं **मेहरोत्रा एस पी**, “गिब्ससाइट में यांत्रिक पद्धति से प्रवृत्त किया पुनर्सक्रियता: भाग 2. एट्रीशन मिलिंग”, चूर्ण प्रौद्योगिकी, डीओआइ: 10-1016/j-powtec-2014-05-029, खंड 264, पीपी 229-235, सितम्बर 2014

अली अहमद फराग एवं **मजुमदर बरुन**, “ब्रह्माण्ड विज्ञ. 1 न की तरफ न्यूनतम लंबाई और अधिकतम ऊर्जा के साथ”, शास्त्रीय एवं क्वांटम गुरुत्वाकर्षण, डीओआइ: 10-1088/0264&9381/31/21/215007, खंड 31, क्रम 21, नवम्बर 2014

अली अहमद फराग, फैजल मीर एवं **मजुमदर बरुन**, “गुरुत्वाकर्षण के इंद्रधनुश के ब्लेक होल में एक पर्याप्त क्षितिज की कमी”, ईपीएल (यूरोफिजिक्स पत्र), डीओआइ: 10-1209/0295&5075/109/20001, खंड 109, क्रम 2, जन. वरी 2015

अली हैदर, मिश्रा विमल एवं पाई डी एस, “भारत के शहरी इलाके में देखी गयी और अनुमानित अत्यधिक वर्षा की घटनाएं”, भूभौतिकीय अनुसंधान की पत्रिका: वायुमंडल, डीओआइ: 10-1002/2014 JD022264, खंड 119, क्रम 22, पीपी 12621-12641, नवम्बर 2014

अपूर्व चैतन्य एन, **आधि ए**, सिंह रवीन्द्र पी एवं सामंता

गौतम के, "उच्च ऊर्जा की टाइप-1 की दोगुनी-आवृत्ति विशेषताएं, मोटे बीबो क्रिस्टल में बहुत तेज फाइबर ले. सर", ऑप्टिक्स पत्र, डीओआइ: 10-1364/OL-39-005419, खंड 39, क्रम 18, पीपी 5419-5422, अगस्त 2014

बासु धीमन, कॉन्सटेन्टीनो माइकल सी एवं व्हिटाकर एन्ड्रू एस, "संरजनओं के टार्शनल जमीनी कंपन के समानांतर दुर्घटनाग्रस्त इसेन्ट्रिसिटी", अभियांत्रिकी संरचनाएं, डी. ओआइ: 10-1016/j-engstruct-2014-02-038, खंड 69, पीपी 1-11, जून 2014

बाबा नुपुर, **जैन विक्रान्त**, शेखर शशांक, कुमार नीरज एवं जयंति विकास, "रूपात्मक विविधता और धारा ऊर्जा के स्वरूप की भूमिका पर नियंत्रण, यमुना नदी, दक्षिण भारत", जिओमोर्फोलॉजी, डीओआइ: 10-1016/j-geomorph-2014-05-016, खंड 227, पीपी 60-72, दिसम्बर 2014

बेहरा चित्ता रंजन, **श्रीनिवासन बाबाजी**, चंद्रन कार्तिक एवं वेण्कटसुब्रमणियन वेण्कट, "न्यूनतम नाइट्रस ऑक्साइड के साथ ऊर्जा पूरक जैविक नाइट्रीफिकेशन पद्धति के मॉडल के लिए पूर्वानुमानित नियंत्रण", रसायनिक अभियांत्रिकी पत्रिका, डीओआइ: 10-1016/j-cej-2015-01-044, जनवरी 2015

भारद्वाज अदित एवं **रमण शंमुगनाथन**, "ऑगमेन्टेड लेगरेंज मल्टीप्लायर (एएलएम) के उपयोग से रोबस्ट पीसीए-आधारित घोल को निर्मित करना", दि विजुअल कम्प्यूटर, डीओआइ: 10-1007/s00371-015-1075-1, जनवरी 2015

भार्गव अतुल, ल्यूबोस्की मेक्सिम एवं दिक्षित मारमरु, "एलपीजी आधारित पीईएम ईंधन प्रकोष्ठ तंत्र-1 में ईंधन विविधता का प्रबंधन: थर्मोडायनामिक सिमुलेशन", हाइड्रोजन ऊर्जा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डीओआइ: 10-1016/j-ijhydene-2014-08-068, खंड 39, क्रम 30, पीपी 17231-17239, अक्टूबर 2014

भट्टाचारजी श्रीजित एवं मजुमदार पार्थसारथी, "गुरुत्वाकर्षण कोलमेन-वीनबर्ग क्षमता एवं उसकी सीमित तापमान प्रतिस्थानी", परमाणु भौतिकी ख, डीओआइ: 10-1016/j-nuclphysb-2014-05-031, खंड 885, पीपी 481-492, जून 2014

भट्टाचारजी श्रीजित एवं **सरकार सुदीप्ता**, "रिडलर क्षितिज के लिए भौतिक प्रक्रिया प्रथम नियम और कौस्टिक अवायडेंस", भौतिक समीक्षा घ, डीओआइ: 10-1103/PhysRevD-91-024024, खंड 91, क्रम 2, जनवरी 2015

भट्टाचार्या कौशिक, चक्रवर्ती जॉयदीप, दास सुरतना एवं **मोंडल तनमय**, "बाइसेप2 और प्लेक धूल पोलेराइजेशन डाटा के पश्चात हिग्स निर्वात स्थिरता और स्फीतिकार डायनेमिक्स", ब्रह्माण्ड विज्ञान एवं एस्ट्रोपार्टिकल भौतिकी की पत्रिका, डीओआइ: 10-1088/1475&7516/2014/12/001, खंड 2014, क्रम12, दिसम्बर 2014

भूरिया निडाल आर एवं **सचान अजंता**, "सीमेंट-उपचा. रित स्लरी-एकत्रित कोमल मृदा के खिंचाव से जुटे बर्ताव का अपरूपण बल एवं स्थिर दर", वर्तमान विज्ञान, खंड 106, दव 7, पीपी 972-979, अप्रैल 2014

चोपड़ा ए, **पाण्डा एमिला**, किम वाइ, अर्रेडोण्डो एम एवं हे. रिस डी, "LaO-7SrO-3MnO3 नीचे के इलेक्ट्रोड पर इपिटै. क्सयल फेरोइलेक्ट्रिक Pb(Mg1/3Nb2/3)O3-PbTiO3 पतली फिल्म", इलेक्ट्रोसेरामिक्स पत्रिका, डीओआइ: 10-1007/s10832-014-9936-y, खंड 32, क्रम4, पीपी 404-408, जून 2014

दालवी समीर वी एवं **जोशी जिगनेश आर**, "तरल माध्यम में सूक्ष्मबुलबुले के घुलने की मॉडलिंग", कोलॉयड एवं इंटरफेस विज्ञान पत्रिका, डीओआइ: 10-1016/j-jcis-2014-09-044, खंड 437, पीपी 259-269, अक्टूबर 2014

डैनीनो मिशेल, "सरस्वती से गंगा तक", सांघि: विज्ञान एवं विरासत पहलों की पत्रिका, खंड 1, क्रम1, पीपी 32-35, फरवरी 2015

दास सुदीप्ता, **बालसुकुरी नरेश**, **प्रसीथा ई केसवना** एवं **गुप्ता इति**, "डिसफंक्शनाइज्ड एन-कनपयूज्ड पो. रफाइरिन: संश्लेषण, फ्लूरोसेंस, और विद्युतरसायनिक अध्ययन", रसायन विज्ञान की आस्ट्रेलियाई पत्रिका, डी. ओआइ: 10-1071/CH14383, नवम्बर 2014

दयाल प्रत्युष, कुकसेनोक ओल्गा एवं बालाज एन्ना सी, "सक्रिय, स्वदोलायमान जेल के साथ प्रकाश की गतिविधि को दिशा देना", मेक्रोमोलिक्यूल, डीओआइ: 10-1021/ma402430b, खंड 47, क्रम 10, पीपी 3231-3242, मई 2014

देब देबब्रता, कुकसेनको ओल्गा, **दयाल प्रत्युष** एवं बालाज एन्ना सी, "घूमती हुई पॉलीमर जेल की एसेम्बली से स्वघ. ूर्णित पिनव्हील निर्मित करना", पदार्थ क्षितिज, डीओआइ: 10-1039/C3MH00083D, खंड 1, क्रम. 1, पीपी. 125–132, 2014

डेन्समोर एलेकजेण्डर एल, सिन्हा राजीव, सिन्हा स्वा. ति, टंडन एस के एवं **जैन विक्रांत**, "हिमालय पिगीबैंक तलहटी पर तलछट और निवारण तथा अनुप्रवाह नदी के आकारिकी और उत्पत्ति का असर", तलहटी अनुसंधान, डीओआइ: 10-1111/bre-12116, मार्च 2015

डेसेंटिस एमी एस, एडम एम्मा के, हॉकली लूईस सी, कुडीलका ब्रिजेट एम एवं केसिओप्पो जॉन टी, "डाइअ. रनल कोर्टिसोल लय में जातीय एवं संजातीय अंतर: क्या वे समय के साथ बने हुए हैं?", साइकोसोमेटिक औषधि, डीओआइ: 10-1097/PSY-0000000000000131, खंड 77, क्रम 1, पीपी 6–15, जनवरी 2015

धारा अनुलेखा एवं लक डिन्ह, "लीनियर परिवर्तन संबंधी समस्याओं की एक निवारण पद्धति", वैश्विक अनुकूलन पत्रिका, डीओआइ: 10-1007/s10898-013-0095-5, खंड 59, क्रम 4, पीपी 729–756, अगस्त 2014

धूरिया मानसी, **हति चंदन**, रंगराजन, राघवन एवं सरकार उत्तपल, "सुपरस्ट्रिंग प्रभावित ई6 मॉडल में सीएमएस ईइ. 'जेजे एवं ईधपीटीजेजे की अधिकता का व्यवरण", भौतिक समीक्षा घ, डीओआइ: 10-1103/PhysRevD-91-055010, खंड 91, क्रम 5, मार्च 2015

दीक्षित मर्म, **फुलपागरे योगेश**, **शुक्ला जले**, **बस. रकर प्रतीक**, **पारिख ध्रुपद**, **जैन रजत** एवं **भाग. व अतुल**, "हाइड्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साइड एवं हाइ. ड्रोकार्बन सुरक्षा के ईंधन कोषिका तंत्र का डिजाइन", हाइड्रोजन ऊर्जा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डीओआइ: 10-1016/j-ijhydene-2014-08-094, खंड 39, क्रम 31, पीपी 17929–17940, अक्टूबर 2014

दत्ता अनिरबन, **लहरी उत्तमा**, दास अभिजीत, निट्शे माइकल ए एवं गुइरॉड डेविड "बहु-सतही इलेक्ट्रोथेरेपी के अंतर्गत सदमा-पश्चात संतुलन: एक वैचारिक सम. ीक्षा", न्यूरोविज्ञान के सीमान्त क्षेत्र, डीओआइ: 10-3389/fnins-2014-00403, खंड 8, दिसम्बर 2014

द्विवेदी गौरव, "अनिश्चित भार के साथ बाइहारमोनिक तंत्र के लिए घोल", डिफ्रेंशियल समीकरण और अनुप्रयोग, डीओआइ:10-7153/dea-06-29, खंड 6, क्रम 4, पीपी 495–516, सितम्बर 2014

द्विवेदी विनय एवं **दामोदर मुरली**, "अलग अलग पैमाने के पंखों के मानवरहित वायुयान की कम्प्यूटेशनल एयरो. मिकेनिक्स और नौचालन", वायुयान पत्रिका, डीओआइ: 10-2514/1-C033102, मार्च 2015

एचेम्पती रघु, लेब्लांक नाथन मार्शल, साहू अंकिता, एवं दानी थियोडोरे पॉल, "तुरंत-वापसी यांत्रिकी की पुनःयात्रा", शिक्षण में कम्प्यूटर पत्रिका, खंड 24, क्रम 2, अप्रैल-जून, 2014

इस्केंडरी एम, मोहतादी-बोनब एम ए, बासु आर, निज. कत एम, कर्मणपुर ए, स्जुपुनार जे ए, **नाहर श्रेयांस** एवं बाघपनाह ए एच "मार्टिनसिट से ऑस्टेनाइट बदलाव के समय नेनो/अतिसूक्ष्म-ग्रेन्ड 316एल स्टेनलेस इस्पात में मुख्य क्रिस्टेलोग्राफिक अभिविन्यास", पदार्थ अभियां. त्रकी एवं प्रदर्शन पत्रिका, डीओआइ: 10-1007/s11665-014-1340-0, खंड 24, क्रम 2, पीपी 644–653, फरवरी 2015

फुलपागरे योगेश एवं **भार्गव अतुल**, "डेटा केंद्र ऊष्मा प्रबंधन में प्रगति", नवीनीकरण योग्य एवं धारणीय ऊर्जा समीक्षा, डीओआइ: 10-1016/j-rser-2014-11-056, खंड 43, पीपी 981–996, मार्च 2015

गल्लूस जेनिफर, **जुवले कपिल** एवं वीज माइकल, "3-मिथोक्सी प्लेवोन विशेषीकरण के एबीसीजी2 के साथ पारस्पर क्रिया, जैसा कि एटीपी गतिविधि में संकेत है", बायोकिमिका इट बायोफिसिका एक्टा (बीबीए) – बाया. मेमब्रेन, डीओआइ: 10-1016/j-bbamem-2014-08-003, खंड 1838, क्रम 11, पीपी 2929–2938, नवम्बर 2014

गंगवार भानु प्रताप, **पलकोल्लु वीरभद्रइया**, **सिंह अर्चना**, **कन्वाह श्रीराम** एवं **शर्मा सुधाशु**, "अग्नि से संश्लेषित एलए203 एवं एलए(ओएच)3: नोवेनेगल एवं हेन्टज प्रतिक्रियाओं के प्रति पुनःचक्रित किया जा सकने वाली कैटेलिटिक क्रिया", आसएससी प्रगति, डी. ओआइ: 10-1039/C4RA08353A, खंड 4, क्रम 98, पीपी 55407–55416, अक्टूबर 2014

गराहिनी रेमो एवं **मजुमदर बरुण**, "गुरुत्वाकर्षण के इंद्रध

ानुष में विद्युत तथा चुंबकीय मोनोपोल”, परमाणु भौतिकी ख, डीओआइ: 10-1016/j-nuclphysb-2014-04-005, खंड 883, पीपी 598–614, जून 2014

गराट्टिनी रेमो एवं **मजुमदर बरुण**, “विकृत गुरुत्वाकर्षण में नेकेड सिंगुलेरिटी एकल नहीं है”, परमाणु भौतिकी ख, डीओआइ: 10-1016/j-nuclphysb-2014-04-014, खंड 884, पीपी 125–141, जुलाई 2014

गवसणे रितु*, अर्धपुरकर पी एम एवं अत्रे एम डी, “बेनेडि. क्ट-वेब-रूबिन स्थिति समीकरण के इस्तेमाल से आर्गन की ऊष्मा-भौतिकी विशेषताओं की पूर्वसूचना”, भारतीय क्रायोजेनिक्स पत्रिका, डीओआइ: 10-5958/2349&2120-2014-00828-0, खंड 39, क्रम 1, पीपी 207–212, अक्टूबर 2014

घाटगे स्वपनिल वी*, पेंग जेंगबिआयो, साथे मयूर जे, डोरोडची एल्हम, **पध्मिआर नितिन**, मोघतादेरी बेहदाद, जोशी ज्येशथराज बी एवं इवान जाफरी एम, “ठोस-तरल फ्लूडाइज बेड में स्थिरता की समीक्षा: प्रयोगात्मक एवं कम्प्यूटेशनल”, रसायन अभियांत्रिकी पत्रिका, डीओआइ: 10-1016/j-cej-2014-06-026, खंड 256, पीपी 169-186, जुलाई 2014

घोष दत्ता शोहिनी, रिनॉल्ड्स क्रिस्टोफर, गौड़ **युगेन्द्र के*** एवं **दत्ता भास्कर**, “गुआइन युक्त डीएनए और योयो-1 का पारस्परिक क्रिया”, जैवअणु संरचना और डायनामिक्स पत्रिका, डीओआइ: 10-1080/07391102-2013-807752, खंड 32, क्रम 7, पीपी 1155–1163, जुलाई 2014

गुप्ता इति एवं **प्रसीथा ई केसवणा***, “कार्बोजोल ने बो. रोन डाइपाइरोमीथेन का स्थान लिया”, डेल्टन रिपोर्ट, डीओआइ: 10-1039/C4DT01160K, खंड 43, क्रम 32, पीपी 12405–12413, जून 2014

गुप्ता इति, **बालसुकुरी नरेश*** एवं **दास सुदिप्ता***, “कार्बा. जोल-कोरोले एवं कार्बाजोल-प्रोफाइरिन डायड: संश्लेषण, फ्लूरोसेंस एवं विद्युतरसायनिक अध्ययन”, रसायन विज्ञान की नया पत्रिका, डीओआइ: 10-1039/C4NJ01086H, खंड 39, क्रम 1, पीपी 482–491, अक्टूबर 2014

जैन दीपक, **मुखर्जी अभिजीत** एवं क्वात्रा नवीन, “फाइ. बर रीइंफोर्सड पॉलीमर गठनों में सीलन के फैलाव का स्थायीय माइक्रोयांत्रिकी”, ऊष्मा और मास स्थानांतरण

की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डीओआइ: 10-1016/j-ijheatmasstransfer-2014-04-031, खंड 76, पीपी 199–209, सितम्बर 2014

जैन सुधीर कु एवं ब्रेजेव स्वेतलाना, “भारत में भूकंप रोधी और धारणीय इमारतों के निर्माण प्रथाओं का प्रसार”, केनेडियन सिविल अभियंता, स्प्रिंग 2015, पीपी 29–32, 2015.

कलगा दिनेश वी*, धार अनु, **दालवी समीर वी** एवं जोशी ज्येशथराज बी, “ठोस-तरल फ्लूडाइज बेड में कण-तरल मास स्थानांतरण”, रसायनिक अभियांत्रिकी पत्रिका, डीओआइ: 10-1016/j-cej-2014-02-038, खंड 245, क्रम 1, पीपी 323–341, जून 2014

कन्नन एस, घोष सुबिमल, **मिश्रा विमल** एवं सालवी कौस्तुभ, “सांख्यिकी डाउनस्केलिंग में बहु डेटा उपयोग से अनिश्चित परिणाम”, भूभौतिकी अनुसंधान पत्र, डीओआइ: 10-1002/2014GL060089, खंड 41, क्रम 11, जून 2014

करदे विक्रम* एवं **घोरोइ चिन्मय**, “फार्मस्यूटिकल से निकले चूर्ण की वेट्टेबिलिटी और सतही ऊर्जा की विशेषता पर सतह के बदलावों का प्रभाव”, अंतर्राष्ट्रीय फार्मास्यूटिक्स पत्रिका, डीओआइ: 10-1016/j-ijpharm-2014-09-002, खंड 475, क्रम 1, पीपी 351–363, नवम्बर 2014

कौर जसमीत, **नंदी डी के***, अरोड़ा बिंदिया एवं **साहू बी के***, “अलकालाइ-धातु अणु और एलकालाइन-भू-धातु आयन की विशेषता के एक उचित अनुमान के लिए उनकी लम्बी परस्पर क्रिया”, भौतिकी समीक्षा क, डी. ओआइ: 10-1103/PhysRevA-91-012705, खंड 91, क्रम 1, जनवरी 2015

रीता कोठारी (अनु.), “अग्रहारामनी बिलाडी [दिलीप कुमार द्वारा तमिल कथा], शब्दसृष्टि, खंड 2, पीपी 35–41, फरवरी 2015

कोठारी रीता, “जख्मी जिंदगियां: नंदिता भवनानी द्वारा देखा गया सिंधी हिन्दुओं का विभाजन के बाद का जीवन”, हिमल दक्षिण भारत एशिया: राजनीति एवं संस्कृति की एक समीक्षात्मक पत्रिका, खंड 27, क्रम 4, पीपी 278–291, दिसम्बर 2014

कोठारी रीता, “बन्नी पर छात्रवृत्ति”, आर्थिक व राजनी.

तिक साप्ताहिक, खंड 49, क्रम 21, पीपी 5, मई 2014

कृष्णमूर्ति शंकरजी, पेरोट्टी लुइगी ई, बोरगस्ट्रोम निल्स पी, अजिजोला ओल्यूजिमी ए, फ्रिड एन्ना, पोन्नालुरी आदित्य वी, वीस जेम्स एन, क्यू झिलिन, क्लुग विलियम एस, एन्सिस डेनियल बी एवं गारफिंकल एलन, "हृदयसंबंधी वेन्ट्रीक्यूलर इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी के मॉडलिंग के लिए सिमुलेशन पद्धति एवं वेलिडेशन", प्लॉस वन, डीओआइ: 10.1371/पत्रिका.pone.0114494, खंड 9, क्रम 12, दिसम्बर 2014

कुमार देवाशीष, **मिश्रा विमल** एवं गांगुली औरूप आर, "सीएमआईपी5 पर्यावरण मॉडल में उग्र हवा का आकलन", पर्यावरण डायनामिक्स, डीओआइ: 10-1007/s00382&014&2306&2, सितम्बर 2014

कुमार मनीष, **गायेन कल्याण** एवं **सैनी सुप्रीत**, "प्राथमिक जांच के आधार से पता चलता है कि क्लॉसट्रीडियम एसिटोब्यूटाइलिकम बाह्य तनाव में उसकी उपापचयी कार्यप्रणाली को बदलता है", मौलीक्यूलर बायोसिसटम्स, डीओआइ: 10-1039/C4MB00126E, खंड 10, क्रम 8, पीपी 2090–2105, मई 2014

कुमार मनीष, राय दुर्गेश सी एवं **जैन सुधीर कु**, "मेसनरी-इनफिल्ड रीइनफर्सड कांक्रिट खांचे में लचीलेपन को कम करने वाले कारक", भूकंप स्पेक्ट्रा, डीओआइ: 10-1193/110512EQS322M, खंड 31, क्रम 1, पीपी 339–365, फरवरी 2015

कुमार नीरज, **मंजली जयसन ए** एवं **सी मीरा मेरी**, "क्रिया-प्रभाव जांच और आकर्षण के बीच संबंध", प्रयोगात्मक मनोविज्ञान पत्रिका: सामान्य, डीओआइ: 10-1037/Uge0000032, खंड 144, क्रम 1, पीपी 18–23, फरवरी 2015

कुमार राकेश, **जैन विक्रान्त**, बाबू जी प्रसाद एवं सिन्हा रा. जीव, "कोसी मेगाफन का संपर्क संरचना और रेल-सड़क यातायात संपर्क की भूमिका", जिओमोर्फोलॉजी, डीओआइ: 10-1016/j-geomorph-2014-04-031, खंड 227, पीपी 73–86, दिसम्बर 2014

कुरिआकोसे सेलविआ एवं **लाहिडी उत्तमा**, "ऑटिज्म के साथ किशोरों में एक आभासी वास्तविकता आधारित प्रणाली के साथ बातचीत के मनोवैज्ञानिक शारीरिक नि

हतार्थ को समझना: एक व्यवहार्यता अध्ययन", न्यूरल तंत्र और पुनर्वास अभियांत्रिकी पर एक आईईईई रिपोर्ट, डीओआइ: 10-1109/TNSRE-2015-2393891, जनवरी 2015

लस्कर फजलूल आइ एवं पल्लमराजु डुगिराला, "क्या मेसोस्फीयर थर्मोस्फीयर तंत्र में अकस्मात स्ट्रेटा-स्फीयर चेतावनी से मेरिडियनल सर्कुलेशन होता है?", भूभौतिकी अनुसंधान पत्रिका: अंतरिक्ष भौतिकी, डीओआइ: 10-1002/2014JA020086, खंड 119, क्रम 12, पीपी 10133–10143, दिसम्बर 2014

लस्कर फजलूल आइ, पल्लमराजु डुगिराला एवं वीणाधारी भास्करा, "वातावरण की खड़ी युग्मन: अकस्मात स्ट्रेटा-स्फीरिक चेतावनी और सौर गतिविधि के ऊपर निर्भरता", धरती, ग्रह एवं अंतरिक्ष, डीओआइ: 10-1186/1880-5981-66-94, खंड 66, क्रम 1, अगस्त 2014

लस्कर फजलूल आइ, पल्लमराजु डुगिराला, वीणाधारी भास्करा, विजया लक्ष्मी टी, रेड्डी एम अंजी एवं चक्रवर्ती सुप्रिया, "थर्मोस्फीयर में गुरुत्वाकर्षण की तरंगें: सौर गतिविधि पर निर्भरता", अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि, डी. ओआइ: 10-1016/j-asr-2014-12-040, खंड 55, क्रम 6, पीपी 1651–1659, जनवरी 2015

लियू वान तेय आदिथ्य अरीफ एवं **श्रीनिवासन रा. जगोपालन**, "प्रोसेस उद्दोग में स्थिरता प्रवृत्तियाँ: एक खनन-आधारित विश्लेषण", उद्दोग में कम्प्यूटर, डीओआइ: 10-1016/j-compind-2014-01-004, खंड 35, क्रम 3, अप्रैल 2014

मल्लाजोसयुला साइराम एस, वानोम्मेसलाइघे केन्नो एवं मेककेरेल एलेक्जेंडर डी, "हिमनिरोध ग्लाइकोप्रोटीन में हिमनिरोध क्रिया के लिए लंबी दूरी के जल गतिकी में गड़बड़ी", भौतिक रसायन विज्ञान पत्रिका, डीओआइ: 10-1021/jp508128d, खंड 118, क्रम 40, पीपी 11696–11706, सितम्बर 2014

मानवानी कृष्ण एवं **पाण्डा एमिला**, "हेक्सा-पेरी हेक्साब. जोकोरोनि और क्युप्रिक ऑक्साइड के बीच अंतराफलक निर्माण की थर्मोडायनामिक्स", पतली ठोस फिल्म, डी. ओआइ: 10-1016/j-tsf-2015-01-032, खंड 577, पीपी 6–10, फरवरी 2015

मिश्रा विमल, गांगुली औरूप आर, नीजस्सेन बार्ट एवं

लेट्टनमायर डेन्निस पी, "वैश्विक शहरी क्षेत्रों में देखे गए मौसमी बदलाव", पर्यावरण अनुसंधान पत्र, डीओआइ: 10-1088/1748-9326/10/2/024005, खंड 10, क्रम 2, फरवरी 2015

मिश्रा विमल, कुमार देवाशीष, गांगुली औरुप आर, संजय जे, मुजुमदार मिलिंद, कृष्णन आर एवं **शाह रीपल**, "भारत में क्षेत्रीय और वैश्विक मौसमी मॉडल की सापेक्षता को अवक्षेपण अधिकता में परीक्षण करने के लिए", भूभौतिकी अनुसंधान पत्रिका: वायुमंडल, डी. ओआइ: 10-1002/2014JD021636, खंड 119, क्रम 15, पीपी 9301–9323, जुलाई 2014

मिश्रा विमल, **शाह रीपल** एवं श्रेषर ब्रिजेट, "भारत में पूर्वव्यापी और पूर्वानुमानित जलवायु में मृदा नमी में सूखा", हाइड्रोमेटिरोलॉजी पत्रिका, डीओआइ: 10-1175/JHM-D-13-0177-1, खंड 15, क्रम 6, पीपी 2267–2292, दिसम्बर 2014

मिश्रा कृष्ण जी, यादव राम आर एवं **मिश्रा संध्या**, "पश्चिमी हिमालय, भारत के ट्री-रिंग नेटवर्क के आधार पर 1660ई. से सतलज नदी के बहाव परिवर्तन", क्वाटरनरी अंतर्राष्ट्रीय, डीओआइ: 10-1016/j-quaint-2015-01-015, मार्च 2015

मूडी डस्टिन, **पॉल सौराद्युति** एवं स्मिथ-टोन डेनियल, "जेच मोड के लिए बेहतर डिफ्रेंशिएबिलिटी सुरक्षित", डिजाइन, कोड एवं गूढ़लेखन, डीओआइ: 10-1007/s10623-015-0047-9, फरवरी 2015

मुखर्जी पायल सी एवं **रथ अर्नपूर्णा**, "डिजायर एंड डि. क्लासे: हमारी महिला एलिस भट्ट का शरीर एवं धर्म", इंडिवनी: तुलनात्मक साहित्य पत्रिका हैदराबाद विश्वविद्यालय, खंड VI, जनवरी 2015

मुखर्जी पायल सी, **नरगुंडकर मैथिली** एवं **मंजली जयसन ए**, "नए एवं पुराने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के बीच पूर्वानुमानित जीवन-संतुष्टि में पैसे की प्रमुखता में बढ़ोतरी", मनोविज्ञान अध्ययन, डीओआइ: 10-1007/s12646-014-0259-5, खंड 59, क्रम 2, पीपी 191–196, जून 2014

मुखर्जी सुमितवा, श्रीनिवासन नारायण एवं मंजली जयसन ए, "वैश्विक प्रक्रिया दान को धर्मादा अपील निहित

अभिविन्यास की तरफ प्रोत्साहित करता है", संज्ञानात्मक प्रक्रिया, डीओआइ: 10-1007/s10339-014-0602-8, खंड 15, क्रम 3, पीपी 391–396, अगस्त 2014

मुखोपाध्याय द्युतिमान, "विजुअल सौंदर्यशास्त्र के आर्क. टाइप में न्यूरो-फिलोसॉफी: प्लेटो और जाकी और उनके आगे तक", मनोकला, दिसम्बर 2014

मूथा प्रतीक के एवं हालेंड केथलीन वाई, "मोटर नियंत्रण के संज्ञानात्मक पहलू", कोर्टेक्स, डीओआइ: 10-1016/j-cortex-2014-03-001, खंड 57, पीपी 299–300, अगस्त 2014

मूथा प्रतीक के, स्टेप्र ली एच, सैनबर्ग, रॉबर्ट एल एवं हालेंड केथलीन वाई, "कार्य बदलाव में फ्रन्टल और पेरीटल कोर्टेक्स का योगदान", कोर्टेक्स, डीओआइ: 10-1016/j-cortex-2014-03-005, खंड 57, पीपी 38–50, अगस्त 2014

नंदी डी के एवं **साहू बी के**, "आयन क्लाक्स में वाइबी. 171 के क्वाड्रिपोल शिफ्ट: प्रयोग बनाम सिद्धांत", भौतिकी समीक्षा क – परमाणु, आणविक, एवं प्रकाशकीय भौतिकी, डीओआइ: 10-1103/PhysRevA-90-050503, खंड 90, no 5, नवम्बर 2014

नंदी डी के एवं **साहू बी के**, "एस्ट्रोफिजिकली सा. र्थक Zn II, Si IV एवं Ti IV आयन में रेडिएटिव विशेषताओं और समान रूप से बदलने वाले संवेदनशील गुणांक की तुलनात्मक गणना", शाही खगोलीय समाज की मासिक सूचनाएं, डीओआइ: 10-1093/mnras/stu2707, खंड 447, क्रम 4, पीपी 3812–3823, जनवरी 2015

पहलाजनी चेतन डी, सन जिआंक्सिन, पोउलाकाकिस आयोआनिस एवं टेन्नर हर्बर्ट जी, "आणविक जांच में संभावित त्रुटि की अधिकतम सीमा: नियंत्रित गतिशीलता में परिशुद्धता को सुधारना", ऑटोमेटिका, डीओआइ: 10-1016/j-automatica-2014-08-025, खंड 50, क्रम 10, पीपी 2470–2481, अक्टूबर 2014

पहलाजनी चेतन डी, सन जिआंक्सिन, पोउलाकाकिस आयोआनिस एवं टेन्नर हर्बर्ट जी, "पोएरसन प्रक्रिया प्रेक्षण के साथ असमान निर्णय नीतियों के लिए प्रदर्शन की अधिकतम सीमा", तंत्र एवं नियंत्रण पत्र, डीओआइ: 10-1016/j-sysconle-2014-11-006, खंड 75, पीपी 69–76, जनवरी 2015

पाई डी वी, "नियत केंद्रीय संस्थाओं और न्यूनीकरण के

लिए गाढ़ेपन का आंकलन – पुनः देखना”, गणित के छात्र, खंड 83, क्रम 1–4, पीपी 53–72, 2014

पलकोल्लु वीरभद्रइया* एवं **कन्वाह श्रीराम**, “ए-सायनो. स्टिबीन आधारित फ्लूरोफोर: एकत्रीकरण से बढ़ा हुआ उत्सर्जन, पीएच प्रभाव और सोल्वेटोक्रोमिज्म”, रसायन विज्ञान की नयी पत्रिका, डीओआइ: 10-1039/C4NJ01103A, खंड 38, दव 12, पीपी 5736–5746, दिसम्बर 2014

पलकोल्लु वीरभद्रइया* एवं **कन्वाह श्रीराम**, “डाइफिना. इलोफीन-कोलेस्ट्रॉल संयुग्मी होता है जब माइक्रोहेटेरोजी. नियस माध्यम के लिए फ्लूरोसेंट 7 की तरह डाइफिना. इलपोलीपीन-कॉलेस्ट्रॉल संयुग्म करता है”, फोटोरसायन एवं फोटोजैविकी पत्रिका: रसायन विज्ञान, डीओआइ: 10-1016/j-jphotochem-2014-02-013, खंड 281, पीपी 18–26, मई 2014

पांचाल कार्तिक सी* एवं कंचन सुमित, “फार्मूले छात्र वाहन में आयतन क्षमता और ठंडे बहाव का अध्ययन”, अभियांत्रिकी में तकनीकी अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, खंड 2, क्रम 7, मार्च 2015

पापलाल बानोथ, नागाराजू एस, **पलकोल्लु वीरभद्रइया***, सुजाथा कोडम, **कन्वाह श्रीराम**, बी विजय कुमार एवं काशीनाथ धुर्के, “सामान्य तापवान पर पुनःचक्रित योग्य बीआइ2डब्लू06-नेनोपार्टिकल मेडिएटड वन-पॉट बहुघ. टक प्रतिक्रिया”, आरएससी अग्रिम, डीओआइ: 10-1039/C4RA07708C, खंड 4, क्रम 97, पीपी 54168–54174, अक्टूबर 2014

पटेल नरेन्द्र* एवं **पथिआर नितिन**, “बॉक्स गूढ़ पद्धति से परिवर्तित जेनेटिक अलगोरिदम: उपयुक्त नियंत्रण संस्थाओं में अनुप्रयोग”, प्रक्रिया नियंत्रण पत्रिका, डी. ओआइ: 10-1016/j-jprocont-2015-01-001, खंड 26, पीपी 35–50, फरवरी 2015

पटेल प्रशान्त*, मृधा एस एवं बेकर टी एन, “सतही कवच जो एसआइसी को मइक्रोएलॉय स्टील का उपयोग टी. आइजी पद्धति में उपयोग करता है उसपर बचाने वाली गैसों का प्रभाव”, पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डीओआइ: 10-1179/1743284 713Y-0000000481, खंड 30, क्रम 12, पीपी 1506–1514, अक्टूबर 2014

पटवर्धन अपूर्व*, **पाटीदार रोहन*** एवं जॉर्ज निथिन वी,

“प्रतिसूचना तंत्र पहचान की तरफ एक कुकू खोज इष्टतम. ीकरण उपमार्ग”, डिजिटल सिगनलिंग प्रक्रिया, डीओआइ: 10-1016/j-dsp-2014-05-008, खंड 32, पीपी 156–163, सितम्बर 2014

पेंग झेंगबियाओ, दोरुडची एल्हम, साथे मयूर, **जोशी जेयेशथराज बी**, इवान्स, जाफरी एम एवं मोघतादेरी बे. हदाद, “संख्यात्मक रूप से समुलेटेड एग्रीगेट्स के सतही क्षेत्र के आंकलन की पद्धति”, उन्नत चूर्ण प्रौद्योगिकी, डीओआइ: 10-1016/j-apt-2014-08-005, खंड 26, क्रम 1, पीपी 56–65, जनवरी 2015

पेंग झेंगबियाओ, **घाटगे स्वपनिल वी***, दोरुडची एल्हम, जोशी जेयेशथराज बी, इवान्स जाफरी एम एवं मोघतादेरी बेहदाद, “ठोस-तरल फ्लूइडाइस्ड बीईडी में एक अणु पर लगने वाली शक्ति”, रसायन अभियांत्रिकी विज्ञान, डीओआइ: 10-1016/j-ces-2014-04-040, खंड 116, पीपी 49–70, सितम्बर 2014

प्रभाकर वी एन एवं मजीद जसीरा सी, “कर्णपूरण की खुदाई के प्राथमिक परिणाम, हनुमानगढ़ जिले में एक हड़प्पन सभ्यता”, मानव एवं पर्यावरण, खंड 39, क्रम 2, पीपी 13–41, 2014

प्रशान्त अभित एवं पेनुमदु दयाकर, “मृदा में ओवरकंलो. लिडेशन एवं इंटरमीडियेट प्रमुख तनाव के लिए अनकप. ल्लड द्विकटोर मॉडल”, एक्टा जियोटेकनिया, डीओआइ: 10-1007/s11440-015-0377-9, मार्च 2015

रहाइम मेह्र, **रेड्डी श्रीनिवास** एवं क्रिसटेनसेन लार्स, “संस्कृति संगीत-सिद्धांत परंपरा में अधिकार, आलोचना, एवं संशोधन: स्वर-मेला-कलानिधि को पुनःपढ़ना”, एशियाई संगीत, डीओआइ: 10-1353/amu-2015-0001, खंड 46, क्रम 1 (शीतकाल/सावन 2015), जनवरी 2015

रजनी एम बी, “नालंदा के भूतकाल का एक अंतरिक्ष दृष्य”, समाचारपत्र, अंतर्राष्ट्रीय एशियाई अध्ययन संस्थान, क्रम 69, पीपी 14–15, अगस्त 2014

रानी शिवानी* एवं **प्रशान्त अभित**, “नानलीनियर मृदा में धंसे हुए लेटरली लोडेड मोनोपाइल के लिए लीनियर स्प्रंगर कॉन्स्टेंट का आंकलन”, जियोयांत्रिक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, डीओआइ: 10-1061/(ASCE)GM-1943&5622-0000441, अगस्त 2014

रथ अर्नपूर्णा, "धूल में [कविता]", नयी अंग्रेजी समीक्षा, नवम्बर 2014

रेड्डी श्रीनिवास, "कृष्णदेवरया के अमुक्तमल्यदा से एक अछूत भक्त की कहानी", सागर: एक दक्षिण एशियाई अनुसंधान पत्रिका, खंड 22, पीपी 2-41, 2014

रॉय आर्को एवं डी अंगोम, "फ्लक्चुएशन— एवं संयोजन— अंधेरे एकल एवं बायनरी कंडन्सेट्स में अस्थिरता", भौतिकी समीक्षा, डीओआइ: 10-1103/PhysRevA-90-023612, खंड 90, क्रम 2, अगस्त 2014

सहाय अरविंद, **मुखर्जी सुमितवा** एवं देवानी प्रेम प्रकाश, "भारतीय बाजार में उत्पाद के गट्टरों पर जहाज माल भाड़े पर शुल्क में छूट फ्रेमिंग्स: भार की वृद्धि और रिफरेंस पर आधारित मॉडल की जांच", भारतीय उद्योग अनुसंधान पत्रिका, डीओआइ: 10-1108/JIBR&05&2014&0026, खंड 7, क्रम 1, 2015

सामंता तन्निष्ठा, चेन फीनियन एवं वन्नेमन रीव, "भारत में अधिक उम्र के वयस्कों के रहने के तरीके एवं स्वास्थ्य", जिरोन्टोलॉजी श्रृंखला ख की पत्रिका: मनोविज्ञान एवं समाजशास्त्र, डीओआइ: 10-1093/geronb/gbu164, दिसम्बर 2014

सरलेगना फेब्रीस आर एवं **मूथा प्रतीक के**, "ऑनलाइन गति नियंत्रण पर देखेजाने वाले लक्ष्य की जानकारी का असर", दृष्टि अनुसंधान, डीओआइ: 10-1016/j-vis-res-2014-07-001, जुलाई 2014

सरमाह अभिषेक एवं **मुखोपाध्याय ज्योति**, "एलुमीनियम मिश्रधातु से बने वाहन पुर्जों का टूटना: एक समीक्षा", भाप्र. सं. धातु समाचार, खंड 18, क्रम 1, फरवरी 2015

सक्सेना कृष्ण कुमार एवं **मुखोपाध्याय ज्योति**, "एलुमीनियम फोम: यातायात उद्योग के लिए एक हल्का संरचना पदार्थ", भाप्रसं धातु समाचार, खंड 17, क्रम 5, अक्टूबर 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "पांचवीं लीगो विज्ञान दौड़ के डेटा पर लगातार गुरुत्वाकर्षण तरंगों के लिए एक हूग खोज करने वाली एप्लिकेशन", शास्त्रीय एवं क्वांटम गुरुत्वाकर्षण, डीओआइ: 10-1088/0264&9381/31/8/085014, खंड 31, क्रम 8, अप्रैल 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "लीगो-वर्गो गुरुत्वाकर्षण तरंग डिटेक्टर की लौकिक स्ट्रिंग के दबाव", भौतिकी समीक्षा पत्र, डीओआइ: 10-1103/PhysRevLett-112-131101, खंड 112, क्रम 13, अप्रैल 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "जानकार पल्सर की गुरुत्वाकर्षण तरंगों: आरंभिक डिटेक्टर युग के परिणाम", The Astrophysical पत्रिका, डीओआइ: 10-1088/0004-637X/785/2/119, खंड 785, क्रम 2, पीपी 119, अप्रैल 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "वर्गो वीएसआर1 डेटा में लग. त्वा गुरुत्वाकर्षण तरंगों के लिए एफ-स्टेटिक पूरा-आ. काश खोज को लागू करना", शास्त्रीय एवं क्वांटम गुरुत्वाकर्षण, डीओआइ: 10-1088/0264&9381/31/16/165014, खंड 31, क्रम 16, अगस्त 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "स्टोकेस्टिक गुरुत्वाकर्षण पर उन्नत ऊपरी दर — लीगो एवं वर्गो डेटा का 2009–2010 तरंग बेकग्राउंड", भौतिकी समीक्षा पत्र, डीओआइ: 10-1103/PhysRevLett-113-231101, खंड 113, क्रम 23, दिसम्बर 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "जिओ 600, लीगो एवं वर्गो डिटेक्टरों की मदद से गुरुत्वाकर्षण तरंगों के लिए खोज की पद्धति एवं परिणाम", भौतिकी समीक्षा घ, डीओआइ: 10-1103/PhysRevD-89-122004, खंड 89, क्रम 12, जून 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "गुरुत्वाकर्षण तरंगों एवं उच्च-ऊर्जा न्यूट्रिनोस के स्रोत की मल्टीमेसेन्जर खोज: लीगो वर्गो एवं आइसक्यूब के आरंभिक परिणाम", भौतिकी समीक्षा घ, डीओआइ: 10-1103/PhysRevD-90-102002, खंड 90, क्रम 10, जून 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "दूसरी लीगो-वर्गो संयुक्त विज्ञान दौड़ के डेटा में बीच के मास ब्लेक होल बाइनरीज से गुरुत्वाकर्षण रेडिएशन की खोज", भौतिकी समीक्षा घ, डीओआइ: 10-1103/PhysRevD-89-122003, खंड 89, क्रम 12, जून 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "2005–2010 से लीगो-वर्गो डेटा में व्यग्र बीच के मास ब्लेक होल से गुरुत्वाकर्षण तरंगों की खोज", भौतिकी समीक्षा घ, डीओआइ: 10-1103/PhysRevD-89-102006, खंड 89, क्रम 10, मई 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "ग्रहों के बीच के नेटवर्क द्वारा खोजे गए ऋतु-तरंग से जुड़े हुए गुरुत्वाकर्षण तरंगों की खोज", भौतिकी समीक्षा पत्र, डीओआइ: 10-1103/PhysRev-Lett-113-011102, खंड 113, क्रम 1, जून 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "निन्जा-2 परियोजना: सांख्यिकी बाइनरी ब्लेक होल सिमुलेशन की मदद से गुरुत्वाकर्षण तरंगों का चरित्रचित्रण एवं खोज", शास्त्रीय एवं क्वांटम गुरुत्वाकर्षण, डीओआइ: 10-1088/0264&9381/31/11/115004, खंड 31, क्रम 11, मई 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "वर्गो वीएसआर4 डेटा में क्रेब एवं वेला पल्सर से निरंतर गुरुत्वाकर्षण-तरंग सिग्नल की कम-बेण्ड की खोज", भौतिकी समीक्षा घ, डीओआइ: 10-1103/PhysRevD-91-022004, खंड 91, क्रम 2, जनवरी 2015

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "आरंभिक लीगो डेटा के साथ स्कार्पियस X-1 से गुरुत्वाकर्षण तरंगों की निर्देशित खोज", भौतिकी समीक्षा घ, डीओआइ: 10-1103/PhysRevD-91-062008, खंड 91, क्रम 6, मार्च 2015

शाह रीपल एवं **मिश्रा विमल**, "भारत के लिए एक रीयल टाइम अकाल को नापने का प्रयोग का विकास", हाइड्रो. मेटेरोलॉजी पत्रिका, डीओआइ: 10-1175/JHM-D-14-0041-1, खंड 16, क्रम 1, फरवरी 2015

शाह रीपल एवं **मिश्रा विमल**, "भारत में बारिश के मौसम में सूखे के उत्पादों का आंकलन", हाइड्रोमेटेरोलॉजी पत्रिका, डीओआइ: 10-1175/JHM-D-13-0103-1, खंड 15, क्रम 4, अगस्त 2014

शाह श्रीधर के, तन्नेर हर्बर्ट जी एवं **पहलजानी चेतन जी**, "स्टोकेस्टिक डायनामिक्स के साथ उचित नौचालन", नियंत्रण तंत्र प्रौद्योगिकी के आईईईई पत्र, डीओआइ: 10-1109/TCST-2015-2389275, जनवरी 2015

सिंघा रत्तनदीप, गुप्ता संदीप, **रमण शंभुगनाथन**, चक्रवर्ती प्रद्युत, शर्मा पुनीत, शर्मा राकेश कुमार, ब्राउन लैरी सी, वी जियाओहुआ एवं प्लापल्ली आनंद, "इंपीरिकल डेटा के साथ फाइनाइट वॉल्यूम मॉडल की मदद से ट्रीटमेंट वेटलैंड की हाइड्रोडायनामिक्स की तुलनात्मक समीक्षा", जल उपचार एवं विलवलीकरण, डीओआइ: 10-1080/19443994-2014-957957, सितम्बर 2014

सिन्हा आर, श्रीप्रियंका के, **जैन विक्रान्त**, मुकुल, मलय, मूर्ती सी वी आर एवं बंसल दिपांशु, "पूर्वी बिहार (भारत) एवं नेपाल में कोसी नदी का एवल्शन थ्रेशहोल्ड एवं प्लेनफार्म डायनामिक्स: एक जीआइएस फ्रेमवर्क", जियोमोर्फोलॉजी, डीओआइ: 10-1016/j-geomorph-2014-03-035, खंड 26, पीपी 157-170, अप्रैल 2014

शिवनरेश सत्या एम एवं **मोहापात्र निहार रंजन**, "ग. ट-फर्स्ट एचकेएमजी एनएमओएस ट्रांजिस्टर्स में मैरो चौड़ाई की मॉडलिंग एवं जांच", आणविक यंत्रों पर आइ. ईईई पत्र, डीओआइ: 10-1109/TED-2015-2398870, मार्च 2015

स्पिन्नर टिम, **श्रीनिवासन बाबजी** एवं रेंगास्वामी रघुनाथन, "प्रोपोर्शनल-इंटीग्रल (पीआई) नियंत्रक की डेटा आधारित स्वचालित जांच एवं इटरेक्टिव ट्यूनिंग", नियंत्रण अभियांत्रिकी प्रेक्टिस, डीओआइ: 10-1016/j-coneng-prac-2014-03-005, खंड 29, पीपी 23-41, अगस्त 2014

श्रीनिवासन बाबजी, नल्लाशिवम उलगनाथन एवं रेंग. त्स्वामि रघुनाथन, "लीनियर बंद लूप तंत्र में ऑप्टिक. लेशन जांच की एक एकीकृत दृष्टिकोण", रासाय. निक अभियांत्रिकी अनुसंधान एवं डिजाइन, डीओआइ: 10-1016/j-cherd-2014-07-004, खंड 93, पीपी 483-495, जनवरी 2015

श्रीवास्तव गौरव एवं **शाह हर्ष एल**, "राजगीरी संरचनाओं में सीलन की मॉडलिंग: चांदखेड़ा में संरचनाओं का एक अध्ययन, अहमदाबाद", सिविल एवं संरचना अभियांत्रिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, खंड 1, क्रम 4, दिसम्बर 2014

सुब्रमणियन चंद्रशेखरन एवं कनगराज राघवन, "ग्रिड वे. रियेबल की प्रीफिल्टर्ड सिनक्रोनस रिफरेंस फ्रेम पीएलएल की मदद से रेपिड ट्रेकिंग", यंत्रीकरण एवं मापन पर आईईईई रिपोर्ट, डीओआइ: 10-1109/TIM-2014-2366275, क्रम 99, नवम्बर 2014

सुथर कुलदीप, **रॉय आर्को** एवं डी अंगोम, "परमाणु बोसटू आइन्सटाइन कंडेनसेट में वॉर्टेक्स-अवरोध से अकूस्टिक रे. डिफ्रैक्शन", भौतिकी ख पत्रिका: परमाणु, आणविक एवं ऑप्टिकल भौतिकी, डीओआइ: 10.1088/0953-4075/47/13/135301, खंड 47, क्रम 13, जुलाई 2014

स्वीनी सिनबाद, बेरहानु डेबोराह, **मिश्रा सुपर्व के**, थोर्ले

एंड्रू जे, वलसामी-जोन्स, यूजेनिया एवं टेटली टेरेसा, "ज. वसक्रियता के साथ आरंभिक मानव पल्मोनरी एल्वियोलर कोषिका की महत्वपूर्ण निर्धारक के रूप में बहु-दीवार वाली कार्बन नैनोट्यूब लंबाई", कार्बन, डीओआइ: 10-1016/j-carbon-2014-06-033, खंड 78, पीपी 26-37, नवम्बर 2014

थिरुवेण्कटम विजय, शेन कियांग एवं वॉग जिया-हाई, "न्यूरल रिसेप्टर्स में हॉर्शू समीकरण की पूर्वसूचना: डि. सकेम आइसोफोर्म", एक्टा क्रिस्टोग्राफिका खंड क, डी. ओआइ: 10-1107/S2053273314084952, खंड 70, क्रम क1, अगस्त 2014

थोरट अल्पना अंकुश एवं **दालवी समीर वी**, "कुरकुमिन पॉलीमॉर्फ में भंडारण स्थिरता एवं ठोस-स्थिति फेज परिवर्तन", क्रिस्टल वृद्धि एवं डिजाइन, डीओआइ: 10-1021/cg501814q, खंड 15, क्रम 4, पीपी 1757-1770, फरवरी 2015

थोरट अल्पना अंकुश एवं **दालवी समीर वी**, "तरल घुलन अवरोधक अवक्षेपण के दौरान अल्ट्रासाउंड एवं एडी. टिव द्वारा चालू किया कुरकुमिन का कण बनने का तरीका एवं पॉलीमोर्फिज्म", क्रिस्टइंजकोम, डीओआइ: 10-1039/C4CE02021A, खंड 16, क्रम 48, पीपी 11102-11114, अक्टूबर 2014

थोरट अल्पना अंकुश, **यादव मनीषकुमार डी** एवं **दालवी समीर वी**, "एक कमजोर जल में घुलने वाले ड्रग के सूक्ष्म कणों के एक्वस ससपेंशन की स्थिरता के लिए साधारण तरीका", लेगमुडर, डीओआइ: 10-1021/la500825j, खंड 30, क्रम. 16, पीपी 4576-4592, अप्रैल 2014

तोमर गौरव एवं मोहंती शुभेन्द्र, "गॉज्ड तिरक्षे सिमेट्रिकल ढांचे में एएमएस-02 पर मुओन एनोमलस चुंबकीय पल एवं पोसीट्रोन की अधिकता", उच्च ऊर्जा भौतिकी की पत्रिका, डीओआइ: 10-1007/JHEP11(2014)133, खंड 2014, क्रम 11, नवम्बर 2014

त्यागी जगमोहन, "हाइसबर्ग समूह पर एकल सेमीली. नियर दीर्घस्वृत्ताकार समीकरण के लिए नॉनट्रीवियल साधन", नॉनलीनियर जांच में प्रबुद्धता, डीओआइ: 10-1515/anona-2013-0027, खंड 3, क्रम 2, मई 2014

उपाध्याय अभिषेक एवं **चक्रवर्ती अरुण लाल**, "ला. इन आकार के मीथेन उपलब्धि के लिए 1650एनएम

लेजर डायोड के फेज क्वाड्राचर आवृत्ति पर रेजिडुअल एमिलिट्यूड मॉड्यूलेशन तरीका", आइईईई संवेदक पत्रिका, डीओआइ: 10-1109/JSEN-2014-2358714, खंड 15, क्रम 2, पीपी1153-1160, फरवरी 2015

उपहम चेस्टर, डर्क एलन आर, **शर्मा सुधांशु**, मेइटू हो. रया एवं मेकफारलेंड एरिक डब्लू, "रू-डोण्ड सेरिया द्वारा ब्2 मीथेनेशन: सतह के ऑक्सीकरण स्थिति की भूमिक", कंटेलिसिस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डीओआइ: 10-1039/C4CY01106F, जनवरी 2015

वो थी, वेण्कटसुब्रमणियन वेण्कट, कुमार सनत, **श्री निवासन बाबजी**, पाल सुचेतन, झांग युगांग एवं गांग ओलेग, "डीएनए का स्टोकायोमेट्रिक नियंत्रण -कलिल स्वतः-एसेम्बली द्वारा बना", संयुक्त राज्य अमेरिका (पीएनएएस) की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की प्रोसीडिंग्स, डीओआइ: 10-1073/pnas-1420907112, खंड 112, क्रम 16, पीपी 4982-4987, मार्च 2015

वोलमर सेबेस्चियन, हार्टगेन केन्नेथ, **सुब्रमणियम मालविका ए**, फिनले जोसिलिनय क्लासेन स्टीफन एवं सुब्रमणियन एस वी, "आर्थिक वृद्धि एवं शुरू के बाल्यावस्था पोषण में संबंध - लेखक का उत्तर", दि लानसेट ग्लोबल हेल्थ, डीओआइ: 10-1016/S2214-109X(14)70380-8, खंड 3, क्रम 2, पीपी e81, फरवरी 2015

वोलमर सेबेस्चियन, हार्टगेन केन्नेथ, **सुब्रमणियम मालविका ए**, फिनले जोसिलिनय क्लासेन स्टीफन एवं सुब्रमणियन एस वी, "आर्थिक वृद्धि एवं शुरू के बाल्यावस्था कमपोषण में संबंध: 36 कम-आमदनी एवं मध्यम आमदनी देशों से 121 जनसंख्यिकी एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण", दि लानसेट ग्लो. बल हेल्थ, डीओआइ: 10-1016/S2214-109X(14)70025-7, खंड 2, क्रम 4, पीपी e225-e234, अप्रैल 2014

वोलमर सेबेस्चियन, हार्टगेन केन्नेथ, **सुब्रमणियम माल. विका ए**, फिनले जोसिलिनय क्लासेन स्टीफन एवं सुब्रमणियन एस वी, आर्थिक वृद्धि एवं शुरू के बाल्यावस्था पोषण में संबंध - लेखक का उत्तर", दि लानसेट ग्लोबल हेल्थ, डीओआइ: 10-1016/S2214-109X(14)70268-2, खंड 2, क्रम 9, पीपी e501-e502, सितम्बर 2014

शू शुचाओ, आधित्या अरीफ एवं **श्रीनिवासन राजगोपालन**, "प्रत्याशित चेतावनी के लिए हाइब्रिड मॉडल आधारित फ्रेमवर्क", औद्योगिक एवं अभियांत्रिकी रसायन अनुसंधान,

डीओआइ: 10-1021/ie4014953, खंड 53, क्रम 13, पीपी 5182-5193, अप्रैल 2014

जोउ जिंग, हन्नुला मार्क्स, **मिश्रा सुपर्व**, फेंग हाओ, लेब्राडोर रोबर्टो हनोइ, औला एण्टि एस, हट्टिनेन जारि एवं पिक्को इलमारी, "चूहे में ट्रांसिमपेनिक इंजेक्शन के बाद उसके बीच तथा अंदरूनी कान में चांदी सूक्ष्मकणों का माइक्रो सीटी विजुएलाइजेशन", नैनोजैवप्रौद्योगिकी पत्रिका, डीओआइ: 10-1186/s12951-015-0065-9, खंड 13, क्रम 1, जनवरी 2015

संगोष्ठी पत्र

आधि ए, अपूर्व चैतन्य एन, सिंह रवीन्द्र पी एवं साम. ता गौतम कुमार, "सारे समयाविधि पर केंद्रित क्रिस्टल्स पर आधारित निरंतर-तरंगें, उच्च ऊर्जा, एकल-आवृत्ति, ट्यूनेबल अल्ट्रावायलट संसाधन", फाइबर ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स पर 12वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, आइएन, दिसम्बर 13-16, 2014

अग्रवाल ऐश्वर्या एवं **रमण शंमुगनाथन**, "टोन मैपिंग एचडीआस चित्रों के लिए एक नॉवल एलबीपी आधारित ऑपरेटर", सिग्नल प्रक्रिया एवं संचार पर 10वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (एसपीकॉम-2014), भारतीय विज्ञान संस्थान (आ. इआइएससी) बेंगलोर, आइएन, जुलाई 22-25, 2014

अली हैदर एवं **मिश्रा विमल**, "भारत के महत्वपूर्ण शहरी क्षेत्रों के लिए सब-डेली इंटेसिटी ड्रूशन आवृत्ति का विकास", 2014 एजीयू फॉल बैठक, सैन फ्रैंसिस्को, संरा, दिसम्बर 15-19, 2014

अंगिरा दीक्षी एवं **थिरुवेण्कटम विजय**, "अलजाइमर रोग के लिए प्रभावकारी औषधि के रूप में गामा सेक्रेटेज से सक्रियकृत प्रोटीन", नयी औषधि खोज एवं विकास के फार्मास्यूटिकल विज्ञान वृद्धि में नए तरीकों पर रमणभाई प्रतिष्ठान की 7वीं अंतर्राष्ट्रीय परसंवाद, जाइडस अनुसंधान केंद्र, अहमदाबाद, आइएन, फरवरी 2-4, 2015

अपूर्व चैतन्य एन, **आधि ए**, जबीर एम वी, कुमार विनायक, सिंह रवीन्द्र पी एवं सामंता गौतम के, मोटे" नॉनलीनियर क्रिस्टल में उच्च ऊर्जा की दो-आवृत्ति, उच्च बारम्बारी दर, फेमटोसेकण्ड फाइबर लेजर, फाइबर ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स पर 12वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, आइएन, दिसम्बर 13-16, 2014

अरोड़ा अमित, "वेल्लिंग एवं जोड़ने की ऊष्मा स्थानांतरण एवं पदार्थ बहाव मॉडलिंग", वेल्लिंग, जोड़ना एवं एडीटिव उत्पादन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 2015, डेन पेनोरमा होटल, टेलअवीव, आइएन, जनवरी 18-20, 2015

अरोड़ा अमित, **सहलोत पंकज** एवं **बंजारे प्रग्या एन**, "फ्रक्शन स्टिर वेल्लिंग के दौरान एक अवरोधक ऊष्मीय स्रोत को मिलाना", 2015 टेएमएस वार्षिक बैठक एवं प्रदर्शनी, ऑरलैंडो, संरा, मार्च 15-19, 2015

अरोड़ा अंकिता एवं **मिश्रा अभिजीत**, "एंटीमाइक्रोवियल पेप्टाइड द्वारा बेक्टीरियल झिल्ली की क्रिया", एपीएस मार्च बैठक 2015, अमेरिकन भौतिकी समाज, सेन एंटो. नियो, टेक्सस, संरा, मार्च 2-6, 2015

बंसल नमन एवं **रमण शंमुगनाथन**, "एज फिल्टरों की मदद से रेगुलेराइज्ड टोन मैपिंग", संचार पर 21वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनसीसी-2015), भाप्रौस मुंबई, आइएन, फरवरी 27- मार्च 1, 2015

बापट आकाश, रवि अदित एवं **रमण शंमुगनाथन**, "आ. रजीबी-डी चित्रों में गहरे मैप को बचाने के लिए एक आइटिरेक्टिव, गैर-क्षेत्रीय पद्धति", संचार पर 21वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनसीसी-2015), भाप्रौस मुंबई, आइएन, फरवरी 27- मार्च 1, 2015

बच्चू राजशेखर एवं **पिंडोरिया नारण**, "सौर पीवी एवं बैटरी ऊर्जा संग्रह वाले स्मार्ट घर में उचित ऊर्जा अनुसूची", भारतीय स्मार्ट शहरों और स्मार्ट ग्रिड्स पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी (ISGW 2015), बेंगलोर, आइएन, मार्च 3-5, 2015

भंडारी नीलेश एवं **दामोदरन मुरली**, "पॉजिटिव पम्प की कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग", 5वीं अंतर्राष्ट्रीय एवं 41वीं राष्ट्रीय तरल यांत्रिक एवं तरल ऊर्जा संगोष्ठी (एफएफएमपी-2014), भाप्रौस कानपुर, आइएन, दिसम्बर 12-14, 2014

भंडारी नीलेश एवं **दामोदरन मुरली**, "ग्रामीण इलाकों में लवण जल अनुप्रयोग के लिए कम लागत के रस्सी धुलने वाले पम्प की कम्प्यूटेशनल अध्ययन", एसएमई 2014 4थी संयुक्त संरा-अमेरिकन अभियांत्रिकी विभाग ग्रीष्मकाल बैठक, शिकागो, संरा, अगस्त 3-7, 2014

भारद्वाज अदित एवं **रमण शंभुगनाथन**, "पीसीए-एच. डीआर: एचडीआर चित्रण के लिए एक टिकाऊ पीसीए आधारित घोल", सिग्नल प्रक्रिया एवं संचार की 10वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (एसपीकोम-2014), भारतीय विज्ञान संस्थान (आइआइएससी) बेंगलूर, आइएन, जुलाई 22-25, 2014

भट्टाचार्य दीपंजन, **चट्टोपाध्याय अनुपम** एवं **जैन विक्रान्त**, "गविलगड फॉल्ट क्षेत्र में पॉलीफेज नियोटेकटोनिक गतिविधि, केंद्रीय भारतीय क्रेटन: जियोमॉर्फिक टूटेकटोनिक जांच", यूरोपियन जियोजिज्ञान संघ, जनरल एसेम्बली 2014, विएना, एटी, अप्रैल 27 - मई 02, 2014

भट्टाचार्य सुतापा, **कुमार दीपेश**, **चौहान अरविंद** एवं **लहिरी उत्तमा**, "सतही इलेक्ट्रोमायोग्राम संकेत के हाथ के हिलने की सीमा का विशेषीकरण", रोबोट एवं मानव से संचार पर 23वीं आईईईई अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद (रो-मैन '14), एडिनबर्ग, संरा, अगस्त 25-29, 2014

चक्रवर्ती अरुण लाल, **मल्लिक राहुल**, **जोशी अमेया** एवं **गुप्ता अंकिता**, "ट्यूनेबल लेजर डायोड की मदद से कोल्ड ड्रिंक की ब्रांड का वर्गीकरण करना एवं एफबी. जी-आधारित तापमान सेंसर की जांच", फाइबर ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स की 12वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, आइएन, दिसम्बर 13-16, 2014

चटर्जी ए., **करदे विक्रम**, **सरोज संजय** एवं **घोरोई विनय**, "बायनरी ब्लेंड्स के प्रापटी पूर्वानुमान की आंशिक कमतर वर्गीकृत समीक्षा", केमकोन 2014, डॉ एस एस भटनागर विश्वविद्यालय रसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, आइएन, दिसम्बर 27-30, 2014

चवण रौशन ए., **फिच केथरीन ई** एवं **पालनथंडल. म-मादापुसी हरीष**, "देशी से किया इनपुट पुनःनिर्माण", 2014 की अमेरिकन नियंत्रण संगोष्ठी, पोर्टलैंड, संरा, जून 4-6, 2014

चेरिएचेट्टि पलेविओ, **दासगुप्ता अनिरबन**, कुमार रवि एवं **लेट्टेजी सिल्विओ**, "परमूटेशन के लिए लर्निंग मिश्रण मॉडल", सैद्धांतिक कम्प्यूटर विज्ञान में नवीनता पर संगोष्ठी 2015 (आईटीसीएस 2015), न्यू यॉर्क, संरा, जनवरी 11-13, 2015

चेरिएचेट्टि पलेविओ, **दासगुप्ता अनिरबन**, कुमार रवि एवं **लेट्टेजी सिल्विओ**, "एक छुपे हुए परमूटेशन का पुनः निर्माण", एप्रोक्सिमेशन, रेंडमाइजेशन, एवं काम्बिनेटो. रियल ऑप्टिमाइजेशन। एल्गोरिदम्स एवं तरीके (एप्रोक्सि रेंडम 2014), डीओआइ: 10-4230/LIPICs-APPROX-RAN-DOM-2014-604, दासगुप्ता, डीई, सितम्बर 4-6, 2014

दामोदरन मुरली, "आग्नि सुरक्षा अभियांत्रिकी में उच्च विश्वस्तता कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग की भूमिका", अभियांत्रिकी की 8वीं राष्ट्रीय फ्रंटियर (8नेटफो), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर, अहमदाबाद, आइएन, सितम्बर 5-6, 2014

दास लया, **श्रीनिवासन बाबजी** एवं **रेंगास्वामी रघुनाथन**, "लीनियर एवं नॉनलीनियर कलमैन फिल्टर की प्रदर्शन आंकलन के लिए डेटाआधारित दृष्टिकोण", 2014 अमे. रिकन नियंत्रण संगोष्ठी, पोर्टलैंड, संरा, जून 4-6, 2014

दास सरोज कुमार, **जेम्स आशा लीजा** एवं **जसूजा कबीर**, "सतही सुपरकंडक्टर्स के रासायनिक एक्सफो. लिएशन: बोरॉन सहित कल्प दो दिशाओं के नैनोस्ट्रक्चर के निर्माण के एवेन्यू", एपीएस मार्च बैठक 2015, अमेरिकन भौतिकी समाज, सेन एंटोनियो, टेक्सस, संरा, मार्च 2-6, 2015

दासगुप्ता अनिरबन, कुमार रवि एवं **सारलोस तमस**, "एक औसत डिग्री का आंकलन", 23वीं अंतर्राष्ट्रीय वर्ल्ड वाइड वेब संगोष्ठी, डब्लूडब्लूडब्लू '14, सियोल, केआर, अप्रैल 7-11, 2014

डेसेंटिस ऐमी एवं **सुब्रमण्यम मालविका**, "क्या भारत में राज्य स्तर की महिला स्वायत्तता राज्यस्तर के जनमदर में अंतर लाती है?", 142वीं आफा वार्षिक बैठक एवं एक्सपोजीशन, न्यू ऑरलीन्स, एलए, संरा, नवम्बर 15-19, 2014

द्विवेदी विनय एवं **दामोदरन मुरली**, "यूएवी में वेरियेबल इंसीडेंस पंखों की मदद से एयरोडायनामिक्स एवं फ्लाइट यांत्रिकी के नौचालन की कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग", 32वीं एआईएए एप्लाइड एयरोडायनामिक्स संगोष्ठी, एटलान्टा, संरा, जून 16-20, 2014

इंडला नवीन कुमार एवं **कनगराज राघवन**, "स्प्रोक लगे हुए अंदरूनी स्थायी चुंबकीय रोटर्स की चुंबकीय शक्ति

कम होने की विशेषता का विश्लेषण”, ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, ड्राइव एवं ऊर्जा तंत्र (आईईईई पीईडीईएस 2014), भाप्रौस मुंबई, मुंबई, आइएन, दिसम्बर 16–19, 2014

इंदुरी मुरली कृष्ण एवं **जोलाड शिवकुमार**, “रोगवाहक बीमारियों के फैलाव एवं मानव गतिशीलता”, गूढ़ तंत्र पर यूरोपियन संगोष्ठी (ईसीसीएस’14), लुक्का, आइटी, सितम्बर 22–26, 2014

इवांस जी एम, डोरोडची ई, साथे एम, पेंग जेड, होक मांड, **घाटगे स्वपनिल वी**, “बहुस्तरीय प्रक्रियाओं के व्यवहार पर ऊर्जा का प्रभाव”, औद्योगिक प्रक्रियाओं टप्प में मिश्रण पर परिसंवाद की अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद (आ. इएसएमआईपी8), मेलबर्न, एयू, सितम्बर 15–17, 2014

गाँधी वैभव, क्यू युन एवं प्रसन्ना विक्टर, “एफपीजीए पर हाई-थ्रूपुट हैश-आधारित ऑनलाइन यातायात वग. रिकरण इंजन”, रीकॉनफीगरेबल कम्प्यूटिंग एवं एफपीजीए पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (रीकॉनफिग 2014), केनकन, एमएक्स, दिसम्बर 8–10, 2014

गांगी रेड्डी सल्ला, पी चित्रभानु, **प्रभाकर शशि**, **आधि ए** एवं सिंह रवीन्द्र पी, “तितर बितर होने के पश्चात ऑरि. बटल कोण वाली गतिमान अवस्था की पुनःप्राप्ति”, फाइबर ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स पर 12वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 2014, भाप्रौस खडगपुर, आइएन, दिसम्बर 13–16, 2014

गांगी रेड्डी सल्ला, **प्रभाकर शशि**, अली अनवर एम ए, बनर्जी जगन्नाथ एवं सिंह रवीन्द्र पी, “तितर बितर हुए वोटिसेज की मॉडलिंग”, फाइबर ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स पर 12वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भाप्रौस खडगपुर, आइएन, दिसम्बर 13–16, 2014

गुल्लापल्ली साई चौधरी, **मालिरेड्डी श्री रघु** एवं **रमण शंमुगनाथन**, “हाथ वाले कैमरे द्वारा डायनामिक वर्तु का पता लगाना”, संचार पर 21वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनस. ीसी-2015), भाप्रौस मुंबई, आइएन, फरवरी 27– मार्च 1, 2015

गुंडा हरिनि, **दास सरोज कुमार** एवं **जसूजा कबीर**, “रासायनिक तरीके से बदले हुए धातु बोराइड नेनोडिस्क का संश्लेषण: बोरोन आधारित नेनोस्ट्रक्चर में एक नयी रूपावली”, नेनोयांत्रिकी के ऊपर 2सरी अंतर्राष्ट्रीय संगो.

ष्ठी (आईसीएनटी-2015), हल्दिया प्रौद्योगिकी संस्थान, आइएन, फरवरी 19–22, 2015

गुप्ता इति, बालसुकुरि नरेश एवं **दास सुदीप्ता**, “को. रोले कार्बाजोल जमना”, पोरफाइरिन एवं थेलोसायनाइन पर 8वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईसीपीपी), इस्तानबुल, टीआर, जून 22–27, 2014

गुप्ता सोनिया एवं **भार्गव अतुल**, “ऊष्मीय ऊर्जा भंडारण के साथ सौर ऊर्जा प्राप्त सुपरक्रिटिकल कोयला-अग्नि का संयंत्रडिजाइन एवं प्रदर्शन आंकलन”, एएसएमई 2014 ऊर्जा संगोष्ठी, बाल्टिमोर, संरा, जुलाई 28–31, 2014

इंगोले प्रशान्त, “ज्योतिबा फूले की बंजर जमीन में स्वतंत्रता भरी उड़ान में एक माली: समकालीन भारत में जाति पर ग्राफिक व्याख्यान”, भाषा, साहित्य एवं समुदाय पर 2री अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (एलएलसी 2015), भुवनेश्वर, आइएन, फरवरी 21–22, 2015

इंगोले प्रशान्त, “साहित्यिक प्रतिनिधित्व: दलित एवं गैर-दलित राजनीति”, कले, दक्षिण एशिया संस्कृति, कला एवं सामाजिक-राजनीतिक गतिविधियों पर अंत. र्नाष्ट्रीय संगोष्ठी XII भारत का तुलनात्मक नजरिया तथा तुलनात्मक साहित्यिक संगठन एवं राजस्थान अध्ययन केंद्र एवं उर्दू पर्शियन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, आइएन, मार्च 1–4, 2015

जैन रितेश, रकर होल्गर एवं मोहापात्र निहार आर, “टीएचजड पता करने के लिए टीकेड सिमुलेशन की मदद से एसआइ एमओएस ट्रांजिस्टर का ऑप्टिमाइजेशन”, 2014 सेमीकंडक्टर प्रक्रिया एवं यंत्रों के सिमुलेशन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, योकोहामा, जेपी, सितम्बर 9–11, 2014

जैन सुधीर कु., **बासु धीमन**, **घोष इंद्रजीत**, राय डी सी, ब्रजेव एस, भार्गव एल के, “भारत में एक महत्वपूर्ण परियोजना में परिसीमित राजगीरी का अनुप्रयोग”, भू. कंप अभियांत्रिकी पर 10वीं संरा राष्ट्रीय संगोष्ठी: भूकंप अभियांत्रिकी के फ्रंटियर्स (एनसीईई 2014), एंकरेज, संरा, जुलाई 21–25, 2014

जेम्स आशा लीजा एवं **जसूजा कबीर**, “बोरिए की परतों का रासायनिक एक्सफोलिएशन: रासायनिक तौर पर परिवर्तित ग्राफीन नेनोशीट को बोरोन आधारित नेनोशीट

अनुरूप बनाने के लिए एक अवसर”, पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनसीएमएसटी-2014), भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआ. एसटी), थिरुवनंथपुरम, आइएन, जुलाई 28-30, 2014

जोशी कल्पेश एवं लकुम, अशोक, “ऊर्जा बहाव समीक्षा के समय-श्रृंखला विभाजन की मदद से वितरण नेटवर्क कार्य पर प्लग इन संकर वैद्युत वाहनों का प्रभाव मूल्यांकन करना”, ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स की आइईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, ड्राइव्स एवं ऊर्जा तंत्र (आइईईई PEDES 2014), भाप्रौसं मुंबई, आइएन, दिसम्बर 16-19, 2014

जोशी कल्पेश एवं **पिंडोरिया नारण**, “समय-श्रृंखला ऊर्जा बहाव वितरण के साथ डीजी समेत दूसरे वितरण नेटवर्क में पुनःसक्रिय संसाधन का पुनःआर्बटन”, ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव्स एवं ऊर्जा तंत्र पर आइईईई अंत. राष्ट्रीय संगोष्ठी (आइईईई पीईडीईएस 2014), भाप्रौसं मुंबई, आइएन, दिसम्बर 16-19, 2014

जोशी राजीव एवं **शाह मिहिका**, “सृजनात्मकता एवं उद्यमशीलता”, उद्यमशीलता पर 11वीं संगोष्ठी, भारतीय उद्यमशीलता विकास संस्थान, अहमदाबाद, आइएन, फरवरी 18-20, 2015

कनोजिया गगन, **मालिरेड्डी श्री रघु**, **गुल्लापल्लि साइ चौधरी** एवं **रमण शंमुगनाथन**, “किसने तस्वीर खींचा और कब?”, विजुअल कम्प्यूटिंग पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय परिस्वादा (आइएसवीसी), लास वेगस, संरा, दिसम्बर 8-10, 2014

कनोरिया अक्षय ए, **पांचाल कार्तिक सी** एवं **दामोदरन मुरली**, “एन्नुलर पंख वाले चालक रहित हवाई वाहन में कम्प्यूटेशनल एयरोडायनामिक समीक्षा”, एआइए एयरो. स्पेस विज्ञान की 53वीं बैठक, एआइए सीड-टेक फोरम 2015, किस्सिम्मी, संरा, जनवरी 4-5, 2015

कनोरिया अक्षय ए, **पांचाल कार्तिक सी** एवं **दामोदरन मुरली**, “हवाईजहाजों के एयरोडायनामिक विशेषताओं के कम्प्यूटेशनल आंकलन”, भारत सीएफडी के एयरोनोटिकल समाज का 16वां परिस्वाद, राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला, बेंगलोर, आइएन, अगस्त 11-12, 2014

कौशिक राहुल आनंद एवं **पिंडोरिया एन एम**, “मास्ट. र-स्लेव पद्धति की मदद से हाइब्रिड एसी-डीसी मा.

इक्रोग्रिड का ऊर्जा बहाव नियंत्रण”, ऊर्जा रूपांतरण पर आइईईई संगोष्ठी 2014 (सेनकोन 2014), जोहोर बाहः, एमवाई, अक्टूबर 13-14, 2014

कोठारी रीता, “भाषा के एवं उसमें के प्रश्न”, परिवर्तन श्रृंखला में भारत, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली, आइएन, अप्रैल 11, 2014

कोठारी रीता, “अंग्रेजी की चटनीफाइंग के आगे”, हिंग. लिश कार्यशाला, विकासशील समाजों का अध्ययन केंद्र, साराई एवं लंडन विश्वविद्यालय, संरा, अगस्त 18-19, 2014

कोठारी रीता, “अनुवाद परिपाटी पर परिप्रश्न”, भारतीय भाषा उत्सव, वित उच्च शिक्षा में भारतीय भाषाओं का केंद्र एवं टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई, आइएन, सितम्बर 20-21, 2014

कुमार दीपेश, **गोयल यश**, **नायर सुनील**, **चौहान अरविंद** एवं लहिरी उत्तमा, “ऊपरी अंग विकृति वाले व्यक्तियों के लिए एक मनोवैज्ञानिक सूचना वाले आभासी वास्तविकता-आधारित एक अंतःक्रियात्मक प्लेटफार्म का डिजाइन”, रोबोट एवं मानव संवाद संचार पर 23वां आइ. ईईई अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद (रो-मैन '14), एडिनबर्ग, संरा, अगस्त 25-29, 2014

कुमार गौरव एवं **पिंडोरिया नारण एम**, “ऊर्जा वितरण नेटवर्क का आउटेज प्रबंधन तंत्र”, स्मार्ट विद्युत ग्रिड पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 2014, केएल विश्वविद्यालय, आइएन, सितम्बर 19-22, 2014

कुमार पुनीत एवं **श्रीवास्तव गौरव**, “आरसीसी राजग. ीरी इनफिल पेनल के लिए अध्यधीन ऊष्मीय अनावरण की एफई विश्लेषण”, सुरक्षा पर 2री अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आइसीएस) 2014, भाप्रौसं गाँधीनगर, आइएन, दिसम्बर 2-6, 2014

कुमार पुनीत, **रविप्रकाश पी**, **श्रीवास्तव गौरव** एवं **भट्ट मास्कर**, “दंगो के लिए पुलिस अवरोध तंत्र की पुनःरचना”, सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आइसीएस) 2014, भाप्रौसं गाँधीनगर, आइएन, दिसम्बर 2-6, 2014

कुंबर टी एस एवं शेरिकार अमृथ, “भारत में खुले शिक्षा संसाधन (ओईआर) के उपयोग में पुस्तकालयों की भूमिका:

एनपीटीईएल संसाधनों एवं प्रमुख प्रौद्योगिकी पुस्तकालयों का एक अध्ययन", 35वीं वार्षिक आइएटीयूएल संगोष्ठी, एस्पों में आल्टो विश्वविद्यालय, हेलसिंकी, एफआइ, जून 2-5, 2014

कुरियाकोसे सेल्विया, कृष्णप्पा बाबू, **प्रदीप राज**, शाह ग्रिवा एवं **लहिरी उत्तमा**, "ऑटिज्म के लिए आभासी वास्तविकता-आधारित सामाजिक संचार: चिन्ता के लिए जैव मार्कर के रूप में शारीरिक क्रिया विज्ञान", ऑटिज्म पर दक्षिण एशिया अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 2015 (एसएआइएसी 2015), भारत हेबिटेट केंद्र, नई दिल्ली, आइएन, फरवरी 7-8, 2015

कुरियाकोसे सेल्विया, **प्रवीण कुमार झा**, राघवनल पी एवं **लहिरी उत्तमा**, "चिन्ता-संवेदनशील आभासी वास्तविकता आधारित सामाजिक संचार प्लेटफार्म की तरफ एक कदम: ऑटिज्म पीडित बच्चों के लिए शरीर क्रिया विज्ञान का उपयोग", ऑटिज्म अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय बैठक (आइएमएफएआर-2014), एटलांटा, संरा, मई 16, 2014

लेट्टेनमायर डेनिस, **मिश्रा विमल**, गांगुली औरुप एवं निज. रसेन बार्ट, "वैश्विक शहरी क्षेत्रों में देखे गए कठोर मौसमी हाल", यूरोपियन भूविज्ञान संघ, जनरल एसेम्बली 2014, विएना, एटी, अप्रैल 27 - मई 02, 2014

मदान गौरव एवं **जोलाड शिवकुमार**, "वैज्ञानिक सहभागिता नेटवर्क का क्रम विकास", बिग डेटा पर 2री आइईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आइईईई बिग डेटा 2014), वाशिंगटन, संरा, अक्टूबर 27-30, 2014

मधु के, **श्रीनिवासन बाबजी** एवं **श्रीनिवासन रा. जगोपालन**, "प्रक्रिया नियंत्रण अनुप्रयोग के लिए संज्ञानात्मक निर्धारण मॉडल के विकास की ओर", सुरक्षा पर 2री अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भाप्रौसं गाँधीनगर, IN, दिसम्बर 2-4, 2014

मध्यान अमर, **श्रीवास्तव गौरव** एवं **कृष्णमूर्ति शंकरजी**, "ट्रस संरचना एवं गस्सेट प्लेट्स में वेब अनुप्रयोग के लिए आकार तथा टोपोलॉजी इष्टतमीकरण", पदार्थों के कम्प्यूटेशनल सूक्ष्मयांत्रिकी पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला गण्ट, मेड्रिड, ईएस, अक्टूबर 1-3, 2014

मेहता रौनक, **शाह प्रीत**, **गुप्ता हर्ष**, **भट प्रथमेश**,

गाँधी वैभव, **काले किमया**, **तालदेवकर मदन**, **सिंह आकाश**, **घोरोई चिन्मय**, **भार्गव अतुल** एवं **कार्निंक अमेय**, "भारतीय परिस्थितियों के लिए सीएनजी ऑटो रिक्शा का एक विद्युत रिक्शा डिजाइन में परिवर्तन", एसआई अंतर्राष्ट्रीय, डीओआइ: 10-4271/2014-01-1968, अप्रैल 8, 2014

मेकी जॉयसी, "रेशनली संबंधित बहु-घड़ी यंत्र के लिए इंटरफेस रचना पर डायनामिक आवृत्ति का प्रभाव", एसिन्क्रोनस सरकिट एवं तंत्र पर 20वां आइईईई अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद (एसिक 2014), पोर्ट्सडेम, डीई, मई 2014

मोहापात्र सत्यजीत, गुप्ता हरि शंकर, **मोहापात्र निहार आर**, मेहता संजीव एवं चौधरी अरुण रॉय, "16-बिट 5 एस/एस पाइपलाइन एनेलॉग के नमूने-एवं-होल्ड से डिजिटल कनवर्टर 16 तक का डिजाइन", "इलेक्ट्रोनिक्स के उभरते प्रौद्योगिकी ट्रेंडों, संचार एवं नेटवर्किंग पर 2वीं आइईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (ईटी2ईसीएन-2014), सूरत, आइएन, दिसम्बर 26-27, 2014

मुदली उत्कल रंजन एवं **कनगराज राघवन**, "डायनामिक मॉडलिंग एवं शंट सक्रिय ऊर्जा तंत्र का नियंत्रण", 18वीं राष्ट्रीय ऊर्जा तंत्र संगोष्ठी (एनपीएससी-2014), भाप्रौसं गुवाहाटी, आइएन, दिसम्बर 18-20, 2014

मुखर्जी एम, गुप्ता ए एवं **प्रशान्त अमित**, "सपाट स्ट्रेन अवस्था में बालू के नमूने के स्ट्रेन के हिस्से पर दबाव का प्रभाव", पद्धति एवं नए भूयांत्रिकी बदलावों के कम्प्यूटर अंतर्राष्ट्रीय संगठन की 14वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आइएस. एमएजी-2014), क्योटो, जेपी, सितम्बर 22-25, 2014

मुखर्जी मौसुमी, गुप्ता अनुराग एवं **प्रशान्त अमित**, "बालू के क्षेत्रीय बर्ताव पर लोडिंग अवस्था का प्रभाव", कम्प्यूटेशनल यांत्रिकी एवं सिमुलेशन पर 5वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (आइसीसीएमएस 2014), चेन्नई, आइएन, दिसम्बर 10-13, 2014

मुरलीधरन श्रीकांथ, वासुदेवन अरुण बालाजी, चिंतापल्लि शिव प्रथीक एवं **रमण शंमुगनाथन**, "एक छवि में कई प्रमुख वस्तुओं की निकासी के लिए एक अनोखा दृष्टिकोण I", सिग्नल प्रक्रिया, इंफोर्मेटिक्स, संचार एवं ऊर्जा तंत्र पर आइईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (स्पाइसेज 2015), राप्रौसं केलीकट, आइएन, फरवरी 19-21, 2015

नायर अरुण एवं **बच्चु राजशेखर**, "घरेलू ऊर्जा प्रबंधन में मांग प्रतिक्रिया एल्गोरिथ्म बिजली के बाजार में कीमतों को शामिल", स्मार्ट ग्रिड शहरों में सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी चुनौतियों पर 3री अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (एसई4एसजी), हैदराबाद, आइएन, जून 1, 2014

नायर दिव्या एन एवं **थिरुवेण्कटम विजय**, "प्लासमेपि सन ट में एक संरचनात्मक खोज, प्लासमोडियम फासिपे. रम से एक एसपेरेटिक प्रोटिएज", वर्तमान फार्मास्यूटिकल विज्ञान ट्रेंड "नई औषधि खोज एवं विकास में वृद्धि" रमणभाई प्रतिष्ठान 7वां अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद, जाइडस अनुसंधान केंद्र, अहमदाबाद, आइएन, फरवरी 2-4, 2015

पी चित्रभानु, **आधि ए**, गांगि रेड्डी सल्ला, **प्रभाकर शशि** एवं सिंह रवीन्द्र पी, "कोहेरेन्ट एवं आंशिक कोहेरेन्ट ऑरि. बटल कोणीय गतिमय पोइनकेयर गोले का निर्माण", फाइ. बर ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स की 12वीं अंतर्राष्ट्रीय संगो. ष्टि, भाप्रौसं खड़गपुर, आइएन, दिसम्बर 13-16, 2014

पांचाल कार्तिक सी एवं **दामोदरन मुरली**, "विद्युत वाहन प्लेटफार्म में विसिनिटी की कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग", 5वीं अंतर्राष्ट्रीय एवं 41वीं राष्ट्रीय तरल यांत्रिक एवं तरल ऊर्जा संगोष्ठी (एफएफएमपी-2014), भाप्रौसं कानपुर, आइएन, दिसम्बर 12-14, 2014

पाण्डा एमिला, "एल-एमजी मिश्रधातु की ऊष्मीय ऑक्स. िकरण के कारण हुए बहुफेज ऑक्साइड-फिल्म की वृद्धि को समझने के लिए एक उच्च-रेजोलूशन ट्रांसमिशन आणविक माइक्रोस्कोपी", भारत य इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सोसाइटी की और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी की वार्षिक XXXV बैठक (ईएमएसआइ 2014), नई दिल्ली, आइएन, जुलाई 9-11, 2014

पाण्डेय सौरव, **पाटिदार रोहन** एवं **जॉर्ज निथिन वी**, "क्रिल हर्ड एल्गोरिदम आधारित एडेप्टिव चैनल इक्यूलाइजर का डिजाइन", बुद्धिशाली सिग्नल प्रक्रिया एवं संचार तंत्र की 22वीं आईईईई अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद (आइएसपीसीएस 2014), सारावाक, एमवाई, दिसम्बर 1-4, 2014

पटेल त्वरित, **सिंह चेतन** एवं **पाण्डा एमिला**, "कंड. क्टंग प्रोब परमाणु बल माइक्रोस्कोप की मदद से बदलते सबस्ट्रेट तापमानक के साथ एल डोपड जेडएनओ थिन फिल्म के नेनोस्केल कंडक्टेंस का अध्ययन", यूरोपियन पदार्थ अनुसंधान सोरायटी फाल बैठक 2014, वॉरसॉ,

पीएल, सितम्बर 15-19, 2014

पेरोट्टि लुइगी ई, पोन्नालुरी आदित्य वी, **कृष्णमूर्ति शंक. रजी**, बॉर्गस्ट्रोम नाइल्स पी, अजिजोला ओलुजिमी ए, क्लुग विलियम एस, एन्निस डेनियल बी एवं गारफिंकल एलन, "कोषिका से वेन्ट्रिकल्स तक: बहुस्तरीय मॉडलिंग क जरिए वेन्ट्रिकुलर फिब्रिलेशन के यांत्रिकी को समझना", जैवयांत्रिक का 7वीं विश्व कांग्रेस, 2014, बॉस्टन, संराअ, जुलाई 6-11, 2014

पिल्लई मनीष एवं **नारायणन विनोद**, "तिरछे दागे हुए पलवराइज्ड कोयले के बॉयलर के अपक्षरण की सीएफडी आधारित अध्ययन", एएसएमई 2014 ऊर्जा संगोष्ठी, बा. ल्टिमोर, संराअ, जुलाई 28-31, 2014

प्रभाकर शशि, **गांगि रेड्डी सल्ला**, **आधि ए**, सामंता गौतम के एवं सिंह रवीन्द्र पी, "ऑप्टिकल वोर्टेक्स सरियों में लगातार बदलती जटिलता", फाइबर ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स की 12वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भाप्रौसं खड़ग. पुर, आइएन, दिसम्बर 13-16, 2014

प्रभाकर वी एन, "ढोलावीरा खुदाई में अर्नेस्टाइट पत्थर ड्रिल का विश्लेषण", दक्षिण एशियाई पुरातत्व एवं कला के यूरोपियन संगठन की 22वीं संगोष्ठी (ईएसएसए 2014), स्टॉकहोम, एसई, जून 30-जुलाई 04, 2014

प्रभाकर वी एन, "हडप्पन के मेसोपोटामियन के साथ समुद्री रिश्ते", समय के साथ समुद्री एवं पश्चिमी भारतीय सांस्कृतिक रास्ते, भाप्रौसं गाँधीनगर, आइएन, जनवरी 19, 2015

प्रभाकर वी एन, "करनपूर्ण, राजस्थान में नए हडप्पन साइट पर खुदाई", दक्षिण एशिया की 43वीं वार्षिक संगो. ष्टि, मेडिसन कोनकोर्स होटल, मेडिसन, संरा, अक्टूबर 16-19, 2014

प्रभाकर वी एन, "भारत में विज्ञान एवं पुरातत्व: चुनौतियां एवं परिणाम", दक्षिण एशिया की 43वीं वार्षिक संगोष्ठी, मेडिसन कोनकोर्स होटल, मेडिसन, संरा, अक्टूबर 16-19, 2014

प्रसाद रचित, **द्विवेदी विनय** एवं **दामोदरन मुरली**, "तरंगी खुली सतह के पास स्थाई एवं रोटरी पंख एयरोड. ायनामिक्स उपयोग की कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग", 32वीं

एआइए एप्लाइड एयरोडायनामिक्स संगोष्ठी, एटलांटा, संरा, जून 16–20, 2014

प्रशान्त अमित एवं विकास ज्ञान, "डिफोर्मेशन प्रयोग के मृदा इस्तेमाल के कॉन्सटेंट दर की संयुक्त विशेषताएँ, आइजीएस बेंगलोर चेप्टर की जियो-नवीनता, गोल्डन जुबली राष्ट्रीय संगोष्ठी, आइआइएससी बेंगलोर, आइएन, अक्टूबर 30–1, 2014

राय डी सी, **जैन सुधीर कु.** मूर्थि सी वी आर एवं भंसल डी, "भाप्रौसं कानपुर में लेटरल भार परीक्षण के लिए विशाल क्षमता वाले सक्रियता की प्लोर-वाल एसेम्बली का निर्माण एवं भार मानक", भूकंप अभियांत्रिकी: भूकंप अभियांत्रिकी के फ्रंटियर्स की 10वीं संरा. राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनसीईई 2014), एंकरेज, संरा, जुलाई 21–25, 2014

रानी शिवानी एवं **प्रशान्त अमित**, "2डी मॉडलिंग में दुविधा एवं लेटरल शक्ति वाले मोनोपाइल का विश्लेषण I", जियो-शंघाई 2014, शंघाई, सीएन, मई 26–28, 2014

रथ अर्नपूर्णा एवं रथ सुरा पी, "ब्रिटानिया राज में भारत के अंधेरे स्थान: बंगले एवं वेश्यालय की बीच की 'मे. मसाहिब' पत्नी एवं 'दुसरी स्त्री'", XVIII अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, पारंपरिक सिद्धांत के फोरम, बड़ोदा एवं अमेरिकन अध्ययन का अंतर्राष्ट्रीय लिंकन केंद्र, श्रेवपोर्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, संराअ, अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, गोवा, आइएन, दिसम्बर 21–24, 2014

रविप्रकाश पी एवं **श्रीवास्तव गौरव**, "अग्नि से ग्रसित आरसीसी ढांचे के विश्लेषण के लिए मेट्रिक्स पद्धति का विकास", सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आइसीएस) 2014, भाप्रौसं गाँधीनगर, आइएन, दिसम्बर 2–6, 2014

रेड्डी पटलोल्ला प्रथाप एवं **दत्ता भास्कर**, "प्रोग्राम्ड एसेम्बली के लिए मोडिफाइंग सायनाइन डाई की चुनौतियाँ एवं वचन बद्धता", केलीडोस्कोप: रसायन विज्ञान में एक वार्ता बैठक, अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, पणजी, आइएन, जुलाई 3–6, 2014

रंगास्वामी रघुनाथन, **श्रीनिवासन बाबजी** एवं स्पिन्नर, टिम, "हेमर्सटीन मॉडल दृष्टिकोण से इंटरैक्टिंग तंत्र में डिटेक्शन", वद औद्योगिक प्रक्रियाओं का 5वीं अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद (एडकोनिप 2014), हिरोशिमा, जेपी, मई 28–30, 2014

सजान अजंता, "गुजरात की मिट्टी का तरलीकरण व्यवहार", मृदा तरलीकरण पर कार्यशाला, डार्मस्टेड यांत्रिक विश्वविद्यालय, डार्मस्टेड, डीई, मई 15–16, 2014

सहलोत पंकज एवं **अरोड़ा अमित**, "घर्षण हिलते वेल्डिंग में औजार का घिसना: स्टेट ऑफ दि आर्ट एवं चुनौतियाँ", घर्षण आधारित प्रक्रियाओं पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आइसीएफपी-2014), भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, आइएन, सितम्बर 3–5, 2014

सहलोत पंकज, बढेका विश्वेश जे एवं **अरोड़ा अमित**, "तांबे के घर्षण हिलते वेल्डिंग के दौरान तापमान वितरण की गणनात्मक मॉडलिंग", आइआइडब्लू अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस 2014, नई दिल्ली, आइएन, अप्रैल 09–11, 2014

साल्वि गोविंद, शर्मा पुनीत एवं **रमण शंमुगनाथन**, "उच्च डायनामिक रेंज सीन के पूर्ण चित्र को दोबारा निशान बनाना", 5वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी – आगामी युग की सूचना प्रौद्योगिकी शिखरवार्ता, कोन्प्लूएस-2014, एमिटी विश्वविद्यालय, नॉयडा, आइएन, सितम्बर 25–26, 2014

सामंत आदित्य अमोल एवं **श्रीनिवासन राजगोपालन**, "टेक्स्ट खनन की मदद से सीएसबी आकस्मिक जांच में पहचान के पैटर्न", सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आ. इसीएस 2014), भाप्रौसं गाँधीनगर, अहमदाबाद, आइएन, दिसम्बर 2–4, 2014

सामंत आदित्य अमोल एवं **श्रीनिवासन राजगोपालन**, प्रक्रिया सुरक्षा के पैटर्न, एआइसीएचई की वार्षिक बैठक, एटलांटा, संरा, नवम्बर 16–21, 2014

सामंत तन्निष्ठा, "पद भारत में सक्रिय एजिंग की रीकॉस्ट्रिक्टिंग: सिद्धांत और नीति की बाध्यता", अमेरिकन जेरा. टोलॉजिकल सोसायटी की 67वीं वार्षिक वैज्ञानिक बैठक, वाशिंगटन, डीसी, संरा, नवम्बर. 5–9, 2014

सक्सेना कृष्ण कुमार, अग्रवाल संजय एवं **मुखोपाध्याय ज्योति**, "कंडक्टिव एसआइसी के -ईडीएम में सतही खरदुरेपन पर मशीनिंग मानकों का प्रभाव", 2014 एएसएमई अंतर्राष्ट्रीय यांत्रिक अभियांत्रिकी कांग्रेस एवं एक्सपोजीशन, मोटरियल, सीए, नवम्बर 14–20, 2014

सक्सेना कृष्ण कुमार, **मुखोपाध्याय ज्योति** एवं रमेश के वी, "हवाईजहाज उद्योग में एलुमीनियम लीथियम मिश्रधातु

के प्रयोग की फोर्मेबिलिटी विशेषीकरण", 2014 एसएसएमई अंतर्राष्ट्रीय यांत्रिक अभियांत्रिकी कांग्रेस एवं एक्सपोजीशन, मोंटरियल, सीए, नवम्बर 14-20, 2014

शाह कृपा एवं **कनगराज राघवन**, "ट्रांसफोर्मर विंडिंग के विद्युतचुंबकीय मॉडल में यांत्रिक खराबियों को ढूंढना", 18वीं राष्ट्रीय ऊर्जा तंत्र संगोष्ठी (एनपीएससी-2014), भाप्रौसं गुवाहाटी, आइएन, दिसम्बर 18-20, 2014

शाह कृपा, "खेमी एवं अंग्रेजी अनुवाद की राजनीति", (सी)-इमेजिंग वैश्विक साहित्य की राष्ट्रीय युवा अनुसंधानकर्ताओं की संगोष्ठी, अंग्रेजी अध्ययन केंद्र, भाषा विद्यालय, साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, आइएन, मार्च 20-21, 2015

शाह वृत्तुंगकुमार वी एवं **पालनथंडलम-मादापुसी हरीष**, "पार्किंसोनियन ट्रेमर से संबंधित पर्यावलोकन के प्रयोगात्मक सत्यापन", 2014 अमेरिकन नियंत्रण संगोष्ठी, पोर्टलैंड, संराअ, जून 4-6, 2014

शाह वृत्तुंगकुमार वी, गोयल सचिन एवं **पालनथंडलम-मादापुसी हरीष**, "ट्रेमर के पहले पार्किंसन रोग की जांच का अन्वेषण", भारतीय नियंत्रण संगोष्ठी (आइसीसी 2015), भाप्रौसं मद्रास, आइएन, जनवरी 5-7, 2015

शर्मा चंद्रेश, **भवसार पुनीतकुमार कनुभाई**, **श्रीनिवासन बाबजी** एवं **श्रीनिवासन राजगोपालन**, "आँख के देखने को ट्रेक करने की सूचना की मदद से प्रक्रिया नियंत्रण में संज्ञानात्मक अध्ययन", सुरक्षा पर 2री अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भाप्रौसं गाँधीनगर, आइएन, दिसम्बर 2-4, 2014

शर्मा चंद्रेश, **भवसार पुनीतकुमार कनुभाई**, **श्रीनिवासन बाबजी** एवं **श्रीनिवासन राजगोपालन**, "आँख को ट्रेक करने के अध्ययन के माध्यम से अस्वाभाविक परिस्थित के दौरान प्रक्रिया ऑपरेटर के संज्ञानात्मक बर्ताव को समझना", एआइसीएचई वार्षिक बैठक, एटलांटा, सं. राअ, नवम्बर 16-21, 2014

शर्मा चंद्रेश, **श्रीनिवासन बाबजी** एवं **श्रीनिवासन राजगोपालन**, "प्यूपिलोमेट्री सूचना की मदद से ऑपरेटर के ऊपर संज्ञानात्मक भार को जानने का दृष्टिकोण", सुरक्षा पर 2वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भाप्रौसं गाँधीनगर, आइएन, दिसम्बर 2-4, 2014

शर्मा हिमांशु एवं **दामोदरन मुरली**, "एक अनोखे अग्निशामक डिजाइन की कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग", 5वीं अंतर्राष्ट्रीय एवं 41वीं राष्ट्रीय तरल यांत्रिक एवं तरल ऊर्जा संगोष्ठी (एफएफएमपी-2014), भाप्रौसं कानपुर, आइएन, दिसम्बर 12-14, 2014

शर्मा हिमांशु, **दामोदरन मुरली** एवं गाँधी प्रवीणराय, "कंडेस्ड फेज एयरोसोल आधारित अग्नि शामक की कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग", कंडेस्ड फेज एयरोसोल आधारित अग्नि शामक की कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, शिकागो, संराअ, अगस्त 3-7, 2014

सोमानी दिपेन एवं **रमण शंमुगनाथन**, "कोर्नर डिटेक्शन का निर्णय वृक्ष", सिग्नलप्रक्रिया, इंफोरमेटिक्स, संचार एवं ऊर्जा तंत्र पर आइईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (सिपाइसेज 2015), राप्रौसं केलिकट, आइएन, फरवरी 19-21, 2015

श्रीनिवासन राजगोपालन, "छात्रों में सुरक्षा जानकारी को बढ़ाना: भाप्रौसं गाँधीनगर का अनुभव", प्रक्रिया सुरक्षा पर 2014 वैश्विक शिखरवार्ता, मुंबई, आइएन, दिसम्बर 15-16, 2014

श्रीनिवासन राजगोपालन, "प्रक्रिया सुरक्षा मानकों की क्रोस रीफरेंसिंग", 8वीं सीसीपीएस एशिया पेसिफिक पर क्षेत्रीय बैठक, चेन्नई, आइएन, सितम्बर 22, 2014

श्रीवास्तव आनंद सुमन, अग्रवाल संजय एवं **सक्सेना कृष्ण कुमार**, "एएल 6061 मिश्र धातु के बनने में सतह की गुणवत्ता पर ठोस तैलीय पदार्थ का असर", 2014 एसएसएमई अंतर्राष्ट्रीय यांत्रिक अभियांत्रिकी कांग्रेस एवं एक्सपोजीशन, मोंटरियल, सीए, नवम्बर 14-20, 2014

श्रीवास्तव गौरव एवं **शाह हर्ष एल**, "राजगीरी संरचनाओं में सीलन की मॉडलिंग: चाँदखेड़ा में एक केस स्टडी, अहमदाबाद", सिविल, संरचनात्मक एवं यांत्रिक अभियांत्रिकी उन्नति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (सीएसएमई 2014), होंग कोंग सिटी विश्वविद्यालय, एचके, अगस्त 26-27, 2014

सुब्रमणियन चंद्रशेखरन एवं **कनगराज राघवन**, "सिनक्रोत्रॉन पिफरेंस खांचे पीएलएल के लिए एडेप्टिव नमूने के समयावधि के हिसाब से समायोजन किया डीएफटी", ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव्स एवं ऊर्जा तंत्र पर आइईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आइईईई पीईडीईएस 2014), भाप्रौसं

मुंबई, मुंबई, आइएन, दिसम्बर 16–19, 2014

थिरुवेण्कटम विजय, शेन क्यू एवं वांग जे, "न्यूरल रिसेप्ट में हॉर्शू समीकरण की पूर्वसूचना: डिसकेम आइसोफोर्म", 23वीं कांग्रेस एवं अंतर्राष्ट्रीय क्रिस्टेलोग्राफी संघ की जनरल एसेम्बली (आइयूसीआर 2014), मोंटरियल, सीए, अगस्त 5–12, 2014

थोमस पूजा एस*, "अनिश्चित सीमाएं: अहमदाबाद का सरखेज रोजा", एशिया में एशियन अध्ययन संगठन एवं सिंगापोर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एएस-एनयूएस), एशिया इन मोशन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: विरासत एवं बदलाव, सिंगापोर, एसजी, जुलाई 17–19, 2014

थोमस पूजा एस*, "एक सुखद शहर एवं भद्र को राहगीर की नजर से देखना", 2री द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, महत्वपूर्ण विरासत अध्ययन संगठन (एसीएचएस), ऑस्ट्रेलियन राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, कैनबेरा, 2–4 दिसम्बर, 2014

त्यागी शशांक*, **कत्रे वैभव*** एवं **जॉर्ज निथिन वी**, "जन. रलाइज्ड लेविनसन डर्बिन एलगोरिदम से सक्रिय शोर नियंत्रण में दूसरे रास्ते का ऑनलाइन आकलन", 19वीं डिजिटल सिग्नल प्रक्रिया अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (डीएसपी 2014), होंग कोंग, एचके, अगस्त 20–23, 2014

उपाध्याय अभिषेक* एवं **चक्रवर्ती अरुण लाल**, "लेजर डायोड के फेज क्वाड्रेचर आवृत्ति पर इस्तेमाल किया गया अवशेष अम्लित्यूड मोडुलेशन पद्धति की मदद से सीधेन सोखने की विशुद्ध प्रतिलाभ", उद्योग एवं अनुसंधान में क्षेत्रीय लेजर अनुप्रयोग (फ्लेयर 2014), फ्लोरेंस, आइटी, मई 5–9, 2014

वेरियर रोहित* एवं **पिंडोरिया नारण एम**, "ग्रिड इंटरैक्टिव छत के सौर पीवी यंत्र के लिए एक अनोखा सक्रिय एंटी स्लाइडिंग संरक्षण योजना", 18जी राष्ट्रीय ऊर्जा तंत्र संगोष्ठी (एनपीएससी-2014), भाप्रौसं गुवाहाटी, आइएन, दिसम्बर 18–20, 2014

वत्स करिश्मा, **सुब्रमण्यम मालविका** एवं पहवा स्मृति, "पूरक आहार को समझाने के आसान मूल्यांकन: एक कामयाब साक्षरता आंकलन दृष्टिकोण की पहल", शिशु पर 4थी वार्षिक संगोष्ठी एवं शिशु आहार और औषधि सुरक्षा पर छोटे बच्चे का आहार अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (आ.

इवाइसीएनसीओएन 2014), निम्स विश्वविद्यालय, जयपुर, आइएन, दिसम्बर 5–7, 2014

वो थी, वेण्कटसुब्रमणियन वेण्कट, कुमार सनत, **श्रीनिवा. सन बाबजी**, पाल सुचेतन, झांग युगांग एवं गांग ओलेग, "डीएनए-ग्राफ्टेड कलिल स्वतः-एसेम्बली का स्टोइकिया. मेट्रिक नियंत्रण", एपीएस मार्च बैठक 2015, अमेरिकन भौतिक सोसायटी, सेन एंटोनिओ, टेक्सस, संरा, मार्च 2–6, 2015

यादव तरुना* एवं **लहिरी उत्तमा**, "कम्प्यूटर-सहायता प्राप्त इंटरैक्टिव यंत्र: साइकोफिजियोलॉजी के उपयोग को समझना", 2दक सिग्नल प्रक्रिया पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं इंटीग्रेटेड नेटवर्क्स (स्पिन 2015), एमिटी विद्यालय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, छवपक, आइएन, फरवरी 19–20, 2015

याजिनिक उर्जित ए, सरकार अनिशु, मिश्रा सस्मिता एवं बोरह देबाशीष, "पीईवी स्केल सुपरसिमेट्रिक दाएं-बाएं सिमेट्रिक मॉडल की पलावरिंग से ब्लूम एवं ब्लूम से ग्लूम", यूनिकोस चरनफेस्ट, चंडीगढ़, आइएन, मई 13–15, 2014

प्रदर्शित पोस्टर

अरोड़ा अंकिता* एवं **मिश्रा अभिजीत**, "एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड द्वारा बेक्टीरिया झिल्ली पोreshन के पीछे जैवअभिजांत्रिकी", पालीमेरिक जैवपदार्थ अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, जैवअभिजांत्रिकी एवं बायोडायग्नोस्टिक, नई दिल्ली, आ. इएन, अक्टूबर 27–30, 2014

भारद्वाज अदित* एवं **रमण शंभुगनाथन**, "ऑगमेंटेड लाग्रांजे मल्टीप्लायर की सहायता से एचडीआर चित्रण (एएलएम)", कम्प्यूटर ग्राफिक्स के यूरोपियन संगठन की 35वीं वार्षिक संगोष्ठी (यूरोग्राफिक्स 2014), स्ट्रासबोर्ग, एफआर, अप्रैल 7–14, 2014

जेम्स आशा लीजा* एवं **जसूजा कबीर**, "नेनोशीट से बने बोरन हनीकॉब लेट्टीस का संश्लेषण: अल्ट्रासोनिकेशन एवं केलिएशन मेडियेटेड रणनीति", मुलायम पदार्थ पर अंत. राष्ट्रीय संगोष्ठी (आइसीएमएम-2014), मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर, आइएन, अक्टूबर 6–10, 2014

कनोरिया अक्षय ए* एवं **दामोदरन मुरली**, "जीपीयू पर लेट्टीस बोल्डजमेन पद्धति का समानांतर मैटलैब प्रयोग",

उच्च प्रदर्शन कम्प्यूटिंग पर 21वीं वार्षिक आईआईए अंत. राष्ट्रीय संगोष्ठी (एचआईपीसी 2014), होटल सिडाडे डे गोवा, गोवा, आइएन, दिसम्बर 17-20, 2014

कुमार नीरज, मंजली जयसन ए एवं **मूथा प्रतीक के**, "बोध निर्णय को विजुओमोटर अडेप्शन के प्रभाव", न्यूरा. साइंस सोसायटी की वार्षिक बैठक, वॉशिंगटन डीसी, संरा, नवम्बर 2014

कुमार संजय एवं **दत्ता भास्कर**, "नेनो-बायोकेटेलिस्ट की सहायता से संतरे के छिलके से केरोटीनॉयड्स का प्रभावी निष्कर्षण", औषधि खोज में नेनोप्रौद्योगिकी के नए ट्रेंड पर पहली अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आइएनडीडी 2014), दक्षिण परिसर दिल्ली विश्वविद्यालय, आइएन, मई 26-27, 2014

मेकी जॉयसी, "एसिनक्रोनस तर्क से नई पीढ़ी के चिप्स का निर्माण", इंटेल् एशिया नवीनीकरण शिखरवार्ता, तायपे, टीडब्ल्यू, नवम्बर 18-19, 2014

मोदी पार्थ, **शाह रीपल** एवं **मिश्रा विमल**, "भारत के क्षेत्रीय और वैश्विक मौसम मॉडल से कठोर अवलोकण के पूर्वानुमान", 2014 एजीयू फाल बैठक, सेन फ्रांसिस्को, संरा, दिसम्बर 15-19, 2014

पलकोल्लु वीरभद्रइया, **वासु अनुजी के** एवं **कण्वाह श्रीराम**, "अल्फा-सायनोस्टिलबीन का एनेलाइट पर निर्भर जमावड़ा: तरल माध्यम की जांच की उपयोगिता", 8वीं एशियन फोटोकेमिस्ट्री संगोष्ठी, त्रिवेन्द्रम, आइएन, नवम्बर 10-13, 2014, पोस्टर क्रम. 119

पंचोली ध्रुव, **सिंह यश प्रताप** एवं **भट्ट भास्कर**, "र. गौतिक चिकित्सा के अनुभव को फोन अनुप्रोग के माध्यम से बढ़ना", डिजाइन फॉर बिलियन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गाँधीनगर, आइएन, नवम्बर 7-8, 2014

सिंह विजय, **जुवाले कपिल**, **थिरुवेण्कटम विजय** एवं किरुबाकरण शिवप्रिया, "आइनोसाइन-5'-मोनोफोस्फेट डीहाइड्रोजिनेज का संरचनात्मक एवं क्रियात्मक विशेषीकरण (आइएमपीडीएच): हेलीकोबैक्टर पाइलोरी संक्रमण के लिए एक अनोखा चिकित्सीय रास्ता", फार्मास्यूटिकल विज्ञान में नए ट्रेंड पर रमणभाई प्रतिष्ठान अंतर्राष्ट्रीय परि. रसंवाद "नई औषधि खोज एवं विकास में वृद्धि", जाइडस अनुसंधान केंद्र, अहमदाबाद, आइएन, फरवरी 2-4, 2015

थोरट अल्पना अंकुश एवं **दालवी समीर वी**, "कुरकुमिन का नॉन-क्लासिकल क्रिस्टलाइजेशन", न्यूकिलिएशन - पदार्थ के सीधे एसेम्बली का एक रूपांतरण स्थिति: फेरेडे परचर्चा, लीड्स बेक्केट विश्वविद्यालय, लीड्स, संरा, फरव. री 30-अप्रैल. 1, 2015

वासु अनुजी के एवं **कण्वाह श्रीराम**, "दानदाता-स्वीकर्ता द्वारा बदला किया डाइफिनायलबूटाडीन पर आयोनिक तरल का प्रभाव", रसायन विज्ञान की 17वीं सीआरएसआइ राष्ट्रीय परिसंवाद, राष्ट्रीय रसायन विज्ञान प्रयोगशाला, पुणे, आइएन, फरवरी 6-8, 2015

पत्रिका/समाचार पत्र लेख

डेनीनो मिशेल, "स्सरस्वति की खोज" में गलत अनुमान, दि हिन्दू, अप्रैल 21, 2015

डेनीनो मिशेल, "ज्ञान परंपराओं की अनदेखी", दि हिन्दू, जनवरी 4, 2015

डेनीनो मिशेल, "हिंदुत्व की उत्पत्ति", बीबीसी नॉलेज पत्रिका, खंड 5, क्रम 2, पीपी 79-80, फरवरी 2015

कोठारी रीता, "आधुनिकतावादी सांस्कृतिक वर्सो" (गुज. रात में), नवगुजरात समय, अहमदाबाद, पीपी 13, मई 18, 2014

कोठारी रीता, "भगवानी जेम अंग्रेजीना पण अगन्या अवतारो छे, तेनो आनंद मनो" (गुजरात में), नवगुजरात समय, अहमदाबाद, पीपी 5, सितम्बर 7, 2014

कोठारी रीता, "गाँधीजी थोड़ा वर्षे नवा नवा संदर्भोमा तपसाणि मांगे छे" (गुजरात में), नवगुजरात समय, अहमद. ाबाद, पीपी 5, अक्टूबर 5, 2014

कोठारी रीता, "गयो ए समय ज्यारे देहने छोडीने आत्मानि अमरतानी वात करता आपने!" (गुजरात में), नवगुजरात समय, अहमदाबाद, पीपी 14, जून 1, 2014

कोठारी रीता, "जनित उर्दू लेखक मंटो भरिये नागरिक हता के पाकिस्तान?" (गुजरात में), नवगुजरात समय, अहमदाबाद, पीपी 5, सितम्बर 21, 2014

कोठारी रीता, "मारी कलामा समजनु निरुपन खारू के नहीं?" (गुजरात में), नवगुजरात समय, अहमदाबाद, पीपी

5, अगस्त 10, 2014

कोठारी रीता, "समय साथे परिवर्तन के मूलभूत सिद्धांतों: तमारा सांतानोने बने सीखवो" (गुजरात में), नवगुजरात समय, अहमदाबाद, पीपी 5, अगस्त 24, 2014

रथ अर्नपूर्णा (टिंकर-बी), "लेट इट बी", फंडामेंटिक्स, क्रम 1क्यू, जुलाई 18, 2014

रथ अर्नपूर्णा (टिंकर-बी), "पोस्टमास्टर को", फंडामेंटिक्स, क्रम 1क्यू, जुलाई 18, 2014

पुस्तक समीक्षा

मुखर्जी पायल सी एवं **रथ अर्नपूर्णा**, "दक्षिण एशियाई महिला का अध्ययन, पुस्तक की समीक्षा: वह महिला जो नसरीन जहां के ऊपर उड़ी", दि बुक रिव्यू, खंड 38, दव 8, पीपी 376, अगस्त 2014

रथ अर्नपूर्णा, "ना खत्म होने वाले समय के चक्कर: सीता कान्त महापात्र की चयनित कविताएं", ईकोक्रिटिसिज्म पत्रिका, खंड 6, क्रम 2, पीपी 14–21, जुलाई 2014

प्री-प्रिंट्स (ई-प्रिंट लेखागार)

अली अहमद फराग, फैजल मीर एवं **मजुमदार बरुण**, "गुरुत्वाकर्षण के इंद्रधनुष के ब्लेक होल में एक कारगर क्षितिज की कमी", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1406.1980v1, जून 2014

बाई रुकमणि, **भल्ला पंकज** एवं सिंह नविन्दर, "क. प्रेट्स में इलेक्ट्रॉन फोनों रिलेक्सेशन समय का सिद्धांत: देखे गए तापमान व्यवहार को दोहराना", तगपअ, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: तगपअ:1412.7295, दिसम्बर 2014

बमभानिया गुलाब, गोस्वामि श्रुबाबति, खान सुब्रत, कोनर पार्थ एवं **मंडल तन्मय**, "विशाल हेड्रॉन कोलाइडर में पुनःनिर्माण योग्य सीसों मॉडल के संकेतों की खोज", तगपअ, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1410.5687, अक्टूबर 2014

बमभानिया गुलाब, गोस्वामि श्रुबाबति, खान सुब्रत, कोनर पार्थ एवं **मंडल तन्मय**, "एलएचसी में सीसों मॉडल के कल्प अप. विकास एवं हस्ताक्षर के दबाव", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1411.6866, नवम्बर 2014

बसक तनुश्री, मोहंती सुभेंद्र एवं **तोमर गौरव**, "गॉज्ड ति. रक्षे सिमेट्रिकल ढांचे में एएमएस-02 पर मुओन एनोमलस चुंबकीय पल एवं पोसीट्रोन की अधिकता को समझाना", तगपअ, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1501.06193, जनवरी 2015

बेकाट्टिनि एफ, इंधिरामी जी, रोलेंडो वी, बेरुडो ए, डेल जेन्ना एल, डे पेस ए, नारदी एम, पगलियारा जी एवं **चंद्र विनोद**, "उच्च ऊर्जा टकराव में वॉर्टिसिटी निर्माण का अध्ययन", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1501.04468, जनवरी 2015

भट्ट जिथेश आर एवं **पाण्डेय अरुण कुमार**, "प्राइमोर्डियल चुंबकीय क्षेत्र एवं कायनेटिक सिद्धांत के साथ बेरी कर्व. चर", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1503.01878, मार्च 2015

भट्टाचार्य श्रीजित एवं सरकार सुदीप्ता, "रिंडर क्षितिज के लिए कॉस्टिक परिहार एवं भौतिक प्रक्रिया पहला नियम", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डी. ओआइ: arXiv:1412.1287, दिसम्बर 2014

भट्टाचार्या कौशिक, चक्रवर्ती जॉयदीप, दास सुरत्न एवं **मंडल तन्मय**, "बाइसेप2 परिणामों की रौशनी में हिग्स वैक्यूम स्थिरता एवं इनफ्लेशनरी डायनामिक्स", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1408.3966, अगस्त 2014

धूरिया मानसी, **हती चंदन**, रंगराजन राघवन एवं सरकार. आर उत्पल, "सुपरस्ट्रिंग प्रभावित ई6 मॉडल में सीएमएस ईईजेजे एवं ईधपीटीजेजे की अधिकता का व्यवरण", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1501.04815, जनवरी 2015

धूरिया मानसी, **हती चंदन**, रंगराजन राघवन एवं सरकार उत्पल, "एलएचसी टीईवी स्केल डब्ल्यूआर के लिए फाल्स. फाइंग लेप्टोजीनेसिस", तगपअ, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1503.07198, मार्च 2015

धूरिया मानसी, **हती चंदन**, रंगराजन राघवन एवं सरकार उत्पल, "एलएचसी पर ईईजेजे सिग्नल एवं लेप्टोजेनेसिस की बाध्यता", तगपअ, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1502.01695, फरवरी 2015

द्विवेदी गौरव, "पी-बाइहारमोनिक ऑपरेटर एवं उसके अनुप्रयोग के लिए पीकोन की पहचान", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1503.05535, मार्च 2015

इंदुरी मुरली कृष्ण एवं **जोलाड शिवकुमार**, "मानव गतिशीलता से डेंगू का फैलाव एवं रोगवाहक गतिशीलता के स्पेशियल पैटर्न", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1409.0965, सितम्बर 2014

फैजल मीर एवं **मजुमदार बरुण**, "लिफशिट्ज क्षेत्रीय सिद्धान्त में साधारण अनिश्चितता सिद्धान्त का निमग्न", तम्पअ, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv-1408-3795, अगस्त 2014

गंगोपाध्याय आलोक, **त्रिपाठी शिवम मणि**, **जि. दल ईशान** एवं **रमण शंमुगनाथन**, "एसए-सीएनएन: कॉन्व्यूशनल न्यूरल नेटवर्क की मदद से डायनामिक सीन वर्गीकरण", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1502.05243, फरवरी 2015

जोलाड शिवकुमार, रोमन अहमद, शास्त्री महेश सी, गाड गिल मिहिर एवं बासु अयनेन्द्रनाथ, "भट्टाचार्य कोएफिशिएंट पर आधारित एक परिवारिक परिवर्द्ध विचलन का उपाय", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1201.0418, सितम्बर 2014

कुमार गिरीष एवं महाजन नामित, $B^2K^*|+|$: जीरो के एंगुलर ऑब्जर्वेबल्स एक मानक मॉडल की तरह", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1412.2955, दिसम्बर 2014

नंदी डी के एवं **साहू बी के**, "171वाईबी आयन घड़ी के लिए क्वाड्रूपोल शिफ्ट: प्रयोग बनाम सिद्धांत", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1408.4683, मई 2014

रॉय अचिंत्या कुमार, **सेनगुप्ता इंद्रनाथ** एवं **त्रिपाठी गौरव**, "ए4 में तकरीबन सभी अंकगणित अनुक्रम द्वारा समझाए गए मोनोमियल कर्व के लिए न्यूनतम ग्रेडेड फ्री रेसोल्यूशन", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1503.02687, मार्च 2015

रॉय आर्को एवं अंगोम डी, "कंडेनसेट मिश्रण में फेज

विभाजन के ऊष्मीय दमन", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1502.00473, फरवरी 2015

रॉय आर्को एवं अंगोम डी, "पलक्चुरेशन— एवं संया. जेन— अंधेरे एकल एवं बायनरी कंडेन्सेट्स में अस्थिरता", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1405.6459, जुलाई 2014

रॉय आर्को, गोतम एस एवं अंगोम डी, "बायनरी कंडेन्सेट मिश्रण में सुनहरेपत्थर तरीके का क्रम विकास", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1501.03590, जनवरी 2015

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "आरंभिक लीगो डेटा के साथ स्कार्पियस X-1 से गुरुत्वाकर्षण तरंगों की निर्देशित खा. 'ज", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1412.0605, दिसम्बर 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "छठी विज्ञान दौड़ के दौरान लीगो डिटेक्टर का वर्गीकरण", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1410.7764, अक्टूबर 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "बायनरी तंत्र में अनजान स्रोतों से निरंतर गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहली आकाशीय खा. 'ज", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1405.7904, मई 2014.

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "स्टोकेस्टिक गुरुत्वाकर्षण पर उन्नत ऊपरी दर — लीगो एवं वर्गो डेटा का 2009–2010 तरंग बेकग्राउंड", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1406.4556v1, जून 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "जिओ 600, लीगो एवं वर्गो डिटेक्टरों की मदद से गामा रे से संबंधित गुरुत्वाकर्षण तरंगों के लिए खोज की पद्धति एवं परिणाम", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1405.1053, मई 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "वर्गो वीएसआर4 डेटा में क्रेब एवं वेला पल्सर से निरंतर गुरुत्वाकर्षण-तरंगों की कम-बैंड की खोज", arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1410.8310, अक्टूबर 2014

सेनगुप्ता आनंद एवं अन्य, "लीगो-वर्गो संयुक्त दूसरी

विज्ञान दौड़ से डेटा में बीच के मास ब्लेक होल बायनरी और गुरुत्वाकर्षण रेडिएशन की खोज”, arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1404.2199v2, अप्रैल 2014

सुथर कुलदीप*, रॉय आर्को* एवं डी अंगोम, “परमाणु बोस-आइंसटाइन कंडेंसेट में वॉर्टेक्स-अवरोध से अकूरि-टक रेडियेशन”, arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1312.7811, मई 2014

सुथर कुलदीप*, रॉय आर्को* एवं डी अंगोम, “ऑप्टिकल लेट्टीस में बायनरी कंडेंसेट के फ्लक्चुएशन द्वारा चलाए टोपोलॉजिकल परिवर्तन”, arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1412.0405, दिसम्बर 2014

तोमर गौरव* एवं मोहंती सुभेन्द्र, “गॉज्ड तिरक्षे सिमेट्रिकल ढांचे में एएमएस-02 पर मुओन एनोमलस चुंबकीय पल एवं पोसीट्रोन की अधिकता”, arXiv, कॉर्नेल विश्वविद्यालय पुस्तकालय, डीओआइ: arXiv:1403.6301, नवम्बर 2014

तकनीकी रिपोर्ट

बॉबियो एंड्रिया*, डेरिओ ब्रूनिओ, डेविडे सेरोट्टि, ग्रीबाउडो मार्को एवं मार्को स्कार्पा, “मार्कोवियन एजेंट्स के एक बुद्धिमान स्वार्म”, डीआईएसआईटी, कम्प्यूटर विज्ञान संस्थान, यूपीओ, एलेस्सेन्ड्रिया, आइटी, तकनीकी रिपोर्ट TR-IN-F-2014-06-01-UNIPMN, जून 2014

आधार पत्र

सामंता तन्निष्ठा, “भारत में बड़े वयस्कों का घरेलू परिवेश, सामाजिक पूंजी एवं स्वास्थ्य”, भारत में आयु बढ़ने का एक नॉलेज बेस बनाना, आधार पत्र श्रृंखला II क्रम-2, संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि (यूएनपीएफ), नई दिल्ली, आइएन, 2014

अन्य प्रकाशन

डेनीनो मिशेल, “अपने अतीत पर एक नया दृष्टिकोण [18 अप्रैल 2013 को पांचवे पुपुल जयाकर स्मारक व्याख्यान में आमंत्रित वक्ता], कला एवं सांस्कृतिक विरासत का भा. रतीय राष्ट्रीय ट्रस्ट (इनटेक) पुस्तिका, 2015

गंगोपाध्याय जाग्रिति*, “अनौपचारिक क्षेत्र में महिला एवं व्यापार संघ”, वीगो.ओआरजी, जून 2014

कोठारी रीता, “कोनी कोनी छे गुजरात”, काफिला. ओआ. रजी, ब्लॉग, सितम्बर 26, 2014

कोठारी रीता, “हिंदी इमब्रोगलियो – विदेशी राष्ट्रीयकरण?”, काफिला. ओआरजी, ब्लॉग, जून 24, 2014



● छात्र गतिविधियाँ

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

पाठ्येतर गतिविधियाँ

विशेष अवसर

पुरस्कार और प्रशस्ति

छात्र उपलब्धियाँ

खेल समाचार

अन्य छात्र गतिविधियाँ

विद्यार्थियों को उनके समग्र शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध बनाने के लिए पाठ्यविषयेतर और सह पाठ्यचर्या कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाता है जिससे उनका व्यक्तित्व विकसित किया जा सके। छात्रों ने पूरे साल ऐसी गतिविधियों में उत्कृष्टता हासिल की है तथा नई शुरु करते रहे हैं।

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

परिसर नियुक्ति

78 अवरस्नातकों जो नियुक्ति के इच्छुक थे, उनमें से 66 छात्रों को अपनी पसन्द की नियुक्तियाँ प्राप्त हुयी हैं। वे संस्थाएँ जिन्होंने 2014 के जाने वाले यूजी बैच को नियुक्तियाँ प्रस्तावित कीं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं, एलकाइल एमीन्स केमिकल लिय अल्टेयर इंजीनियरिंग इंडिया प्रा लिय एवटेक लिय बोमबार्डियर ट्रान्सपोर्टेशन इंडिया प्रा लिय कोग्निजेंट टेक्नोलॉजी सल्यूशंस ड. वर कॉर्पोरेशन, डीआरडीओय ईक्लर्कस सर्विसेज लिय जीएनएफसी लिय गोल्डमेन शेक्सपियर जीएसएफसी लिय हीरो मोटोकॉर्प लिय होस्पिरा हेल्थकेयर ईशी सिस्टम्स दि इंडियन एंड वायर प्रोडक्ट्स लि (आइएसडब्ल्यूएल) (टाटा स्टील)य टुब्रो लिय नेशनल इंस्ट्रूमेंट सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेडय पालीपेक्स कार्पोरेशन लिय रिलायंस इंडस्ट्री लिय रीको इन्वोवेशन प्रा लिय टाइमट. थ टेक्नोलॉजी प्रा लिय तीर्थ एग्रो टेक्नोलॉजी प्रा लिय एक्सीरे टेक्नोलॉजी प्रा लि एवं आइटीएम विश्वविद्यालय।

ग्रीष्मकालीन अंतःशिक्षता 2014

तकरीबन 165 अवरस्नातक छात्रों ने 2014 के ग्रीष्मकाल में विश्वविद्यालयों अनुसंधान संस्थानों, पीएसयू और अन्य उद्योगों में अंतरिक्षशिक्षता प्राप्त किया।

इनमें से 46 छात्र भारतीय शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों में गए जैसे अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (इसरो), भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलूर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई एवं भाप्रौस गाँधीनगर। 58 छात्र विदेशी विश्वविद्यालयों में गए जैसे केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान (केलटेक) संराअ; क्लेमसन विश्वविद्यालय संराअ; कोलंबिया विश्वविद्यालय संराअ; केस दक्षिण रिजर्व विश्वविद्यालय संराअ; डीएएडी वाइज कार्यक्रम – टेक्नीशे यूनिवर्सिट एट मुंचेन – जर्मनी, ड्यूक विश्वविद्यालय संराअ; इकोले नेशनले सुपीरियूरे डि'आर्ट्स एट नेटियर्स, पेरिस, फ्रांस; ईपीआइए टेक्नोलॉजी – बोलिंगब्रुक, आ. इएल, संराअ; रसायन एवं अभियांत्रिकी विज्ञान संस्थान, जुरोंग आइलैंड, सिंगापोर, आइएससीटीई-लिसबन

विश्वविद्यालय लिसबन; सिंगापोर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंगापोर; उद्यमियों के लिए राजीव सर्कल फेलोशिप, सीए, संराअ; एसयूटीडी, सिंगापोर; सिंगापोर प्रौद्योगिकी एवं डिजाइन विश्वविद्यालय, सिंगापोर; टेन्नियन, इजरायल प्रौद्योगिकी संस्थान, हाइफा-इजरायल टेक्सस ए एंड एम विश्वविद्यालय, टीएक्स, संराअ; केलिफोर्निया मर्सिड विश्वविद्यालय, सीए, संराअ; अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला, शिकागो, संराअ; सिस्को सिस्टम्स संराअ; यूनिवर्सिटी टे. क्नोलॉजी पोर्टोनास, मलेशिया, नोट्रे डेम विश्वविद्यालय, संराअ; सास्काचवान विश्वविद्यालय, केनेडाय वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, संराअ; उत्तरी केलिफोर्निया विश्वविद्यालय, संराअ; वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, संराअ।

61 छात्रों ने इन उद्योगों में अंतरिक्षशिक्षता प्राप्त किया जैसे ए-रे सिस्टम्स प्रा लिय आसान जॉब्स एशिया ब्राउन बोवेरी लिय ऑटोमेशन टेक्निक्स भिलाई इस्पात संयंत्र बॉशय भारत संचार निगम लिय सीई-एडेक्कोय इकोलिब्रियम ऊर्जा प्रा लिय ऐजुकेशनल इनीशिएटिव्स पलूडिनय जनरल इलेक्ट्रिक प्रतिष्ठान हिंदुस्तान एरा. नॉटिक्स लिमिटेडय हीरो मोटोकॉर्प लिय भारतीय तेल निगम लिय ईशी इन्फोर्मेशन सिस्टम्स प्रा लिय ज्योति लिय कोटा सुपर ऊष्मा ऊर्जा संयंत्र केंद्र; मारुति सुजुकी इंडिया प्रा लिय प्रवाह (एनजीओ); राष्ट्रीय ऊष्मा ऊर्जा निगम लिय तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिय रक्षक प्रतिष्ठान (एनजीओ); रिलायंस उद्योग लिय रीको इन्वा. वेशन प्रा लिय साइ इम्पेक्स; सांदि एशिया प्रा लिय सर्व. जलय श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया प्रा लिय सेमि-कंडक्टर प्रयोगशाला- अंतरिक्ष विभाग –भारत सरकार; सतलज जल विद्युत निगम लिय एसएम ऑटो स्टैंपिंग प्रा लिय टाटा मोटर्स लिय टाटा ऊर्जा लिय टेक्सस इंस्ट्रूमेंटय यूवी सोफ्ट टेक्नोलॉजी प्रा लिय अंडर्राइटर्स लेबोरेटरी इंडिया प्रा लिय वाहन कारखाना जबलपुरय विप्रो लि।

क्रियाविधि/गैजेट खुला मंच

2011 बैच के बीटेक यांत्रिक अभियांत्रिकी छात्रों ने एक क्रियाविधिगैजेट खुला मंच 21 अप्रैल, 2014 को रखा जिसमें उन्होंने अपने पाठ्यक्रम क्रियाविधि के संश्लेषण

और विश्लेषण में विकसित नमूने प्रस्तुत किए। छात्रों ने एकजुट होकर समस्याओं को पहचाना जो वो किसी क्रियाविधि या यांत्रिक मशीन के माध्यम से करना चाहते थे तथा अंततः एक प्रारंभिक नमूना बनाया। नमूनों में सम्मिलित थे गन्ने की पत्ती हटाने वाला यंत्र, बहु आयामी आरामदायक वाशिंग मशीन, पानीपूरी मशीन, पुलीस मार्ग अवरोधक, विद्युत वाहनों की बैटरी बदलने वाली मशीन, पेड़ लगाने वाली मशीन, कसीदाकारी धागा काटने की मशीन, पैर से चालित नल, डोसा बनाने की मशीन, भार उठाने वाला मानव बहिःकंकाल एवं कार के नीचे की यांत्रिक ट्रॉली।

पाठ्येतर गतिविधियाँ



अमल्लिया' 14

वार्षिक तकनीकी सम्मेलन *अमल्लिया* का 5वां संस्करण अक्टूबर 11-12, 2014 को संपन्न हुआ। समारोह की विषयवस्तु थी आईडियेट और इन्नोवेट। प्रतिष्ठित वक्ताओं में शामिल हुए **डॉ आर चिदम्बरम**, प्रमुख विज्ञान सलाहकार, भारत सरकार; **डॉ गुरतेज सांधु**, निदेशक एडवांस्ड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट्स, माइक्रोन टेक्नोलॉजी इंक; **श्री सुमित चौधरी**, अध्यक्ष, रिलायंस जिओ इंफोकॉम; **श्री ए एस किरन कुमार**, निदेशक, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, इसरो; **डॉ अरविंद शिन्चुरे**, नवीनता एवं उद्यमवृत्ति चेयर प्राध्यापक, सिंबायोसिस अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, **डॉ अनिल भारद्वाज**, निदेशक, अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला, इसरो एवं **डॉ एन रविचंद्रन**, प्राध्यापक, भाप्रसं अहमदाबाद। डिजाइन एवं नवीनता एक्सपो में माइक्रोसाफ्ट तथा गेरेज इनीशिएटिव रिस्पल जैसे कुछ बड़े यांत्रिक प्रमुखों ने भागीदारी ली। गूगल ग्लास, गूगल कार्डबोर्ड, एवं लीप मोशन जैसे नए गैजेट भी दर्शाए गए। अन्य प्रदर्शक थे इसरो, बिस्को लैब्स, आइटीईआर, लाइट लॉजिक्स एवं एचए 3डी प्रिंटर।



ब्लिथक्रोन' 15

भाप्रौसं गाँधीनगर में जनवरी 17-18, 2015 को संपन्न वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम *ब्लिथक्रोन* के 7वें संस्करण में शिरकत की एक लेजर-थीम ईडीएस नाइट विशेषता लिए मशहूर कलाकार डीजे न्यूक्लिया तथा थिरकन पैदा करने वाले कोक स्टूडियो और अग्रणी पयूजन-रॉक बैंड स्वर्थमा। मुंबई के 50 छात्रों के अलावा, कार्यक्रम में आइ. आइएमए, राडिसं, निफ्ट, सीईपीटी, पीडीपीयू और एचएल महाविद्यालय से भी भागीदारी देखी गयी। ब्लिथक्रोन के तकनीकी कार्यक्रम में थे लेजर असासिन, रोबो सूमो, दौड़ एवं कबड्डी।

इगनाइट 1.0

फरवरी 7, 2015 को घटित भाप्रौसं गाँधीनगर का सर्वप्रथम आंतरिक-महाविद्यालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मेला *इग. नाइट 1.0* में दैनिक जीवन के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बृहित अनुप्रयोगों का प्रदर्शन किया गया। तकरीबन 50 छात्रों ने अपने उत्पादों में फोल्डेबल पुल से लेकर भ्रम-आधारित चीजें और चालक रहित रोबोट कार नमूने को पेश किया।

ग्रीष्मकाल शिविर 2014

जून 9-24, 2014 को हुए 6 सप्ताह लंबे शिविर में 16 सदस्यों ने प्रतिभागिता किया। शिविर में योग, तैराकी, एरोबिक्स तथा साइकलिंग जैसे कार्यकलाप प्रस्तुत किये गए। इस ग्रीष्मकाल छात्रों को सिनेमेटोग्राफी, एंड्राइड एप्लिकेशन विकास, फोटोग्राफी तथा अन्य गतिविधियों की तरफ आकर्षित किया गया। भाप्रौसं गाँधीनगर ने एक ग्रीष्मकाल शिविर चलाया जिसमें सांख्यिकी कम्प्यूटिंग एवं एंड्राइड एप्लिकेशन विकास तथा सिनेमा और विजुअल प्रदर्शन जैसे पाठ्यक्रम थे। संकाय के अतिरिक्त, कार्यरत



उड़ान' 14

उड़ान'14 टृ बीटेक, एमटेक और पीएचडी के स्नातक हो रहे बैच की औपचारिक भोज रात्रि अप्रैल 13, 2014 को मनायी गयी। कार्यक्रम में संकाय, कर्मचारी एवं छात्रों को मिलाकर तकरीबन 300 व्यक्तियों ने भाग लिया। उस दिन

स्नातक हो रहे छात्रों संकाय सदस्यों द्वारा अपने अनुभव को लेकर वक्तव्य दिये तथा संगीत प्रदर्शन हुआ। इप्सित तिवारी और सौरभ सिंघल द्वारा नेतृत्व किये गए एक समूह ने इस कार्यक्रम का संचालन किया।

व्यवसायी तथा विशेषज्ञों ने यह दोनों पाठ्यक्रम पढ़ाए। **समीर बक्शी**, एक व्यावसायिक फोटोग्राफर ने **प्रा सत्यकी रॉय** और **प्रा शतरूपा ठाकुरता रॉय** जो कि भाप्रौस गौंधीनगर के संकाय सदस्य हैं, के साथ मिलकर सिनेमा के ऊपर पाठ्यक्रम लिया। दूसरा पाठ्यक्रम संकाय ने गौतम मलिक, एक टाटा परामर्श सेवा (टीसीएस) के व्यवसायी के साथ लिया। डिजाइन सिद्धान्तों और काव्य के ऊपर कार्यशाला इस ग्रीष्मकाल का हिस्सा थीं। इसके अतिरिक्त ग्रीष्मकाल शिविर में तैराकी, पावर योग, एरोबिक्स, चित्रक. री, रेखाचित्रण के साथ खेल जैसी गतिविधियाँ शामिल रहीं। शिविर के संयोजक **प्रा शंकरजी कृष्णमूर्थी** थे।

जश्न

जनवरी 2-5, 2015 को संपन्न आंतरिक-महाविद्यालय समारोह **जश्न** के 4 संस्करण में तीन और कार्यक्रम जुड़ गए, **दि प्रोम नाइट**, **लाइव एंग्री बर्ड्स एवं मह. फि-ए-जश्न**। इसमें 'सपने' वस्तुनिष्ठ कला मेला भी किया गया। मुस्ती (म्यूजिकल सेंसेशन ऑफ दि इयर) का खिताब ख्याति रेलहान को गया जबकि दूसरा स्थान अंकिता जोशी को प्राप्त हुआ। प्रमुख कार्यक्रमों का संच. लन **मुदित राठोर**, **संकेत शाह**, **विश्वेन्द्र सिंह** के साथ **विवेक प्रकाश** एवं कला क्लब के सहयोग से किया गया।

शीतकाल लाली

सांस्कृतिक समिति ने नवम्बर 9, 2014 को शीतकाल लाली मनायी। इस वर्ष की वस्तुविषय थी समुद्री लुटेर बनाम नाविक। शेंड की एक तरफ समुद्री लुटेरों के जहाज जबकि दूसरी ओर नाविकों के जहाज की तरह सजावट की गयी थी। कार्यक्रम में संगीत के लिए लाइव ऑर्केस्ट्रा, एक फायर जगलर, भारत-अफ्रीका जन-जातीय नृत्य के लिए कलाकार और अन्य प्रतियोगिताएं शामिल थीं। छात्र, संकाय तथा कर्मचारी सदस्यों ने भोज व खेल की दुकानों का प्रबंध किया था। शीतकाल लाली का संचालन **मुदित राठौड़** व **पलक सदानी** ने किया।

विशेष अवसर

स्वतंत्रता दिवस समारोह

अगस्त 15, 2014 के 68वें समारोह का आरंभ निदेशक **प्रा सुधीर कु जैन** द्वारा झंडा रोहड़ से हुआ। इस मौके पर डीन सूची 2013-14 (सत्र II) में चयनित वे 114 छात्र जो एसपीआइ 8.5 या अधिक अर्जित कर पाए थे, उन्हें सम्मानित किया गया। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें देशभक्ति गीत, कविता, तथा भगत सिंह पर आधारित एक लघुनाटक प्रस्तुत किया गया।

शिक्षक दिवस समारोह

शिक्षक दिवस को मनाने के लिए छात्रों ने संकाय संद. स्यों को आमंत्रित कि या गया। छात्रों ने संकाय के साथ मिलकर कई अनौपचारिक गतिविधियों में हिस्सा लिया तथा संकाय को छात्रों द्वारा कई आश्चर्यचकित करने वाले संदेश प्राप्त हुए।

गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी, 2015 को मनाये गए 66वें गणतंत्र दिवस का शुभारंभ निदेशक, **प्रा सुधीर कु जैन** तथा विराअम के प्र. ानाचार्य **डॉ आर के गज्जर** द्वारा झंडा रोहड़ से किय. ।। इस अवसर पर कर्मचारी वर्ग के वर्ष 2014 के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार की घोषणा हुई। कर्मचारी सदस्य तथा छात्र जिन्होंने अंतर-भाप्रौस खेल प्रतियोगिता में मेडल प्राप्त किये थे, उन्हें सम्मानित किया गया।

डीन सूचि में नामांकित छात्र

शैक्षणिक वर्ष 2014-15 सत्र-। में प्रदर्शन के आधार पर कुल 82 बीटेक छात्रों को **डीन सूची** में नामित किया गया था, उन्हें एक प्रशंसा पत्र तथा सामयिक पुस्तक (**मनु जा. 'सफ** द्वारा लिखित सीरियस मेन) प्रदान करके सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का अंत एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ।

भाप्रौस गाँधीनगर में स्पिक मेकी

स्पिकमेकी (युवाओं में भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति का प्रोत्साहन करने वाली सोसायटी) के भारतीय चेप्टर के पहले समारोह की शुरुआत सितार और तबला कलाकार **पण्डित नयन घोष** द्वारा 31 जुलाई, 2014 को किया गया। एक और उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के जाने-माने गायक **पण्डित सारथी चटर्जी** ने 2 सितम्बर, 2014 को भाप्रौस गाँधीनगर स्पिकमेकी धरोहर क्लब में प्रस्तुति दी।

फिल्म प्रदर्शन

इस वर्ष सिनेमाथेक ने छात्र समुदाय के विभिन्न पसंद के मुताबिक नियमित अंतराल पर स्क्रीनिंग्स रखीं। कुछ सप्ताह भर चलने वाले सत्रों में शामिल हैं: मार्गदर्शक सप्ताह, फ्रांसीसी सप्ताह, उद्यमी सप्ताह, चीनी सप्ताह, दक्षिण एशियाई सप्ताह और हॉरर सप्ताह। यह स्क्रीनिंग्स **यश प्रताप सिंह** के नेतृत्व में किए गए।

नृत्य कार्यशालाएं

- नृत्य क्लब ने नवरात्रि के उपलक्ष्य में सितम्बर 11-16, 2014 को सप्ताह भर लंबी गरबा कार्यशाला रखी, इसमें क्लब के प्रशिक्षकों ने उत्साहित लोगों का मार्गदर्शन किया।
- नृत्य क्लब ने एक पेशेवर नृत्य प्रशिक्षक, **श्री यश पाण्ड्या** द्वारा अक्टूबर 17-19, 2014 को एक समक. ालीन नृत्य कार्यशाला आयोजित करवाई - यह कार्यशाला अभिगना भट्ट के नेतृत्व में आयोजित हुई।

हस्ता-ला-विस्ता

स्नातक होने वाले छात्रों के साथ अगस्त 1, 2014 को दीक्षांत समारोह के अवसर पर एक और समारोह मनाया गया। छात्रों ने उनसे बातचीत की और डीजे के संगीत पर खूब आनंद उठाया।

अहमदाबाद मॉडल संयुक्त राज्य (एएमयूएन)

अहमदाबाद मॉडल संयुक्त राज्य (एएमयूएन) को अगस्त 15-16, 2016 को साहित्यिक क्लब और एआईएसई. 'सी के सहयोग से आयोजित किया गया। इसमें जनता के बीच बोलना, विचार-विमर्श, लेखन कला के साथ महत्वपूर्ण सोच, एकसाथ कार्य करना तथा नेतृत्व क्षमताएं शामिल थीं।

त्योहार / भाप्रौस गाँधीनगर

सांस्कृतिक समिति ने कई समारोह मनाए जिसमें छात्रों द्वारा भरपूर उत्साह दिखाया गया जैसे स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी, गरबा संध्या, नया वर्ष, उतरायन, गणतंत्र दिवस एवं परंपरागत दिवस।

शेड-6

अभिनय, नाटक क्लब और टाइमलाइन, वीडियोग्राफी क्लब ने साथ मिलकर संस्थान का पहला सिटकॉम बनाया जो भाप्रौस गाँधीनगर में छात्रों के शानदार सफर को बयां करता है। समुदाय ने पहले 5 एपिसोड और बाद के एपिसोड खूब पसंद किए।

पीएचडी अध्येतावृत्ति

भाप्रौस गाँधीनगर को इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली डिजाइन और उत्पादन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं आइटी-इनेबल्ड सेवाओं के लिए प्रसिद्ध **विश्वेसरइया पीएचडी अध्येतावृत्ति** दिया गया।

पुरस्कार और प्रशस्ति

अनुसंधान के लिए नकद पुरस्कार

शासी मण्डल ने मार्च 28, 2013 को संपन्न हुई उसकी 9वीं बैठक में अवरस्नातक और अधिस्नातकों को उनके सह. कर्मी-समीक्षा में प्रदर्शित जर्नलों के पत्रों के लिए एक नकद पुरस्कार योजना के लिए स्वीकृत प्रदान किया। निम्नलिखित छात्रों को 2014-15 में नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

छात्र का नाम	कार्यक्रम	विषय	राशि
अदिति भारद्वाज	बीटेक (पूर्वछात्र)	विद्युत	रु 25,000
अखिलेश गोटेमारे	बीटेक	विद्युत	रु 12,500
रोहन पाटीदार	बीटेक	विद्युत	रु 12,500
गौरव महामुनि	बीटेक	यांत्रिक	रु 12,500
श्रेयांश नाहर	बीटेक	यांत्रिक	रु 5,000
चित्ता रंजन बेहरा	एमटेक (पूर्वछात्र)	रसायन	रु 25,000
जिगनेश राजेन्द्रकुमार जोशी	एमटेक (पूर्वछात्र)	रसायन	रु 25,000
मनीषकुमार डी यादव	एमटेक (पूर्वछात्र)	रसायन	रु 37,500
निडाल राज भूरिया	एमटेक (पूर्वछात्र)	सिविल	रु 25,000
शिवानी रानी	एमटेक (पूर्वछात्र)	सिविल	रु 25,000
विनय द्विवेदी	एमटेक (पूर्वछात्र)	यांत्रिक	रु 25,000
विक्रम करदे	पीएचडी	रसायन	रु 25,000
अल्पना अंकुश थोरट	पीएचडी	रसायन	रु 25,000
हर्ष अग्निहोत्रि	पीएचडी	रसायन विज्ञान	रु 12,500
नरेश बालसुकुरि	पीएचडी	रसायन विज्ञान	रु 20,833
सुदीप्ता दास	पीएचडी	रसायन विज्ञान	रु 20,833
प्रसीथा के	पीएचडी	रसायन विज्ञान	रु 33,334
भानु प्रताप सिंह गंगवार	पीएचडी	रसायन विज्ञान	रु 12,500
वीरभद्रइया पी	पीएचडी	रसायन विज्ञान	रु 25,000
हैदर अली	पीएचडी	सिविल	रु 25,000
रीपल दिनेश शाह	पीएचडी	सिविल	रु 25,000
नीरज कुमार	पीएचडी (पूर्वछात्र)	संज्ञानात्मक विज्ञान	रु 25,000
एस चंद्रसेकरन	पीएचडी	विद्युत	रु 25,000
योगेश फुलपागरे	पीएचडी	यांत्रिक	रु 12,500
सेल्विया कुरियाकोसे	पीएचडी	विद्युत	रु 25,000
सत्य शिवनरेश एम	पीएचडी	विद्युत	रु 25,000
विनय पटेल	पीएचडी	विद्युत	रु 25,000
अभिषेक उपाध्याय	पीएचडी	विद्युत	रु 25,000

गाँधी युवा प्रौद्योगिकी नवीनता पुरस्कार

ध्येय शाह, इप्सित तिवारी एवं राजेश पाटीदार को पार्किंसन रोग से ग्रसित रोगियों के लिए एक ना गिराने वाली चम्मच को डिजाइन करने के लिए जैवयांत्रिक उद्योग अनुसंधान सहयोग संगठन (बिराक) स्रष्टि पुरस्कार की तरफ से गाँधी युवा प्रौद्योगिकी नवीनता पुरस्कार दिया गया।



पुरस्कार एवं प्रशस्ति

- **अनुराग पल्लुतला** और **ओम मारगज**, द्वितीय वर्ष के यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्रों को **जीई प्रतिष्ठान विद्वान नेतृत्व कार्यक्रम** के लिए चुना गया जिसमें प्रत्येक को +2250 की छात्रवृत्ति दो वर्षों के लिए दी जाएगी। उन्होंने जीई प्रतिष्ठान द्वारा जेक एफ वेल्च प्रौद्योगिकी केंद्र में “नवीनता के लिए ऊर्जा” नामक कार्यशाला में भाग लिया था, बेंगलोर, जून 15–18, 2014
- **अभिषेक नावरकर** को यांत्रिक एवं अभियांत्रिकी संस्थान से अपनी अंतःशिक्षता करने के लिए **चारपक छात्रवृत्ति** प्राप्त हुयी, बोर्डयूक्स।
- **कृष्ण कुमार सक्सेना**, **प्रा ज्योति मुखोपाध्याय** के पर्यवेक्षण में एमटेक पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी द्वितीय वर्ष के छात्र को इंस्टुट फुर अमफोर्टेकनिक में अपने अधिस्नातक थीसिस अनुसंधान करने के लिए **जर्मन डीएएडी अध्येतावृत्ति** प्राप्त किया, यूनिवर्सिटेट स्टेटगार्ट, जर्मनी।
- **मिहिर एम भालेराव**, **पराग चिटनिस** एवं **ओम मारगज** की एक टीम को प्रा अनुलेखा धारा के मार्गदर्शन में **मॉडलिंग की गणित प्रतियोगिता (एमसीएम) 2014** में ‘मेरीटोरियस’ घोषित। एमसीएम गणित एवं उसके अनुप्रयोग के कंसोर्टियम (कोमएप), एक संरा-आधारित नॉन-प्राफिट संस्था द्वारा आयोजित किया गया।
- **मनीष चावला**, पीएचडी छात्र को, रीइनफोर्समेंट सीख में उन्नति पर कार्यशाला के लिए **डीएसटी अध्येतावृत्ति** प्राप्त किया जो राष्ट्रीय गणित पहल और भाप्रोसं मद्रास द्वारा आयोजित होता है, चेन्नई, मार्च 23–28, 2015।
- **मनीष चावल**, एक पीएचडी छात्र को, कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण से याददाश्त और प्लास्टिसिटी कार्यशाला के लिए एक **अध्येतावृत्ति** प्राप्त हुई, जो राष्ट्रीय जै. विकी विज्ञान (एनसीबीएस) द्वारा आयोजित होती है, बेंगलोर, जून 28– जुलाई 12, 2014



- **मनीष चावला** को डॉक्टरल छात्रों के लिए न्यू रोअर्थशास्त्र के फ्रंटियर्स से **सेंटेन्डर अंतर्राष्ट्रीय समर विद्यालय अध्येतावृत्ति** प्राप्त हुई जो हीडलबर्ग और सेन्टेन्डर विवि द्वारा आयोजित की गई, जर्मनी, अप्रैल 7-17, 2014
- **अंकिता अरोड़ा** को अंतर्राष्ट्रीय पॉलीमरिक जैवपदार्थ संगोष्ठी में स्प्रिंगर सर्वश्रेष्ठ छात्र का मौखिक प्रदर्शन और रु20,000 का नकद पुरस्कार प्राप्त हुआ, जैवप्रौद्योगिकी एवं जैवडायग्नोस्टिक, नई दिल्ली, अक्टूबर 27-30, 2014।
- **वीरभद्रइया पक्लोल्लू** को 8वीं एशियाई फोटो. रसायनिक संगोष्ठी में **सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार** दिया गया, त्रिवेन्द्रम, नवम्बर 9-13, 2014।
- **एस चंद्रशेखरन**, एक विद्युत अभियांत्रिकी के पीएच.डी छात्र को उसके डॉक्टरल अनुसंधान कार्य के लिए **पोस्को ऊर्जा प्रणाली पुरस्कार** (पीपीएसए-2015) दिया गया। पुरस्कार में रु 60,000 और एक प्रमाणपत्र होता है।
- **स्नेहा एन वेद** को कम-ऊर्जा बहु-कोर वास्तुकला के लिए **ऑन-चिप संचार** (एएसओसीसी) नेटवर्क डिजाइन नामक परियोजना के लिए पीएचडी अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।
- **जर्मनी जल साझा पुरस्कार- भारत, 2014** (दूसरा पुरस्कार) को रीपल शाह (पीएचडी छात्र, सिविल अभियांत्रिकी) को दूसरी भारत-जर्मनी जल साझा-दिनवस 2014 दिया गया, 6 अक्टूबर, 2014। उनको स्थिर भारत में जल अनुसंधान प्रबंधन के क्षेत्र में वास्तविक अनुप्रयोगों में उत्कृष्ट एप्लाइड अनुसंधान कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। उन्होंने एक मोमेंटो प्रमाणपत्र, रु20,000 नकद तथा बैठक का पूरा यात्रा खर्च प्राप्त किया।
- **मनीष कुमार** को **यंग प्रेजेंटर पुरस्कार** क्लोस्ट्रीडियम XIII में प्राप्त हुआ (घोल तथ अम्ल बनाने वाले क्लोस्ट्रीडा के जिनेटिक्स, फिजियोलॉजी एवं सिंथेटिक जैविकी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी), सितम्बर 19-21, 2014, शंघाई, चाइना
- **आशा लीजा जेम्स** को आइसीएसएम (मृदु पदार्थों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी) में **सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार** मिला, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, राजस्थान, अक्टूबर 2014, पोस्टर का शीर्षक था "बोरोन हनीकोम्ब लेट्टीस वाले नेनोशीट्स का निर्माण: अल्ट्रासोनिकेशन और केलेशन मध्यस्थ किए रणनीतियां"

खेल समाचार

हल्ला बोल 15

हल्ला-बोल, एक पूरी रात चलने वाला अंतर-विद्यालय वार्षिक खेल समारोह का आयोजन मार्च 20-29, 2015। बदले हुए नियमों के साथ कई खेल हुए जिसमें फुटसल, टग ऑफ वार, फ्रिस्बी, टच रग्बी, फुट वॉली, गल्ली क्रिकेट, 7 स्टोन्स, 3 साइड बेडी, बास्की, डॉज बॉल एवं खो-खो शामिल थे।

50वां अंतर-भाप्रौसं तैराकी समारोह

अनिमेष कुमावत को **50वें अंतर-भाप्रौसं तैराकी समारोह** में 200मी बेक-स्ट्रोक में रजत पदक, 100मी बेक-स्ट्रोक, तथा 1500मी फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक प्राप्त हुआ, अक्टूबर 1-4, 2014, भाप्रमु मुंबई। निशा रावत को 50मी ब्रेस्ट-स्ट्रोक में एक रजत पदक तथा **पार्थ साने** को 50मी बटरफ्लाय और 50मी बेक-स्ट्रोक में कांस्य पदक मिला था।

50वां अंतर-भाप्रौसं खेल समारोह

तरुणा यादव को गोला फेंक (महिला) में 7.32मी के साथ कांस्य पदक प्राप्त हुआ, **50वीं अंतर-भाप्रौसं खेल समारोह**, दिसम्बर 12-19, 2014, भाप्रौसं मुंबई।

वाइड्स'14

बास्केटबॉल पुरुष वर्ग ने निरमा विवि में भारतीय व्यवसाय प्रबंधन संस्थान को हरा कर (44-42) चैंपियनशिप का खिताब जीता। **कृष्ण मीना** का फाइनल में शानदार प्रदर्शन रहा। टूर्नामेंट में **मनोज कुमार**, **संजय मीना**, **प्रिंस सिंह** और **आशीष अनारसे** का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा।

भारतीय विद्यालय बास्केटबॉल लीग (आइसीबीएल) चैलेंजर्स भारतीय विद्यालय बास्केटबॉल लीग (आइसीबीएल) में भाप्रौसं गाँधीनगर की बास्केटबॉल पुरुष टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, दिसम्बर 8-10, 2014। यह भारतीय बास्केटबॉल फेडरेशन (बीएफआई) द्वारा गुजरात की विद्यालय-टीमों के लिए आयोजित किया गया था।

खेल महाकुंभ

लड़कों की बास्केटबॉल टीम ने खेल महाकुंभ टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक हासिल किया, अक्टूबर 13, 2014। प्रत्येक टीम सदस्य को एक रु4,000 का नकद पुरस्कार दिया गया। टीम के चार खिलाड़ियों कोरू कृष्ण मीना, मनोज कुमार, संजय मीना और प्रिंस सिंह को गाँधीनगर जिला टीम को गुजरात के राज्य स्तर के खेल टूर्नामेंट में प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। टूर्नामेंट में महिला टीम ने कांस्य पदक जीता।

अन्य खेल घटनाएं

शौर्य 14 में महिला वॉलीबॉल टीम ने स्वर्ण पदक जीता, भाप्रसं अहमदाबाद द्वारा आयोजित अंतर-विद्यालय खेल टूर्नामेंट, अक्टूबर 10-12, 2014। भाप्रौसं गाँधीनगर की बैडमिंटन टीम (महिला) जिसमें **वैश्ववी पाटिल** और **स्वास्ति मेधा** थीं ने पीडीपीयू को डीएआइआइसीटी का 'कर्स-14 एकल तथा युगल चैंपियनशिप में हराया।

पेट्रेलियम कप 2015

तरुना यादव ने एक स्वर्ण पदक चक्का फेंकने में, रजत पदक गोला फेंक में तथा भाला फेंकने में कांस्य पदक जीता; **आदित्य शाह** ने तृतीय कूद में स्वर्ण पदक जीता; **प्रदीप दिवाकर** ने चक्का फेंक में एक रजत पदक तथा

गोला फेंक में कांस्य पदक; और **संपदा घरपुरे** ने भाला फेंक में रजत पदक जीता, पीडीपीयू, गाँधीनगर, फरवरी 5-6, 2015।

अन्य छात्र गतिविधियाँ

ओएनजीसी कैंबे दौरा

विभिन्न विषयों के पच्चीस छात्रों ने प्रा राजगोपालन श्री. निवासन तथा प्रा अभय गौतम के साथ ओएनजीसी कैंबे क्षेत्र का दौरा किया, मार्च 13, 2015। छात्रों को ओएनजीसी की गतिविधियों को देखने तथा ओएनजीसी अर्थिकारियों के साथ बातचीत करने का मौका मिला। इसके अतिरिक्त वे लूनेज संग्रहालय, ओएनजीसी खुदाई क्षेत्र तथा ओएनजीसी उत्पादन इंस्टोलेशन क्षेत्र के साथ ही उसकी प्रौद्योगिकी और प्रयोगों को भी देखने गए।

क्षेत्र भ्रमण

प्रा अमित प्रशान्त, प्रा अजंता सचान, श्री माइकल डेनीनो, श्री आर एस बिश्ट, प्रा वी एन प्रभाकर, प्रा आलोक कानूनगो, सिल्की अग्रवाल, मंटू मजूमदार, विनोद वी तथा **संध्या** की एक टीम ने ढोलावीरा की यात्रा भूमि छेदने के रडार के सर्वेक्षण के लिए की जो कि पुरातत्व विज्ञान केंद्र के अंतर्गत किया गया, भाप्रौसं गाँधीनगर के साथ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण।

शैक्षणिक वर्ष 2013-14 के वार्षिक खेल

शैक्षणिक वर्ष 2013-14 में निम्नलिखित छात्रों को उनके प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न श्रेणियों के लिए सम्मानित किया गया।

वर्ष का सर्वोत्तम खिलाड़ी (पुरुष)

अनिमेष कुमावत

वर्ष का उभरता हुआ सर्वोत्तम खिलाड़ी (पुरुष)

आदित्य शाह

वर्ष का सर्वोत्तम खिलाड़ी (महिला)

निशा रावत

वर्ष का उभरता हुआ सर्वोत्तम खिलाड़ी (महिला)

श्रिजा वादिनेनि

वर्ष का सर्वोत्तम खिलाड़ी (संकाय)

नारण पिंडोरिया

वर्ष का सर्वोत्तम खिलाड़ी (कर्मचारी)

संतोष राउत

बैडमिंटन ओपन (एकल)

ईशान उपाध्याय

बैडमिंटन ओपन (युगल)

कनक शर्मा एवं प्रंशुल सैनी

बैडमिंटन ओपन एकल (महिला)

ऐश्वर्या अग्रवाल

बैडमिंटन ओपन युगल (महिला)

अपर्णा आर्या एवं प्रत्युषा छल्ला

टेबल टेनिस ओपन

निखिल शर्मा





● कर्मचारी गतिविधियां

अन्य कर्मचारी गतिविधियां



22वां अंतर-भाप्रौस खेल मिलन समारोह

सुश्री दिवंकल पटेल को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ट्रॉफी (म. हला) तीन स्वर्ण पदक जीतने के लिए दी गयी, जो 22वां अंतर-भाप्रौस खेल मिलन समारोह में 100मी, 200मी तथा लंबी कूद श्रेणी में मिले थे, दिसम्बर 22-26, 2014। उन्होंने एक नया अंतर-भाप्रौस रिकॉर्ड लंबी कूद तथा 200मी दौड़ में बनाया। सुश्री लक्ष्मी हीरानी ने गोला फेंक तथा 100मी दौड़ में रजत पदक जीता। भाप्रौस गाँधीनगर को अतिउत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एथलेटिक्स चैंपियनशिप ट्रॉफी (महिला) प्राप्त हुआ।

अन्य कर्मचारी गतिविधियाँ

ओरिएंटेशन कार्यक्रम

संस्थान के गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए एक-दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम सितम्बर 6, 2014 को किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों से भाप्रौस प्रणाली तथा प्रशासन के नए चेहरे के बारे में बातचीत करना था। कार्यक्रम भाप्रौस मुंबई के पूर्व कुलसचिव श्री डी के घोष द्वारा संचालित किया गया। ज्यादा जोर भाप्रौस की संस्कृति तथा समयावधि में गुणवत्ता वाली सहायक सेवाएं प्रदान करने को समझने पर था।

सहकर्मि समीक्षा

भाप्रौस गाँधीनगर अपने सभी कर्मचारियों के प्रदर्शन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए अत्यंत महत्व देता है। उत्कृष्टता सुनिश्चित करने, कर्मचारियों के प्रदर्शन के लिए नियमित रूप से सहकर्मि की समीक्षा की जरूरत है। इसके मुताबिक, एक प्रक्रिया अपने पद के कर्मचारियों के प्रदर्शन, विशेष रूप से अधिकारियों के लिए संस्थान की ओर से एक सहकर्मि समीक्षा शुरू की गई है। पहली सहकर्मि समीक्षा सितम्बर 19-20, 2014 को एक विशेषज्ञ समिति ने की जिसमें शैक्षणिक संस्थानों के शीर्ष प्रशासनकर्ता शामिल थे। समीक्षा के उपरान्त, सभी कर्मचारियों को विशिष्ट क्षेत्रों में सुधार करने के बारे में बताया गया।

लघु सत्र का प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीटीपी)

ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के क्रियान्वयन पर एक लघु सत्र का प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया, यह सवराप्रोस द्वारा आयोजित किया गया जिसमें सवराप्रोस में पीएसआइएम सॉफ्टवेयर तथा पीजी छात्रों द्वारा हेंड्स ऑन अभ्यास सत्र रखे गए, सूरत में 5 दिनों के लिए दिसम्बर 29, 2014 - जनवरी 2, 2015। श्री अंकुर नवदीवाला तथा सुश्री पलक बगिया, दोनों कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, ने पांच दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया। इस प्रशिक्षण से प्रतिभागियों को ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स में अपनी मौलिक कार्यकुशलता तथा व्यावहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करने में सहायता मिली।

संकाय एवं कर्मचारी पिकनिक

नवम्बर 16, 2014 को गुजरात वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, गाँधीनगर में एक पिकनिक रखी गयी। तकरीबन 100 लोग, जसमें संकाय, कर्मचारी एवं परिवार जन पिकनिक में सम्मिलित हुए। प्रा मधुमिता सेनगुप्ता, प्रा चंद्रकुमार अप्पायी एवं प्रा हरीष पी एम द्वारा बच्चों तथा बड़ों के लिए कई प्रकार के इनडोर व आउटडोर खेलों का संचालन किया गया।

कर्मचारी के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार

गैर शिक्षण कर्मचारियों में वर्ष 2014 के लिए सुश्री के नागा मौली, कार्यकारी अधिकारी; श्री श्रीजित बी मेनन, कनिष्ठ अधीक्षक; श्री रोहितकुमार बी चौधरी, कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक; श्री संजयकुमार के कक्षिया, कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक; श्री दिनेशजी एस ठाकोर, कार्यालय परिचारक; एवं श्री उपेन्द्रभाई जे चौहान, अतिथि गृह परिचारक को उत्कृष्टता पुरस्कार से नवाजा गया। इन पुरस्कारों से संस्थान, कर्मचारियों की निरंतर लगन तथा अनुकरणीय सेवाओं के लिए औपचारिक रूप से पहचानता है।



सुश्री के नागा मौली



श्री श्रीजित बी मेनन



श्री रोहितकुमार बी चौधरी



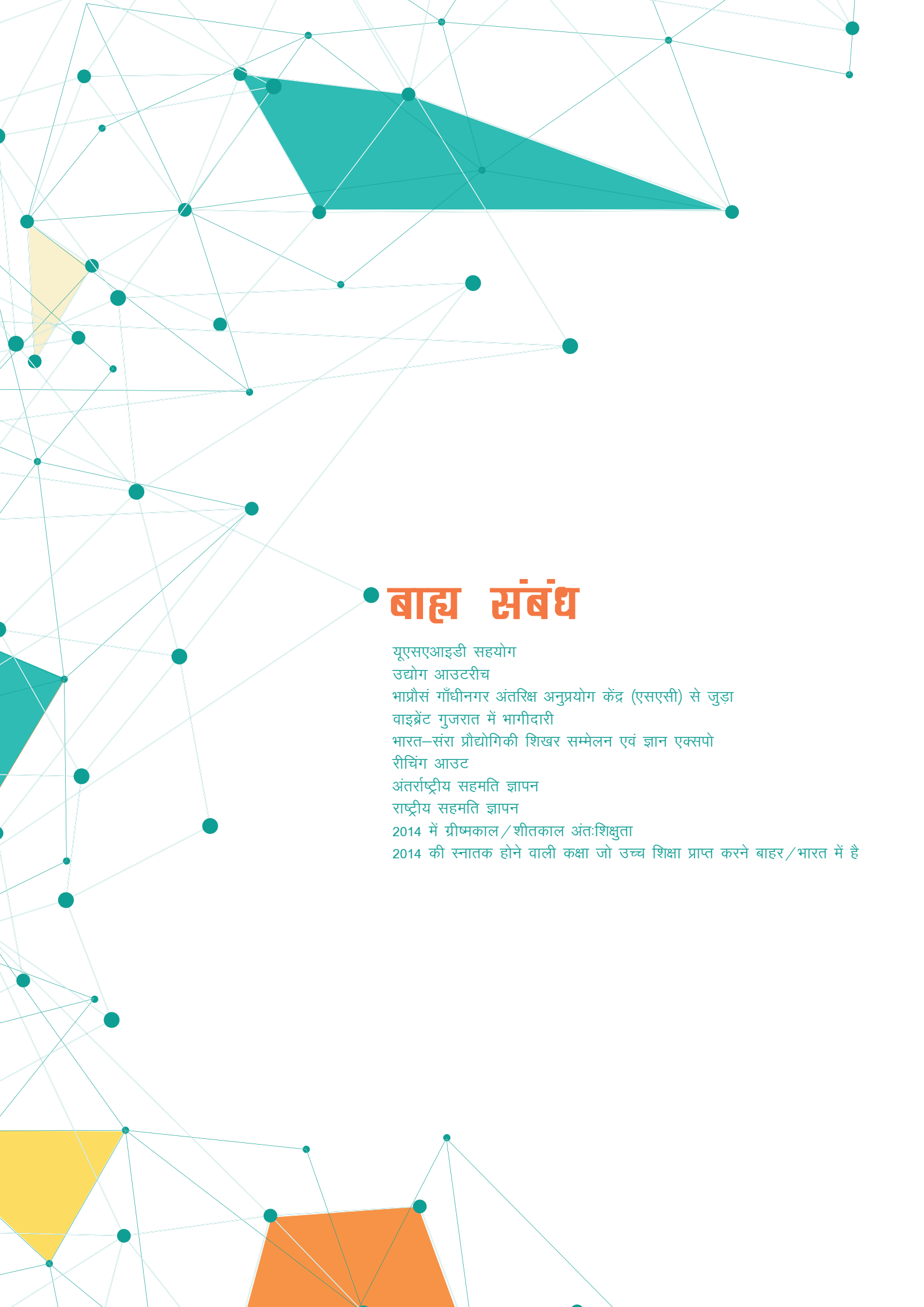
श्री संजयकुमार के कक्षिया



श्री दिनेशजी एस ठाकोर



श्री उपेन्द्रभाई जे चौहान



● बाह्य संबंध

यूएसएआइडी सहयोग

उद्योग आउटरीच

भाप्रौसं गाँधीनगर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) से जुड़ा

वाइब्रेंट गुजरात में भागीदारी

भारत-संरा प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन एवं ज्ञान एक्सपो
रीचिंग आउट

अंतर्राष्ट्रीय सहमति ज्ञापन

राष्ट्रीय सहमति ज्ञापन

2014 में ग्रीष्मकाल/शीतकाल अंतःशिक्षुता

2014 की स्नातक होने वाली कक्षा जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने बाहर/भारत में है

यूएसएआइडी सहयोग



एक संयुक्त आशय की घोषणा जनवरी 23, 2015 को राष्ट्रपति ओबामा की भारत यात्रा से पहले, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (मासंविम) तथा अंतर्राष्ट्रीय विकास की संयुक्त राज्य एजेन्सी (यूएसएआइडी) के मध्य किया गया जिससे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को सहयोग प्राप्त हो सके। घोषणा अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) तथा उद्यमशीलता को भाप्रौसं गाँधीनगर में शुरुआती तौर पर सहयोग देने के लिए की गयी है। तीन यूएसएआइडी प्रतिनिधियों की टीम, जिसमें **डॉ मिच किर्बी**, वरिष्ठ शिक्षा सलाहकार; **डॉ शीला ई देसाई**, भारत की वरिष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सलाहकार; तथा **डॉ एरिक एम जॉनसन**, अंतर्राष्ट्रीय आरटीआइ के साथ वरिष्ठ अनुसंध

ान अर्थशास्त्री, भाप्रौसं गाँधीनगर में फरवरी 10, 2015 को संस्थान की जरूरतों का अवलोकन करने तथा भाप्रौसं गाँधीनगर के वरिष्ठ प्रशासकों के साथ रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए आए थे। उनकी चर्चा में कई संभावित क्षेत्र जैसे अनुसंधान क्षमताओं को सुदृढ़ करना, नेतृत्व विकास, नेटवर्किंग, संचार रणनीतियों, तथा उद्यमशीलता शामिल किए गए।

उद्योग आउटरीच



औद्योगिक साझेदारी रिट्रीट

भाप्रौस गाँधीनगर ने उद्योग के साथ अपनी संलग्नता और संचार को फैलाने के नियोजन को ध्यान में रखते हुए **औद्योगिक साझेदारी रिट्रीट** का आयोजन मई 9, 2014 को किया। 30 प्रमुख उद्योगी **श्री आमिर अख्तर**, प्रकाश-लाइफस्टाइल फेब्रिक-डेनिम, अरविंद लि, अहमदाबाद; **श्री विमल अंबानी** महानिदेशक, टावर ओवरसीज लि, अहमदाबाद; **श्री पार्थो घोष**, कार्यकारी उपराष्ट्रपति,

व्यवसाय विकास, केएचएस मशीनरी प्रा लि, अहमदाबाद; **श्री डी के गुप्ता**, कार्यकारी उपराष्ट्रपति, लारसन एंड टुब्रो लि, मुंबई; **श्री केल कर्नस**, उत्पादन निदेशक, फोर्ड इंडिया, सानंद; **श्री पियूष माथुर**, निदेशक, भारत ऑपरेशंस, नीलसन भारत; **श्री के श्रीधर**, प्रबंध निदेशक, रीको इनोवेशंस प्रा लि, बेंगलूर; एवं **प्रा महेश टंडन**, प्रबंध निदेशक, टंडन परामर्शदाता प्रा लि, नई दिल्ली ने उद्योग-शिक्षण संबंध को मजबूत करने पर चर्चा की।

उद्योग ओपन हाउस

संस्थान के पहले **उद्योग ओपन हाउस** में भारत भर से तकरीबन 50 उद्योगियों ने भाप्रौस गाँधीनगर के साथ साझेदारी की संभावनाओं को खोजा, अगस्त 23, 2014। यह समारोह भाप्रौस गाँधीनगर के अपने औद्योगिक संलग्नता एवं संचार को बढ़ाने के नियोजन के तहत किया गया। भाप्रौस गाँधीनगर के निदेशक प्रा सुधीर कु जैन ने कहा, "भाप्रौस गाँधीनगर उद्योगों के साथ अपनी संलग्नता को महत्वपूर्ण समझता है। हमने कुछ मजबूत साझेदारियाँ बनाई हैं, जैसे अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला (यूएल), रीको जापान एवं नीलसन। उद्योग ओपन हाउस इन साझेदारियों को बनाने तथा नए विचारों और अवसरों पर केंद्रित है।" समारोह में भाप्रौस गाँधीनगर की विशेषज्ञता, संरचना एवं क्षमताओं को प्रिसेंटेशन, पोस्टर, प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय भ्रमण, विचार प्रस्तुतीकरण, एवं इंस्ट्रूमेंटेशन और उत्पाद प्रदर्शन को दर्शाया गया। प्रमुख भारतीय उद्योग जैसे, मारुति सुजुकीय केडिला



फार्मास्यूटिकल्स टीवीएसय रिलायंस इंडस्ट्रीजय स्मार्ट ग्रिड टोरेंटय अदानीय टीसीएसय आइबीएम एवं हॉसपीरा के साथ कई शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों जैसे प्ला. ज्मा अनुसंधान संस्थान (आइपीआर); मुद्रा संचार संस्थान अहमदाबाद (माइका); पर्यावरण नियोजन एवं प्रौद्योगिकी विवि केंद्र (सीईपीटी); एवं भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), ने समारोह में हिस्सा लिया।

भाप्रौस गाँधीनगर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) से जुड़ा

भाप्रौस गाँधीनगर ने इलेक्ट्रॉनिक्स, सिग्नल एवं चित्र प्रक्रिया एवं इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल प्रणाली मॉडलिंग के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के साथ टीम बनाई है। भाप्रौस गाँधीनगर के निदेशक **प्रा सुधीर कु जैन** और एसएसी के निदेशक **श्री ए एस किरन कुमार** ने दोनों संस्थानों के मध्य क्रियाशील सहभागिता के लिए मई 26, 2014 को सहमति

ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। सहमति ज्ञापन के अंतर्गत, भाप्रौस गाँधीनगर के छात्र एसएसी के साथ संयुक्त रूप से दोनों संस्थानों के समान रुचिकर अनुसंधान क्षेत्रों में अनुसंधान अंतःशिक्षता लेंगे। इसके बदले, भाप्रौस गाँधीनगर अपने यहाँ एसएसी के वैज्ञानिक जो शिक्षण एवं अनुसंधान के इच्छुक हैं, उनको तथा उच्च शिक्षा लेने वालों को अनुमति प्रदान करेगा।



वाइब्रेंट गुजरात में भागीदारी

भाप्रौस गाँधीनगर ने वाइब्रेंट गुजरात समिट में जनवरी 7-13, 2015 के बीच शिक्षा पविलियन तथा मासविमं के पविलियन में अपनी स्टॉल स्थापित करके भाग लिया। शिक्षा पविलियन में भाप्रौस गाँधीनगर के विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों तथा मौलिक शासी विषयों जैसे छात्र अनुभवों पर जोर, पाठ्यक्रम में नवीनता, उद्योग एवं समुदाय आउटरीच तथा अनुसंधान में एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया था। मासविमं पविलियन में संस्थान के अनुसंधान कार्यक्रमों के तहत छात्रों एवं संकाय द्वारा निर्मित नमूने प्रदर्शित किए गए थे। यह हमारे उद्योगियों को अपने उत्पाद दिखाने का भी मौका था। टिंकरटैंक ने अगरबत्ती बनाने वाली मशीन तथा 4डिया ने भाप्रौस गाँधीनगर का आभासी यात्रा को दर्शाया। इस प्रतिभागिता से भाप्रौस गाँधीनगर को स्थानीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों को अपनी स्टाल्स के माध्यम से स्वयं को उजागर कराने का मौका मिला।



भारत-संरा प्रौद्योगिकी समिट एवं ज्ञान एक्सपो

भाप्रौस गाँधीनगर ने भाप्रौस पविलियन के तहत नवम्बर 18-22, 2014 को भारत-संरा प्रौद्योगिकी समिट एवं ज्ञान एक्सपो में ग्रेटर नॉयडा में भाग लिया



टीचिंग आउट

- **प्रा अचल मेहरा** ने शिकागो में अंडरराइटर्स प्रयोगशाला इंक की विश्वविद्यालयों की सहभागियों की बैठक में हिस्सा लिया, मई 5–8, 2014। प्रा मेहरा ने भ. प्राप्रौस गाँधीनगर में पेन-**भाप्रौस संगोष्ठी में अंत. राष्ट्रीयकरण** के ऊपर एक प्रस्तुतीकरण भी दिया, टोरोंटो, जून 6–8, 2014 तथा कई केनेडियन विवि में यात्रा की जैसे, टोरोंटो विवि, मेक मास्टर विवि एवं वॉटरलू विवि।
- शासी मण्डल के सभापति **डॉ बलदेव राज**, एवं निदेशक **प्रा सुधीर कु जैन** ने राष्ट्रपति भवन में भ. प्राप्रौस के निदेशकों और शासी मण्डल के सभापतियों की एकदिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया, नई दिल्ली, अगस्त 22, 2014। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता थे।
- **प्रा सुधीर कु जैन भूकंप अभियांत्रिकी के 10वीं संरा राष्ट्रीय संगोष्ठी** में हिस्सा लेने गए, जुलाई 21–25, 2014, तथा **भूकंप अभियांत्रिकी की अंत. राष्ट्रीय एसोसिएशन की कार्यकारी समिति** को चेयर किया, एंकरेज, अलास्का। उन्होंने इस मौके पर संस्थान के शुभ-चिंतकों और मित्रों से टेंपा, (फ्लो. रिडा), लॉस एंजिलस, सियाटल और सेन फ्रांसिस्को में भेंट करने का अवसर निकाला। अगस्त 11–14, 2014 के मध्य वे सिंगापुर विवि गए।
- **प्रा अमित प्रशान्त** केलिफोर्निया तथा एरिजोना, सं. राअ में अनुसंधान सहभागिता के लिए संस्थानों में गए, जुलाई 5–19, 2014। प्रा अमित प्रशान्त वेस्ट कोस्ट संराअ तथा केनेडा के गुजरात सरकार के डेलीगेशन साथ टेन्नेसी विवि, संराअ, भी गए, अगस्त 20–सितम्बर 7, 2014।
- **प्रा सुधीर कु जैन, प्रा अचल मेहरा** तथा **प्रा प्रत्युष दयाल** केलिफोर्निया, न्यू यॉर्क, वॉशिंगटन डीसी, एवं बोस्टन में भाप्रौस गाँधीनगर के शुभ-चिंतकों से मिल. ने गए, अक्टूबर 2–13, 2014। उन्होंने एक सम्मेलन “प्रौद्योगिकी शिक्षा में 21वीं सदी की चुनौतियों की बैठक” में हिस्सा लिया, सेंटा क्लारा, अक्टूबर 4, 2014 जो भाप्रौस गाँधीनगर प्रतिष्ठान ने भाप्रौसंस्थानों, भ. प्रासंस्थानों, भाविसं एवं बिप्रौविसं के पूर्वछात्रों के

सहयोग से किया गया था। प्रा जैन, प्रा सतीश त्रिपाठी, सन्नी बफैलो तथा विवेक वाधवा, फेलो, ड्यूक विवि ने डॉ प्रभु गोयल, टेक्नोलॉजिस्ट एवं डेवलपर के एक पेनल में हिस्सा लिया। प्रा जैन एवं प्रा दयाल युवा खोजकर्ता सम्मेलन 2014 में गए, बॉस्टन, संराअ, अक्टूबर 11–13, 2014। प्रा मेहरा टेंपा, फ्लोरिडा में विकास पहलों के लिए गए, अक्टूबर 1–2, 2014।

- प्रा जैन ने भाप्रौस कानपुर में एक व्याख्यान श्रृंखला पर “विश्वविद्यालय का निर्माण” नामक आरंभिक व्याख्यान दिया। प्रा जैन ने “एक वैश्विक स्तर की भाप्रौस को जमीन से बनाने के अवसर एवं चुनौतियाँ: भाप्रौस गाँधीनगर की कहानी” शीर्षक का वक्तव्य भाविसं बेंगलोर में दिया, दिसम्बर 23, 2014।
- **प्रा सुधीर कु जैन, प्रा अमित प्रशान्त** एवं **प्रा कबीर जसूजा** जापान उच्च विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थ. इन यात्रा पर गए, मार्च 15–19, 2015, वहाँ उन्होंने जेएआइएसटी तथा भाप्रौस गाँधीनगर के मध्य संभा. वित सहभागित पर चर्चा की।

भाप्रौसं गाँधीनगर निरन्तर भारत तथा विदेशों में संस्थाओं और व्यक्तियों से संबंध स्थापित करता आ रहा है, जिससे कि संस्थान की विविध गतिविधियों को सहयोग प्राप्त हो सके तथा इसका विकास हो, इसलिए इसने 2014-15 में निम्नलिखित सहमति ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहमति ज्ञापन

संगठन/संस्थान	उद्देश्य
भाप्रौसं गाँधीनगर को डॉ किरन सी पटेल, संराअ द्वारा एक प्रमुख उपहार	एक सतत उत्कृष्टता के क्षेत्र को सहयोग करने के लिए
रसायन प्रक्रिया सुरक्षा केंद्र, एआइसीएचई, न्यू यार्क, सं. राअ	सुरक्षा और प्रक्रिया मानकों के मिलान एवं आपसी संदर्भ के लिए परियोजना
कोनफूशिअस संस्थान मुख्यालय (हानबान), चाइना	भाप्रौसं गाँधीनगर में चीनी भाषा शिक्षण कार्यक्रमों को सहयोग करने के लिए चीनी भाषा प्रशिक्षकों को संस्थान में भेजना
फिन्निश उच्च शिक्षा संस्थानों का सहायता संघ, फिनलैंड	संकाय और कर्मचारी, विभागों और अनुसंधानों के मध्य सीधे संपर्क को प्रोत्साहित करने के लिए
यूनिसर— पर्यावरण के खतरों के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए यूरोशियन विश्वविद्यालय नेटवर्क और रोम का सेप. ीन्जा विश्वविद्यालय, इटली और हुनान विश्वविद्यालय, चंगशा, पी आर चाइना	वित्त पोषित शिक्षा, ऑडियो-विजुअल और सांस्कृतिक कार्यकारी एजेंसी द्वारा जिम्मेदारियों को साझा करना
आइएससीटीई—लिसबन विश्वविद्यालय संस्थान (आइएससीटीई—आइयूएल), लिसबन, पुर्तगाल	भाप्रौसं गाँधीनगर के संज्ञानात्मक विज्ञान एवं आ. इएससीटीई—आइयूएल के गूढ़ विज्ञान अधिस्नातक कार्यक्रमों की उन्नति के संगठन के लिए
न्यूफाउन्डलैंड का स्मारक विश्वविद्यालय, न्यूफाउन्डलैंड और लेब्राडोर, केनेडा	शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों में सामंजस्य के लिए
श्रीनाखारिनविरोत विश्वविद्यालय, बेंगकॉक, थाइलैंड राज्य	दोनों संस्थानों के मध्य अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अनुसंधान, सेवा एवं अन्य गतिविधियों को विकसित करने के लिए
कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान (केलटेक), पसादेना, कै. लिफोर्निया, संराअ	अवरस्नातक छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए

राष्ट्रीय सहमति ज्ञापन

संगठन/संस्थान	उद्देश्य
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (भापुस), नई दिल्ली	ढोलावीरा के पुरातत्व नमूनों का प्रलेखन, नमूने, परीक्षण और विवेचन
दिल्ली मुंबई उद्योग कॉरिडोर विकास निगम (डीएमआ. इसीडीसी), नई दिल्ली	भाप्रौसंस्थानों और डीएमआइसीडीसी के मध्य आपसी लाभकारी संबंध सुनिश्चित करना जिससे कि भाप्रौसं के शैक्षिक विशेषता का उपयोग किया जा सके
गुजरात अनुसंधान विकास संस्थान (जीआइडीसी), अहमदाबाद	विशाल स्तर के सर्वेक्षणों की व्यवस्था तथा बंदोपस्त करना
आधारिक संरचना, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं प्रबंधन संस्थान (आइआइटीराम), अहमदाबाद	पाठ्यक्रम तथा प्रयोगशाला विकास एवं संकाय नियुक्ति में सहायक रहना
एमधएस एडगेट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट का सहभागी विश्वविद्यालय कार्यक्रम, बेंगलोर	भाप्रौसं गाँधीनगर में एनेलॉग अटैच लैब और एनेलॉग लैब स्थापित करने के लिए
राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र, इसरो, हैदराबाद	नदी के वेरिफेबल इनफिल्ट्रेशन केपेसिटी मॉडल की मदद से जल संबंधी परीक्षण एवं विशेषीकरण करने के लिए
अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, इसरो, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, अहमदाबाद	आइआरएलएसएस नौचालन प्राप्तकर्ता के क्षेत्रीय परीक्षण एवं आंकड़े जुटाने के लिए
टाटा परामर्श सेवा लिमिटेड	शैक्षिक सहयोग को गहन करने के लिए

2014 में ग्रीष्म एवं शीतकालीन अंतःशिक्षता

विदेशी संस्थान

संचालक संस्थान	छात्र नाम	विभाग
केलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान (केलटेक), पसादेना, केलिफोर्निया, सीए, संराअ	आलोक गंगोपाध्याय, निशांत एन राव, शिवम मणी त्रिपाठी	विद्युत अभियांत्रिकी
	प्रथमेश गणेश भट्ट, रौनक मेहता, आश्रित के एस	यांत्रिक अभियांत्रिकी
केस वेस्टर्न रिजर्व विश्वविद्यालय, ओएच, संराअ	अजिंक्या तुपकर जैन	विद्युत अभियांत्रिकी
सिस्को सिस्टम्स, संराअ	रवि कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी
क्लेमसन विश्वविद्यालय, एससी, संराअ	राजेश पाटीदार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, संराअ	सुदीक्षा श्रीधर	रसायन अभियांत्रिकी
	अपूर्वा पटवर्धन	विद्युत अभियांत्रिकी
डाड वाइस कार्यक्रम, टेक्नीशे यूनिवर. सिस्टे मुंचन, जर्मनी	राज शाह	विद्युत अभियांत्रिकी
ड्यूक विश्वविद्यालय, एनसी, संराअ	दुर्वेश शिंडे, ईशान उपाध्याय	विद्युत अभियांत्रिकी
इकोल नेशनले सुपेरियर डि'आर्ट्स इट नेटियर्स, पेरिस, फ्रांस	अभिषेक नावरकर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
ईपीआइआर टेक्नोलॉजी, बोलिंगब्रुक, आइएल, संराअ	अक्षय गोयल	विद्युत अभियांत्रिकी
	अभय सी ए	यांत्रिक अभियांत्रिकी
रसायन विज्ञान संस्थान एवं अभियां. त्रकी विज्ञान, सिंगापुर	रिजु खानविलकर	विद्युत अभियांत्रिकी
	आयुश चौधरी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
आइएससीटीई, लिसबन विश्वविद्यालय, लिसबन	अंशुल गुप्ता	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सिंगापोर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंग. पोर	परमार्थी चंद्र कांत, त्रिनाथ रेड्डी	विद्युत अभियांत्रिकी
	सोहम हर्षे, वडेरा मीत प्रकाशभाई, मिलन सिंह, सचिit वेकारिया	यांत्रिक अभियांत्रिकी

संचालक संस्थान	छात्र नाम	विभाग
उद्यमियों के लिए राजीव सर्कल फेलोशिप, सीए, संराअ	इप्सित तिवारी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रौद्योगिकी एवं संरचना सिंगापोर विश्वविद्यालय, सिंगापोर	प्रतीक बल्दवा, आशीष कुमार गुप्ता, सलेचा कुशल	विद्युत अभियांत्रिकी
टोकिनओन – इजराइल प्रौद्योगिकी संस्थान, हाइफा, इजराइल	दवे उजश रामेश्वर	विद्युत अभियांत्रिकी
	कमल पटेल, आकाश केशव सिंह, ध्येय शाहयांत्रिक अभियांत्रिकी	
टेक्सस ए एण्ड एम विश्वविद्यालय, टीएक्स, संराअ	सुक्रित गक्खर, आदित्य सामंत, तुष्टि शाह	रसायन अभियांत्रिकी
	मदन जनार्दन तालदेवकर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	वाघ विद्यानंद गिरीश, मंजेत सिंह	रसायन अभियांत्रिकी
अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला, शिकागो, संराअ	चि सूर्यविनय कौडिन्या	विद्युत अभियांत्रिकी
	संजित जेना, शुभम पचौरी, राकेश रंजन, वैचल सौरभ संदीप	यांत्रिक अभियांत्रिकी
यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी पेट्रोनॉस, मलेशिया	आकाश	यांत्रिक अभियांत्रिकी
कैलिफोर्निया मर्सिड विश्वविद्यालय, सीए, संराअ	बी मणसा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
नोट्रे डेम विश्वविद्यालय, आइएन, सं. राअ	मयंक शेखर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	राहुल खंडित, शौर्य सेठ	रसायन अभियांत्रिकी
सास्काचवान विश्वविद्यालय, सास्कातून, केनेडा	प्रशांत वर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी
	श्रेयांश नाहर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, संराअ, वितर्बी-भारत कार्यक्रम	वैभव गाँधी	विद्युत अभियांत्रिकी
वाशिंगटन विश्वविद्यालय, डब्लूए, सं. राअ	साहिल मेहता, जॉय नारंग, अक्षय रांदड	यांत्रिक अभियांत्रिकी
वाशिंगटन विश्वविद्यालय, संत लुईस, मस्सूरी, संराअ	मोनीष भांगले	रसायन अभियांत्रिकी
	गौरव महामुनि	यांत्रिक अभियांत्रिकी

घरेलू संस्थान

संचालक संस्थान	छात्र नाम	विभाग
संचालक संस्थान	छात्र नाम	विभाग
ए-रे सिस्टम्स प्रा लि	देवेन्द्र मीणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
आसान जॉब्स	अजय देवेदवल, एम सूर्य	यांत्रिक अभियांत्रिकी
असिया ब्राउन बोवेरी लि	बी शंमुख मनोज	रसायन अभियांत्रिकी
ऑटोमेशन टेक्निक्स	किमय उदय काले	विद्युत अभियांत्रिकी
भारत संचार निगम लि	हिमांशु यादव	विद्युत अभियांत्रिकी
बॉश	नंदन परेश वोरा	रसायन अभियांत्रिकी
सीडी-एडेप्को	त्स्रवन कुमार	रसायन अभियांत्रिकी
	रौनक खंडेलवाल, साइ तेजा पतिपुलुसु	यांत्रिक अभियांत्रिकी
इकोलिब्रियम ऊर्जा प्रा लि	प्रीत शाह	विद्युत अभियांत्रिकी
एजुकेशनल इनीशिएटिव्स	शाह संकेत वीरेन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
पलूइडिन	ध्रुव पंचोली	रसायन अभियांत्रिकी
जनरल इलेक्ट्रिक फाउण्डेशन	पी वी एस अनुराग	यांत्रिक अभियांत्रिकी
हीरो मोटोकॉर्प लि	राहुल हरनोतिया	यांत्रिक अभियांत्रिकी
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लि	रजत शिव चंद	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलोर	रेड्डी द्वारकानाथ, आयुशि पटेल	रसायन अभियांत्रिकी
	प्रांशुल सैनी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई	संचयनी बागडे	रसायन अभियांत्रिकी
	तुषार अंचन, पाटिल राधिका प्रमोद	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर	पालकर वैभव अभय, मिहिका शाह, निशित शेटी	रसायन अभियांत्रिकी
	गुल्लापल्ली साइ चौधरी, गौरव गुप्ता, चित्रांशु कुमार, सोमानी दीपेन ओमप्रकाश, श्रीकांत पटेल, रोहन पाटीदार, मालिरेड्डी श्री विद्युत अभियांत्रिकी रघु, मुकेश सिंह रावत, आलोक सिंह, अभिषेक सोनी	
	निर्मल जयप्रसाद, महेश कुमार, रमेश कुमार, करन पलास्कर, राहुल कुमार पाण्डे, ललित प्रजापत, गौरव शर्मा, यश प्रताप सिंह, कोण दुरु वेण्कट नागा साइ रवि तेजा, मर्गज ओम विजय, विशाल यादव	यांत्रिक अभियांत्रिकी

संचालक संस्थान	छात्र नाम	विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर	अडप्पा आश्रय अमरनाथ, प्रशांत शेखर	रसायन अभियांत्रिकी
	बाइरापुरम वेण्कट विजय भारत आर	विद्युत अभियांत्रिकी
	कौशिक मणि, शशांक निगम, प्रदीप फुल्ले, मुजम्मिल राऊत, ऋत्विक् शुक्ला	यांत्रिक अभियांत्रिकी
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	के अभिषेक, सुनील सहरा	रसायन अभियांत्रिकी
भारतीय तेल निगम लि	सागर चावला	रसायन अभियांत्रिकी
ईशी इनफोर्मेशन सिस्टम्स इंडिया प्रा लि	अश्विन दालवी	विद्युत अभियांत्रिकी
ज्योति लि	मिहिर मिलिंद भालेराव	यांत्रिक अभियांत्रिकी
कोटा ऊष्मीय ऊर्जा संयंत्र	विश्वेंद्र सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी
मारुति सुजुकी इंडिया प्रा लि	आर्यन, उत्सव मिस्त्री, उत्कर्ष पंचभाई	यांत्रिक अभियांत्रिकी
राष्ट्रीय ऊष्मीय ऊर्जा निगम लि	संजय कुमार मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी
	प्रदीप कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी
तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लि	हेमा चौधरी, श्वेता परमार, विनोद रांगी, पलक सदानी	रसायन अभियांत्रिकी
	कृष्ण कुमार मीणा, दिव्यांश त्रिपाठी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
उलम अंतर्राष्ट्रीय लि	जी एन लक्ष्मीनरसिम्हन	यांत्रिक अभियांत्रिकी
प्रवाह (एनजीओ)	लवदीप कौर	रसायन अभियांत्रिकी
रक्षक फाउण्डेशन (एनजीओ)	राज शेखर	विद्युत अभियांत्रिकी
रिलाइंस इंडस्ट्री लि	अभिषेक संचेती	रसायन अभियांत्रिकी
रीको इन्नोवेशन प्रा लि	पंकज गौतम	विद्युत अभियांत्रिकी
	शिशोदे सुशील कुमार	
साइ इंपेक्स	हैदरअली एम टी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
सांघिक एशिया प्रा लि	दिलीप कुमार बाडगुर्जर	रसायन अभियांत्रिकी
	चेतन कुमार चौधरी, मनोज कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी

संचालक संस्थान	छात्र नाम	विभाग
सर्वजल	अनूप पिंजला	रसायन अभियांत्रिकी
सतलज जल विद्युत निगम लि	दीप राहुल	विद्युत अभियांत्रिकी
श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया प्रा लि	रजत चौधरी	विद्युत अभियांत्रिकी
सेमी-कंडक्टर लैब, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार	अंकिता शर्मा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
एसएम ऑटो स्टैपिंग प्रा लि	सौरभ सिंघल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, इसरो	नमन बंसल, प्रशांत कुमार, अभिषेक रंजन, मेहता यश संजय, जतिनदीप सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
	भार्गव चौहान	यांत्रिक अभियांत्रिकी
टाटा मोटर्स लि	कमानुरु वामसिधर रेड्डी, अभिषेक सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी
	हीरालाल	यांत्रिक अभियांत्रिकी
टाटा ऊर्जा लि	पी संदीप रेड्डी	विद्युत अभियांत्रिकी
	विवेक प्रकाश	यांत्रिक अभियांत्रिकी
टेक्सस इंस्ट्रूमेंट्स	पार्थ गुडका, मिशिता जयसवाल, हेडा शशांक कमलेश	विद्युत अभियांत्रिकी
	वीरेन्द्र सिंह पनवर	रसायन अभियांत्रिकी
अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला इंडिया प्रा लि	वैभव माथुर	विद्युत अभियांत्रिकी
	सूजित डूंगा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
यूवी सोपट्स टेक्नोलॉजी प्रा लि	लतिका मीणा	विद्युत अभियांत्रिकी
वाहन कारखाना जबलपुर	नितिका पट्टा	यांत्रिक अभियांत्रिकी
विप्रो लि	विनीत जोशी	विद्युत अभियांत्रिकी

2014 की कक्षा

विदेश तथा भारत में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे स्नातक

नाम	संस्थान	कार्यक्रम	भाप्रौसं गाँधीनगर में विभाग
एमटेक			
अमिता बेदर	भाप्रौसं मुंबई – मोनाश अकादमी	पीएचडी	रसायन विज्ञान
रितेश जैन	बर्गिशे विश्वविद्यालय, वुप्परटल, जर्मनी	एमटेक	विद्युत
लया	भाप्रौसं गाँधीनगर	पीएचडी	विद्युत
सत्यजीत मोहापात्रा	भाप्रौसं गाँधीनगर	पीएचडी	विद्युत
श्रीजीत आर	भाप्रौसं दिल्ली	पीएचडी	विद्युत
रोशन आनंदराव चवन	भाप्रौसं गाँधीनगर	पीएचडी	यांत्रिक
रचित प्रसाद	वर्जीनिया टेक	पीएचडी	यांत्रिक
रोहित मिश्रा	भाप्रौसं गाँधीनगर	पीएचडी	पदार्थ विज्ञान एवं अर्ध- यांत्रिकी
पी राज मोहन रेड्डी	भाप्रौसं गाँधीनगर	पीएचडी	सिविल
बीटेक			
प्रणव बागडिया	टेक्सस ए एण्ड एम विश्वविद्यालय	पीएचडी	रसायन विज्ञान
दुर्गेश बागड़ी	हिंदू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय	एमए	रसायन विज्ञान
भास्करज्योति दास	राडिसं अहमदाबाद	एमडि	रसायन विज्ञान
अक्षय जैन	टेक्सस ए एण्ड एम विश्वविद्यालय	पीएचडी	रसायन विज्ञान
मयंक झालरिया	कॉर्नेल विश्वविद्यालय	एमएस	रसायन विज्ञान
रोहन कोकने	भाप्रसं लखनऊ	पीजीपी	रसायन विज्ञान
संकेत महाजन	भाप्रसं कलकत्ता	पीजीपी	रसायन विज्ञान
स्मित शाह	टेक्सस ए एण्ड एम विश्वविद्यालय	पीएचडी	रसायन विज्ञान
पमुलापति सुश्मा श्री	राइस विश्वविद्यालय	पीएचडी	रसायन विज्ञान

नाम	संस्थान	कार्यक्रम	भाप्रौसं गाँधीनगर में विभाग
ऐश्वर्य अग्रवाल	वर्जीनिया टेक	पीएचडी	विद्युत
आकाश बापत	चेपल पहाड़ी का उत्तरी केरोलाइना विश्वविद्यालय	एमएस एवं पीएचडी	विद्युत
यश गोयल	वर्जीनिया टेक	पीएचडी	विद्युत
अमेया जोशी	स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय	एमएस	विद्युत
स्निग्धा मनोग्यना	भाप्रसं अहमदाबाद	पीजीपी	विद्युत
कार्तिक सक्सेना	केलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इर्विन	एमएस	विद्युत
स्मित सोनी	विश्वविद्यालय केलिफोर्निया, इर्विन	एमएस	विद्युत
बालाजी वेण्कटेश	विश्वविद्यालय केलिफोर्निया, इर्विन	एमएस	विद्युत
स्पंदन जे दास	कार्नेल विश्वविद्यालय	एमइंजि	यांत्रिक
ऋतु गवासने	भाप्रसं कलकत्ता	पीजीपी	यांत्रिक
दीप कर्पे	फ्लोरिडा विश्वविद्यालय	एमएस	यांत्रिक
सक्षम कोहली	भाप्रसं लखनऊ	पीजीपी	यांत्रिक
निहार कोटक	कार्नेजी मेल्लन विश्वविद्यालय	एमएस	यांत्रिक
भव्या मदसु	भाप्रौसं मद्रास	एमटेक	यांत्रिक
नकुल नुवल	पर्ड्यु विश्वविद्यालय	एमएस	यांत्रिक
अंकिता शर्मा	भाप्रौसं अहमदाबाद	पीजीपी	यांत्रिक
ध्वनिल शुक्ला	जियोर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान	पीएचडी	यांत्रिक





● भाप्रौसं गाँधीनगर के लिए सहयोग

उद्योग सहयोग

नए प्रमुख दानदाता

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर प्रतिष्ठान ने चुना कार्यकारी निदेशक
दानदाता सूची

भाप्रौसं गाँधीनगर ने विदेशों में कार्यरत विद्यार्थी और संकाय आदान प्रदान तथा अनुसंधान सहयोग के लिए विश्वविद्यालयों, उद्योगों और शोध तथा विकास संगठनों का नेतृत्व करने के सहित रणनीतिक साझेदारियाँ विकसित कर दिया है। पिछले वर्ष की अनेक साझेदारियाँ छात्रों तथा संकाय को फायदा पहुंचाएंगी।

उद्योग सहयोग

यूल अनुदान के लिए प्रमुख पहल

भाप्रौसं गाँधीनगर को सुरक्षा पहलों को विकसित करने के लिए अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला इंक (यूल) से पाँच वर्षों का अनुदान प्राप्त किया है। यह अनुदान भाप्रौसं गाँधीनगर के अवररस्नातक तथा अधिरस्नातक छात्रों के अनुसंधान परियोजनाओं को सहयोग प्रदान करता है। भाप्रौसं गाँधीनगर इस निधि का इस्तेमाल अग्नि अभियांत्रिकी प्रयोगशाला तथा अन्य सुरक्षा अनुसंधान एवं शैक्षणिक पहलों के लिए प्रयोग में लाएगा। अंडर्राइटर्स प्रयोगशाला इंक (यूल), संराअ एक गैर लाभकारी अग्नि सुरक्षा परिक्षण तथा प्रमाणीकरण संस्था है। इन पाच वर्षों में भाप्रौसं गाँधीनगर यूल के साथ प्रमुख सुरक्षा पहलों के लिए जुड़ा रहेगा।



रीको कंपनी, लि

रीको कंपनी लि ने भाप्रौसं गाँधीनगर को संस्थान में एक डिजाइन एवं नवीनता केंद्र स्थापित करने के लिए प्रमुख योगदान दिया है। इस अनुदान को डिजाइन एवं नवीनता के क्षेत्र में संस्थान द्वारा पाठ्यक्रम विकास, छात्र परियाोजनाएं, संस्थागत बैठकें एवं सम्मेलन तथा शैक्षणिक एवं औद्योगिक भागीदारी स्थापित करने में उपयोग किया जाता है। टोक्यो में प्रमुख कार्यालय वाली रीको कार्यालय चित्रण उपकरण, प्रिंट उत्पादन उपाय, डॉक्यूमेंट प्रबंधन तंत्र एवं आइटी सेवाओं में विशेषज्ञता रखने वाली वैश्विक प्रौद्योगिक कंपनी है।

RICOH

जीएमडीसी चेंबर

गुजरात खनिज विकास नगम लि (गुखविनि), एक 50 वर्ष पुरानी खनिज, लिगनाइट एवं ऊर्जा में प्रमुखता से संबंधित कम्पनी ने भाप्रौसं गाँधीनगर में पदार्थ, खनिज, धातुकर्म और भू विज्ञान के क्षेत्र में जीएमडीसी चेंबर स्थापित की। जीएमडीसी चेंबर संस्थान को अति उत्कृष्ट छात्र और संकाय संदर्श्यों को अतिरिक्त आर्थिक मदद प्रदान करने में सहायक होगी।



अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए नीलसन अनुदान

नीलसन कम्पनी भाप्रौसं गाँधीनगर को अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए सहयोग प्रदान करती आ रही है। नीलसन होस्टिंग्स एनवी (एनवाइएसईरू एनएलएसएन) मार्केटिंग और उपभोक्ता सूचना, टेलीविजन और अन्य मापक, ऑनलाइन बुद्धिमत्ता, मोबाइल मापन, व्यापार शो और संबंधित विशेषताओं में प्रसिद्ध वैश्विक सूचना और मापन कम्पनी है। नीलसन तकरीबन 100 देशों में मौजूद है, उसका मुख्यालय न्यू यॉर्क, संराअ और डीमन, दि नीदरलैंड्स में है।

nielsen

प्रमुख नए दानदाता



डॉ किरन पटेल

डॉ किरन पटेल, एक हृदयरोग विशेषज्ञ टेम्पा (फ्लोरिडा) के वासी, ने भाप्रौसं गाँधीनगर को उसके स्थिर विकास के अनुसंधान गतिविधियों में विकास के लिए सहयोग करने के लिए एक प्रमुख आर्थिक योगदान दिया है। डॉ पटेल सभापति हैं वैश्विक समझ के पटेल प्रतिष्ठान के, एक नॉन-प्राफिट संस्था जो स्वास्थ्य, शिक्षा, कला एवं संस्कृति में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए निधि जुटाती है। उन्होंने स्थानीय और विश्व भर में इन क्षेत्रों के विभिन्न कार्यक्रमों के विकास के लिए खुलकर मदद की है। उनके सहयोग से दक्षिण फ्लोरिडा विवि में वैश्विक स्थिरता का डॉ किरन सी पटेल कॉलेज की स्थापना हो पायी है। वे भारतीय मूल के भौतिक शास्त्रियों के अमेरिकन संगठन (एएपीआइ) के सभापति रहे, एक व्यावसायिक संस्था जो तकरीबन 40,000 भौतिकशास्त्रियों का प्रतिनिधित्व करती है। डॉ पटेल को 2003 फ्लोरिडा के राज्यपाल के दक्षिण फ्लोरिडा न्यासी के शासी मण्डल विश्वविद्यालय में नियुक्त किया गया। 2004 में डॉ पटेल को वाणिज्य के ग्रेटर टेम्पा चेम्बर के सांस्कृतिक योगदानकर्ता के वार्षिक पुरस्कार के विजेता रहे। उन्होंने अहमदाबाद के श्रीमती एन एच एल नगरपालिका चि. कत्सा विद्यालय से औषधि में एमबीबीएस की उपाधि ली और कोलंबिया विश्वविद्यालय संबद्ध कार्यक्रम से कार्डियोलॉजी अध्येतावृत्ति पूरी की।



डॉ प्रभाकर गोयल

डॉ प्रभाकर गोयल संस्थान के महत्वपूर्ण दानदाताओं की सूची में शामिल हो चुके हैं। उनके अनुदान से संस्थान को उत्कृष्ट संकाय और अंतर्राष्ट्रीय भ्रमणकर्ताओं को नियुक्त करने में क्षमता मिलेगी। डॉ गोयल ने भाप्रौसं कानपुर से बीएस की डिग्री (1970) और कार्नेजी मेल्लन विवि (1974) से विद्युत अभियांत्रिकी में पीएचडी प्राप्त किया। डॉ गोयल आइबीएम और वांग प्रयोगशालाओं के साथ अभियांत्रिकी और तकनीकी प्रबंधन में कार्यरत रह चुके हैं। इंक पत्रिका और अर्नस्ट यंग ने न्यू इंग्लैंड के लिए **डॉ गोयल को वर्ष 1990 का उद्यमी** घोषित किया। सन् 1992 से डॉ गोयल एक प्राइवेट वेंचर पूंजीवादी के तौर पर कई कंपनियों के साथ जुड़े रहे हैं। वर्तमान में वे इनसाइड वॉल्ट और फ्यूजनऑप्स इंक के बोर्ड्स को सेवा प्रदान कर रहे हैं। डॉ गोयल एक सक्रिय समाजसेवी हैं तथा कई संस्थाओं को अपना योगदान प्रदान कर चुके हैं, सबसे अधिक महत्वपूर्ण रूप से **उत्कृष्टता का प्रतिष्ठान** को जो उन्होंने 1994 में स्थापित किया। एफएफई तकरीबन 13,000 छात्रों को भारत में विद्यालय स्तर पर निधि प्रदान कर चुकी है। डॉ गोयल दि इंडस एंटरप्रेनोर (टीआईई) के संस्थापक सदस्य भी हैं, जो सिंधु क्षेत्र के समुदाय सदस्यों को नेटवर्क प्रदान करते हैं तथा उनमें उद्यमशीलता को प्रत्साहित करते हैं।



नरेन्द्र कुमार जैन चेयर

श्री अतुल जैन, टीईओसीओ के प्रमुख और प्रकाअ, ने भाप्रौसं गाँधीनगर के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान किया है। उनके अनुदान को संस्थान में उनके पिता के सम्मान में **नरेन्द्र कुमार जैन चेयर** निर्माण करने में उपयोग किया जाएगा। श्री जैन ने 1994 में टीईओसीओ की स्थापना आदर्शवादी उद्यमशीलता एवं कर्मचारी स्वामित्व के विचार को ध्यान में रख कर की थी। टीईओसीओ उद्योग आचारनितियों पर केंद्रित रहती है, जिसमें मूल रूप से कर्मचारियों का उनके मूल्यों, ग्राहकों और समुदाय के साथ सामंजस्य पर ध्यान दिया जाता है। आज टीईओसीओ वैश्विक स्तर की अग्रणी संस्थाओं में से एक है जो 6 महाद्वीपों की शीर्ष संचार सेवाएं प्रदानकर्ता संस्थाओं को लागत, रूटिंग और राजस्व तथा नेटवर्क प्रबंधन उपाय सेवाएं प्रदान करती है।

दानदाता सूची

नाम	वर्ग	शहर
1 करोड़ से अधिक		
डॉ किरन सी पटेल	शुभ-चिंतक	टेम्पा, संराअ
रु 5,00,000 - रु 24,99,999		
गुमनाम	शुभ-चिंतक	संराअ
सिलिकॉन घाटी सामूहिक प्रतिष्ठान	शुभ-चिंतक	स्टेनफोर्ड, संराअ
प्रभाकर गोयल	शुभ-चिंतक	फ्रेमोन्ट, संराअ
अतुल जैन	शुभ-चिंतक	विना, संराअ
अरविंद जैन	शुभ-चिंतक	प्लीसेंटन, संराअ
अंजलि जोशी	शुभ-चिंतक	लॉस एलटॉस पहाड़ी
अवि नाश एवं सेंड्रा नाश	शुभ-चिंतक	ग्रीनविच, संराअ
रु 1,00,000 - रु 4,99,999		
सुधीर कु जैन	संकाय	अहमदाबाद
अमृतुर अनिलकुमार	शुभ-चिंतक	टेन्नेस्सी, संराअ
दुर्गा बीयरिंग्स मुंबई प्रा लि	शुभ-चिंतक	मुंबई
रुईटन मेहता एवं डॉ मोनिका मेहता	शुभ-चिंतक	वॉचुंग, संराअ
वेगेसना एस राजू	शुभ-चिंतक	हैदराबाद
रु 25,000 - रु 99,999		
एस पी मेहरोत्रा	संकाय	अहमदाबाद
डी वी पार्ड	संकाय	अहमदाबाद
डी पी रॉय	संकाय	अहमदाबाद
दीपक भगत	शुभ-चिंतक	फ्रेमोन्ट, संराअ
नियोटिया प्रतिष्ठान	शुभ-चिंतक	कोलकता
संत दास गुप्ता	शुभ-चिंतक	लॉर्टन, संराअ
राजेन जसवा	शुभ-चिंतक	सार्टोंगा, संराअ
अचल मेहरा	शुभ-चिंतक	टोरिंगटन, संराअ
गौरव संत	शुभ-चिंतक	लॉस एंजलिस, संराअ
श्याम सुंदर एवं मंजुला श्याम	शुभ-चिंतक	न्यू हेवेन, संराअ

नाम	वर्ग	शहर
नितीष ठाकुर	शुभ-चिंतक	क्लार्क्सविल्ले, संराअ
रु 5,000 - रु 24,999		
तनमय बलवा	भूतपूर्व छात्र	सेन फ्रांसिस्को, संराअ
एंड्रिया बॉबियो	संकाय	अहमदाबाद
अतुल भार्गव	संकाय	अहमदाबाद
अरुप लाल चक्रवर्ती	संकाय	अहमदाबाद
मिशेल डेनीनो	संकाय	अहमदाबाद
श्रीराम के गुंडीमेदा	संकाय	अहमदाबाद
मोहन सी जोशी	संकाय	अहमदाबाद
शर्मिष्ठा मजुमदार	संकाय	अहमदाबाद
निहार रंजन मोहापात्रा	संकाय	अहमदाबाद
एस एल नारायणमूर्ति	संकाय	बेंगलोर
एन रामकृष्णन	संकाय	अहमदाबाद
अर्नपूर्णा रथ	संकाय	अहमदाबाद
श्रीनिवास जी रेड्डी	संकाय	अहमदाबाद
आर शरण	संकाय	अहमदाबाद
सुधांशु शर्मा	संकाय	अहमदाबाद
मीरा मेरी सनी	संकाय	अहमदाबाद
सिद्धार्थ वी वाकणकर	संकाय	अहमदाबाद
प्रेम कुमार चोपड़ा	कर्मचारी	अहमदाबाद
मीना जोशी	कर्मचारी	अहमदाबाद
टी एस कुंबर	कर्मचारी	अहमदाबाद
पिजूष मजुमदार	कर्मचारी	अहमदाबाद
सुनीता मेनन	कर्मचारी	अहमदाबाद
आर टी शाह	कर्मचारी	गाँधीनगर
सी एस शर्मा	कर्मचारी	अहमदाबाद
सोनम श्रीवास्तव	कर्मचारी	नोएडा
गुमनाम	शुभ-चिंतक	
अभय भूषण	शुभ-चिंतक	पालो आल्टो, संराअ
दीपन कुमार घोष	शुभ-चिंतक	मुंबई

नाम	वर्ग	शहर
टिमोथी हफ	शुभ-चिंतक	नाशविल्ले, संराअ
पेनराम अंतर्राष्ट्रीय	शुभ-चिंतक	संराअ
पॉल जेनिंग्स	शुभ-चिंतक	पसादेना, संराअ
अशोक झुनझुनवाला	शुभ-चिंतक	चेन्नई
रेशेल कुसेरा मेहरा	शुभ-चिंतक	टोरिंगटन, संराअ
कमल नानवटी	शुभ-चिंतक	मुंबई
के आर पडियार	शुभ-चिंतक	बेंगलोर
समीर रायनी	शुभ-चिंतक	फ्रेमोन्ट, संराअ
पार्थ सरकार	शुभ-चिंतक	अमेस, संराअ
औद्योगिक विज्ञान संस्थान	शुभ-चिंतक	इलाहाबाद
पी चंद्र शेखर	शुभ-चिंतक	मुंबई
अभिषेक सिंघल	शुभ-चिंतक	संराअ
बालकृष्ण सोनेजी	शुभ-चिंतक	अहमदाबाद
वी पी टेक्नोलॉजी	शुभ-चिंतक	एटलान्टा, संराअ

रु 4,999 तक

पाटिल अथर्व अभय	भूतपूर्व छात्र	कोल्हापुर
शुभम अग्रवाल	भूतपूर्व छात्र	बेंगलोर
शशांक अग्रवाल	भूतपूर्व छात्र	आगरा
ऐश्वर्य अग्रवाल	भूतपूर्व छात्र	कोरबा
शाह स्मित अल्केश	भूतपूर्व छात्र	वडोदरा
प्रणव बागडिया	भूतपूर्व छात्र	कोरबा
अमिता बेदर	भूतपूर्व छात्र	शिवपुरी
नीलेश भंडारी	भूतपूर्व छात्र	भोपाल
अदित भारद्वाज	भूतपूर्व छात्र	जयपुर
शुभम भार्गव	भूतपूर्व छात्र	जिंद
हरिओमलक्ष्मीनारायण भार्गव	भूतपूर्व छात्र	धार
अशिता चंदनानी	भूतपूर्व छात्र	बीकानेर
वोरा अजय चंदुभाई	भूतपूर्व छात्र	राजकोट
पवनगुण्डला राघवेंद्र चारी	भूतपूर्व छात्र	नलगोण्डा
सुरेश कुमार चौधरी	भूतपूर्व छात्र	जालौर

नाम	वर्ग	शहर
स्पंदन ज्योति दास	भूतपूर्व छात्र	गुवाहाटी
भास्करज्योति दास	भूतपूर्व छात्र	चिरांग
सोनी स्मित दिलीपभाई	भूतपूर्व छात्र	सावली
पटेल प्रशांत दिनेशभाई	भूतपूर्व छात्र	मुंबई
कोहली सक्षम दिनेशकुमार	भूतपूर्व छात्र	पुणे
विनय द्विवेदी	भूतपूर्व छात्र	दुर्ग
मंगेश पोपटराव गंगर्डे	भूतपूर्व छात्र	अहमदनगर
संजय कुमार गिल	भूतपूर्व छात्र	झुनझुनू
कर्पे दीप गिरीश	भूतपूर्व छात्र	मुंबई
यश गोयल	भूतपूर्व छात्र	आगरा
अदित गुप्ता	भूतपूर्व छात्र	मुंबई
नुथलापति श्री हर्ष	भूतपूर्व छात्र	गुंटुर
देशमुख सुमित हेमंत	भूतपूर्व छात्र	थाणे
आकांक्षा जगवानी	भूतपूर्व छात्र	बुरहर
अक्षय जैन	भूतपूर्व छात्र	इंदोर
निशांक जैन	भूतपूर्व छात्र	मुंबई
रितेश जैन	भूतपूर्व छात्र	नई दिल्ली
शैरी जैन	भूतपूर्व छात्र	अहमदाबाद
मयंक के झालरिया	भूतपूर्व छात्र	मुंबई
गगन कनौजिया	भूतपूर्व छात्र	ग्वालियर
रोहन सांभाजी कोकने	भूतपूर्व छात्र	पुणे
तेजस्वी कोटा	भूतपूर्व छात्र	गुंटुर
यश प्रशांत कोटक	भूतपूर्व छात्र	वडोदरा
माने श्री शुधाम्सु कृष्ण	भूतपूर्व छात्र	नई दिल्ली
आर्यन कुमार	भूतपूर्व छात्र	बिहार शरीफ
दासरी यशवंत कुमार	भूतपूर्व छात्र	विशाखापत्तनम
गौरव कुमार	भूतपूर्व छात्र	पूरनिया
भव्या मदसु	भूतपूर्व छात्र	बेल्लमपल्ली
अक्षय मल्ल	भूतपूर्व छात्र	गाजियाबाद
नवनीत मीणा	भूतपूर्व छात्र	करौली
सुश्रुत प्रमोद मेशराम	भूतपूर्व छात्र	नागपुर

नाम	वर्ग	शहर
गवासने ऋतु मिलिंद	भूतपूर्व छात्र	पुणे
उत्कल रंजन मुदुली	भूतपूर्व छात्र	भुवनेश्वर
सुनील नायर	भूतपूर्व छात्र	अजमेर
अरुन गोपालकृष्ण नायर	भूतपूर्व छात्र	कोच्चि
शाह निसर्ग निखिल	भूतपूर्व छात्र	मुंबई
नकुल नुवल	भूतपूर्व छात्र	भीलवाड़ा
प्रतीक न्याति	भूतपूर्व छात्र	चित्तौड़गढ़
चेतन चंद्रकांत पाटिल	भूतपूर्व छात्र	ठाणे
रचित प्रसाद	भूतपूर्व छात्र	अहमदाबाद
कोटक यश प्रशांत	भूतपूर्व छात्र	वडोदरा
श्रीजित आर	भूतपूर्व छात्र	पलक्कड
शाह जिनेश राजेश	भूतपूर्व छात्र	मुंबई
शालिवाहन सिंह राठौड़	भूतपूर्व छात्र	कोटा
हूसेन सफदरी	भूतपूर्व छात्र	इंदोर
अमित साहू	भूतपूर्व छात्र	होशंगाबाद
अचारी संदेश संजय	भूतपूर्व छात्र	पुणे
संजय सरोज	भूतपूर्व छात्र	नवी मुंबई
कार्तिक सक्सेना	भूतपूर्व छात्र	मुंबई
बनसुडे शुभांगि श्यामसुंदर	भूतपूर्व छात्र	ओसमानाबाद
अर्जिता शर्मा	भूतपूर्व छात्र	अहमदाबाद
हिमांशु शर्मा	भूतपूर्व छात्र	इंदोर
प्रत्युष शास्त्री	भूतपूर्व छात्र	भिलई
ध्वनिल शुक्ला	भूतपूर्व छात्र	अहमदाबाद
तर्केश्वर सिंह	भूतपूर्व छात्र	कोलकता
पटेल तनय सोमनाथ	भूतपूर्व छात्र	वलसाड
अंकित सुचांति	भूतपूर्व छात्र	बेंगलोर
प्रेरित तेरवे	भूतपूर्व छात्र	अहमदाबाद
अविनाश एन तुमकुर	भूतपूर्व छात्र	मुंबई
शशांक त्यागी	भूतपूर्व छात्र	मेरठ
नवीन दीपक वी	भूतपूर्व छात्र	करीमनगर
रोहित वेरियर	भूतपूर्व छात्र	हैदराबाद

नाम	वर्ग	शहर
एम जे बालाजी वेण्कटेश	भूतपूर्व छात्र	चेन्नई
चोपड़ा दीप्ति विजय	भूतपूर्व छात्र	अहमदाबाद
कत्रे वैभव विकास	भूतपूर्व छात्र	ठाणे
कर्णम विनय	भूतपूर्व छात्र	हैदराबाद
अनिरुद्ध विश्वकर्मा	भूतपूर्व छात्र	उज्जैन
जोशी अमेय यशवंत	भूतपूर्व छात्र	पुणे
बाला सरण्य येलस्वरूप	भूतपूर्व छात्र	विजयवाड़ा
संजयकुमार अमृत्य	संकाय	अहमदाबाद
विनोद चंद्र	संकाय	अहमदाबाद
निथिन वी जॉर्ज	संकाय	अहमदाबाद
हरीष पीएम	संकाय	अहमदाबाद
केवीवी मूर्ति	संकाय	गाँधीनगर
ऋतु अग्रवाल	कर्मचारी	अहमदाबाद
जय मेहता	कर्मचारी	अहमदाबाद
संतोष राउत	कर्मचारी	अहमदाबाद
शशिन ए रावल	कर्मचारी	अहमदाबाद
जगदीश रावत	कर्मचारी	अहमदाबाद
कोमल तरुनकुमार संगतानी	कर्मचारी	अहमदाबाद
वीरल शाह	कर्मचारी	अहमदाबाद
गौरव कुमार सिंह	कर्मचारी	अहमदाबाद
पल्लवी चिल्का	छात्र	अहमदाबाद
मनीष कुमार	छात्र	अहमदाबाद
दिबेंदु देबनाथ	शुभ-चिंतक	गुवाहाटी
किरण मगियावाला	शुभ-चिंतक	हॉथ्रोन, संराअ
आनंद राजकमल	शुभ-चिंतक	कोलकता
गौरव शर्मा	शुभ-चिंतक	बेंगलोर
हार्त सिंह	शुभ-चिंतक	मेडिसन, संराअ



भाप्रौस गाँधीनगर प्रतिष्ठान के अधिशासी निदेशक नियुक्त हुए

भाप्रौस गाँधीनगर प्रतिष्ठान, एक संरा की एक धर्मार्थी न्यास, के अधिशासी निदेशक के पद पर **श्री रवि मिस्त्री** को नियुक्त किया

गया। श्री मिस्त्री को प्रतिष्ठान की विश्वभर के पूँजी अभि-
यान के डिजाइन को संरा पर केंद्रित करते हुए प्रबंधन
करना, इसके साथ ही भाप्रौस गाँधीनगर तथा दानदाताओं
के मध्य प्रमुख पहलों को दानदाताओं द्वारा सहयोग के
लिए संपर्क स्थापित करना भी है। इसके पहले, श्री मिस्त्री
विरिडेंट प्रणाली, एक सिलीकॉन घाटी का तकनीकी
स्टार्टअप के संस्थापक सदस्य भी रह चुके हैं।



संगठन

शासकीय मण्डल
वित्तीय समिति
भवन एवं निर्माण समिति
अभिषद सभा
अभिषद स्थायी समितियां
शैक्षिक पदाधिकारी
छात्र नेतृत्व
संकाय
शिक्षकेत्तर कर्मचारी
पीएचडी छात्र
एमटेक छात्र
एमएससी छात्र
एमए छात्र
पीजीडीआईआईटी छात्र
बीटेक छात्र

शासकीय मण्डल

सभापति

डॉ. बलदेव राज
अध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान अकादमी अंत.
राष्ट्रीय परिषद तथा
निदेशक, आधुनिक अध्ययन राष्ट्रीय संस्थान, बेंगलूर

सदस्य

श्री जे. पी. अग्रवाल, डीएएनआईसीएस
निदेशक (यांत्रिक एवं उच्चतर शिक्षा)
दमन और दीव प्रशासन
सचिवालय, मोती दमन

प्रा एस पी मेहरोत्रा
प्रभारी-प्राध्यापक, (बाह्य मामले एवं अनुसंधान व विकास)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

श्री कमल नानावटी
अध्यक्ष, स्ट्रेटजी विकास
रिलायन्स इंडस्ट्री लिमिटेड
नवी मुंबई

श्री डी जे पांडियान, भारासे
मुख्य सचिव
गुजरात सरकार
गाँधीनगर

प्रा दीपक बी फाटक
सुबरो एम नीलेकनी चेयर प्राध्यापक
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
भाप्रौसं मुंबई, मुंबई

प्रा सुरेन्द्र प्रसाद
पूर्व निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
नई दिल्ली

प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन
प्राध्यापक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

प्रा एस पी सुखात्मे
पूर्व निदेशक, भा.प्रौ.सं. मुंबई व पूर्व सभापति एटमिक एनर्जी
रेगुलेटरी बोर्ड
मुंबई

प्रा सुधीर कु जैन
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

सचिव

श्री पी के चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

वित्तीय समिति

सभापति

डॉ बलदेव राज

अध्यक्ष

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान अकादमी अंतर्राष्ट्रीय
परिषद तथा

निदेशक

आधुनिक अध्ययन राष्ट्रीय संस्थान
बेंगलोर

सचिव

श्री पी के चोपड़ा

कुलसचिव

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

सदस्य

प्रा सुधीर कु जैन

निदेशक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

प्रा डी पी रॉय

प्रभारी—प्राध्यापक (सामान्य प्रशासन)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

प्रा एस सी सहस्त्रबुधे

पूर्व निदेशक

धीरूभाई अंबानी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संस्थान
गाँधीनगर

श्री अमरजीत सिन्हा, भाप्रसे

अपर सचिव

उच्च शिक्षा विभाग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

नई दिल्ली

श्री योगेन्द्र त्रिपाठी, भाप्रसे

संयुक्त सचिव (आंतरिक वित्त ब्यूरो) एवं

वित्तीय सलाहकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

नई दिल्ली

भवन व निर्माण समिति

अध्यक्ष

प्रा सुधीर कु जैन
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

सदस्य

प्रा एन छाया
पूर्व डीन, वास्तुकला संकाय
सी ई पी टी विश्वविद्यालय
अहमदाबाद

श्री ए के जैन
पूर्व विशिष्ट महानिदेशक
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
नई दिल्ली

श्री प्रभात कुमार
पूर्व अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लि, कलपक्कम
तमिलनाडु

प्रा हरीष पालनथंडलम—मादापुरसी
एसोसिएट डीन (परिसर विकास),
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

श्री एल पी श्रीवास्तव
पूर्व अपर महानिदेशक
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग व सलाहकार (कार्य)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

श्री के एस वाघ
मुख्य सलाहकार (सिविल आधारभूत ढांचा)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई
पवई, मुंबई

सचिव

श्री पी के चोपड़ा
कुलसचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

अभिषद सभा

अध्यक्ष

प्रा सुधीर कु जैन
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
अहमदाबाद

सदस्य

प्रा सुदर्शन बहल
प्रा अतुल भार्गव
प्रा अरूप लाल चक्रवर्ती
प्रा नीलकंठ छाया
प्रा समीर दालवी
प्रा मुरली दामोदरन
प्रा अनिरबन दासगुप्ता
प्रा भास्कर दत्ता
प्रा प्रत्युष दयाल
प्रा एच बी हबलानी
प्रा विक्रान्त जैन
प्रा मोहन जोशी
प्रा रीता कोठारी
प्रा अश्विनी कुमार
डॉ टी एस कुंभर
प्रा हरीष पी एम
प्रा जयसन मंजली
प्रा अचल मेहरा
प्रा एस पी मेहरोत्रा
प्रा अभिजीत मिश्रा
प्रा प्रणब कुमार मोहापात्रा
प्रा ज्योति मुखोपाध्याय
प्रा के वी वी मूर्ति
प्रा विनोद नारायण
प्रा डी वी पाई
प्रा रोजा मारिया पेरेज
प्रा अमित प्रशान्त
प्रा आर आर पुरी
प्रा एन रामकृष्णन
प्रा राघवन रंगरंजन

प्रा नागेश राव
प्रा श्रीनिवास रेड्डी
प्रा डी पी रॉय
प्रा अजंता सचान
प्रा अरनब सरकार
प्रा इंद्रनाथ सेनगुप्ता
प्रा आनंद सेनगुप्ता
प्रा आर शरण
प्रा जी के शर्मा
प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन
प्रा जगमोहन त्यागी

सचिव

श्री पी के चोपड़ा
कुलसचिव

आमंत्रित छात्र

हर्ष गुप्ता
आश्रित कौण्डिन्या
आकाश केशव सिंह
नवीन दीपक वी

गण

अभिषद सभा का स्थाई समितियाँ

अभिषद सभा शैक्षिक कार्य मूल्यांकन समिति (एसएपीईसी)

प्रा डी वी पाई, संयोजक
प्रा अमित प्रशान्त, डीन (शैक्षिक मामले)
प्रा धीमन बसु
प्रा भास्कर दत्ता
प्रा निथिन जॉर्ज
प्रा कबीर जसूजा
प्रा इंद्रनाथ सेनगुप्ता

अभिषद सभा शैक्षिक कार्यक्रम समिति (एसएपीसी)

प्रा अमित प्रशान्त, अध्यक्ष, डीन (शैक्षिक मामले)
प्रा अतुल भार्गव
प्रा अरुण लाल चक्रवर्ती
प्रा समीर दालवी
प्रा भास्कर दत्ता
प्रा जयसन मंजली
प्रा अभिजीत मिश्रा
प्रा श्रीनिवास रेड्डी
प्रा अजंता सचान
प्रा आनंद सेनगुप्ता
प्रा जगमोहन त्यागी
सुश्री गीतांजलि सावित्री
सुश्री तुष्टि शाह

अभिषद सभा छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार समिति (एसएसपीसी)

प्रा जयसन ए मंजली, अध्यक्ष, डीन (छात्र मामले)
प्रा अनिरबन दासगुप्ता
प्रा कबीर जसूजा
प्रा सुरजीत कौर
प्रा प्रतीक मूथा

अभिषद सभा छात्र मामले समिति (एसएसएसी)

प्रा जयसन ए मंजली, अध्यक्ष, डीन (छात्र मामले)
प्रा अतुल भार्गव
प्रा भास्कर दत्ता
प्रा निथिन जॉर्ज
प्रा शर्मिष्ठा मजुमदार
प्रा श्रीनिवास रेड्डी

श्री आश्रित कौण्डिन्या
श्री आकाश केशव सिंह
श्री अक्षय रांदड
श्री पलक सदानी

अभिषद सभा पुस्तकालय समिति (एसएलसी)

प्रा आर शरण, अध्यक्ष
प्रा प्रत्युष दयाल
डॉ टी एस कुंबर
प्रा मोना मेहता
प्रा शंभुगनाथन आर
प्रा सुदाप्ता सरकार
श्री जय सुदानी
सुश्री गोल्डी यादव

शैक्षिक पदाधिकारी

प्रा सुधीर कु जैन
निदेशक

प्रा अमित प्रशान्त
डीन, शैक्षिक मामले

प्रा भास्कर दत्ता
सह डीन, अधिस्नातक अध्ययन

प्रा अभिजीत मिश्रा
सह डीन, अवरस्नातक अध्ययन

प्रा जयसन ए मंजली
डीन, छात्र मामले

प्रा अतुल भार्गव
सह डीन, छात्र कल्याण
सलाहकार, क्रीणा

प्रा अनिरबन दासगुप्ता
वार्डन, पुरुष नया छात्रावास तथा समन्वयक,
करियर परामर्श एवं औद्योगिक यात्रा

प्रा गौरव
प्रमुख, करियर विकास सेवाएं
समन्वयक, नियुक्ति एवं अंतःशिक्षिता

प्रा निथिन जॉर्ज
समन्वयक, डॉक्टरल छात्र

प्रा कबीर जसूजा
प्रमुख, छात्र परामर्श सेवा

प्रा शिवप्रिया किरुबाकरन
समन्वयक, अधिस्नातक छात्र

प्रा शंकरजी कृष्णमूर्ति
समन्वयक, उच्च शिक्षा

प्रा उत्तमा लहरी
वार्डन, महिला छात्रावास

प्रा सुपर्व मिश्रा
सलाहकार, यांत्रिक गतिविधि

प्रा श्रीनिवास रेड्डी
सलाहकार, सांस्कृतिक कार्यक्रम

श्री सी एस शर्मा
समन्वयक, संचार एवं जीवन कौशल कार्यक्रम

प्रा सुधांशु शर्मा
वार्डन, अशोक विहार छात्रावास

प्रा अचल मेहरा
डीन, नीतिबद्ध नियोजन एवं विशेष पहल

प्रा जी के शर्मा
प्रभारी प्राध्यापक, संकाय मामले

प्रा समीर दालवी
सह-डीन, संकाय संबंध

प्रा प्रतीक मूथा
अध्यक्ष, संकाय अनुसंधान समिति एवं सह-डीन
संकाय नियुक्ति

प्रा एस पी मेहरोत्रा
प्रभारी प्राध्यापक, बाह्य संबंध एवं प्रभारी
प्राध्यापक, अनुसंधान एवं विकास

प्रा रविकुमार भास्करन
माननीय सलाहकार, बाह्य मामले

प्रा विक्रान्त जैन
सह-डीन, बाह्य परियोजनाएं

प्रा डी पी रॉय
प्रभारी प्राध्यापक, सामान्य प्रशासन एवं प्रभारी प्राध्यापक,
अभियांत्रिकी विभाग

प्रा डी वी पाई
प्रभारी प्राध्यापक, मानविकी एवं विज्ञान विभाग

प्रा हरीष पी एम
सह-डीन, परिसर विकास

छात्र नेतृत्व

निम्नलिखित छात्र शैक्षिक वर्ष 2015 – 16 के लिए पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित घोषित किए गए:

जनरल सचिव	:	विश्वेन्द्र सिंह
यांत्रिक सचिव	:	शुभम मालव
खेल सचिव	:	आदित्य शाह
शैक्षिक सचिव	:	अखिलेश गोटमारे
सांस्कृतिक सचिव	:	पलक सदानी

संकाय

विभाग	पद	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशिष्टीकरण
जैविक अभियांत्रिकी			
शरद गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय 2009	अल्जाइमर और हंटिंग्टन रॉ में प्रोटीन मिसफोल्डिंग
शर्मिष्ठा मजुमदार	सहायक प्राध्यापक	कॉर्नल विश्वविद्यालय, 2006	ट्रांसपोसेस और ट्रांसपोसेस होमोलोग्स का जीनोमिक तथा प्रोटियोमिक विश्लेषण
प्रतीक मूथा	सहायक प्राध्यापक (संयुक्त रूप से विद्युत यांत्रिकी)	पेन्सिलवेनिया राज्य विश्वविद्यालय, 2009	सेन्सरीमोटर को नियंत्रण और सीखना
रसायन अभियांत्रिकी			
समीर वी. दालवी	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2007	सुपरक्रिटिकल तरल पदार्थ प्रा. सेसिंग
प्रत्युष दयाल	सहायक प्राध्यापक	अक्रोन विश्वविद्यालय, 2007	स्व दोलन बहुलक जैल
चिन्मय घोरोई	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2007	कण इंजीनियरिंग और पाउडर प्रसंस्करण
कबीर जसूजा	सहायक प्राध्यापक	कानसास राज्य विश्वविद्यालय, 2011	दो आयामी सूक्ष्म पदार्थों की रचना
नितिन पधियार	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2008	प्रक्रिया अनुकूलन व नियंत्रण
अरनब सरकार	अभ्यागत प्राध्यापक	अमेरिकी केथलिक विश्वविद्यालय, 1973	ऑप्टिकल फाइबर फेब्रिकेशन प्रक्रिया
राजगोपालन श्रीनिवासन	प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, पश्चिम लाफायेट्टे, 1998	कम्प्यूटर तंत्र जैव विज्ञान
प्राची थरेजा	सहायक प्राध्यापक	पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, 2008	क्रिस्टलाईजिंग फैटी एसिड पेस्ट के इन.सीटू रियोलोजी
रसायन विज्ञान			
चन्द्रकुमार अप्पायी	सहायक प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान संस्थान, 2008	एसिमेट्रिक केटलिसिस
भास्कर दत्ता	सहायक प्राध्यापक	कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय, 2004	न्यूक्लिक एसिड पर आधारित रासायनिक जीव विज्ञान
श्रीराम वी गुंडीमेदा	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2001	जैव कार्बनिक रसायन
इति गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. मुंबई, 2005	मैक्रोसायक्लिक रिसेप्टर्स और विस्तारित पॉर्फिरिनोइड्स

विभाग	पद	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशिष्टीकरण
शिवप्रिया किरुबकरण	सहायक प्राध्यापक	आई.आई.एस.सी. बेंगलोर, 2007	औषधीय रसायन विज्ञान और दवाओं की खोज
साईराम स्वरूप मलजोसयुला	सहायक प्राध्यापक	जवाहरलाल नेहरू अग्रणी वैज्ञानिक अनु. संधान केन्द्र, बेंगलोर, 2009	कार्बोहाइड्रेट.प्रोटीन पारस्परिक प्रभाव
सुधांशु शर्मा	सहायक प्राध्यापक	आई.आई.एस.सी. बेंगलोर, 2009	सामग्री, विद्युत रसायन शास्त्र
सिविल अभियांत्रिकी			
धीमन बसु	सहायक प्राध्यापक	सनी बफैलो, 2012	घूर्णीय भूकम्प विज्ञान, जटिल संरचनाएं
स्वेतलाना ब्रजेव*	अभ्यागत प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. रुड़की, 1994	विकासशील देशों में भूकंपीय खतरों को कम करना
गौरव	सहायक प्राध्यापक	मिनेसोटा विश्वविद्यालय, 2011	अनसर्टेनिटी क्वांटिफिकेशन
इंद्रजीत घोष*	सहायक प्राध्यापक	सर्रे विश्वविद्यालय, ब्रिटेन, 1967 (एसएससी)	विभिन्न लोडिंग और परिसीमा की स्थिति के साथ प्लेटो का विश्लेषणात्मक समाधान
सुधीर कु. जैन	निदेशक, प्राध्यापक	कैलटेक, 1983	भूकंप अभियांत्रिकी, संरचनात्मक गतिशीलता
अश्विनी कुमार	अभ्यागत प्राध्यापक	वाटरलू विश्वविद्यालय, 1974	स्थिरता और संरचनाओं की बड़ी विकृति
विमल मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, 2010	सतही जल विज्ञान
प्रणब कुमार मोहापात्रा	प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 1999	हाइड्रोलिक्स एवं जल स्रोत अभियांत्रिकी
अमित प्रशांत	सह प्राध्यापक	टेनेसी विश्वविद्यालय, 2004	बारीक सामग्री के लिए विधान मॉडलिंग
सतवंत रिहाल	अभ्यागत प्राध्यापक	न्यू मेक्सिको विश्वविद्यालय, एलबक. क, 1969	नयी, अंतरविषयक और आंतरिक संरचनात्मक अभियांत्रिकी अभि. ाकल्प
अजंता सचान	सहायक प्राध्यापक	टेनेसी विश्वविद्यालय, 2005	सामग्री संश्लेषण
कम्प्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी			
एंड्रिया बॉबियो	अभ्यागत प्राध्यापक	पॉलिटैकनिको ऑफ टोरिनो, 1969	विश्वसनीयता अभियांत्रिकी
बिरेस्वर दास	सहायक प्राध्यापक	गणितीय विज्ञान संस्थ. ान, चेन्नई, 2010	कम्प्यूटेशनल जटिलता सिद्धांत और एल्गोरिदम
अनिरबन दास गुप्ता	सह प्राध्यापक	कॉर्नल विश्वविद्यालय, 2005	भारी मात्रा के डाटा के लिए अलगाव
सौराद्युति पॉल	सहायक प्राध्यापक	केथोलीके यूनिवर्सिटी लियूवन, बेल्जियम 2006	सूचना सुरक्षा, गूढ़लेखन, सैद्धांतिक कम्प्यूटर विज्ञान

विभाग	पद	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशिष्टीकरण
किशोर एस त्रिवेदी	अभ्यागत प्राध्यापक	इलिनॉइस विश्वविद्यालय, अरबा. ना, 1974	फाल्ट टोलरेंट और निर्भर कम्प्यूटिंग
डिजाइन			
भास्कर भट्ट	सहायक प्राध्यापक	राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, 2003	औद्योगिक डिजाइन और नवीन उत्पाद अभियांत्रिकी
दिनेश कोर्जन	सहायक संकाय	राडिसं, अहमदाबाद, 1983	वास्तविक, गूढ़ दुनिया की समस्याओं से डिजाइन का पा. रस्परिक संबंध
अमित शेट	सहायक संकाय	भाप्रौसं मुंबई से पीएच. डी जारी	वेफाइंडिंग डिजाइन
भू विज्ञान			
विक्रान्त जैन	सह प्राध्यापक	भाप्रौसं कानपुर, 2001	भूमि सतह की प्रक्रिया
प्रदीप श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	पीपल्स फ्रेंडशिप विश्वविद्यालय, मॉस्को, रूस, 1983	सैद्धांतिक तकनीक एवं नियंत्रण तंत्र
विद्युत अभियांत्रिकी			
अरुण लाल चक्रवर्ती	सहायक प्राध्यापक	स्ट्रेथक्लाइड विश्वविद्यालय, 2010	गैस पैरामीटर माप के लि, ट्यूनेबल डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी
प्रकाश दांडेकर*	अभ्यागत प्राध्यापक	भाप्रौसं मुंबई, 1975	इंटरनेट ऑफ थिंग्स का डिजा. इन एवं विकास
रमेश गांवकर*	अभ्यागत प्राध्यापक	सिरैक्यूज विश्वविद्यालय, 1975	इंटर.अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम डिजाइन और मूल्यांकन
निथिन वी जॉर्ज	सहायक प्राध्यापक	भाप्रौसं भुवनेश्वर, 2012	सक्रिय शोर नियंत्रण, अनुकूली सिग्नल प्रोसेसिंग
रागवन के	सहायक प्राध्यापक	आईआईएससी बेंगलूर, 2006	ट्रांसफार्मर निदान
उत्तमा लहरी	सहायक प्राध्यापक	वेंडरबिल्ट विश्वविद्यालय, 2011	भावात्मक कंप्यूटिंग में इस्तेमाल किया गया आभासी वास्तविकता आधारित मानव कम्प्यूटर संपर्क
जॉयसी एम मेकी	सहायक प्राध्यापक	भाप्रौसं मुंबई, 2009	वीएलएसआई डिजाइन
निहार रंजन मोहापात्रा	सहायक प्राध्यापक	भाप्रौसं मुंबई 2003	सेमीकंडक्टर उपकरण और प्रौद्योगिकी
केवीवी मूर्ति	अभ्यागत प्राध्यापक	भाप्रौसं मुंबई, 1977	विद्युत नेटवर्क सिद्धांत
के आर पधियार*	अभ्यागत प्राध्यापक	वाटरलू विश्वविद्यालय, केनडा, 1972	एचवीडीसी एवं एफएसीटीएस, ऊर्जा तंत्र के आयाम एवं नियंत्रण
नारण एम पिंडोरिया	सहायक प्राध्यापक	भाप्रौसं कानपुर, 2009	पुनर्गठन ऊर्जा प्रणाली.तकनीकी और आर्थिक मुद्दे

विभाग	पद	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशिष्टीकरण
एस राजेंद्रन	सह.शिक्षण प्राध्यापक	भाप्रौसं मद्रास (एमटेक), 1988	उच्च गति पैकेजिंग मशीनों.वी. एफ.एफ.एस. और एच.एफ.एफ. एस. प्रौद्योगिकी
शंमुगनाथन रमण	सहायक प्राध्यापक	भाप्रौसं मुंबई, 2011	कम्प्यूटेशनल फोटोग्राफी
आर शरण	अभ्यागत प्राध्यापक	वाटरलू विश्वविद्यालय, केनडा, 1968	तकनीकी प्रगति और मानव मूल्य
बाबजी श्रीनिवासन	सहायक प्राध्यापक	टेक्सस टेक विश्वविद्यालय, 2011	कंट्रोल लूप परफोर्मेंस मोनिटरिंग
मानविकी			
हामी बानू चोपड़ा*	अभ्यागत संकाय	जामिया अलीगढ़ विश्वविद्यालय, 1971(अदीब कामिल)	उर्दू काव्य
एमी डेसांटिस*	अभ्यागत सहायक प्राध्यापक	नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय, आइएल, 2009	जातीय/संजातीय एवं सामा. जिक आर्थिक असमानताएं
गुओ फे	अभ्यागत संकाय	सुचुआन विश्वविद्यालय, 2007	चीनी भाषा प्रशिक्षक
लॉरेंट पी जी फ्रेडेट	फ्रांसीसी भाषा प्रशिक्षक	टुओलूज विश्वविद्यालय, 2013	फ्रांसीसी भाषा प्रशिक्षक
ब्रूनो गमिन्हा*	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक	लिसबन विश्वविद्यालय संस्थान, 2012	जटिल अडेप्टिव तंत्र
आलोक कुमार कानूनगो	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक	दक्खन महाविद्यालय, 2003	पुरातत्वविज्ञान
रीता कोठारी	सह प्राध्यापक	गुजरात विश्वविद्यालय, 2000	हिंग्लिश, बाणी (कच्छ) समुदाय, सिंध और गुजरात के सांस्कृतिक इतिहास
शर्मिता लहरी	सहायक प्राध्यापक	ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, 2008	उत्तर औपनिवेशिक साहित्य और रचना
जयसन ए मंजली	सहायक प्राध्यापक	भाप्रौसं खड़गपुर, 2008	अनुभव, चेतना, समझदारी
अचल मेहरा	प्राध्यापक	साउथ इलिनोइस विश्वविद्यालय, का. बॉनडेल, 1985	ऑनलाइन मीडिया, मीडिया प्रबंधन
कृष्ण प्रसाद मियापुरम	सहायक प्राध्यापक	केम्ब्रिज विश्वविद्यालय, संरा, 2008	दिमागी चित्रण (एम एम आर आई) व संज्ञानात्मक विज्ञान
बी एन पटनायक*	अभ्यागत प्राध्यापक	सीआईईएफएल, 1977	भाषा विज्ञान एवं स्वर विज्ञान
वी एन प्रभाकर	अभ्यागत संकाय	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, 2012	हड़प्पन पुरातत्व व पुरातत्व में विज्ञान के अनुप्रयोग पर प्रमुखता
मैनुअल रामोस*	अभ्यागत प्राध्यापक	आइएससीटीई.आ. इयूएल, 2000	सांकेतिक नृविज्ञान

विभाग	पद	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशिष्टीकरण
अर्नपूर्णा रथ	सहायक प्राध्यापक	भाप्रौसं मुंबई, 2010	दक्षिण.एशियाई साहित्य, महत्वपूर्ण सिद्धांत, बख्तन अध्ययन, रचनात्मक लेखनी
श्रीनिवास रेड्डी	सहायक प्राध्यापक	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले, 2011	संस्कृत, तमिल और तेलुगू सा.ि हत्यिक परंपराओं
मधुमिता सेनगुप्ता	सहायक प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2009	अंग्रेजी शासनकाल का भारत एवं असम का 18वीं से 20वीं शताब्दी का सामाजिक.राजनी. तिक इतिहास
गौरव सुखिजा*	अनुसंधान सहायक	इलिनॉइस विश्वविद्यालय, 2011	सूक्ष्म आर्थिकशास्त्र
सिद्धार्थ वाकणकर	अभ्यागत प्राध्यापक	एम एस बड़ोदा विश्वविद्यालय, 1995	संस्कृत साहित्य के खेल और पांडुलिपिविज्ञान
पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी			
अमित अरोड़ा	सहायक प्राध्यापक	पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, 2011	घर्षण हलचल वेल्डिंग, गर्मी हस्तांतरण और विस्को.प्लास्टिक प्रवाह
अभय राज सिंह गौतम	सहायक प्राध्यापक	वर्जीनिया विश्वविद्यालय, 2009	इंटरफेस संरचना एवं आयाम
एस पी मेहरोत्रा	अभ्यागत प्राध्यापक	भाप्रौसं कानपुर, 1973	खनिज प्रसंस्करण और प्रक्रिया धातु विज्ञान
अभिजीत मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना चौम्पैन, 2010	एक्स.रे विवर्तन, झिल्ली गुण
सुपर्ब मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	लंडन इम्पीरियल विद्यालय, संरा., 2007	जैविकपदार्थ और ऊतक अभियांत्रिकी
ज्योति मुखोपाध्याय	अभ्यागत प्राध्यापक	भाप्रौसं मुंबई, 1982	संरचना.संपत्ति सहसंबंध
एमिला पांडा	सहायक प्राध्यापक	मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट, जर्मनी, 2009	पतली फिल्मों और नैनो संरचित सामग्री के प्रायोगिक और सैद्धांतिक जांच
गणित			
संजय कुमार अमृत्य	सहायक प्राध्यापक	हरीष.चंद्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद, 2012	तन्नाकियन सामूहिक योजनाएं, मोड्यूलार्इ स्पेस, वेक्टर बन्डल्स
अनुलेखा धारा	सहायक प्राध्यापक	भाप्रौसं दिल्ली, 2010	नॉन.स्मूथ अनुकूलन
मोहन जोशी	अभ्यागत प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, सं.रा.अमेरिका, 1973	नॉनलीनियर विश्लेषण
सुरजीत कौर	सहायक प्राध्यापक	भाप्रौसं कानपुर, 2013	साधारण डेरिवेटिव
एन आर लाधवाला	सहायक प्राध्यापक	पर्ड्यू विश्वविद्यालय, 1976	लयबद्ध विश्लेषण

विभाग	पद	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशिष्टीकरण
चेतन पहलाजानी	सहायक प्राध्यापक	इलिनॉइस विश्वविद्यालय, अरबा. ना.शेमपेन, 2007	संभावना का सिद्धांत एवं स्टोके. स्टिक प्रक्रिया
डी वी पाई	अभ्यागत प्राध्यापक	भाप्रौसं मुंबई, 1972	कार्यात्मक विश्लेषण, सन्निकटन सि)ांत
इंद्रनाथ सेनगुप्ता	सह प्राध्यापक	भाविसं बंगलोर, 2001	कम्प्यूटेटिव एलजेब्रा, एलजेब्रिक जियोमेट्री
जगमोहन त्यागी	सहायक प्राध्यापक	भाप्रौसं कानपुर, 2008	साधारण अंतर.समीकरणों, अण्डा. कार आंशिक अंतर.समीकरण

यांत्रिक अभियांत्रिकी

बी. डी. अग्रवाल	अभ्यागत प्राध्यापक	इलिनोइस प्रौद्योगिकी संस्थान, 1972	कम्पोजिट सामग्री, तनाव विश्लेषण
सुदर्शन बहल	अभ्यागत प्राध्यापक	मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ (एमफिल)	ठोस अवस्था की भौतिकी
अतुल भार्गव	सहायक प्राध्यापक	मैरीलैंड विश्वविद्यालय, कॉलेज पार्क, 2010	ईंधन सेल प्रणाली डिजाइन और सिमुलेशन
मुरली दामोदरन	प्राध्यापक	कॉर्नेल विश्वविद्यालय, 1987	एयरोस्पेस अभियांत्रिकीरू वायुग. तिकी, उड़ान यांत्रिकी और एरो, लास्टिसिटी
इमेन्युल देरियत*	अभ्यागत प्राध्यापक	पेरिस विश्वविद्यालय, 1999	विस्कस प्रवाह
रघु एचेम्पति	अभ्यागत प्राध्यापक	भाप्रौसं खड़गपुर, 1976	मशीन तत्वों के डिजाइन और यांत्रिकी असेंबली
एच बी हबलानी	अभ्यागत प्राध्यापक	भाविसं बंगलोर, 1972	हवाई वाहनों का नौचालन, संच. ालन, तथा नियंत्रण
शंकरजी कृष्णमूर्थी	सहायक प्राध्यापक	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजलिस, 2013	गणनात्मक संरचनात्मक और ठोस यांत्रिकी
विनोद नारायणन	सहायक प्राध्यापक	जेएनसी,एसआर, 2006	द्रव यांत्रिकी
हरीष पालनथंडलम.मादापुरसी	सहायक प्राध्यापक	मिशिगन विश्वविद्यालय, एन आ. बर, 2007	सिस्टम और नियंत्रण के सि)ांत, प्रणाली पहचान (डेटा आधारित मॉडलिंग)
एन रामकृष्णन	अभ्यागत प्राध्यापक	भाप्रौसं मुंबई, 1980	विनिर्माण, स्वचालन और मिश्रित सामग्री
डी पी रॉय	अभ्यागत प्राध्यापक	टेक विश्वविद्यालय आकिन, 1976	द्रव गतिशीलता और तरल पदा. र्थ मशीनरी
जी के शर्मा	अभ्यागत प्राध्यापक	मास्को पॉवर इंजी. नियरिंग संस्थान, 1974	ऊष्मा अभियांत्रिकी

भौतिकी

विभाग	पद	पीएचडी/अंतिम उपाधि	विशिष्टीकरण
विनोद चंद्रा	सहायक प्राध्यापक	भाप्रौसं कानपुर, 2009	क्वार्क-ग्लूकोन-प्लाजमा एवं भारी अणुओं का टकराव
भारद्वाज कोलप्पा	सहायक प्राध्यापक	मिशिगन राजकीय विश्वविद्यालय, 2009	नए राज्यों के एलएचसी घटनाक्रम तथा मानक मॉडल. मॉडल संरचना के परे
शिवकुमार जोलाड	सहायक प्राध्यापक	पेन्सिलवेनिया राजकीय विश्वविद्यालय, 2010	नेटवर्क - जटिल तंत्र, सूचना सिद्धांत
बरुन मजुमदार	सहायक प्राध्यापक	कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2008 (एबीडी)	क्वांटम ब्रह्माण्ड
आर आर पुरी	अभ्यागत प्राध्यापक	मुंबई विश्वविद्यालय, 1981	सैद्धांतिक क्वांटम ऑप्टिक्स, क्वांटम यांत्रिकी, क्वांटम केओस का अनियमित मैट्रिक्स सिद्धांत, गुहिका में जाते हुए ऊर्जायुक्त कणों और विकिरण के बीच भिड़ंत
सुदीप्ता सरकार	सहायक प्राध्यापक	पुणे विश्वविद्यालय आ. ईण्यूसीएणएण 2009	सामान्य सापेक्षता तथा ब्लैक होल ऊष्मप्रवैगिकी
आनंद सेनगुप्ता	सहायक प्राध्यापक	आईयूसीएण पुणे, 2005	गुरुत्वाकर्षण लहरों की जांच, सीएमबी डेटा विश्लेषण के पहलू
विजय थिरुवेंकटम	सहायक अनुसंधान प्राध्यापक (जैव अभियांत्रिकी के साथ)	जीवाजी विश्वविद्यालय, 2009	छोटे अणुओं एक्सरे क्रिस्टलोग्राफी
सामाजिक विज्ञान			
मोना मेहता	सहायक प्राध्यापक	शिकागो विश्वविद्यालय, 2010	लोकतंत्र, जातीय संघर्ष, नागरिक समाज, भारत में राष्ट्रवाद और पहचान की राजनीति
रोजा मारिया पेरेज	अभ्यागत प्राध्यापक	आईएससीटीइ, लिस्बन, 1992	सामाजिक ढांचे, सामाजिक अलगाव
तनिष्ठा सामंत	सहायक प्राध्यापक	मैरीलैंड विश्वविद्यालय, 2012	विकासशील देशों में उम्र बढ़ने के सामाजिक जनसांख्यिकीय
रेशेल शलोम*	अभ्यागत संकाय	अंतर्राष्ट्रीय महा. विद्यालय, इजराइल टेकनियन प्रौद्योगिकी संस्थान (जारी)	नेतृत्व कर रही अंतर्राष्ट्रीय उद्दमी कार्यकारी कार्यक्रम
मालविका सुब्रमणियम	सहायक प्राध्यापक	डीएससी हार्वर्ड विश्वविद्यालय, 2009	पोषण और मधुमेह पर सामाजिक आर्थिक संदर्भ और पड़ोस के प्रभाव
मीरा एम सनी	सहायक प्राध्यापक	वॉरविक विश्वविद्यालय, 2011	दृश्य ध्यान, ध्यान कैप्चर

विशिष्ट अवैतनिक संकाय

नाम	संबंधन
प्रा जे बी जोशी	डीएई होमी भाभा विशिष्ट चेयर प्राध्यापक
प्रा हरिनारायण कोटा	डॉ डी एस कोठारी डीआरडीओ चेयर, एडीए, बेंगलोर
प्रा सुरेन्द्र प्रसाद	पूर्व निदेशक, भाप्रौसं दिल्ली
प्रा वी राजारमण	पूर्व अध्यक्ष, सुपरकंप्यूटर शिक्षण एवं शोध केंद्र, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर
प्रा वी एस राजू	पूर्व निदेशक, भाप्रौसं दिल्ली
प्रा एस पी सुखात्मे	प्राध्यापक एमरिटस यांत्रिकी अभियांत्रिकी, भाप्रौसं मुंबई
प्रा नितीश ठाकोर	प्राध्यापक, जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी, जॉन्स हॉपकिंस औषधि विद्यालय

अभ्यागत संकाय

नाम	संबंधन
प्रा ए वी अनिलकुमार	प्राध्यापक, वॉन्डरबिल्ट अभियांत्रिकी विद्यालय
प्रा निखिल बलराम	अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, रीको इन्वोवेशंस इनकॉर्प, संरा अमरीका
प्रा अचिंत्या के भौमिक	प्रमुख प्रौद्योगिकी अधिकारी एवं महाप्रबंधक, परसेप्चुअल कम्प्यूटिंग ग्रुप, इंटेल् कॉर्पोरेशन, सेए, संराअ
प्रा आर एस बिश्ट	संयुक्त महानिदेशक (सेवानिवृत्त), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
प्रा राजेन्द्र बोर्डिया	प्राध्यापक एवं चेयर, पदार्थ, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी क्लेमसन विश्वविद्यालय, संराअ
प्रा बिजॉय बोरुआ	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, भाप्रौसं दिल्ली
प्रा स्वेतलाना ब्रजेव	प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, निर्माण एवं पर्यावरण विद्यालय, ब्रिटिश कोलंबिया प्रौद्योगिकी संस्थान, केनेडा
प्रा आर पी छाबड़ा	प्राध्यापक रासायनिक अभियांत्रिकी, भाप्रौसं कानपुर
प्रा माइकल डेनीनो	भारतीय सभ्यता के स्वतंत्र विद्वान
प्रा प्रवीणराय गाँधी	निदेशक, कॉरपोरेट शोध, अंडरटाइम्स प्रयोगशाला इंक
प्रा दीपन घोष	प्रोवोस्ट (उप-चांसलर), नवरचना विवि, वडोदरा
प्रा बिपिन इंतर्ख्या	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजीएच विश्वविद्यालय, पोलैंड
श्री सुबोध कुमार जैन	अभियांत्रिकी सदस्य (सेवानिवृत्त), रेल बोर्ड, नई दिल्ली
प्रा राजेन जसवा	प्रकाश एवं अध्यक्ष, डीनो
प्रा के चेलवा कुमार	अध्यक्ष, इपीआइआर टेक्नोलॉजी, इंक, बोलिंगब्रुक, आइएल
प्रा सुचित्रा माथुर	प्राध्यापक, मानविकी एवं समाज विज्ञान, भाप्रौसं कानपुर
प्रा अशोक मित्तल	अब तक जुड़े हुए थे— भा.प्रौ.सं. कानपुर एवं केलॉग प्रबंधन विद्यालय, नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय, संरा अमरीका
प्रा एस एल नारायणमूर्थी	पूर्व अधिष्ठाता, शैक्षिक मामले, भाप्रौसं गाँधीनगर

नाम	संबंधन
प्रा संदीप पाण्डेय	सामाजिक कार्यकर्ता, लखनऊ तथा सह-संस्थापक, आशा शिक्षा के लिए
प्रा डी सी रॉय	प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, भाप्रौस कानपुर
प्रा एम बी रजनी	सहायक प्राध्यापक, मानविकी विद्यालय, भारतीय विज्ञान संस्थान परिसर, बेंगलूर
प्रा टी आर रामचंद्रन	अभ्यागत प्राध्यापक, नॉनफेरस पदार्थ प्रौद्योगिकी विकास केंद्र, हैदराबाद
प्रा ए रामनाथन	प्राध्यापक, भाप्रौस मुंबई
प्रा मिथिली रामास्वामी	प्राध्यापक, अनुप्रयोग गणित का टीआइएफएर केंद्र, बेंगलूर
प्रा धीरज संधी	डीन, शैक्षणिक मामले, भाप्रौस कानपुर
प्रा शिलादित्य सेनगुप्ता	सहायक प्राध्यापक, हार्वर्ड औषधि विद्यालय ब्रिघम और महिला चिकित्सालय
प्रा कोशी थारकन	सह-प्राध्यापक, गोवा विवि

विशिष्ट आवासीय विद्वान

नाम	संबंधन
सुश्री क्रेटरिन बेयर	सहायक प्राध्यापक, इकोले पॉलिटेक्निक फेडराले डि लायूएसएन्ने (ईपीएफएल) स्विट्जरलैंड
प्रा फ्रेडरिक कूलिज	प्राध्यापक, कोलोरेडो विश्वविद्यालय, संराअ
प्रा चंद्रकांत देसाई	रीजेंट्स प्राध्यापक एमेरिटस, यांत्रिक अभियांत्रिकी, एरिजोना विश्वविद्यालय
प्रा राजमोहन गाँधी	शोध प्राध्यापक, दक्षिण एवं मध्य पूर्व एशियाई अध्ययन, अरबेना-शेम्पेन इलीनॉयस विवि
सुश्री मारजोरी ग्रीन	विशेष परियोजनाएं, भूकंप अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान में प्रबंधक
प्रा नूनो गिमारेस	प्राध्यापक, सूचना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, लिसबन संस्थान विश्वविद्यालय
प्रा स्टीफन हेक्स	निदेशक, सर्कस के रचयिता एवं उत्पादक, थिएटर एवं फिल्म, केलिफोर्निया, संराअ
प्रा जॉर्ज लूका	आइएससीटीई-आइयूएल लिसबन संस्थान विश्वविद्यालय
प्रा एम रामामूर्ति	पूर्व महानिदेशक, केंद्रीय ऊर्जा अनुसंधान संस्थान, ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार
प्रा सतकथी रॉय	सह-प्राध्यापक, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग, भाप्रौस कानपुर
प्रा शतरूपा ठाकुरता रॉय	सहायक प्राध्यापक, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग, भाप्रौस कानपुर

नियमित पदों पर नियुक्त शिक्षकेतर कर्मचारी

कर्मचारी नाम	पदनाम
एम अरमुगम	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
सुगन्या अरमुगम	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
वीरल जे असजोला	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना अधिकारी
रामसिंम्हा बी	कनिष्ठ प्रायोगशाला सहायक
बबलू	कनिष्ठ प्रायोगशाला परिचारक
पलक आर. बगिया	कनिष्ठ प्रायोगशाला सहायक
सुदीप नारायण बनर्जी	तंत्र विश्लेषक / वैज्ञानिक ख
सुवाकांत बारिक	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
तिमिरबेन याकुंज बेरावला	कनिष्ठ सहायक
मनु प्रताप सिंह भदौडिया	शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
राम बाबू भगत	सहायक कुलसचिव
राहुलेन्द्र भास्कर	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
तुषार हर्षदकुमार ब्रह्मभट्ट	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
के. सी. चन्द्रजीथ	कनिष्ठ अधीक्षक
पन्नाबेन चौधरी	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
जी. सी. चौधरी	अधीक्षक अभियंता
मयूर नटवरभाई चौहान	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
क्रुपेश पी चौहान	कनिष्ठ लेखापाल
यशवंत कुमार चौहान	सहायक अभियंता
रोहितकुमार बी चौधरी	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
प्रेम कुमार चोपड़ा	कुलसचिव
बालकृष्ण जे दर्जी	वरिष्ठ तंत्र विश्लेषक
तपस कुमार दास	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
सोनाली एस दावड़ा	कनिष्ठ सहायक
दिनेश बाबरभाई देसाई	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचारक
तेज बहादुर गुरुंग	कनिष्ठ सहायक
सुपिन गोपी	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
जगन्नाथम नायडू गुनूर*	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक

कर्मचारी नाम	पदनाम
मेमो गुप्ता	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
लक्ष्मी पी हीरानी	कनिष्ठ प्रायोगशाला सहायक
योगेश दत्तात्रया जड़े	कनिष्ठ अधीक्षक
मीना जोशी	सहायक कुलसचिव
अश्विन आर के	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
जिथेश वी के	कनिष्ठ अधीक्षक
संजयकुमार करशनभाई कछिया	कनिष्ठ प्रायोगशाला सहायक
नवडीवाला अंकुर कंचनलाल	कनिष्ठ प्रायोगशाला सहायक
धर्मेशकुमार वल्लभभाई कपाडिया	कनिष्ठ प्रायोगशाला परिचारक
हनि एम खमार	कनिष्ठ सहायक
राम निवास कुमावत	कार्यपालक अभियंता
टी एस कुंवर	पुस्तकालय अध्यक्ष
प्रजापति रामानंद लालसाहिब	कनिष्ठ प्रायोगशाला परिचारक
पिजूष मजुमदार	सहायक कुलसचिव
प्रशांत जी मकवाना	कनिष्ठ सहायक
सौम्या मालवीय	कनिष्ठ सहायक
जय मेहता	कनिष्ठ लेखापाल
श्रीजित बा मेनन	कनिष्ठ अधीक्षक
तनहा के मोदी	कनिष्ठ सहायक
वैशाली पधियार*	उप-कुलसचिव
धर्मेन्द्रकुमार एस पांचाल	कनिष्ठ अभियंता
संजीव कुमार पाण्डेय	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
प्रगनेश डी पारिख	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
दिनेश एच परमार	शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक
दर्शन सी पटेल	कनिष्ठ सहायक
संकेतकुमार जे पटेल	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
अरिका के पटेल	कनिष्ठ लेखापाल
कामिनी जे पटेल	कनिष्ठ सहायक
संजयकुमार टी पटेल	कनिष्ठ प्रायोगशाला सहायक
भीखाभाई आर पटेल	कनिष्ठ प्रायोगशाला परिचारक
जिगनेश एस पटेल	कनिष्ठ प्रायोगशाला सहायक
दिवंकल पटेल	कनिष्ठ लेखा अधिकारी

कर्मचारी नाम	पदनाम
हर्षदकुमार जे पटेल	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
आकाश महेन्द्र कुमार पटेल	कनिष्ठ अधीक्षक
नरेन्द्र जे राबडिया	कनिष्ठ सहायक
संतोष राउत	कनिष्ठ अधीक्षक
शशिन ए रावल	सहायक कुलसचिव
प्रणव एस रोहित	सहायक कुलसचिव
पवित्र कुमार राउत	कनिष्ठ लेखापाल
कोमल संगतानी	कनिष्ठ सहायक
सूजित कुमार शाह	कनिष्ठ सहायक
वीरल वाई शाह	कनिष्ठ अधीक्षक
जिगर शाह	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
मुकेश शर्मा	स्टाफ नर्स
गौरव शुक्ला	कनिष्ठ अधीक्षक
नितिन शुक्ला	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
गौरव कुमार सिंह	कनिष्ठ सहायक
पंकज कुमार सिन्हा*	सहायक कुलसचिव
नरेन्द्रकुमार एम सोलंकी	कनिष्ठ लेखापाल
टेनिल्स सोलंकी	कनिष्ठ अधीक्षक
मृगेश आर सोलंकी	कनिष्ठ अधीक्षक
रघुवीर जी सोलंकी*	कनिष्ठ सहायक
नीलेशकुमार बी सोनी	कनिष्ठ अभियंता
ऊना सूजित	कनिष्ठ अधीक्षक
सचिन एस तावड़े	कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
प्रभुजी जे ठाकोर	कनिष्ठ प्रायोगशाला परिचारक
सुप्रेष एस थालेश्री	कनिष्ठ प्रायोगशाला परिचारक
सनी थॉमस	कनिष्ठ प्रायोगशाला सहायक
हिरेन पी वाधवाना	कनिष्ठ प्रायोगशाला सहायक
दिपेन महेन्द्रभाई वधानी	कनिष्ठ सहायक
राजेन्द्र वैश्वव	कनिष्ठ लेखा अधिकारी
पियूषभाई वी वानकर	कनिष्ठ सहायक
नंद लाल विश्वकर्मा	कनिष्ठ अधीक्षक
राहुल जे वाधवानी	कनिष्ठ लेखापाल

पीएचडी छात्र

छात्र के नाम	विषय	पर्यवेक्षक
रश्मि भाकुनी	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा शिवप्रिया किरुबाकरण
सिद्धान्त भोइर	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा शरद गुप्ता
पल्लवी चिल्का	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा भास्कर दत्ता
गीतांजलि सावित्री दक्षिणमूर्ति	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा सुपर्व मिश्रा एवं प्रा शर्मिष्ठा मजुमदार
विवेक दिगम्बर राव फरकडे	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा शरद गुप्ता
संजय कुमार	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा भास्कर दत्ता
सांघवी हीरल मनोज कुमार	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा शर्मिष्ठा मजुमदार
नलिनि नटराजन	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा विजय थिरुवेण्कटम
अभिजीत ओझा	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा प्राची थरेजा
गायत्री पी	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा विजय थिरुवेण्कटम
पूनम पाण्डेय	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा साइराम स्वरूप मल्लाजोसयुला
क्रितिका रालहन	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा शरद गुप्ता
इंदुमति एस	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा समीर दालवी एवं प्रा शिवप्रिया किरुबाकरण
गुरु कृष्ण कुमार विश्वनाथन	जैविक अभियांत्रिकी	प्रा शरद गुप्ता
शीतल अरुणभाई अमीन	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा नितन पधियार एवं प्रा प्रत्युष दयाल
थोर्ट अल्पना अंकुश	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा समीर वी दालवी
सरोज कुमार दास	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा कबीर जसूजा
दीपा दीक्षित	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा चिन्मय घोरोई
आशा लीजा जेम्स	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा कबीर जसूजा
विक्रम अशोक करदे	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा चिन्मय घोरोई
सिद्धार्थ विजय कुलकर्णि	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा प्राची थरेजा
मनीष कुमार	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा सुप्रीत सैनी एवं प्रा कल्याण गायेन
कलगा एस दिनेश कुमार	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा जे बी जोशी एवं प्रा समीर वी दालवी
डी जया प्रसन्न कुमार	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा प्रत्युष दयाल
साकेत कुमार	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा प्राची थरेजा
पटेल नरेन्द्र माधवलाल	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा नितन पधियार
सनत चंद्र मैती	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा चिन्मय घोरोई
हरिहरण पी	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा जे बी जोशी एवं प्रा शरद गुप्ता

छात्र के नाम	विषय	पर्यवेक्षक
कोमल उपेन्द्र पाण्डेय	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा समीर वी दालवी
रूपांजलि गुरुप्रसाद प्रसाद	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा समीर वी दालवी
अवनीश कुमार उपाध्याय	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा समीर वी दालवी
सोफिया वर्गीष	रसायन अभियांत्रिकी	प्रा चिन्मय घोरोई
हर्ष अग्निहोत्रि	रसायन शास्त्र	प्रा श्रीराम कन्वाह गुंडिमेदा
दीक्षि अंगिरा	रसायन शास्त्र	प्रा विजय थिरुकेण्कटम एवं प्रा शिवप्रिया किरुबाकरण
नरेश बालसुकुरि	रसायन शास्त्र	प्रा इति गुप्ता
पलकोल्लु वीरभद्रइया	रसायन शास्त्र	प्रा श्रीराम कन्वाह गुंडिमेदा
अनुज बिष्ट	रसायन शास्त्र	प्रा सुधांशु शर्मा
सुदीप्ता दास	रसायन शास्त्र	प्रा इति गुप्ता
भानु प्रताप सिंह गंगवार	रसायन शास्त्र	प्रा सुधांशु शर्मा
जवीना	रसायन शास्त्र	प्रा शिवप्रिया किरुबाकरण
प्रसीथा ई के	रसायन शास्त्र	प्रा इति गुप्ता
शिखा खंडेलवाल	रसायन शास्त्र	प्रा श्रीराम कन्वाह गुंडिमेदा
काटला जगदीष कुमार	रसायन शास्त्र	प्रा श्रीराम कन्वाह गुंडिमेदा
महेश कुतवल	रसायन शास्त्र	प्रा चंद्रकुमार अप्पाई
सरकले अभिजीत मधुकर	रसायन शास्त्र	प्रा चंद्रकुमार अप्पाई
विजयलक्ष्मी पाण्डेय	रसायन शास्त्र	प्रा इति गुप्ता
प्रथाप रेड्डी पटलोल्ला	रसायन शास्त्र	प्रा भास्कर दत्ता
लता रानी	रसायन शास्त्र	प्रा साइराम स्वरूप मल्लाजोसयुला
हादियनवाला मुर्तुजा शब्बीरअली	रसायन शास्त्र	प्रा भास्कर दत्ता
अल्ताफ शेख	रसायन शास्त्र	प्रा शिवप्रिया किरुबाकरण
अंजु त्यागी	रसायन शास्त्र	प्रा भास्कर दत्ता
अनुजि के वी	रसायन शास्त्र	प्रा श्रीराम कन्वाह गुंडिमेदा
दिव्या व्यास	रसायन शास्त्र	प्रा सुधांशु शर्मा
हैदर अली	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा विमल मिश्रा
नकरानी धर्मित अश्विन	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा धीमन बासु
अभिगना संदीपकुमार भट्ट	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा गौरव
देवायन भट्टाचार्य	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा अमित प्रशान्त
मजीद हुसैन	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा अमित प्रशान्त एवं प्रा अजंता सचान
प्राजक्ता रमेश जाधव	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा अमित प्रशान्त
कीर्ति प्रिया कस्तूरी	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा विमल मिश्रा
राजकुमारी कौरव	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा प्रणब कुमार मोहापात्र
नसर अहमद खान	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा गौरव

छात्र के नाम	विषय	पर्यवेक्षक
प्रभात कुमार	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा प्रणब कुमार मोहापात्र
सीथालक्ष्मी पी	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा अजंता सचान
सलोनी प्रशान्त पाण्डेय	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा अजंता सचान
पटनयाकुनि रवि प्रकाश	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा गौरव
गोपाल कृष्ण रोड्डा	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा धीमन बासु
रापल दिनेश शाह	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा विमल मिश्रा
हर्ष लवकुमार शाह	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा विमल मिश्रा
अंकि श्रीवास्तव	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा अजंता सचान
सुंदा के	सिविल अभियांत्रिकी	प्रा अमित प्रशान्त
प्रदीप राज के बी	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा उत्तमा लहरी
निथिन जॉर्ज	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा मीरा मेरी सनी
श्रुति गोयल	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा कृष्ण प्रसाद मियापुरम
कृष्णेश शांतिलाल मेहता	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा जयसन मंजली
वेलि मिलिंद मेहता	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा जयसन मंजली एवं प्रा मीरा एवं सन्नी
दिनेशकुमार एस	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा प्रतीक मूथा
अभिषेक सहाय	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा जयसन मंजली
टोनी थॉमस	संज्ञानात्मक विज्ञान	प्रा मीरा मेरी सनी
मुरली कृष्ण इंदुरी	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा बिरेस्वर दास एवं प्रा शिवकुमार जोलाड
सुधाकर कुमावत	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा सौराद्युति पॉल
प्रिद्योति प्रधान	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा अनिर्बन दासगुप्ता एवं प्रा शिवकुमार जोलाड
विनोद कुमार रेड्डी	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा बिरेस्वर दास
अनन्या श्रीवास्तव	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा सौराद्युति पॉल
देवेन्द्र मणि त्रिपाठी	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा कृष्ण प्रसाद मियापुरम
चौधरी जयेश तुलसीदास	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा अनिर्बन दासगुप्ता
आकर्ष ए	भू विज्ञान	प्रा विमल मिश्रा
शांतामोय गुहा	भू विज्ञान	प्रा विक्रान्त जैन
राहुल कुमार कौशल	भू विज्ञान	प्रा विक्रान्त जैन
दुश्यंत कुमार	भू विज्ञान	प्रा विक्रान्त जैन एवं डॉ विमल मिश्रा
वैभव कुमार	भू विज्ञान	प्रा विक्रान्त जैन
रवि कान्त प्रसाद	भू विज्ञान	प्रा विक्रान्त जैन

छात्र के नाम	विषय	पर्यवेक्षक
रमेन्द्र साहू	भू विज्ञान	प्रा विक्रान्त जैन
सोनम	भू विज्ञान	प्रा विक्रान्त जैन
पुनीतकुमार कनुभाई भवसार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा बाबजी श्रीनिवासन एवं प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन
रिशभ अभिनय	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन एवं प्रा बाबजी श्रीनिवासन
बालगणेश बी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा नारण पिंडोरिया
पटेल निकिता भरतभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा बाबजी श्रीनिवासन एवं प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन
एस चंद्रशेखरण	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा राघवन के
कदम सुजय दिलिप	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा हरीष पी एम
नवीन कुमार इंडला	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा राघवन के
कल्पेशकुमार अरविंदभाई जोशी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा नारण पिंडोरिया
मधु के	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन एवं प्रा बाबजी श्रीनिवासन
परदीप कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा निहार रंजन पोहापात्र एवं प्रा बाबजी श्रीनिवासन
दीपेश कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा उत्तमा लहरी
सूजीत कुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा हरीष पी एम
सेल्विया कुरियाकोसे	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा उत्तमा लहरी
लया	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा बाबजी श्रीनिवासन
सत्य शिवनरेश एम	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा निहार रंजन मोहापात्र
सत्यजीत मोहापात्र	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा निहार रंजन मोहापात्र
राजेन्द्र नागर	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा शंमुगनाथन रमण
अपूर्वा ओझा	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा निहार रंजन मोहापात्र
विनल पटेल	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा निथिन वी जॉर्ज
दीप्तिबेन पटेल	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा शंमुगनाथन रमण
जे राम प्रभाकर	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा राघवन के
पी प्रवीणकुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा शंमुगनाथन रमण एवं प्रा निथिन जॉर्ज
मंजु भाषिणी आर	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा राघवन के एवं प्रा नारण एम पिंडोरिया
बच्चू राजशेखर	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा नारण पिंडोरिया
शाह कृपा राजेन्द्र	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा राघवन के
गुप्ता विकास राजकुमार	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा शंमुगनाथन रमण
द्वाइपायन रे	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा निथिन वी जॉर्ज

छात्र के नाम	विषय	पर्यवेक्षक
अनिरबन रॉय	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा अरुप लाल चक्रवर्ती
जरीन एस एस	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा अरुप लाल चक्रवर्ती
दीपक कुमार शर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा निहार रंजन मोहापात्र
शिव प्रकाश सिंह	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा नारण पिंडोरिया
अभिषेक उपाध्याय	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा अरुप लाल चक्रवर्ती
नवीन दीपक वी	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा राघवन के
विशाल वशिष्ठ	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा शंभुगनाथन रमण
स्नेहा नितिन वेद	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा जॉयसी मेकी
विनय वर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी	प्रा निथिन वी जॉर्ज
मनीष चावला	एचएसएस (संज्ञानात्मक विज्ञान एवं मनोविज्ञान)	प्रा कृष्ण प्रसाद
नागिरेड्डी नीलकण्ठेश्वर रेड्डी	एचएसएस (संज्ञानात्मक विज्ञान एवं मनोविज्ञान)	प्रा जयसन मंजली
विजय रामकरन त्रिपाठी	एचएसएस (अर्थशास्त्र)	प्रा रामानाथन
एन्नि रेशल सैम जॉर्ज	एचएसएस (अंग्रेजी)	प्रा अर्णपूर्णा रथ
पायल चट्टोपाध्याय मुखर्जी	एचएसएस (अंग्रेजी)	प्रा अर्णपूर्णा रथ एवं प्रा कोशी ठारकण
पूजा सूसन थॉमस	एचएसएस (अंग्रेजी)	प्रा रीता कोठारी
चिराग हरेन्द्रभाई त्रिवेदी	एचएसएस (अंग्रेजी)	प्रा रीता कोठारी
दिति व्यास	एचएसएस (अंग्रेजी)	प्रा शर्मिता कोठारी एवं प्रा सुचित्रा माथुर
द्योतना बैनर्जी	एचएसएस (राजनीतिशास्त्र)	प्रा मोना मेहता
दिविता सिंह	एचएसएस (मनोविज्ञान)	प्रा मीरा मेरी सनी
मुक्ता गुण्डी	एचएसएस (समाज महामारीविज्ञान)	प्रा मालविका सुब्रमणियम
अंकिता रमेशकुमार शाह	एचएसएस (समाज महामारीविज्ञान)	प्रा मालविका सुब्रमणियम
जाग्रिति गंगोपाध्याय	एचएसएस (समाजशास्त्र)	प्रा तन्निष्ठा सामंत
जाहनू भारद्वाज	मानविकी एवं समाजिक विज्ञान	प्रा मधुमिता सेनगुप्ता
अंशुमिता देवी	मानविकी एवं समाजिक विज्ञान	प्रा तन्निष्ठा सामंत
प्रकाश गुप्ता	मानविकी एवं समाजिक विज्ञान	प्रा मालविका सुब्रमणियम
वासुदेव नायडू के	मानविकी एवं समाजिक विज्ञान	प्रा श्रीनिवास रेड्डी
इंगोले प्रशांत रामप्रसाद	मानविकी एवं समाजिक विज्ञान	प्रा मोना मेहता एवं प्रा रीता कोठारी

छात्र के नाम	विषय	पर्यवेक्षक
जिनीश पी एस	मानविकी एवं समाजिक विज्ञान	प्रा मधुमिता सेनगुप्ता
वेण्कटेश्वरन एस	मानविकी एवं समाजिक विज्ञान	प्रा श्रीनिवास रेड्डी
बिकाश शर्मा	मानविकी एवं समाजिक विज्ञान	प्रा मधुमिता सेनगुप्ता
कृपा शाह	मानविकी एवं समाजिक विज्ञान	प्रा रीता कोठारी
अंकिता अरोड़ा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा अभिजीत मिश्रा
नरेन्द्र बंडारु	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा एमिला पाण्डा
सिंह चेतन चवण	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा एमिला पाण्डा
दीपक द्विवेदी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा एमिला पाण्डा
सस्मिता माझी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा अभिजीत मिश्रा
कृष्ण मानवानी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा एमिला पाण्डा
रोहित मिश्रा	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा एस पी मेहरोत्रा
महेश वी पी	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा अमित अरोड़ा
शीतल रमेशचंद्र पाण्डेय	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा अमित अरोड़ा
पंकज	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा अमित अरोड़ा
अर्चिनी पारुथि	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा सुपर्व मिश्रा
त्वरित अशोकभाई पटेल	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा एमिला पाण्डा
पूनम रात्रे	पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	प्रा सुपर्व मिश्रा
गौरव द्विवेदी	गणित	प्रा जगमोहन त्यागी
धर्मेन्द्र कुमार	गणित	प्रा जगमोहन त्यागी
रंजना मेहता	गणित	प्रा इंद्रनाथ सेनगुप्ता
राम बरन वर्मा	गणित	प्रा जगमोहन त्यागी
अल्ताफ ए	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा एच बी हबलानी
जीशान अहमद	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा अतुल भार्गव
सरोदे अजिंक्या अशोक	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा अतुल भार्गव
रेनिका बेरुआह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा अतुल भार्गव

छात्र के नाम	विषय	पर्यवेक्षक
रमेशकुमार एम भोरिन्या	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा विनोद नारायण
रौशन आनंदराव चवण	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा हरीष पी एम
दिव्यप्रकाश	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा मुरली दामोदरन
योगेश शांताराम फुलपागरे	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा अतुल भार्गव
अक्षय अनिल कनोरिया	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा मुरली दामोदरन
रवि कान्त	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा विनोद नारायण
प्रशान्त कुमार	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा विनोद नारायण
आदित्य कुमार महाराणा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा विनोद नारायण
संदीप कुमार मिश्रा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा हरीष पी एम
रवि प्रहलादभाई पटेल	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा विनोद नारायण
वृत्तंगकुमार विनोदकुमार शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा हरीष पी एम
विवेक कुमार सिंह	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा अतुल भार्गव
अंकिता सिन्हा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	प्रा अतुल भार्गव
मोहम्मद यूसुफ जमाल	भौतिकी	प्रा विनोद चंद्रा
अमित रेजा	भौतिकी	प्रा आनंद सेनगुप्ता
सोमिन रॉय	भौतिकी	प्रा आनंद सेनगुप्ता
चक्रेश सिंह	भौतिकी	प्रा शिवकुमार जोलाड

भाप्रौसं गाँधीनगर-पीआरएल सहमति ज्ञापन के अंतर्गत पीएचडी विद्वान

छात्र के नाम	विषय	छात्र के नाम	विषय
आधि ए	भौतिकी	प्रदीप कुमार	भौतिकी
अमन अभिषेक	भौतिकी	उपेन्द्र कुमार सिंह कुशवाहा	भौतिकी
रुकमणि बाई	भौतिकी	मिथुन एम	भौतिकी
सौमिक बंदोपाध्याय	भौतिकी	तन्मय मोंडल	भौतिकी
पंकज भल्ला	भौतिकी	अपूर्व चौतन्य एन	भौतिकी
भारती	भौतिकी	विष्णुदाथ के एन	भौतिकी
नवीन चंद्र	भौतिकी	दिलीप कुमार नंदी	भौतिकी
तन्मय चट्टोपाध्याय	भौतिकी	न्यूटन नाथ	भौतिकी
मनु जॉर्ज	भौतिकी	अरुण कुमार पाण्डेय	भौतिकी
चंदन हाति	भौतिकी	शशि प्रभाकर	भौतिकी
चौहान भवेश जयकुमार	भौतिकी	पाण्डेय कुलदी प रामबाबू	भौतिकी
निजिल लाल सी के	भौतिकी	अंजलि राव	भौतिकी
दीपक के करन	भौतिकी	आर्को रॉय	भौतिकी
नवप्रीत कौर	भौतिकी	कुलदीप सूथर	भौतिकी
गिरीश कुमार	भौतिकी	अलोक रंजन तिवारी	भौतिकी
		गौरव कुमार तोमर	भौतिकी
		कुमार वेण्कटरमणी	भौतिकी

एमटेक छात्र

सत्र 2014

छात्र का नाम	विषय	पर्यवेक्षक
चट्टे अमरुता भरत	रसायन विज्ञान	प्रा समीर वी दालवी
श्रेया बंक	रसायन विज्ञान	प्रा चिन्मय घोरोई
क्रितिका दीक्षित	रसायन विज्ञान	प्रा चिन्मय घोरोई
जड़े अनीता दून्यन्बा	रसायन विज्ञान	प्रा नितिन पधियार
मु. उमैर इकबाल	रसायन विज्ञान	प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन
राहुल कुमार झा	रसायन विज्ञान	प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन
मानकड़ जैविक कार्तिक	रसायन विज्ञान	प्रा नितिन पधियार
आकाश कुमार	रसायन विज्ञान	प्रा बाबजी श्रीनिवासन
अराबले रेशमा मल्लिनाथ	रसायन विज्ञान	प्रा बाबजी श्रीनिवासन
स्वस्ति मेधा	रसायन विज्ञान	प्रा कबीर जसूजा
राहुल पस्तारिया	रसायन विज्ञान	प्रा समीर वी दालवी
मोदक श्रीकान्त रामराव	रसायन विज्ञान	प्रा चिन्मय घोरोई
मल्लावरापु दीपिका रानी	रसायन विज्ञान	प्रा बाबजी श्रीनिवासन
देवीना रतनम	रसायन विज्ञान	प्रा प्राची थरेजा
एकता शर्मा	रसायन विज्ञान	प्रा चिन्मय घोरोई
निखिल शर्मा	रसायन विज्ञान	प्रा प्रत्युष दयाल
कुमारी सुशिमता	रसायन विज्ञान	प्रा अरनब सरकार एवं प्रा समीर वी दालवी
धीरज त्यागी	रसायन विज्ञान	प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन
राजपूत वंदना	रसायन विज्ञान	प्रा प्रत्युष दयाल
अंकिता वर्मा	रसायन विज्ञान	प्रा प्राची थरेजा
सइयद अजहर अली	सिविल	प्रा विमल मिश्रा
असीम बशीर	सिविल	प्रा धीमन बसु
अहमद जाकी गफारी	सिविल	प्रा सुधीर कु जैन एवं प्रा धीमन बसु
विकल्प कमल	सिविल	प्रा अमित प्रशान्त
घुमडे अतीक किशोरराव	सिविल	प्रा गौरव एस
पवन कुशवाहा	सिविल	प्रा गौरव
रोजन मैथ्यू	सिविल	प्रा धीमन बसु
मनस चंद मिश्रा	सिविल	प्रा अजंता सचान
प्रशान्त कुमार मिश्रा	सिविल	प्रा अमित प्रशान्त

छात्र का नाम	विषय	पर्यवेक्षक
हर्षित नेमा	सिविल	प्रा धीमन बसु
निकिता रंकावत	सिविल	प्रा सुधीर कु जैन
नधिता जे एस	सिविल	प्रा विमल मिश्रा
बीधन कुमार साहू	सिविल	प्रा प्रणब मोहापात्र
मुहम्मद मोहसिन ठाकुर	सिविल	प्रा अमित प्रशान्त
पुजारी ओमकार अभय	विद्युत	प्रा जॉयसी मेकी
उमप अभिजीत	विद्युत	प्रा निहार रंजन मोहापात्र
रचित अग्रवाल	विद्युत	प्रा निहार मोहापात्र
रोहित कुमार दंग	विद्युत	प्रा निहार रंजन मोहापात्र
कुमार गौरव	विद्युत	प्रा बाबजी श्रीनिवासन
रितिका जैन	विद्युत	प्रा उत्तमा लहरी
राठौड़ मिलनभाई जयंतीबाई	विद्युत	प्रा निथिन वी जॉर्ज
रमिंदर कौर	विद्युत	प्रा जॉयसी मेकी
ऐपथि साई किरन	विद्युत	प्रा रागवन के
धर्मन्द्र कुमार	विद्युत	प्रा जगमोहन त्यागी
निखिल चेरियन कूरियन	विद्युत	प्रा निथिन वी जॉर्ज
आदर्श एम	विद्युत	प्रा जॉयसी मेकी
ज्योति महेश्वरी	विद्युत	प्रा निथिन वी जॉर्ज
प्रशांत मुदगल	विद्युत	प्रा बाबजी श्रीनिवासन
अक्षय गाडी पाटिल	विद्युत	प्रा शंमुगनाथन रमण
गुंडाबाथिनी राकेश	विद्युत	प्रा नारण एम पिंडोरिया
सारिपल्ली वेंकट रामकृष्ण	विद्युत	प्रा निहार रंजन मोहापात्र
भाजीपाले जयश्री सदाशिव	विद्युत	प्रा निहार रंजन मोहापात्र
राहुल साधवानी	विद्युत	प्रा रागवन के
पुचलापल्लि संबाशिवइया	विद्युत	प्रा नारण पिंडोरिया
निखिल सिंह	विद्युत	प्रा एस राजेन्द्रन
भूमिका सोनाने	विद्युत	प्रा शंमुगनाथन रमण
चक्रवर्ती प्रीति श्रीधर	विद्युत	प्रा अरुप लाल चक्रवर्ती
पटेल मेघ वसंतकुमार	विद्युत	प्रा उत्तमा लहरी
सनी वर्मा	विद्युत	प्रा उत्तमा लहरी
वीरवारुपु विनय	विद्युत	प्रा निहार रंजन मोहापात्र एवं प्रा बाबजी श्रीनिवासन
मनीष कुमार विश्वकर्मा	विद्युत	प्रा निहार रंजन मोहापात्र
पारिख दर्शक अनंतकुमार	यांत्रिक	प्रा एन रामकृष्णन

छात्र का नाम	विषय	पर्यवेक्षक
मोहित गर्ग	यांत्रिक	प्रा हरीष पी एम
रजनीकांत अतुल घाटे	यांत्रिक	प्रा हरीष पी एम
अभीति गोयल	यांत्रिक	प्रा मुरली दामोदरन
विश्व कुमार गुप्ता	यांत्रिक	प्रा अतुल भार्गव
अयुश जैन	यांत्रिक	प्रा मुरली दामोदरन
झावेरी अंशल जयेशभाई	यांत्रिक	प्रा अतुल भार्गव
केशव कुमार झा	यांत्रिक	प्रा शंकरजी कृष्णमूर्थी
अभिषेक जोशी	यांत्रिक	प्रा विनोद नारायणन
ब्रिजेश कुमार	यांत्रिक	प्रा अतुल भार्गव
शाह उत्सव मिनेशभाई	यांत्रिक	प्रा हरीष पी एम
वच्छानि मिलनकुमार नितेशभाई	यांत्रिक	प्रा विनोद नारायणन
बेहरे सिद्धार्थ रवीन्द्र	यांत्रिक	प्रा मुरली दामोदरन
सिंह सुमित सुभाष रीता	यांत्रिक	प्रा मुरली दामोदरन
विकास शर्मा	यांत्रिक	प्रा अतुल भार्गव
सत्य श्रीवास्तव	यांत्रिक	प्रा शंकरजी कृष्णमूर्थी
निखिल सिंह	यांत्रिक	प्रा शंकरजी कृष्णमूर्थी
स्वनिल	यांत्रिक	प्रा विनोद नारायणन
तिबिन एम थोमस	यांत्रिक	प्रा विनोद नारायणन एवं प्रा जी के शर्मा
गुरनानी सागरकुमार विजयकुमार	यांत्रिक	प्रा मुरली दामोदरन
सवदिवाला चिराग योगेशकुमार	यांत्रिक	प्रा मुरली दामोदरन
सरकार आदित्य अंजन	एमएसई	प्रा ज्योति मुखोपाध्याय
इप्सिता मधु मिता दास	एमएसई	प्रा ज्योति मुखोपाध्याय
दिलजीत वी जे	एमएसई	प्रा एमिला पाण्डा
अमित कुमार	एमएसई	प्रा ज्योति मुखोपाध्याय
निलाद्रि नस्कर	एमएसई	प्रा ज्योति मुखोपाध्याय
सीमा नेगी	एमएसई	प्रा सुपर्व मिश्रा
अमित कुमार सिंह	एमएसई	प्रा ज्योति मुखोपाध्याय

सत्र 2013

छात्र का नाम	विषय	पर्यवेक्षक
गुंडा हरिनी	रसायन विज्ञान	प्रा कबीर जसूजा
दिलीप कुमार	रसायन विज्ञान	प्रा चिन्मय घोरोई
प्रीती राठी	रसायन विज्ञान	प्रा राजगोपालन श्रीनिवासन
सरोजिनी तिवारी	रसायन विज्ञान	प्रा बाबजी श्रीनिवासन
प्रफुल्ल मणि त्रिपाठी	रसायन विज्ञान	प्रा समीर वी दलवी

छात्र का नाम	विषय	पर्यवेक्षक
सिल्की अग्रवाल	सिविल	प्रा अमित प्रशान्त एवं प्रा निथिन जॉर्ज
रुजुता अविनाश भट	सिविल	प्रा गौरव
कुनाल विनायक घाइसास	सिविल	प्रा धीमन बसु
पुनीत कुमार	सिविल	प्रा गौरव
मण्टु मजुमदार	सिविल	प्रा अमित प्रशान्त
अमर मंथान	सिविल	प्रा गौरव
किनर प्रकाश रंगवानी	सिविल	प्रा धीमन बसु
एस स्मिथा	सिविल	प्रा अजंता सचान
गुंदीप कौर सुदन	सिविल	प्रा अजंता सचान
रवि वर्मा	सिविल	प्रा धीमन बसु
मंदर सुरेश भोइर	विद्युत	प्रा निहार रंजन मोहापात्र
मोहित चंद	विद्युत	प्रा रागवन के
मोहित दिनेशकुमार गनेरीवाला	विद्युत	प्रा निहार रंजन मोहापात्र
फातिमा सिनिन पी	विद्युत	प्रा जॉयसी मेकी
धवल शशिकांतभाई सोलंकी	विद्युत	प्रा उत्तमा लहिरि
चंद्र शेखर टुंगा	विद्युत	प्रा जॉयसी मेकी
तरुना यादव	विद्युत	प्रा उत्तमा लहिरि
सुदानी जय अरविंदभाई	यांत्रिक	प्रा मुरली दामोदरन
प्रतीक सूर्यकांत शिरभटे	यांत्रिक	प्रा अतुल भार्गव
दर्शन अजमेरा	एमएसई	प्रा एमिला पाण्डा
अब्दुर रहमान अल आजाद	एमएसई	प्रा ज्योति मुखोपाध्याय
उमंग भूपतराय देसाई	एमएसई	प्रा ज्योति मुखोपाध्याय
दीनदयाल कुमार	एमएसई	प्रा ज्योति मुखोपाध्याय
विघनेश प्रसाद	एमएसई	प्रा एस पी मेहरोत्रा
राजीव रंजन	एमएसई	प्रा अभिजीत मिश्रा
अभिषेक सरमाह	एमएसई	प्रा ज्योति मुखोपाध्याय
कृष्ण कुमार सक्सेना	एमएसई	प्रा ज्योति मुखोपाध्याय

सत्र 2012

छात्र का नाम	विषय	पर्यवेक्षक
पलुगुल्ला राजा मोहन रेड्डी	सिविल	प्रा धीमन बसु
अनुराधा	विद्युत	प्रा जॉयसी मेकी
इरफान अहमद	यांत्रिक	प्रा हरीष पी एम एवं प्रा अभिजीत मुखर्जी
प्रग्य नंदन बंजारे	एमएसई	प्रा अमित अरोड़ा

एमएससी छात्र

सत्र 2014

विषय	छात्र का नाम
रसायन विज्ञान	पायल अरोड़ा
रसायन विज्ञान	नयन ज्योति बोरुआ
रसायन विज्ञान	कंचन
रसायन विज्ञान	अमित कुमार
रसायन विज्ञान	पवनीष कुमार
रसायन विज्ञान	रोहित
रसायन विज्ञान	क्वमचपाँतुं दीपिका
रसायन विज्ञान	रवि श्रीवास्तव
संज्ञानात्मक विज्ञान	मिधुला चंद्रन
संज्ञानात्मक विज्ञान	अभिषेक घटराज
संज्ञानात्मक विज्ञान	किशोर कुमार जगिनी
संज्ञानात्मक विज्ञान	देवु महेसन
संज्ञानात्मक विज्ञान	हेबी कोशी मेथ्यू
संज्ञानात्मक विज्ञान	विपुल नायर
संज्ञानात्मक विज्ञान	कार्थिकेयन पालनिसेमी
संज्ञानात्मक विज्ञान	राखी
संज्ञानात्मक विज्ञान	पंखुड़ी सक्सेना
संज्ञानात्मक विज्ञान	ध्रुवल ठक्कर
गणित	आरती बंसल
गणित	सरिता बुगालिया
गणित	अमन गुप्ता
गणित	कार्तिक कुमार
गणित	नितेश कुमार
गणित	विपिन कुमार
गणित	भरत लाल मीणा
गणित	श्याम प्रकाश
भौतिक विज्ञान	आकाश कुमार
भौतिक विज्ञान	हरीष मधोक
भौतिक विज्ञान	मनीष
भौतिक विज्ञान	आकाश कुमार मिश्रा
भौतिक विज्ञान	प्रीतम नंदा
भौतिक विज्ञान	निशा निशा

विषय छात्र का नाम

भौतिक विज्ञान सलमान सुहैल

सत्र 2013

विषय	छात्र का नाम
रसायन विज्ञान	अमित
रसायन विज्ञान	निशा हसिजा
रसायन विज्ञान	पलाश जना
रसायन विज्ञान	अशोक कुमार
रसायन विज्ञान	अमरज्योति दास महापात्र
रसायन विज्ञान	अमन पनवर
रसायन विज्ञान	ख्याति रेलहान
संज्ञानात्मक विज्ञान	संपदा चंद्रशेखर घरपुरे
संज्ञानात्मक विज्ञान	किनले कुसेरा मेहरा
संज्ञानात्मक विज्ञान	अश्वनी कुमार मिश्रा
संज्ञानात्मक विज्ञान	उज्जवल अशोककुमार पमनीनि
संज्ञानात्मक विज्ञान	रतना
संज्ञानात्मक विज्ञान	सिमिली साबू
संज्ञानात्मक विज्ञान	सम्यक शाह
संज्ञानात्मक विज्ञान	आदित्य सिंह
संज्ञानात्मक विज्ञान	गोल्डी यादव
संज्ञानात्मक विज्ञान	हमजा मु जुबैर
गणित	शिवम धामा
गणित	एकता
गणित	श्रुति गुप्ता
गणित	अश्वनी कुमार मलिक
गणित	मुकुंद कुमार मिश्रा
गणित	नितिन
गणित	प्रेम सिंह
गणित	मुकेश कुमार वर्मा
गणित	विशाखा

एमए छात्र

सत्र 2014

छात्रों के नाम	विषय	छात्रों के नाम	विषय
बी रतना भारती	समाज एवं संस्कृति	जोशी नुपुर नितिन	समाज एवं संस्कृति
आकृति विनोद गुप्ता	समाज एवं संस्कृति	उत्सव सिंह	समाज एवं संस्कृति
ओजा भार्गव हीरेन	समाज एवं संस्कृति	मुदावत श्रीनिवास	समाज एवं संस्कृति
अरुन कृष्ण	समाज एवं संस्कृति	सारावनन वी	समाज एवं संस्कृति
आसफ अली लोन	समाज एवं संस्कृति	राजन वर्धीष	समाज एवं संस्कृति
तुषार मेशराम	समाज एवं संस्कृति	सिनी सूसन वर्धीष	समाज एवं संस्कृति
भंडारी सौम्या नरेशकुमार	समाज एवं संस्कृति		

पीजीडीआईआईटी छात्र

सत्र 2014

छात्र के नाम	विषय	छात्र के नाम	विषय
जतिन अरोड़ा	विद्युत अभियांत्रिकी	मुहम्मद गौहर आइ	यांत्रिक अभियांत्रिकी
कोमल अभिचंदानी	विद्युत अभियांत्रिकी	अश्विन आर कुबसदगौदर	यांत्रिक अभियांत्रिकी
वोरा आदित्य नरेन्द्रभाई	विद्युत अभियांत्रिकी	ध्रुविल मुकेशकुमार शाह	यांत्रिक अभियांत्रिकी

सत्र 2013

छात्र के नाम	विषय
ऋतुराज चौहान	यांत्रिक अभियांत्रिकी

बीटेक छात्र

सत्र 2013

छात्र के नाम	विषय	छात्र के नाम	विषय
रॉय निखिल आदित्य	रसायन	देवानंद	सिविल
पारश अग्रवाल	रसायन	वीरवल्ली साई गणेश	सिविल
पोट्टु अर्पू	रसायन	अनूशा गुप्ता	सिविल
गोहिल वासुदेव अरविंदकुमार	रसायन	प्रणव कुमार गुप्ता	सिविल
पवन भूषण	रसायन	कुनाल जैन	सिविल
हिमांशु जसवंत सिंह चौहान	रसायन	प्राकृत कंसारा	सिविल
आशीष गेहलोत	रसायन	सुशांत कुमार	सिविल
मोरे मयूरेश हीरेन	रसायन	रोहित कुमार	सिविल
सिद्धार्थ शेशाद्री के	रसायन	पुष्पेंद्र कुमार कुंटल	सिविल
बद्री विशाल मीणा	रसायन	राथवा संजीव महेशभाई	सिविल
लक्ष्मी नारायण मीणा	रसायन	कार्तिक मंडेलकर	सिविल
शेरसिंह मीणा	रसायन	सतीश कुमार मीणा	सिविल
अरुल मोजी देवन पी	रसायन	होमित सिंह पाल	सिविल
मृदुल पारिक	रसायन	हीत वासुदेवभाई पटेल	सिविल
नवदीप प्रकाश	रसायन	सत्य प्रकाश	सिविल
कोण्डे मंदर पुरुषोत्तम	रसायन	अनमोल किशोर रैना	सिविल
जानी पूर्विल राहुलभाई	रसायन	सोलंकी रिधि वसिक	सिविल
अभिनय राणा	रसायन	शेरु अरविंद रेड्डी	सिविल
रवीना	रसायन	प्रणवकुमार एस	सिविल
अरविंद रोशन एस	रसायन	अजय सिंह शेखावत	सिविल
भास्कर ज्योति साईक्या	रसायन	खुशदीप सिंह	सिविल
अक्षय संदसिंग	रसायन	विशाल कुमार सिन्हा	सिविल
कपिल शर्मा	रसायन	अभय वार्षणे	सिविल
नवप्रीत सिंह	रसायन	बी प्रणव चक्र वार्थी	सिविल
लक्ष्मी गायत्री शिवालेंका	रसायन	भोगे शशांक विलास	सिविल
आदित्य सुंदरम	रसायन	विकास यादव	सिविल
मुकुल त्यागी	रसायन	अजय	विद्युत
पी आर वैद्यनाथन	रसायन	पटेल पर्व अपूर्वा	विद्युत
वरुन अग्रवाल	सिविल	राहुल राज भारती	विद्युत
बोरसे दिनेश अनिल	सिविल	वराडे अमित भास्कर	विद्युत
अकेती साई अपर्णा	सिविल	अमित भोंगडे	विद्युत
वी अविनाश	सिविल	जगदीश चौधरी	विद्युत
कमलेश चौधरी	सिविल	अनमल गौर	विद्युत

छात्र के नाम	विषय	छात्र के नाम	विषय
आदित्य गोयल	विद्युत	पटेल जैनब शब्बार	एमएसई
हिमांशु गोस्वामी	विद्युत	दिलीप सिंह	एमएसई
रचित गोयल	विद्युत	कोटमसट्टी रवि तेजा	एमएसई
भव्या जैन	विद्युत	सेट्टी सत्या साई वेंकटा रवि तेजा	एमएसई
अशिम राज कोनवर	विद्युत	अयुश्मान त्रिपाठी	एमएसई
गोड्डमुकला साई राम कृष्ण	विद्युत	मिता वेंकटा साई विश्वनाथ	एमएसई
कोडा दिनेश कुमार	विद्युत	अखिलेश	यांत्रिक
विकाश कुमार मीणा	विद्युत	प्रथमेश बदवे	यांत्रिक
हिमांशु पाल	विद्युत	यश बोहरे	यांत्रिक
वैष्णवी सुनील पाटिल	विद्युत	शिरपुरकर चिन्मय दीपक	यांत्रिक
दुथाडे संकेत राजेश	विद्युत	वखारिया विस्मय दिलीपकुमार	यांत्रिक
देसाई आशुतोष रमेशभाई	विद्युत	हर्षद गवाली	यांत्रिक
सर्वपल्ली नागासाई वर्धन राव	विद्युत	सोल्लेटी गौधम	यांत्रिक
बागडे सौरभ संजय	विद्युत	मोदी हर्ष जशवंतभाई	यांत्रिक
क्षितिद जितेश शेठ	विद्युत	जंगा साई किरन	यांत्रिक
आयुष श्रोते	विद्युत	पटेल पिनांक किशोरभाई	यांत्रिक
नागरे अश्विन तुकाराम	विद्युत	राहुल कुमार	यांत्रिक
मयूर माधव विशे	विद्युत	सुबोध कुमार	यांत्रिक
रुशील शमाकांत विसपुते	विद्युत	विवेक कुमार	यांत्रिक
यशोवर्धन	विद्युत	दाभी पार्थ ललितकुमार	यांत्रिक
जोशी अंकिता अभय	एमएसई	सोनार चिन्मय नरेन्द्र	यांत्रिक
गरिमा चौधरी	एमएसई	तुषार निर्मल	यांत्रिक
दीपक धरीवाल	एमएसई	गोहिल किरन नितिनभाई	यांत्रिक
सिसरा प्रतीककुमार धीरूभाई	एमएसई	वैभव एस पाल	यांत्रिक
दूधट कुनाल हंसराज	एमएसई	निशांत पटेल	यांत्रिक
एम बरथ कन्ना	एमएसई	प्रसन्ना	यांत्रिक
आदित्य कुमार	एमएसई	प्रगदीश आर आर	यांत्रिक
भूपेन्द्र कुमार	एमएसई	विनोद रामकृष्णन	यांत्रिक
प्रणीत कुमार	एमएसई	निनमा रिशिलकुमार	यांत्रिक
आर यशवंत कुमार	एमएसई	सिंगमपल्ली साई रोहित	यांत्रिक
सुशील कुमार	एमएसई	पन्ना लाल सैनी	यांत्रिक
अयूश माथुर	एमएसई	त्रिवेदी जलधीर संजय	यांत्रिक
अंतिमा मीणा	एमएसई	अहमद नाजी शाहम	यांत्रिक
जुगल मेहता	एमएसई	कृष्ण कुमार सोनी	यांत्रिक
तंडले मोहित मुकुंदराज	एमएसई	दवे सोविल	यांत्रिक
कौशतुभ शिरीश पनसे	एमएसई	रेलान उदित सुरेन्द्र	यांत्रिक
नितिन रमेश	एमएसई	परब अमोघ विश्राम	यांत्रिक

सत्र 2013

छात्र के नाम	विषय	छात्र के नाम	विषय
गवस रामचन्द्रन बाबली	रसायन	मयंक खेवरिया	सिविल
कुशाग्र भार्गव	रसायन	आशीष कोसे	सिविल
लाख चंद	रसायन	धर्मेन्द्र कुमार	सिविल
मौर्य जैनिधि चंद्रवीर	रसायन	हेमंत कुमार	सिविल
रजत कुमार गुप्ता	रसायन	पुनीत कुमार	सिविल
देवांशु मनोज जैन	रसायन	राहुल कुमार	सिविल
सरगम जैन	रसायन	सचिन कुमार	सिविल
कंजरिया भव्या जयंतिलाल	रसायन	शैलेन्द्र कुमार	सिविल
केसानी कल्याणी	रसायन	ऑस्कर	सिविल
पटेल किशनकुमार कौशिकभाई	रसायन	प्रवीण पाण्डेय	सिविल
हर्ष खंडेलवाल	रसायन	पोमराज प्रजापत	सिविल
पुरुषोत्तम कुमार	रसायन	नरेन्द्र सारस्वत	सिविल
सुमन कुमारी	रसायन	मुहम्मद फैसल सेह	सिविल
जोशी वैभव मोहन	रसायन	निखिल शर्मा	सिविल
देसदला रुशभ प्रवीण	रसायन	प्रेरणा सिंह	सिविल
प्रियंका	रसायन	वाहिनेनी श्रीजा	सिविल
रामनिवास	रसायन	अजमेरा वेण्कन्नाट	सिविल
देवांश रस्तोगी	रसायन	ऋशभ आनंद	विद्युत
निशा रावत	रसायन	दमचरला अरविंद	विद्युत
अनुराग सिंघानिया	रसायन	अपर्णा आर्या	विद्युत
सौरभ सोनी	रसायन	अंकित प्रीतम भांगे	विद्युत
साहिलकुमार तबियाद	रसायन	वोरा आत्मन चंद्रेश	विद्युत
अक्षय कुमार वर्मा	रसायन	आदित्य गणेश	विद्युत
प्रिंस कुमार वर्मा	रसायन	पाटिल शुभम हनुमंत	विद्युत
श्रीनिवास ए	सिविल	दोशी दर्शील हितेशभाई	विद्युत
रौशन अग्रवाल	सिविल	रुशि जरीवाला	विद्युत
अभिषेक आनंद	सिविल	पाठक कपिल जयेश	विद्युत
साई किरन बोज्जा	सिविल	अनिकेश सतीश कामथ	विद्युत
मनु चौधरी	सिविल	सामर्थ्य कश्यप	विद्युत
राम प्रणव अगस्त्या पुरहित छावली	सिविल	जितेन्द्र कुलदीप	विद्युत
शाली छज्जर	सिविल	पब्बाथी अखिल कुमार	विद्युत
बुलाबाइ श्रीधर गोपीकृष्ण	सिविल	पूजा कुमारी	विद्युत
सक्कारी आकाश गौड	सिविल	शुभम मालव	विद्युत
अनुराग गोयल	सिविल	सियाराम मीणा	विद्युत
मयंक जैन	सिविल	सुमित कुमार मीणा	विद्युत
ऋशभ जैन	सिविल	शशांक मेहरा	विद्युत
योगेन्द्र जयसवाल	सिविल	निहारिका	विद्युत
बविश्वर पुष्पक कैलास	सिविल	कश्यप पटेल	विद्युत

छात्र के नाम	विषय	छात्र के नाम	विषय
कनक कुमार दशरथ नायक	रसायन	श्रीकान्त पटेल	विद्युत
विरेंद्र सिंह पनवर	रसायन	मालिरेड्डी श्री रघु	विद्युत
स्वेता परमार	रसायन	अभिषेक रंजन	विद्युत
चौधरी कुनाल रामकिशुन	रसायन	मुदित राठौड़	विद्युत
पलक सदानी	रसायन	मेदरमतला सिद्धार्थ रेड्डी	विद्युत
सुनील सहरा	रसायन	कमानुरु वामसिधर रेड्डी	विद्युत
प्रशांत शेखर	रसायन	बायरापुरम वेंकट विजया भारथ रेड्डी	विद्युत
निशित शेटी	रसायन	निखिल सामरिया	विद्युत
अभिमन्यु सिंह	रसायन	मेहता यश संजय	विद्युत
मंजोत सिंह	रसायन	राज शेखर	विद्युत
सुमन कुमार सिंह	रसायन	आलोक सिंह	विद्युत
अभिषेक वर्मा	रसायन	जतिनदीप सिंह	विद्युत
विक्रम अलरिया	विद्युत	छंद सिंह	विद्युत
देव्यम अविनाश	विद्युत	प्रिस कुमार सिंह	विद्युत
नमन बंसल	विद्युत	मनीश सोनी	विद्युत
रजत चौधरी	विद्युत	एन एस सुब्रमण्या तेजा	विद्युत
गल्लापल्लि साइ चौधरी	विद्युत	गुडाराम साई वैभव	विद्युत
शशांक गौतम	विद्युत	तुषार अंचन	यांत्रिक
अखिलेश गोटमारे	विद्युत	पी वी एस अनुराग	यांत्रिक
आशीष कुमार गुप्ता	विद्युत	मिहिर मिलिंद भालेराव	यांत्रिक
गौरव गुप्ता	विद्युत	रजत शिव चंद	यांत्रिक
अजिंक्या तुपकर जैन	विद्युत	सुल्तानिया यश दीपक	यांत्रिक
रजय सिंह जेरिया	विद्युत	कुनाल देवेडवाल	यांत्रिक
मुहम्मद यासीन के	विद्युत	रॉकी डोंगरे	यांत्रिक
नरेन्द्र कावरिया	विद्युत	राहुल गर्ग	यांत्रिक
अजनादकर चिन्मय किशोर	विद्युत	शाह श्रेय हितेश	यांत्रिक
सूर्यविनय कौडिण्या	विद्युत	चिटनिस पराग जयंत	यांत्रिक
चित्रांशु कुमार	विद्युत	निर्मल जयप्रसाद	यांत्रिक
नवीन कुमार	विद्युत	संजित जेना	यांत्रिक
प्रशांत कुमार	विद्युत	नवीन कुमार	यांत्रिक
अनिमेश सिंह कुमावत	विद्युत	पेनुमका अरुन कुमारुडु	यांत्रिक
सलेचा कुशल	विद्युत	कौशिक मणी	यांत्रिक
पतुरु वीरबद्र लोकेश	विद्युत	देवेन्द्र मीणा	यांत्रिक
लतिका मीणा	विद्युत	शंशांक पाण्डेय	यांत्रिक
राजेश कुमार मीणा	विद्युत	करन पालस्कर	यांत्रिक
संजय कुमार मीणा	विद्युत	राहुल कुमार पाण्डेय	यांत्रिक
सोमानी दिपेन ओमप्रकाश	विद्युत	शशांक किशोर परेटा	यांत्रिक
शुभम पचोरी	विद्युत	कर्म पटेल	यांत्रिक

छात्र के नाम	विषय	छात्र के नाम	विषय
निकिता पट्टा	यांत्रिक	शाह मिहिका नितिन	रसायन
परदीप फुल्ले	यांत्रिक	ध्रुव पंचोली	रसायन
जिथिन प्रभा	यांत्रिक	अंकित पंडोले	रसायन
माणे प्रसन्नजीत प्रदीप	यांत्रिक	आयुशी पटेल	रसायन
वडेरा मीत प्रकाशभाई	यांत्रिक	पराद प्रदीप कुमार रामटेके	रसायन
अनरसे आशीष प्रलहाद	यांत्रिक	विनोद कुमार रंगी	रसायन
पाटिल राधिका प्रमोद	यांत्रिक	आदित्य अमोल सामंत	रसायन
राकेश रंजन	यांत्रिक	अभिषेक संचेती	रसायन
मुजम्मिल राऊत	यांत्रिक	चौहान संतोष	रसायन
प्रंशुल सैनी	यांत्रिक	शौर्य शेट	रसायन
वैचल सौरभ संदीप	यांत्रिक	तुष्टि शाह	रसायन
वैजनपुरकर सामर्थ संजीव	यांत्रिक	सुदीक्षा श्रीधर	रसायन
अंकिता शर्मा	यांत्रिक	सुकृति	रसायन
गौरव शर्मा	यांत्रिक	भांगले मोनीष सुनील	रसायन
ऋत्विक् शुक्ला	यांत्रिक	नंदन परेश बोरा	रसायन
हर्षवर्धन सिंह	यांत्रिक	अक्षय	विद्युत
अभिनव सिंह	यांत्रिक	गंगोपाध्याय आलोक अशोक	विद्युत
विश्वेन्द्र सिंह	यांत्रिक	ठक्कर धवल अश्विन	विद्युत
यश प्रताप सिंह	यांत्रिक	प्रतीक बलदवा	विद्युत
एम सूर्या	यांत्रिक	चेयन कुमार चौधरी	विद्युत
हैदरअली एम टी	यांत्रिक	शाह प्रीत देवांग	विद्युत
कोण्डुरु वेंकट नागा साई रवि तेजा	यांत्रिक	दालवी अश्विन दिनेश	विद्युत
दिव्यांश त्रिपाठी	यांत्रिक	पंकज गौतम	विद्युत
मर्गज ओम विजय	यांत्रिक	पार्थ गुढका	विद्युत
शाह संकेत वीरेन	यांत्रिक	मिशिता जयसवाल	विद्युत
सत्र 2011		महाजन पियूष जीवन	विद्युत
छात्र के नाम	विषय	हेडा शशांक कमलेश	विद्युत
पिंजला अनूप	रसायन	पमार्थी चंद्र कांथ	विद्युत
दिलीप कुमार बादगुर्जर	रसायन	रिजु खानविलकर	विद्युत
यशोदीप प्रभु चवन	रसायन	मनोज कुमार	विद्युत
मनसा जंगला	रसायन	रवि कुमार	विद्युत
राहुल प्रभाकर खांडित	रसायन	शाह राज मनीष	विद्युत
बानोथ सूर्य किरन	रसायन	वैभव माथुर	विद्युत
गुब्बाला पवन कुमार	रसायन	संजय कुमार मीना	विद्युत
दुरिबिल्ली श्रावण कुमार	रसायन	के आर बी लोकेश्वर नाइक	विद्युत
भूमिरेड्डी शंमुखा मनोज	रसायन	राव निशांत नानुभाई	विद्युत
प्रेम प्रकाश मीणा	रसायन	पाथे तिलक नरेन्द्र	विद्युत
रेड्डी द्वारका नाथ	रसायन	रोहन पाटीदार	विद्युत

छात्र के नाम	विषय
पटवर्धन अपूर्व प्रकाश	विद्युत
शिंडे दुर्वेश प्रवीण	विद्युत
दीप राहुल	विद्युत
कोण्डागोरी प्रधी राज	विद्युत
शिशोदे सुशीलकुमार राजेन्द्र	विद्युत
गाँधी वैभव राजेश	विद्युत
दवे ऊजश रामेश्वर	विद्युत
मुकेश सिंह रावत	विद्युत
पनुगन्ति संदीप रेड्डी	विद्युत
लिंगला त्रिनाथ रेड्डी	विद्युत
जोशी विनीत संजय	विद्युत
अभिषेक सिंह	विद्युत
अभिषेक सोनी	विद्युत
शिवम मणि त्रिपाठी	विद्युत
काले किमाया उदय	विद्युत
ईशान उपाध्याय	विद्युत
प्रशांत वर्मा	विद्युत
साने पार्थ विश्वास	विद्युत
हिमांशु यादव	विद्युत
अभय सी ए	यांत्रिक
आकाश	यांत्रिक
आर्यन	यांत्रिक
नावरकर अभिषेक चंद्रकान्त	यांत्रिक
आयुश चौधरी	यांत्रिक
अजय देवेदवल	यांत्रिक
भट प्रथमेश गणेश	यांत्रिक
अंशुल गुप्ता	यांत्रिक
राहुल हरनोतिया	यांत्रिक
तालदेवकर मदन जनार्दन	यांत्रिक
वेकारिया सच्चित कल्याण	यांत्रिक
रौनक खंडेलवाल	यांत्रिक
सरस्वतिभाटला आश्रित कौडिण्या	यांत्रिक
बजरंग लाल कुडी	यांत्रिक
महेश कुमार	यांत्रिक
प्रदीप कुमार	यांत्रिक
रमेश कुमार	यांत्रिक
हीरा लाल	यांत्रिक
बी मणसा	यांत्रिक

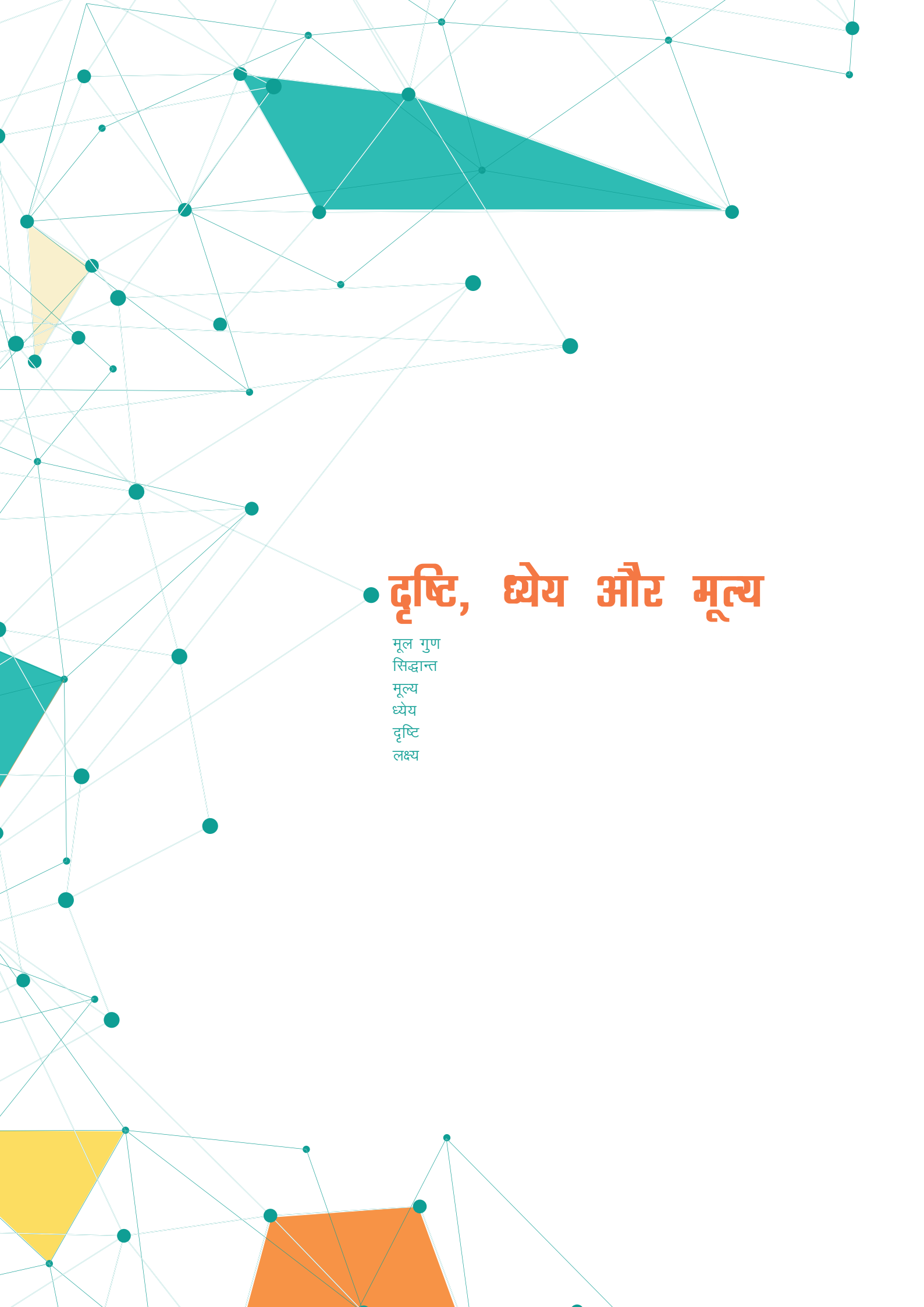
छात्र के नाम	विषय
शाह ध्येय मयंककुमार	यांत्रिक
कृष्ण कुमार मीणा	यांत्रिक
रौनक मेहता	यांत्रिक
उत्सव वाई मिस्त्री	यांत्रिक
श्रेयांश नाहर	यांत्रिक
जॉय नारंग	यांत्रिक
जी एन लक्ष्मी नरसिंहन	यांत्रिक
प्रसित पाल	यांत्रिक
उत्कर्ष प्रकाश पंचभाई	यांत्रिक
राजेश पाटीदार	यांत्रिक
ललित प्रजापत	यांत्रिक
विवेक प्रकाश	यांत्रिक
रांडद अक्षय पुरुशोत्तमजी	यांत्रिक
मेहता साहिल रमेश	यांत्रिक
हर्ष सोहम रवीन्द्र	यांत्रिक
गुप्ता हर्ष संजय	यांत्रिक
मयंक शेखर	यांत्रिक
महामुनि गौरव शिवहर	यांत्रिक
आकाश केशव सिंह	यांत्रिक
मिलन सिंह	यांत्रिक
सौरभ सिंघल	यांत्रिक
डुंगा सूजित	यांत्रिक
पचिपुलुसु साइ तेजा	यांत्रिक
इप्सित तिवारी	यांत्रिक
विशाल यादव	यांत्रिक

सत्र 2010

छात्र के नाम	विषय
पाटिल चेतन चंद्रकांत	रसायन
अक्षय कुमार	रसायन
पुनीत रावत	रसायन
आशीष कुमार सेहरा	विद्युत

सत्र 2009

छात्र के नाम	विषय
वद्वेश्वरम जशूवा	यांत्रिक



● दृष्टि, ध्येय और मूल्य

मूल गुण
सिद्धान्त
मूल्य
ध्येय
दृष्टि
लक्ष्य

दृष्टि, ध्येय एवं मूल्य

मूल विशेषताएँ

- एक सुरक्षित व शांत वातावरण
- समाज एवं छात्रों की बदलती जरूरतों के अनुरूप क्रियाएं
- शैक्षणिक स्वायत्तता व लचीलापन
- शोध परिवेश
- संकाय और छात्रों की प्रकृतिरू
 - संकाय नियुक्ति मापदंड भारत के ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों से कहीं ऊँचा है।
 - छात्रों का चयन सख्ती के साथ अंकतालिका के आधार पर होता है।
- समुदाय हितकारी नीतियों के साथ सर्वांगीण विकास
- आधारभूत सुविधाएं— प्रयोगशाला सुविधा को विश्वस्तरीय सुविधाओं के समकक्ष बनाने के लिए उदार निधि।
- प्रशासन— भा.प्रौ.सं.गाँधीनगर का विशिष्ट सरोकार व आंतरिक प्रबंधन
 - निदेशक को प्रशासनिक, वित्तीय व शैक्षणिक मामलों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त विशेषाधिकार प्राप्त हैं।
- आवासीय परिसर:
- छात्रों और संकाय के मध्य करीबी शैक्षणिक व सामाजिक मेल-मिलाप की ओर प्रेरित करता है।
 - ज्यादा घनिष्ठ सामुदायिक भावना का विकास करता है तथा एक दूसरे से सीखने का अवसर देता है।
 - सदैव शिक्षा का माहौल बनाए रखता है जिससे सभी की ओर से सृजनात्मकता आती है।

सिद्धान्त

- आजीवन सीखते रहने की प्रतिबद्धता
- योग्यता को बढ़ावा
- कार्य के प्रति उत्साह एवं अभिप्रेरणा
- व्यवसायिकता
- कानून का सम्मान
- सामाजिक सुधार से सरोकार
- संस्थान के कामकाज में पारदर्शिता
- संस्थान के प्रति समर्पण

मूल्य

- प्रतिभा
- अतुलनीय गुणवत्ता और उत्कृष्टता
- ईमानदारी, अखंडता, लगन और अनुशासन
- विश्वास व जवाबदेही युक्त आजादी
- सृजनात्मकता का प्रोत्साहन एवं समारोह
- नए विचारों का स्वागत और भूल होने की अनुमति
- सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी
- प्रत्येक व्यक्ति व विविधता का सम्मान
- सहयोग, सहयोजन व मिलकर कार्य करना

ध्येय

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर प्रौद्योगिकी व संबंधित क्षेत्रों में एक उच्चतर शिक्षण संस्थान के रूप में वर्तमान व भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए उच्च कोटि के वैज्ञानिकों, अभियंताओं व उद्दिष्टों के विकास की आकांक्षा रखता है। इससे बढ़कर महात्मा गाँधी की इस भूमि पर उनके उच्च नैतिक मूल्यों व समाज सेवा के भाव को ध्यान में रखते हुए भा.प्रौ.सं.गाँधीनगर शोध के लिए प्रथम कदम बढ़ाने और कठिनाइयों से उभारने वाले ऐसे उत्पाद विकसित करने की जिम्मेदारी लेता है जो हमारे समुदायों की जदिगी को बेहतर बनाएगी।

दृष्टि

- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर को ज्ञान अर्जित करने, शिक्षा व शोध के लिए एक दिलचस्प स्थान के रूप में ढालना।
- ज्ञान अर्जन करने वाली ऐसी व्यवस्था को स्थापित करना जो आजादी के साथ पूर्णता व आनन्द का अनुभव कराने वाली हो।
- एक ऐसा सुगम वातावरण तैयार करना जो समाला. चनात्मक व सृजनात्मक मस्तिष्क का परिपोषण करे और उत्कृष्टता तक ले जाने के लिए प्रेरित करे।
- एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो आने वाले कल के लिए अग्रणी अन्वेषक, वैज्ञानिक, अभियंता, उद्दिष्ट, शिक्षक तथा विचारक पैदा करे।
- छात्रों के लिए ऐसे अवसर प्रदान करना ताकि वे जहाँ से, जैसे भी और जो भी चाहें पढ़ सकें।
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर को भावी पीढ़ी के छात्रों, कर्मचारियों व संकायों के लिए वरीयता प्राप्त स्थान बनाना।

लक्ष्य

- एक विश्वस्तरीय संस्था का निर्माण व विकास करना जहाँ स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल स्तर पर ऐसा ज्ञान प्रदान किया जाए जो सम्पूर्ण मानवता के विकास के लिए योगदान दे।
- ऐसे दूरदर्शी नेतृत्व का विकास करना जिसमें सृजनात्मक सोच व सामाजिक जागरुकता हो और जो हमारे मूल्यों का आदर करे।
- सार्वभौमिक प्रभाव के लिए शिक्षण व शोध में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।
- राष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित करने वाले पथ-निर्धारक शोध के लिए संलग्नित रहना।
- सामाजिक समस्याओं के लिए चिर स्थायी रहने वाले प्रौद्योगिकी समाधान का लक्ष्य प्राप्त करना।
- सदा बने रहने वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी पर ध्यान बनाए रखना।
- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों में शैक्षणिक व औद्योगिकी सहयोग के क्षेत्र में अग्रणी बनना।
- ज्ञान अर्जित करने व शिक्षा देने के वास्तविक महत्व के प्रति जागरुकता पैदा करना।
- मूल्यों पर आधारित पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से स्थानीय विद्यालयों व समुदायों को समृद्ध करना।
- संस्थागत संस्कृति के एक हिस्से की तरह उत्तम भाषा-कौशल को प्रोत्साहन देना।
- छात्रों को न केवल उनकी पहली नियुक्ति के लिए अपितु उनकी अन्तिम नौकरी के लिए तैयार करना।





भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर
पालज, गांधीनगर – 382355

www.iitgn.ac.in

